वार्षिक रिपोर्ट
2021-22

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

युवा कार्यक्रम
और खेल मंत्रालय

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

वार्षिक रिपोर्ट

2021—22

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

विषय–सूची

संगठन i-vi

युवा कार्यक्रम विभाग

क्र.सं.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	प्रस्तावना	13
2.	राष्ट्रीय युवा नीति, 2014 (एनवाईपी–2014)	14
3.	विभाग की योजनाओं का पुनर्गठन	16
4.	नेहरु युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस)	18
5.	राष्ट्रीय युवा कोर (एनवाईसी)	34
6.	राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)	35
7.	राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान(आरजीएनआईवाईडी)	49
8.	राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम (एनपीवाईएडी)	59
9.	अंतरराष्ट्रीय सहयोग (आईसी)	61
10.	राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम (एनवाईएलपी)	64
11.	युवा छात्रावास	65
12.	स्काउटिंग और गाइडिंग संगठनों को सहायता	66

विषय–सूची

खेल विभाग

क्र.सं.	अध्याय का नाम	पृष्ठ संख्या
13.	खेल	69
14.	भारतीय खेल प्राधिकरण (साई)	72
15.	लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान, ग्वालियर (एनएनआईपीई)	101
16.	खेलो इंडिया योजना	111
17.	खेलकूद में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने से संबंधित योजनाएं	120
18.	खिलाड़ियों को प्रोत्साहन से संबंधित योजनाएं	131
19.	राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा)	140
20.	राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल)	142
21.	2020–21 के दौरान प्रमुख उपलब्धियां	144

विषय–सूची

अनुबंध

क्र.सं.	अनुबंध	पृष्ठ संख्या
I.	संगठनात्मक चार्ट	155
II.	बजट प्राकलन 2021–22 और संशोधित प्राकलन 2021–22 तथा बजट प्राकलन 2022–23 के लिए वित्तीय परिव्यय	157
III.	युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय से संबंधित नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के लंबित पैराओं तथा उनकी वर्तमान स्थिति का ब्यौरा दर्शाने वाला विवरण	159
IV	देश में युवा छात्रावासों का राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार विवरण	161
V	युवा छात्रावासों की सूची जिन्हें नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस)/भारतीय खेल प्राधिकरण (साई)/संबंधित राज्य सरकारों को हस्तांतरित किया गया है	162
VI	01.04.2021 से 31.12.2021 तक की अवधि के दौरान 'खेल आधारभूत ढ़ांचे का उपयोग और सृजन/उन्नयन' के अधीन जारी किए गए अनुदान का विवरण	163
VII	01.04.2021 से 31.12.2021 की अवधि के दौरान खेलो इंडिया योजना के अन्य कार्यक्षेत्रों के तहत जारी अनुदान का विवरण	168
VIII	राष्ट्रीय खेल संघ (एनएसएफ) द्वारा 01.04.2021 से 31.12.2021 तक किए गए व्यय का विवरण	169

संगठन

सचिवालय

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री, श्री अनुराग सिंह ठाकुर और माननीय युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री, श्री निसित प्रमाणिक के मार्गदर्शन में कार्य करता है।

अप्रैल, 2008 में, मंत्रालय के तहत दो पृथक विभाग नामतः युवा कार्यक्रम विभाग और खेल विभाग सृजित किए गए थे, इनमें से प्रत्येक विभाग भारत सरकार के एक सचिव के प्रभार के अंतर्गत कार्य करता है।

31.12.2021 को मंत्रालय में संयुक्त सचिवों के 4 स्वीकृत पदों में से, एक संयुक्त सचिव युवा कार्यक्रम विभाग का कार्य देखता है और दो संयुक्त सचिव खेल विभाग का कार्य देखते हैं। लेखा एवं लेखापरीक्षा से संबंधित मामले अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार के प्रभार के अंतर्गत हैं।

31.12.2021 की स्थिति के अनुसार, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की स्वीकृत संख्या 229 थी, जबकि पद पर आसीन कर्मचारियों की संख्या 169 थी, जिनमें 43 समूह 'क' पद, 74 समूह 'ख' पद (22 राजपत्रित और 52 अराजपत्रित), 52 समूह 'ग' पद शामिल हैं। मंत्रालय का संगठनात्मक चार्ट अनुबंध–। में दिया गया है।

सत्यमेव जयते

मंत्रालय के कार्य

भारत सरकार (कार्य नियतन) नियमावली, 1961 की द्वितीय अनुसूची में उल्लिखित दोनों विभाग अर्थात युवा कार्यक्रम विभाग और खेल विभाग के अंतर्गत निम्नलिखित विशिष्ट विषय आते हैंः–

(क) युवा कार्यक्रम विभाग

1. युवा कार्यक्रम/युवा नीति
2. नेहरू युवा केन्द्र संगठन
3. राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान
4. राष्ट्रीय सेवा योजना
5. स्वयंसेवी युवा संगठन, उन्हें वित्तीय सहायता सहित (युवा एवं किशोर विकास के लिए युवा संगठनों को वित्तीय सहायता)
6. राष्ट्रीय युवा कोर
7. राष्ट्रमंडल युवा कार्यक्रम तथा संयुक्त राष्ट्र स्वयंसेवक
8. युवा कल्याण कार्यकलाप, युवा महोत्सव इत्यादि (राष्ट्रीय युवा महोत्सव)
9. बाल स्काउट्स तथा बालिका गाइड
10. युवा छात्रावास
11. राष्ट्रीय युवा पुरस्कार (राष्ट्रीय युवा पुरस्कार और तेनजिंन नोर्गे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार)
12. पूर्ववर्ती राष्ट्रीय अनुशासन स्कीम के शेष कार्य
13. विदेशों के साथ युवा प्रतिनिधिमंडलों का आदान–प्रदान

(ख) खेल विभाग

1. खेल नीति
2. खेल–कूद
3. खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय कल्याण कोष
4. नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान
5. भारतीय खेल प्राधिकरण
6. भारतीय ओलंपिक संघ तथा राष्ट्रीय खेल परिसंघों से जुड़े मामले
7. विदेशों में टूर्नामेंटों में भारतीय खेल टीमों की भागीदारी तथा भारत में अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों में विदेशी खेल टीमों की भागीदारी
8. अर्जुन पुरस्कारों सहित राष्ट्रीय खेल पुरस्कार
9. खेल छात्रवृत्तियां
10. विदेशों के साथ खिलाड़ियो, विशेषज्ञों तथा टीमों का आदान–प्रदान
11. खेल अवसंरचना के सृजन व विकास के लिए सहायता सहित खेल अवसंरचना
12. कोचिंग, टूर्नामेंटों, उपकरण इत्यादि के लिए वित्तीय सहायता
13. संघ राज्य क्षेत्रों से जुड़े खेल मामले
14. शारीरिक शिक्षा

अधीनस्थ कार्यालय/स्वायत्तशासी संगठन

युवा कार्यक्रम विभाग

इस विभाग का एक अधीनस्थ कार्यालय अर्थात राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और दो स्वायत्तशासी संगठन अर्थात नेहरू युवा केन्द्र संगठन (एनवाईकेएस), नई दिल्ली और राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी) श्रीपेरम्बदूर, तमिलनाडु हैं, (जिन्हें

2012 में संसद के अधिनियम द्वारा राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में अधिसूचित किया गया है)।

खेल विभाग

खेल विभाग के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन निम्नलिखित स्वायत्त संगठन कार्यरत हैं:–

(i) भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई),

(ii) लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई), ग्वालियर, मध्य प्रदेश

(iii) राष्ट्रीय डोप रोधी एजेंसी (नाडा)।

(iv) राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयागेशाला (एनडीटीएल)।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग का प्रतिनिधित्व

मंत्रालय में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित 65 कार्मिक हैं। समूह ''क'' के पदों में 10 अधिकारी अनुसूचित जाति तथा 6 अधिकारी अन्य पिछड़ा वर्ग के हैं। समूह ''ख'' के पदों में, 8 अधिकारी अनुसूचित जाति श्रेणी, से 02 अधिकारी अनुसूचित जनजाति श्रेणी से और 12 अधिकारी अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी से हैं। समूह ''ग'' के पदों में, 8 कार्मिक अनुसूचित जाति श्रेणी से और 3 कार्मिक अनुसूचित जनजाति श्रेणी और 16 कार्मिक अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी से हैं।

बजट आबंटन

2021–22 के लिए मंत्रालय का कुल बजट आबंटन (बीई) 2596.14 करोड़ रूपए है और 2021–22 के लिए संशोधित बजट आबंटन (आरई) 2757.02 करोड़ रू. है। 2022–23 के लिए, बजट आकलन (बीई) 3062.60 करोड़ रूपए है जिसमें राजस्व के लिए 3057.28 करोड़ रू. और पूंजीगत के लिए 5.32 करोड़ रूपए शामिल है। ब्यौरा **अनुबंध–II** में दिया गया है।

हिंदी का प्रगामी प्रयोग

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय में रोजमर्रा के सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रगामी

प्रयोग को बढावा देने तथा संघ की राजभाषा नीति और इसके तहत बनाए गए राजभाषा नियमों

का कार्यान्वयन करने के लिए हिंदी अनुभाग में उप–निदेशक(रा.भा.) का एक पद, सहायक निदेशक (रा.भा.) का एक पद, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी के दो पद, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी के दो पद और अन्य सहायक कर्मचारियों के पद स्वीकृत किए गए हैं। मंत्रालय में संयुक्त सचिव (युवा कार्यक्रम) की अध्यक्षता में एक राजभाषा कार्यान्वयन समिति का गठन किया गया है जिसकी नियमित बैठकें आयोजित की जाती हैं।

इस वर्ष के दौरान 14–27 सितम्बर, 2021 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। इस अवधि के दौरान 7 हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और 42 अधिकारियों/कर्मचारियों को पुरस्कार दिए गए। इसके अतिरिक्त, मंत्रालय के अधिकारियों और कर्मचारियों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने की दृष्टि से, वर्ष दर वर्ष आधार पर दो योजनाएं लागू की जा रही हैं यथा अधिकारियों द्वारा हिंदी में डिक्टेशन देने के लिए प्रोत्साहन योजना तथा सरकारी काम–काज में मूल हिन्दी टिप्पण/आलेखन हेतु प्रोत्साहन योजना। सरकारी काम–काज में मूल हिन्दी टिप्पण/आलेखन हेतु प्रोत्साहन योजना के तहत इस वर्ष 4 अधिकारियों/कर्मचारियों ने पुरस्कार प्राप्त किए। माननीय युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) की ओर से हिंदी में अधिकाधिक कार्य करने के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु हिंदी संदेश परिचालित किया गया।

वर्ष के दौरान संसदीय राजभाषा समिति की पहली उप समिति द्वारा मंत्रालय के 07 संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों का राजभाषायी निरीक्षण किया गया। मंत्रालय के अधिकारियों ने हिंदी के प्रगामी प्रयोग का मूल्यांकन करने के लिए 10 अधीनस्थ और सम्बद्ध कार्यालयों का निरीक्षण किया।

अपनी वेबसाइट है जो द्वि भाषी (हिंदी और अंग्रेजी) है जिसे नियमित रूप से अद्यतन किया जाता है।

सतर्कता प्रकोष्ठ

मंत्रालय में अवधि (अप्रैल, 2019 से दिसम्बर, 2019) के

दौरान मंत्रालय की सीवीओ एवं सचिव (युवा कार्यक्रम) तथा सचिव (खेल) के अधीन एक सतर्कता प्रकोष्ठ ने कार्य किया।

मंत्रालय का मुख्य सतर्कता अधिकारी मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में अधीनस्थ तथा स्वायतशासी संगठनों (भारतीय खेल प्राधिकरण तथा नेहरू युवा केंद्र संगठन को छोड़कर) के लिए नोडल अधिकारी के रूप में भी कार्य करता है और इन संगठनों से संबंधित सतर्कता के मामले सीवीओ, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की सिफारिश के साथ सीवीसी को भेजे जाते हैं। सीवीओ इन सभी मामलों में सीवीसी को संबद्ध संगठन के परामर्श से आवश्यक स्पष्टीकरण प्रदान करता है। मंत्रालय के तहत संबद्ध संगठनों के पुराने सतर्कता मामलों की समीक्षा हेतु सीवीसी द्वारा आयोजित बैठकों में मंत्रालय के सीवीओ द्वारा भाग लिया जाता है तथा सीवीसी के निर्देशानुसार मामलों को शीघ्रता से निपटाया जाता है। इस अवधि के दौरान, 20 अन्य मामलों में कार्रवाई की गई है/उन्हें निपटाया गया है और कुछ राष्ट्रमंडल खेलों के मामलों में अंतिम रिपोर्ट सीवीसी को प्रस्तुत की गई है। इस अवधि के दौरान, सीवीसी से 7 शिकायतें और अन्य स्रोतों से 24 शिकायतें सतर्कता अनुभाग में प्राप्त हुईं और निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुसार उनमें कार्रवाई की गईं और उचित कार्रवाई के लिए पालन की गयी।

सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता, जवाबदेही पर जोर देने के लिए, सीवीसी उनमें अनुवर्ती कार्रवाई जागरूकता बढ़ाने के प्रति कटिबद्ध है और यह भी आशा करता है कि सतर्कता प्रयासों में सार्वजनिक संगठनों द्वारा सकारात्मक योगदान प्रदान किया जाएगा।

मंत्रालय में 26 अक्तूबर, 2021 से 1 नवंबर, 2021 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। जागरूकता सप्ताह–2021 के दौरान निम्नलिखित कार्यकलाप किए गए:

(i) सप्ताह युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के अधिकारियों द्वारा फिजीकली और वर्चुअली: दोनों तरह से सत्यनिष्ठा की शपथ लेने के साथ शुरू हुआ। सचिव (वाईए); मंत्रालय के सीवीओ और अधिकारियों द्वारा प्रतिज्ञा लेते हुए वीडियो इस मंत्रालय के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर गया।

(ii) निवारक सतर्कता के उपाय के रूप में, इस मंत्रालय के कर्मचारियों को 'क्या करें और क्या न करें' की एक सूची परिचालित की गई।

(iii) जागरूकता पैदा करने के लिए गत वर्ष की सर्वश्रेष्ठ स्लोगन प्रतियोगिता पर आधारित रचनात्मक कृतियां प्रसारित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर परिचालित की गई और बैनर और पोस्टर भी प्रदर्शित किए गए।

(iv) उपरोक्त के अलावा सर्तकता जागरूकता सप्ताह–2021 के दौरान वर्चुअल रूप से निम्नलिखित चार प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं:–

क. स्वतंत्र भारत के 75 वर्ष : सत्यनिष्ठा से आत्मनिर्भरता विषय पर निबंध प्रतियोगिता

ख. ''भ्रष्टाचार से लड़ने में आम आदमी की भूमिका है'' विषय पर वाद–विवाद प्रतियोगिता

ग. ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता।

घ. सर्वश्रेष्ठ स्लोगन लेखन प्रतियोगिता

सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2021 प्रतियोगिताओं के दौरान कुल मिलाकर 97 अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया और 32 विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए।

महिला कर्मचारियों के यौन उत्पीड़न संबंधी शिकायत समिति

विशाखा एवं अन्य बनाम राजस्थान राज्य और अन्य के मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय में दिए गए निर्देशों के अनुसरण में, मंत्रालय में महिला कर्मचारियों के यौन उत्पीड़न की शिकायतों की जांच के लिए युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय में एक आन्तरिक शिकायत समिति गठित की गई है। मंत्रालय के मुख्य सचिवालय के संबंध में समिति को वर्ष 2021–22 के दौरान कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

सूचना का अधिकार और जन शिकायत प्रकोष्ठ

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अंतर्गत सभी आवेदनों को इस मंत्रालय के सूचना का अधिकार प्रकोष्ठ में केन्द्रीय रूप से प्राप्त किया जाता है जिसके प्रभारी एक अनुभाग अधिकारी हैं और इसका समन्वय अवर सचिव द्वारा किया जाता है। आवेदन, निर्धारित समय के भीतर याचिकाकर्ता को उचित उत्तर भेजने के लिए संबंधित सीपीआईओ को अग्रेषित किए जाते हैं। चालू

वित्त वर्ष के दौरान मंत्रालय द्वारा 948 आरटीआई आवेदन प्राप्त हुए और निपटाए गए। इसी प्रकार मंत्रालय में 111 अपीलें प्राप्त हुई और तदनुसार निपटाई गई। सूचना का अधिकार

अधिनियम, 2005 की धारा 5(1) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में, मंत्रालय ने अवर सचिव के स्तर पर विषय–वार जन सूचना अधिकारियों को नियुक्त किया है। उक्त अधिनियम के अंतर्गत उप सचिव/निदेशक /संयुक्त सचिव स्तर पर अपील प्राधिकारी नियुक्त किए गए हैं। ब्यौरों को मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट पर भी डाला जाता है। इसी प्रकार, सभी जन शिकायतें केन्द्रीय रूप से जन शिकायत प्रकोष्ठ में प्राप्त की जाती हैं। उप सचिव (आरटीआई/पीजी) को मंत्रालय में जन शिकायत अधिकारी के रूप में नामित किया गया है।

लंबित लेखा परीक्षा पैरा

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के लंबित लेखापरीक्षा पैरा/टिप्पणियों का विवरण अनुबंध–III में दिया गया है।

सत्यमेव जयते

युवा कार्यक्रम विभाग

अध्याय – 1

प्रस्तावना

विश्वभर में भारत की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश है। यह जनसांख्यिकीय लाभांश, कार्य भागीदारी और निर्भरता अनुपात पर इसके प्रभाव के आलोक में, हमारे देश की वृद्धि और विकास के संदर्भ में अवसर की एक आशा है, ऐसा अवसर जिसे समय निकलने से पहले लाभ उठाने की आवश्यकता होगी। यह समावेशी विकास और अन्तर को पाटने की आवश्यकता के संदर्भ में चुनौतियां पेश करता है। इस पार क्षेत्र कार्यक्रमों के लिए अपेक्षाओं और युवाओं की सेवाओं को बहु–आयामी तरीके से लेने के लक्षित विविध उपायों और कार्यक्रमों की आवश्यकता है।

युवाओं की उपयोगी और रचनात्मक ऊर्जा का बेहतर दोहन करने के लिए, युवा कार्यक्रम विभाग व्यक्तित्व–निर्माण और राष्ट्र–निर्माण के दोहरे उद्देश्यों पर कार्य करता है, अर्थात युवाओं के व्यक्तित्व का विकास करना और उन्हें विभिन्न राष्ट्र–निर्माण गतिविधियों में शामिल करना। विभाग ने "किशोरों"/को युवाओं के एक महत्वपूर्ण वर्ग के रूप में स्वीकार भी किया है। युवाओं से संबंधित अधिकांश मुद्दे अन्य मंत्रालयों/विभागों के कार्य हैं, जैसे शिक्षा, रोजगार और प्रशिक्षण, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण आदि। इसके अलावा, राज्य सरकारें और कई अन्य हितधारक भी युवा विकास में सहायता करने गैर–उपयोगी युवा भागीदारी में सहायता करने के लिए काम कर रहे हैं। युवा कार्यक्रम विभाग की भूमिका एक सूत्रधार और उत्प्रेरक एजेंट के रूप में कार्य करना है।

अध्याय – 2

राष्ट्रीय युवा नीति, 2014

राष्ट्रीय युवा नीति, 2014 (एनवाईपी–2014) में भारत के युवाओं के समग्र विकास के लिए पूरे राष्ट्र की वचनबद्धता को दोहराया गया है ताकि वे अपनी क्षमता का पूरा लाभ उठा सके और राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में उपयोगी रूप से योगदान दे सकें।

राष्ट्रीय युवा नीति, 2014 (एनवाईपी–2014) पूर्ववर्ती राष्ट्रीय युवा नीति, 2003 को प्रतिस्थापित करते हुए फरवरी, 2014 में आरंभ की गई थी। राष्ट्रीय युवा नीति, 2014 को सभी हितधारकों के साथ गहन परामर्शों के पश्चात अंतिम रूप दिया गया। यह नीति "युवा" को 15–29 वर्ष के आयु समूह में व्यक्तियों के रूप में परिभाषित करती है।

परिकल्पना, उद्देश्य और प्राथमिकता के क्षेत्र

एनवाईपी–2014 में भारत के युवाओं के लिए एक समग्र "परिकल्पना" का प्रस्ताव किया गया है जो "देश के युवाओं को अपनी पूर्ण क्षमता प्राप्त करने हेतु सशक्त बनाना तथा उनके माध्यम से भारत को राष्ट्रों के समुदाय में अपना सही स्थान पाने के लिए समर्थ बनाना के लिए है।"

इस परिकल्पना को पूरा करने के लिए एनवाईपी–2014 में स्पष्ट रूप से परिभाषित 5 'उद्देश्यों', जिन पर कार्य करने की जरूरत है, व प्रत्येक उद्देश्य के अंतर्गत 'प्राथमिकता क्षेत्र' की पहचान की गई है। एनवाईपी–2014 के अंतर्गत चिन्हित उद्देश्य और प्राथमिकता क्षेत्र निम्नानुसार हैः

	उद्देश्य	प्राथमिकता
1.	ऐसा उपयोगी कार्यबल तैयार करना जो भारत के आर्थिक विकास में सतत रूप से योगदान दे सकता है	1. शिक्षा 2. रोजगार और कौशल विकास 3. उद्यमशीलता
2.	भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए सुसज्जित एक मजबूत और स्वस्थ पीढ़ी तैयार करना	4. स्वास्थ्य एवं स्वस्थ जीवन शैली 5. खेल
3.	राष्ट्रीय स्वामित्व का निर्माण करने के लिए सामाजिक मूल्यों को समाविष्ट करना तथा समुदाय सेवा का संवर्धन करना	6. सामाजिक मूल्यों का संवर्धन 7. समुदाय भागीदारी
4.	शासन के स्तरों पर भागीदारी तथा नागरिक सहयोग को सुकर बनाना	8. राजनीति और अभिशासन में भागीदारी 9. युवा भागीदारी
5.	जोखिम में युवाओं की सहायता करना तथा सभी लाभ वंचित और उपेक्षित युवाओं के लिए समान अवसर पैदा करना	10. समावेशन 11. सामाजिक न्याय

एनवाईपी–2014 के अंतर्गत सिफारिश किए गए नीतिगत उपाय

एनवाईपी–2014 में सभी 11 चिन्हित प्राथमिकता क्षेत्रों के तहत नीतिगत उपायों की सिफारिश की गई है। यह वर्तमान स्थिति के गहन विश्लेषण और भविष्य की आवश्यकताओं पर आधारित है। संक्षिप्त रूप में इन्हें नीचे दिया गया है:

क्र.सं.	प्राथमिकता क्षेत्र	सुझाए गए उपाय
1.	शिक्षा	• तंत्र की क्षमता और गुणवत्ता का निर्माण • कौशल विकास और जीवन पर्यन्त शिक्षण का संवर्धन
2.	रोजगार और कौशल विकास	• लक्षित युवा सम्पर्क और जागरूकता • तंत्र और हितधारियों के बीच संपर्क बनाना • अन्य भागीदारों की तुलना में सरकार की भूमिका परिभाषित करना
3.	उद्यमशीलता	• लक्षित युवा सम्पर्क कार्यक्रम • क्षमता निर्माण के लिए प्रभावी कार्यक्रमों में वृद्धि करना • युवा उद्यमशीलता के लिए कार्यक्रम तैयार करना • वृहत मॉनीटरिंग तथा मूल्यांकन प्रणाली क्रियान्वित करना
4.	स्वास्थ्य एवं स्वस्थजीवन शैली	• सेवा प्रदायगी में सुधार करना • स्वास्थ्य, पोषण और उपचारात्मक देखभाल के प्रति जागरूकता • युवाओं के लिए लक्षित रोग नियंत्रक कार्यक्रम
5.	खेल	• खेल सुविधाओं और प्रशिक्षण तक अधिक पहुंच • युवाओं में खेल संस्कृति का संवर्धन • प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए सहायता और विकास
6.	सामाजिक मूल्यों	• मूल्य आधारित शिक्षा प्रणाली को औपचारिक बनाना
	कासंवर्धन	• युवाओं के लिए भागीदारी कार्यक्रमों को सुदृढ़ बनाना • मूल्यों और सद्भावना के प्रसार के लिए कार्यरत गैर–सरकारी संगठनों और लाभकारी संगठनों को सहायता प्रदान करना
7.	समुदाय भागीदारी	• मौजूदा समुदाय विकास संगठनों को सुदृढ़ करना • सामाजिक उद्यमशीलता का संवर्धन करना
8.	राजनीति औरशासन में भागीदारी	• राजनीतिक तंत्र से बाहर युवाओं की भागीदारी • ऐसा शासन तंत्र तैयार करना जिसका युवा सदुपयोग कर सके • शहरी अभिशासन में युवा भागीदारी का संवर्धन करना
9.	युवा भागीदारी	• युवा विकास योजनाओं की प्रभाविता का आकलन और निगरानी • युवाओं के साथ भागीदारी के लिए मंच तैयार करना
10.	समावेशन	• लाभ वंचित युवाओं के लिए भागीदारी और क्षमता निर्माण • संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में युवाओं के लिए आर्थिक अवसर सुनिश्चित करना • दिव्यांग युवाओं को सहायता के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण प्रदान करना • युवाओं को जोखिम से बचाने के लिए जागरूकता एवं अवसर प्रदान करना
11.	सामाजिक न्याय	• सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए युवाओं का उपयोग करना • सभी स्तरों पर न्याय तक पहुंच को सुदृढ़ करना

अध्याय – 3

स्कीमों का पुनर्गठन

पुनर्गठन से पहले स्कीमों की स्थिति

2015–16 तक, विभाग 10 स्कीमों का कार्यान्वयन कर रहा था, नामतः

(क) नेहरू युवा केन्द्र संगठन (एनवाईकेएस)

(ख) राष्ट्रीय युवा कोर (एनवाईसी)

(ग) राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)

(घ) राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी)

(ड.) राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम (एनपीवाईएडी)

(च) अंतरराष्ट्रीय सहयोग

(छ) युवा छात्रावास (वाईएच)

(ज) स्काउटिंग एवं गाइडिंग संगठनों को सहायता

(झ) राष्ट्रीय अनुशासन योजना (एनडीएस)

(ञ) राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम (एनवाईएलपी)

उपरोक्त स्कीमों में से, राष्ट्रीय अनुशासन योजना (एनडीएस) एक योजनेतर स्कीम थी और बाकी 9 स्कीमें योजनागत स्कीम थी। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) 2015–16 तक केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजना थी परंतु इसे 01.04. 2016 से केन्द्रीय क्षेत्र की योजना बना दिया गया है। बाकी सभी स्कीम केन्द्रीय क्षेत्र की स्कीम हैं। राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी) आरजीएनआईवाईडी अधिनियम, 2012 (संसद का अधिनियम) द्वारा एक सांविधिक निकाय है। इन स्कीमों में से कुछ स्कीम काफी छोटी योजनाएं की हैं जिनमें परिव्यय 10 करोड़ रूपए से कम था।

01.04.2016 से स्कीमों का पुनर्गठन

मानव संसाधन विकास संबंधी विभागीय संसदीय स्थायी समिति विभाग की स्कीमों के आमेलन/समेकन पर जोर देती रही है ताकि उनकी प्रभाविता में वृद्धि की जा सके। वित्त मंत्रालय, भारत सरकार ने भी विभाग को बेहतर तालमेल और संसाधनों के अधिक प्रभावी उपयोग के लिए स्कीमों को कुछ सुसंगत स्कीमों में पुनर्गठित करने की सलाह दी थी ताकि बेहतर तालमेल हो और संसाधनों का प्रभावी उपयोग हो। तदनुसार, समुचित विचार करने के पश्चात युवा कार्यक्रम विभाग ने विभाग द्वारा कार्यान्वित सभी योजनाओं को 01.04.2016 से निम्नानुसार 3 स्कीमों में पुनर्गठित/समेकित कर दिया है:

क्रम. सं.	स्कीमों का नाम (पुनर्गठन से पहले)	स्कीमों का नाम (पुनर्गठन से बाद)
1.	नेहरू युवा केन्द्र संगठन (एनवाईकेएस)	'राष्ट्रीय युवा सशक्तीकरण कार्यक्रम (आरवाईएसके)'' नामक एक नई 'अम्ब्रेला' स्कीम में आमेलित
2.	राष्ट्रीय युवा कोर (एनवाईसी)	
3.	राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम (एनपीवाईएडी)	
4.	अंतरराष्ट्रीय सहयोग	
5.	युवा छात्रावास (वाईएच)	
6.	स्काउटिंग एवं गाइडिंग संगठनों को सहायता	
7.	राष्ट्रीय अनुशासन योजना (एनडीएस)	
8.	राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम (एनपीवाईएडी)	

9.	राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)	राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)
10.	राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी)	राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी)

इस प्रकार, यह उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी) को उनके संचालनात्मक ढांचे की विशिष्ट प्रकृति के कारण अलग योजनाओं के रूप में यथावत रखा गया है, बाकी सभी योजनाओं को ''राष्ट्रीय युवा सशक्तिकरण कार्यक्रम (आरवाईएसके)'' नामक एकछत्र योजना में आमेलित कर दिया गया है, जो अब युवाओं के सशक्तिकरण के लिए विभाग के प्रमुख कार्यक्रम के रूप में कार्य करेगी ताकि युवाओं को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में योगदान हेतु उनकी क्षमताओं के दोहन हेतु उन्हें समर्थ बनाया जा सके। कई स्कीमों को एकल स्कीम में आमेलित करने से अन्यों के साथ–साथ निम्नलिखित लाभ होंगे:

(क) पूर्व में केवल एनवाईकेएस और एनवाईसी (जिन्हें प्रशासनिक रूप से पहले ही समेकित कर दिया गया था) की फील्ड स्तर पर प्रशासनिक उपस्थिति थी। अन्य कार्यक्रमों की जमीनी उपस्थिति नहीं थी। अतः उनका अकेले–अकेले कार्यक्रम के रूप में कार्यान्वयन करने से उनके प्रभावी कार्यान्वयन और पर्यवेक्षण में समस्या उत्पन्न हुई। कार्यक्रमों को नई अम्ब्रेला योजना में आमेलित करने से विभाग को अन्य कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए एनवाईकेएस/ एनवाईसी के प्रशासनिक ढ़ांचे का प्रयोग करने में सहायता मिलती है।

(ख) एनपीवाईएडी के तहत युवा विकास कार्यक्रमों के लिए एनजीओ को सहायता दी जाती है।

इस कार्यक्रम का एनवाईकेएस/एनवाईसी के साथ समेकन करने से विभाग को एनजीओ को दी गयी सहायता के अन्तर्गत किए गए कार्यकलापों की प्रभावी निगरानी हेतु एनवाईकेएस ढांचा तैयार करने में सहायता मिलती है। इसके अलावा यह सुनिश्चित करना भी संभव होगा कि एनवाईकेएस ढांचा (एनवाईकेस कार्यालय/राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक तथा युवा कलब) और एनजीओ एक दूसरे के घनिष्ट सहयोग में कार्य करें जो कार्यक्रम के कार्यान्वयन की प्रभाविता में सुधार करेगा। विभाग द्वारा सहायता प्राप्त स्काउटिंग और गाइडिंग संगठनों के कार्यकलापों की नजदीक से निगरानी करना भी संभव हो सकेगा।

(ग) विभाग के 84 संचालनरत युवा छात्रावास हैं जिनकी स्थापना देश में युवा यात्रा का संवर्धन करने के उद्देश्य से की गई है। युवा छात्रावासों का प्रबंधन सीधे विभाग से किया जाता है। इसके परिणामस्वरूप, निरन्तर पर्यवेक्षण संभव नहीं हो पाया है। छात्रावासों की क्षमता का पूरी तरह से प्रयोग नहीं किया जा रहा है। एनवाईकेएस के साथ युवा छात्रावास कार्यक्रम का समेकन जमीनी स्तर पर एनवाईकेएस कार्यकर्ताओं के जरिए युवा छात्रावासों के प्रभावी प्रबंधन में सहायक होगा।

(घ) 'अंतरराष्ट्रीय सहयोग' में विभिन्न देशों के साथ युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम शामिल है। विभिन्न देशों के युवा प्रतिनिधिमंडल ने भारत का दौरा करते हैं और उन्हें दर्शनीय स्थान दिखाने के लिए और भारतीय युवाओं के साथ बातचीत करने के लिए विभिन्न शहरों को ले जाया जाता था। इन कार्यक्रमों को एनवाईकेएस के साथ समेकन, जमीनी स्तर पर अधिक प्रभावी तरीके से इन कार्यक्रमों का आयोजन करने में सहायक होगा।

(ड.) राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम (एनवाईएलपी), जिसमें पड़ोस में युवा संसद, श्रमदान और राष्ट्रीय युवा विकास निधि की सहायता से युवा विकास सहित महत्वपूर्ण घटक हैं, भी एनवाईकेएस के पूर्ण समेकन से लाभांवित होंगे, चूंकि एनवाईकेएस प्रशासनिक ढांचा तब इस कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए पूरी तरह से प्रयोग किया जा सकेगा।

(च) चूंकि पूर्ण प्रशासनिक/कार्यान्वयन ढ़ांचा विभाग को इस प्रमुख योजना के भाग के रूप में उपलब्ध होगा, भविष्य में युवा विकास/सशक्तिकरण के लिए आवश्यक माने जाने वाला कोई नया कदम अकेले नई छोटी स्कीम आरंभ करने के बजाय इस अम्ब्रेला स्कीम के भाग के रूप में किया जा सकता है।

'राष्ट्रीय युवा सशक्तिकरण कार्यक्रम (आरवाईएसके)' और अन्य स्कीमों; एनएसएस और (आरजीएनआईवाईडी) के विभिन्न घटकों के कार्यान्वयन के ब्यौरे आगे अध्यायों में दिए गए हैं।

अध्याय – 4

नेहरू युवा केंद्र संगठन

प्रस्तावना

1972 में आरंभ किया गया नेहरु युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) विश्व में सबसे बड़े युवा संगठनों में से एक है। एनवाईकेएस 623 जिलों में नेहरू युवा केंद्रों के माध्यम से कार्य कर रहा है। इसका उद्देश्य युवाओं के व्यक्तित्व का विकास करना तथा उन्हें राष्ट्र निर्माण के कार्यकलापों में शामिल करना है।

एनवाईकेएस के कार्यकलापों के फोकस क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता, पर्यावरण, सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता, महिला सशक्तिकरण, नागरिक शिक्षा, आपदा राहत एवं पुनर्वास आदि शामिल हैं। नेहरु युवा केंद्रों से जुड़े युवा न केवल सामाजिक रूप से जागरूक और प्रेरित हैं बल्कि स्वयंसेवी प्रयासो के माध्यम से सामाजिक विकास के कार्यों के प्रति भी समर्पित हैं।

उद्देश्य

एनवाईकेएस का मुख्य उद्देश्य देश के ग्रामीण युवाओं को संघटित करना, प्रेरित करना, संगठित करना और गांव–आधारित युवा क्लबों के रूप में लोकतांत्रिक संस्थागत तंत्र विकसित करने के लिए उनकी क्षमताओं को बढ़ाना, उन्हें उपयोगी और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए सशक्त बनाना, समानता और स्वैच्छिकता की भावना के साथ सामुदायिक विकास और राष्ट्र निर्माण गतिविधियों की प्रक्रिया में स्थानीय नेतृत्व को सक्रिय भागीदार के रूप में कार्य करने का दायित्व सौंपना है।

एनवाईकेएस के कार्यक्रम/कार्यकलाप

नेहरू युवा केन्द्र संगठन द्वारा निष्पादित किये जाने वाले कार्यक्रमों/कार्यकलापों को मोटे तौर पर निम्न श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा सकता है, नामतः

क) एनवाईकेएस द्वारा अपने बजटीय संसाधनों (युवा कार्यक्रम विभाग द्वारा जारी ब्लॉक अनुदान) से कार्यान्वित मुख्य कार्यक्रम।

ख) युवा कार्यक्रम विभाग की स्कीम अर्थात एनपीवाईएडी (राष्ट्रीय युवा और किशोर विकास कार्यक्रम) और एनवाईएलपी (राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम)

ग) युवा विकास और सशक्तीकरण के लिए अन्य मंत्रालयों/संगठनों के सहयोग/ वित्त–पोषण से आयोजित परियोजनाएं।

घ) विभिन्न विकास विभागों/एजेंसियों के साथ स्वैच्छिक आधार पर समन्वय/कार्यकलाप।

कार्यक्रम, जिला एनवाईकेएस से संबद्ध युवा क्लबों (वर्तमान में देश भर में 49.50 लाख युवाओं की सदस्यता के साथ 2.63 लाख यूथ क्लब हैं), राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक और विभिन्न विकास विभाग, एजेंसियों, जिला और राज्य स्तर पर चुने गए स्थानीय निकाय और अन्य हितधारकों की सहभागिता और सक्रिय भागीदारी के साथ जिला और राज्य स्तर पर कार्यान्वित किए जाते हैं।

क) एनवाईकेएस के मुख्य कार्यक्रम

ऐसे मुख्य कार्यक्रम हैं जो प्रत्येक वर्ष वार्षिक कार्य योजना के रूप में विकसित किए जाते हैं और एनवाईकेएस के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की मंजूरी के बाद इन्हे अंतिम रूप दिया जाता है। ये युवा कार्यक्रम विभाग के ब्लॉक अनुदान के माध्यम से वित्त पोषित हैं और देशभर में सभी 623 जिलों में समान हैं, जहां एनवाईकेएस की भारत में उपस्थिति है। हालाँकि, किसी जिले में मुख्य कार्यक्रमों की संख्या उसके आकार अर्थात किसी जिले में ब्लॉक की संख्या पर निर्भर करती है।

जनवरी, 2021 से दिसंबर, 2021 के दौरान एनवाईकेएस द्वारा कार्यान्वित प्रत्येक मुख्य कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण निम्नलिखित है:

1. **युवा क्लब विकास कार्यक्रम अभियान :** इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा क्लबों के मौजूदा नेटवर्क को मजबूत करना, नए युवा क्लबों का गठन करना और नए सदस्यों का पंजीकरण करना है, जिसमें समाज के सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व हो। यह ब्लॉक स्तर पर 1 दिवसीय कार्यक्रम है जिसमें एनवाईकेएस युवा क्लब के 80–100 युवा नेता शामिल हैं। कार्यक्रम के दौरान युवा नेता, निष्क्रिय युवा क्लबों की सक्रियता, बिना पहुंच वाले गांवों में

नए युवा क्लबों का गठन और समाज के सभी वर्गों के प्रतिनिधित्व के साथ युवा क्लबों के मौजूदा नेटवर्क को मजबूत करने पर प्रशिक्षित किए जाते हैं। ये युवा नेता युवा क्लब अभियान को मजबूत करने के लिए गांवों में ग्राम पंचायत प्रधानों और सदस्यों और अन्य महत्वपूर्ण नेताओं के साथ मिलने और बातचीत करने के लिए प्रेरित किए जाते हैं। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान ऐसे 2,385 कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें 2,96,625 युवा नेताओं ने भाग लिया।

2. **खेलों का संवर्धन (युवा क्लबों को खेल सामग्री)**: कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं के बीच खेल संस्कृति का विकास करना है। कार्यक्रम के दो घटक हैं, अर्थात (i) युवा क्लबों को खेल सामग्री प्रदान करना और (ii) ब्लॉक और जिला स्तर पर खेल प्रतियोगिताएं आयोजित करना

- 924 एनवाईकेएस युवा क्लबों को खेल सामग्री प्रदान की गई है।
- 55,847 युवाओं को शामिल करते हुए ब्लॉक स्तर पर 503 खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं
- जिला स्तर पर 16 खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिसमें 2,154 युवा शामिल थे

3. **मूल व्यवसायों में शिक्षा**: इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को बुनियादी व्यवसाय में शिक्षित करना और समाज में उनके आत्म सम्मान को बढ़ाना है; अन्य एजेंसियों से कौशल विकास प्रशिक्षण लेने के लिए उनका मार्गदर्शन करने और युवा महिलाओं और पुरुषों को उनके दैनिक जीवन में सामना करने वाले मुद्दों और चिंताओं का समाधान करने के लिए सशक्त करना है। स्थानीय प्रशिक्षकों के सहयोग से कई प्रकार के बुनियादी व्यावसायिक पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम में 25 युवाओं (80 प्रतिशत लड़कियों और 20 प्रतिशत लड़कों) का पंजीकरण किया जाता है और प्रतिभागियों की स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार पाठ्यक्रमों को चिन्हित किया जाता है। कार्यक्रम/पाठ्यक्रम की अवधि अधिकतम 3 महीने है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान 1,529 मूल व्यवसाय केन्द्र में चलाए जा रहे हैं जिनमें 39,051 युवा भाग ले रहे हैं।

4. **लोक कला और संस्कृति का संवर्धन**: इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को अपनी लोक सांस्कृतिक प्रतिभा को प्रदर्शित करने और उस के संरक्षण और संवर्धन में सहायता करना है। यह एक दिवसीय कार्यक्रम है जो जिला स्तर पर आयोजित किया जाता है, जिससे न्यूनतम 120 युवाओं को अपनी लोक कला और संस्कृति प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान 28 ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें 2,620 युवा नेताओं ने भाग लिया।

5. **राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व दिवस मनाना**: कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व के महत्वपूर्ण मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करना है। प्रत्येक 623 जिला एनवाईके के लिए राष्ट्रीय युवा दिवस सहित न्यूनतम 25 राष्ट्रीय महत्व के दिवस मनाना अपेक्षित है। प्रत्येक कार्यक्रम में कम से कम 100 युवाओं को भाग लेना चाहिए।

   समीक्षाधीन अवधि के दौरान ऐसे 11,485 कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें 18,11,347 युवा नेताओं ने भाग लिया।

6. **जिला युवा सम्मेलन**: यह कार्यक्रम युवा नेताओं को चर्चा करने, खुद को व्यक्त करने, अनुभवों को साझा करने और युवा सशक्तीकरण कार्यक्रमों के लिए सर्वोत्तम प्रक्रियाओं का सुझाव देने और वृहत प्रदर्शन में भाग लेने के लिए युवा नेताओं को अवसर और मंच प्रदान करने के लिए सभी जिला एनवाईके द्वारा वार्षिक रूप से कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। यह एक दिवसीय कार्यक्रम है, जिसमें युवा क्लबों से न्यूनतम 100 युवा शामिल होते हैं। समीक्षाधीन अवधि के दौरान 21 ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें 2,728 युवा नेताओं ने भाग लिया।

7. **महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती का समारोह**

   स्वच्छता कार्य योजना – इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वच्छता पर ध्यान केंद्रित करना और स्वच्छता का परिवेश बनाना है; लोगों को सफाई और स्वच्छता के बारे में जागरूक करना और युवाओं में श्रमदान (स्वैच्छिक श्रम) की भावना पैदा करना है। 528 जिला एनवाईके में स्वच्छता जागरूकता एवं श्रमदान गतिविधियों का आयोजन किया गया जिनमें 12,58,404 युवाओं ने भाग लिया।

8. **स्वच्छ गांव–हरित गांव पर युवाओं का प्रशिक्षण**

इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वच्छता, हरियाली और प्लास्टिक सामग्री का उपयोग न की आवश्यकता और महत्व के बारे लोगों में जागरूकता पैदा करना और उन्हें प्रेरित करना, गांवों को स्वच्छ, प्लास्टिक मुक्त और हरा बनाने के लिए चुनौतियों और बाधाओं को दूर करना, युवाओं को अपने गांवों को सुन्दर बनाने, आसपास के स्मारकों और सांस्कृतिक विरासत स्थलों को साफ रखने और गांवों को कुड़ा–कर्कट, गंदगी और प्लास्टिक मुक्त और हरा–भरा बनाने के लिए शामिल करना और प्रेरित करना है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान, 4,77,620 युवाओं को शामिल करते हुए 1,249 कार्यक्रम आयोजित किए गए।

9. सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के उद्देश्य के साथ ''देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण'' पर राष्ट्रव्यापी भाषण प्रतियोगिताएं (एक साथ हम बढे, हम एक साथ समृद्ध होते हैं, हम एक साथ प्रयास करे, हम एक साथ एक मजबूत और समावेशी भारत का निर्माण करते हैं):

बदलते राष्ट्रीय परिवेश में, युवाओं में राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सार्थक रूप से भाग लेने और योगदान करने का जुनून है। मातृभूमि के प्रति उनके जुनून को और बढ़ाने के लिए और उन्हें देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक अवसर प्रदान करने के लिए और देशभक्ति में उनकी रुचि विकसित करने और उन्हें सार्थक राष्ट्र निर्माण गतिविधियों जोड़ने के लिए युवाओं की सतत गतिशीलता बनाने के लिए, एनवाईकेएस देश भर में ब्लॉक, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर। भाषण प्रतियोगिता आयोजित कर रहा है। इन प्रतियोगिताओं के लिए आकर्षक पुरस्कार दिए जाते हैं।

रिपोर्ट की अवधि के दौरान, एनवाईकेएस ने कुल 62,826 युवाओं की भागीदारी के साथ 6,374 ब्लॉकों, 621 जिलों और 27 राज्यों में देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण पर राष्ट्रव्यापी भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित कीं।

ख. युवा कार्यक्रम विभाग की 'राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम (एनपीवाईएडी)' स्कीम के तहत गतिविधियां:

i. वर्चुअल मोड (वेबिनार) के माध्यम से 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम (ईबीएसबी): ईबीएसबी कार्यक्रम भारत सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य हमारे राष्ट्र की विविधता में एकता को जीना, एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को बढ़ावा देना, समझ विकसित करना और राज्यों के बीच दीर्घकालिक जुड़ाव के महत्व को समझना व स्थापित करना, संस्कृति, परंपरा, व्यंजन, भाषा और विभिन्न प्रथाओं को साझा करना है और इस तरह राज्यों के बीच बेहतर समझ और संबंध बनाना।

कोविड महामारी के मद्देनजर, एनवाईकेएस ने युग्मित राज्यों के बीच पीपीटी प्रारूप का उपयोग करके वर्चुअल मोड के माध्यम से ईबीएसबी का आयोजन किया। इस संबंध में, 4,885 युवाओं की भागीदारी के साथ भाषा सीखने पर युग्मित राज्यों के बीच राष्ट्रीय स्तर पर 07 वेबिनार आयोजित किए गए। इसके बाद, पीपीटी को साझा किया गया और अधिकारियों, युवा स्वयंसेवकों, परिवारों के सदस्यों और अन्य लोगों के बीच राज्य स्तर, जिला स्तर और ब्लॉक स्तर के वेबिनार के माध्यम से विषयों पर चर्चा की गई। विवरण निम्नलिखित हैं:

स्तर	आयोजित वेबिनार की संख्या	भागीदारियों की संख्या
राष्ट्रीय स्तर	7	4,885
राज्य स्तर	179	24,624
जिला स्तर	1,588	94,085
ब्लॉक स्तर	2ए668	99,100
कुल	**4,442**	**2,22,694**

ग. देशभर में अन्य युवा विकास और अधिकारिता के लिए अन्य मंत्रालयों के साथ परियोजनाएं सहयोग और उनमें वित्त पोषण

अपने मुख्य कार्यक्रमों के अलावा, एनवाईकेएस अन्य क्षेत्रों में कार्यक्रमों और गतिविधियों के संचालन में और राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है, जैसा कि विभिन्न अवसरों

पर भारत के माननीय प्रधान मंत्री ने निर्देश दिए गए हैं और साथ ही पीएमओ, नीति आयोग और अन्य मंत्रालय द्वारा निर्देशित किया गया है।

उपरोक्त संदर्भ में, निम्नलिखित प्रमुख क्षेत्र हैं जहां एनवाईकेएस ने प्रयास किया है और काफी प्रभाव डाला हैः

1. राष्ट्रीय जल मिशन, जल शक्ति मंत्रालय के सहयोग से कैच द रेन प्रोजेक्ट व्हेयर इट फॉल्स, व्हेन इट फॉल्स है, जब यह

इस परियोजना का उद्देश्य युवा नेताओं और स्वयंसेवकों, परिवारों और ग्राम समुदायों को जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन की आवश्यकता के बारे में जागरूक और शिक्षित करना है और लोगों को अभ्यास करने के लिए शिक्षित करने के लिए युवाओं को प्रमुख भूमिका निभाने के लिए सशक्त बनाना है। परियोजना की प्रमुख गतिविधियों में एनवाईकेएस के अधिकारियों का संवेदीकरण, राष्ट्रीय स्तर पर लॉन्चिंग, जिला स्तरीय लॉन्चिंग, जल संरक्षण पर शपथ, युवा नेताओं और स्वयंसेवकों का अनुकूलन और प्रेरण, जल संरक्षण हेतु सहभागिता के लिए समर्थन और पर्यावरण संवर्धन, जागरूकता और शिक्षा, समुदाय संघटन और प्रेरण, जल वार्ता और संवाद, ज्ञान प्रतिस्पर्धा और स्वैच्छिक आधार पर सामुदायिक कार्य शिविर शामिल है।

i) कैच द रेन प्रोजेक्ट का पहला चरण (जनवरी से मार्च, 2021)

कैच द रेन प्रोजेक्ट के पहले चरण के तहत 16.31 लाख निर्दिष्ट गतिविधियों के माध्यम से एनवाईकेएस द्वारा कुल 2.27 करोड़ नागरिकों पहुंचा गया/उन्हें जोड़ा गया।

एनवाईकेएस ने 14 अप्रैल, 2021 को डॉ बी आर अंबेडकरजी की जयंती के अवसर पर कैच द रेन प्रोजेक्ट' के तहत श्रमदान – जल संरक्षण पर सामुदायिक कार्य शिविर का आयोजन किया, जिसमें 1,589 गतिविधियों से 1,88,813 व्यक्ति लाभान्वित हुए।

ii) कैच द रेन प्रोजेक्ट का दूसरा चरण (अक्टूबर, 2021 से जनवरी, 2022)

कैच द रेन प्रोजेक्ट के दूसरे चरण के तहत 7.62 लाख निर्दिष्ट गतिविधियों के माध्यम से नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) द्वारा कुल 62.64 लाख नागरिकों तक पहुंचा गया/उन्हें जोड़ा गया।

2. 13वां जनजातीय युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम

एनवाईकेएस ने गृह मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से 13वें जनजातीय युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम का आयोजन किया। इसका उद्देश्य देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के बारे में वामपंथी उग्रवाद के जनजातीय युवाओं को संवेदनशील बनाना और उन्हें विविधता में एकता की अवधारणा को समझाने में सक्षम बनाना है, देश के विभिन्न हिस्सों में विकास गतिविधियों और तकनीकी/औद्योगिक उन्नति की उन्हें जानकारी देना और मुख्य जीवन कौशल की समझ, उनके कौशल विकास की जरूरतों की पहचान करने की समझ को बढ़ाकर और उन्हें आवश्यक करियर परामर्श प्रदान करके उनके व्यक्तित्व का विकास करना है।

दिसंबर, 2021 के महीने के दौरान, एनवाईकेएस द्वारा क्रमशः रांची (झारखंड), इंदौर (मध्य प्रदेश) और जयपुर (राजस्थान) में आदिवासी युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम के 3 कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कार्यक्रम के दौरान की गई प्रमुख गतिविधियां आजादी का अमृत महोत्सव के उत्सव पर केंद्रित थीं और इसमें संसाधन व्यक्तियों द्वारा व्याख्यान, आईईसी सामग्री का वितरण, प्रभात फेरी, स्वच्छ भारत अभियान, वृक्षारोपण, योग, फोटो प्रदर्शनी, विभिन्न आदिवासी समूहों की विशेषताएं दिखाई गई, आजादी का अमृत महोत्सव के लोगो का प्रदर्शन। स्वदेशी खेल, गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिष्ठित व्यक्तियों के साथ इंटरैक्टिव सत्र, पैनल चर्चा, उद्योग और कैरियर से संबंधित ज्ञानार्जन दौरे, भाषण प्रतियोगिता और सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल थे।

उपरोक्त तीन कार्यक्रमों में छत्तीसगढ़, झारखंड, महाराष्ट्र, बिहार, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और ओडिशा राज्यों के 31 वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों के

कुल 643 जनजातीय युवाओं और उनके अनुरक्षकों ने भाग लिया।

3. नमामि गंगे में युवाओं की भागीदारी

इसका उद्देश्य परियोजना की निर्दिष्ट गतिविधियों को शुरू करने के लिए प्रशिक्षित और अत्यधिक प्रेरित स्थानीय युवाओं का एक संवर्ग विकसित करना, समर्थन, मार्गदर्शन, पारदर्शिता के लिए विभिन्न स्तरों पर एक संस्थागत तंत्र स्थापित करना, गंगा नदी के प्रदूषण की रोकथाम और इसके संरक्षण के उपाय के संबंधों में स्थानीय युवाओं और ग्रामीणों को संवेदनशील बनाना और उनका समर्थन जुटाना करना, जागरूकता पैदा करना और लक्षित दर्शकों को प्रदूषित गंगा के परिणामों और प्रभावों के बारे में शिक्षित करना और मौजूदा सरकारी कार्यक्रमों और शौचालयों के निर्माण, जल संचयन, स्वच्छ के संरक्षण से संबंधित स्कीमों और सेवाओं के बारे में जानकारी प्रदान करना।

जनवरी, 2021 से दिसंबर, 2021 तक, एनवाईकेएस ने परियोजना के एक भाग के रूप में उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार और झारखंड राज्यों में राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों, गंगा दूतों, स्पीयरहेड टीम के सदस्यों और अन्य हितधारकों को शामिल करके विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। विवरण निम्नलिखित है:

- 14,279 युवाओं की भागीदारी से 33,396 पौधे लगाए गए
- 1,03,266 युवाओं की भागीदारी के साथ 10,506 जागरूकता कार्यक्रम गतिविधियों का आयोजन किया गया
- 90,584 युवाओं की भागीदारी से 5,516 स्वच्छता अभियान चलाए गए
- 12,663 युवाओं की भागीदारी से 810 डोर टू डोर जागरूकता गतिविधियां चलाई गईं।
- खुले में शौच मुक्त गांवों पर जागरूकता के तहत 169 गतिविधियों का आयोजन किया गया
- उपरोक्त के अलावा, इस अवधि के दौरान, अन्य विशेष गतिविधियाँ भी की गईं, जो इस प्रकार हैं:
- गंगा स्वच्छता पखवाड़ा 16 से 31 मार्च 2021 तक जिसमें 13,491 युवाओं की भागीदारी से कुल 777 गतिविधियां की गईं।
- एनवाईकेएस ने गंगा क्वेस्ट के लिए 1,10,336 युवाओं के पंजीकरण की सुकर बनाया।
- पर्यावरण दिवस के अवसर पर 4,548 पौधे (2994 स्थानीय प्रजातियां और 1576 औषधीय) लगाए गए।
- 20 जून 2021 को गंगा दशहरा का आयोजन जिसमें गंगा आरती, पदयात्रा, गंगा नदी को साफ और संरक्षित करने के लिए जागरूकता गतिविधियों और वृक्षारोपण जैसी गतिविधियों का आयोजन किया गया।
- 3 दिनों (1 से 3 नवंबर 2021) के लिए गंगा उत्सव का आयोजन जिसमें गंगा दीपोत्सव में 46,555 दीये जलाए गए, 42 गंगा प्रदर्शनी, 42 पेंटिंग प्रतियोगिता, 389 सांस्कृतिक गतिविधियाँ, 17 रक्तदान और 60,071 युवा की भागीदारी से 42 मशाल यात्रा का आयोजन किया गया।
- 42 जिला एन वाईके ने 17 से 23 दिसंबर 2021 तक ''भारत की नदियों को महत्व का उत्सव'' कार्यक्रम के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। इसके एक भाग के रूप में, 26,745 युवाओं और अन्य लोगों को शामिल करके की गई गतिविधियों का विवरण निम्नलिखित है:
  - 91 योग, ध्यान और प्रभात फेरी गतिविधियाँ,
  - 67 शपथ ग्रहण समारोह,
  - 128 श्रमदान गतिविधियां,
  - 1,500 पौधे लगाए गए,
  - 210 सांस्कृतिक कार्यक्रम गतिविधियां,
  - 42 नेचर वॉक,
  - 23044 दीयों की रोशनी,

- 42 कहानी सुनाने की गतिविधियाँ और
- 42 ज्ञान प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

4. निवेशक शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रम (कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय)

नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) और निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष प्राधिकरण (आईईपीएफए) एनवाईकेएस के क्षेत्र के पदाधिकारियों और युवा क्लबों के सदस्यों को निवेशक शिक्षा जागरूकता और संरक्षण का संदेश फैलाने के लिए निवेशक शिक्षा, जागरूकता और सुरक्षा, सामुदायिक जागरूकता पर प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, एनवाईकेएस ने 9 और 10 दिसंबर, 2021 को चंडीगढ़ में निवेशक जागरूकता और शिक्षा पर दो दिनों की अवधि के क्षेत्रीय स्तर के उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में कुल 3 राज्य निदेशकों 20 उप निदेशकों और पंजाब और हिमाचल प्रदेश राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों जम्मू और कश्मीर और लद्दाख के जिला युवा अधिकारियों ने भाग लिया। निवेशक शिक्षा पर संसाधन व्यक्तियों और विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों के साथ संबंधित मुद्दों पर अपनी बहुमूल्य गहन जानकारी और इनपुट साझा किए।

5. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) वेबिनार के माध्यम से कार्यशालाएं।

मानव अधिकारों के मुद्दे पर युवाओं में जागरूकता पैदा करने और उन्हें मानवाधिकारों के उल्लंघन के बारे में सचेत करने के लिए वेबिनार का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य मानव अधिकारों की रक्षा के लिए युवा क्लबों के नेटवर्क बनाने और मजबूत करने के अलावा, मानव अधिकारों की रक्षा करने वाली गतिविधियों को शुरू करना भी है।

एनएचआरसी–एनवाईकेएस ने इस सहयोगी पहल के माध्यम से एनवाईकेएस अधिकारियों, राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों और युवा स्वयंसेवकों पश्चिम बंगाल, बिहार, असम, मेघालय, मणिपुर, सिक्किम, महाराष्ट्र, गोवा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, और कर्नाटक के लिए वेबिनार के माध्यम से चार मानवाधिकार जागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन किया जो क्रमशः 11, 12 और 16 फरवरी, 2021 और 28 अक्टूबर, 2021 को आयोजित किए गए, जिनमें कुल 4,872 युवाओं की भागीदारी थी।

अन्य महत्वपूर्ण विशेष कार्यक्रम/गतिविधियां:

1. राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव

इसका उद्देश्य जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर विचार–विमर्श के माध्यम से युवाओं की आवाज सुनना, उन्हें प्रोत्साहित करना और उन्हें सार्वजनिक मुद्दों से जोड़ना, आम आदमी के दृष्टिकोण को समझना, उनकी राय बनाने में मदद करना और उन्हें स्पष्ट रूप से व्यक्त करना और विजन ऑफ न्यू इंडिया पर उनके विचार प्राप्त करना और उनका दस्तावेज तैयार करना है।

जिला युवा संसदों का आयोजन 150 जिला स्थानों पर वर्चुअल मोड के माध्यम से किया गया जिसमें 36 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के 698 जिलों (एनवाईके जिले और गैर–जिला एनवाईके दोनों) में 2.34 लाख युवाओं की कुल भागीदारी थी।

राज्य युवा संसदों का आयोजन वर्चुअल मोड के माध्यम से किया गया, जिनमें कुल 1,345 युवाओं ने भाग लिया। 11 और 12 जनवरी, 2021 को दिल्ली में राष्ट्रीय युवा संसद में प्रत्येक राज्य के 84 राज्य स्तरीय विजेताओं ने भाग लिया।

राष्ट्रीय स्तर पर तीन सर्वश्रेष्ठ वक्ताओं को योग्यता प्रमाण पत्र के साथ क्रमशः 2 लाख रुपये, 1.50 लाख रुपये और 1 लाख रुपये से सम्मानित किया गया। प्रत्येक प्रतिभागी को भागीदारी का प्रमाण पत्र दिया गया। श्री ओम बिरला, माननीय अध्यक्ष, लोक सभा द्वारा पुरस्कार और योग्यता प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

भारत के माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी ने 12 जनवरी, 2021 को राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव 2021 में उपस्थित लोगों को संबोधित किया। उन्होंने दूसरे राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव के विजेताओं और अंतिम पैनलिस्टों की सराहना की। वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, प्रधान मंत्री ने कहा, "आज आपका संवाद और विचार–विमर्श बहुत महत्वपूर्ण है। जब मैं आपको

बोलते हुए सुन रहा था, मेरे मन में एक विचार आया और मैंने फैसला किया कि मैं आपकी प्रस्तुतियों को अपने ट्विटर हैंडल से ट्वीट करूंगा, न केवल आप तीन विजेता, बल्कि, यदि रिकॉर्ड की गई सामग्री उपलब्ध है, तो मैं उन सभी के भाषणों को ट्वीट करूंगा जो कल इस अंतिम पैनल पर थे''। "माननीय प्रधान मंत्री के संबोधन को 27,53,626 एनवाईकेएस अधिकारियों, युवाओं और अन्य लोगों ने एनवाईपीएफ 2021 के दो दिवसीय कार्यक्रमों को लोकसभा टीवी और एनआईसी द्वारा वेबकास्ट पर देखा।

2. राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माहः

एनवाईकेएस द्वारा सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के समन्वय से 18 जनवरी से 17 फरवरी, 2021 तक पूरे देश में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह मनाया गया।

महीने भर चलने वाले इस अभियान का उद्देश्य विशेष रूप से युवाओं और आम तौर पर लोगों के बीच जागरूकता पैदा करना और सड़कों पर सुरक्षा उपायों का पालन करना और सभी हितधारकों को सड़क सुरक्षा में योगदान करने का अवसर प्रदान करना था।

एनवाईकेएस ने युवा स्वयंसेवकों, युवा क्लबों के सदस्यों और अन्य हितधारकों के समर्थन के साथ, विशेष रूप से 13.22 लाख युवाओं और सामान्य रूप से लोगों की भागीदारी के साथ वॉकथॉन, प्लेज और महिला दोपहिया रैली जैसी कुल 6,619 गतिविधियां शुरू की थीं।

3. आजादी का अमृत महोत्सव का उत्सव–12 मार्च 2021:

जन–भागीदारी की भावना में जन–उत्सव के रूप में मनाने के लिए आजादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में भारत की आजादी की 75 वीं वर्षगांठ मनाने के लिए, एनवाईकेएस ने निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किएः

- स्वतंत्रता मार्चः श्री नरेंद्र मोदी, माननीय प्रधान मंत्री ने साबरमती आश्रम, अहमदाबाद से 'पदयात्रा' (स्वतंत्रता मार्च) को झंडी दिखाकर रवाना किया और 'आजादी का अमृत महोत्सव' (इंडिया/75) की पूर्वावलोकन गतिविधियों का उद्घाटन किया।
- लगभग 81 पद यात्रियों के दल में, 15 स्थायी पद यात्रियों वालों में एनवाईकेएस के युवा स्वयंसेवी शामिल हैं। पूर्वावलोकन कार्यक्रम में 100 युवा स्वयंसेवकों ने भाग लिया।
- कुतुब मीनार से पद–यात्राः साबरमती के स्वतंत्रता मार्च के अनुरूप, एनवाईकेएस द्वारा एक पद यात्रा का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 500 युवा स्वयंसेवकों ने भाग लिया। पद–यात्रा को सचिव (युवा कार्यक्रम), एमओवाईएएस; संयुक्त सचिव (युवा कार्यक्रम) और महानिदेशक, एनवाईकेएस द्वारा हरी झण्ड़ी दिखाई गई।
- किला राय पिथौरा में सांस्कृतिक कार्यक्रमः उक्त पद–यात्रा दिल्ली के किला राय पिथौरा में समाप्त हुई। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।
- 623 जिला एनवाईके में गतिविधियों का संचालन एनवाईकेएस ने अपने 623 जिले एनवाईके में यह दिन मनाया। आयोजित गतिविधियों में स्वतंत्रता सेनानियों के चित्र पर माल्यार्पण, राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रगान, फोटो प्रदर्शनी, विषय विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान, युवा संसद, भाषण, निबंध लेखन, स्लोगन लेखन, विषय आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम, योग आदि शामिल हैं। इन विभिन्न गतिविधियों में कुल 14.27 लाख युवाओं ने भाग लिया। साथ ही, जिला एनवाईके में साइकिल रैलियों और पद यात्रा का भी आयोजन किया गया। 1.59 लाख युवाओं ने साइकिल रैलियों और पद यात्राओं की 2134 गतिविधियों के माध्यम से कुल 6.37 लाख किलोमीटर की दूरी तय की।

4. कोविड वैक्सीन रोलआउटः

यह प्रमुख पहल माननीय प्रधान मंत्री के निर्देश के आलोक में की गई जिसमें एनवाईकेएस को कोविड वैक्सीन रोलआउट के सफल कार्यान्वयन में शामिल किया गया। एनवाईकेएस अपने जिला एनवाईके के

माध्यम से देशभर में अपने राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों और युवा क्लबों के सदस्यों के सहयोग से कोविड वैक्सीन रोलआउट अभियान में योगदान दे रहा है।

शुरू की गई प्रमुख गतिविधियों में वैक्सीन के लाभ पर सही जानकारी का प्रसार, वैक्सीन सुरक्षा के बारे में विश्वास पैदा करना, लोगों को उचित व्यवहार अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना और पूरे देश में सार्वभौमिक वैक्सीन स्वीकार्यता पर परिवेश तैयार करना शामिल था।

कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, 1.27 करोड़ युवा स्वयंसेवकों, युवा क्लबों के सदस्यों और अन्य लोगों की भागीदारी के साथ 2.22 लाख गतिविधियों का आयोजन किया गया।

5. टीका उत्सवः

कोविड़ संक्रमित मामलों की संख्या में अत्यधिक वृद्धि के आलोक में, एनवाईकेएस ने 11 अप्रैल, 2021 (ज्योतिराव फुले जी का जन्म दिवस है) से 14 अप्रैल, 2021 तक (जो डॉ बीआर अंबेडकर का जन्मदिन है) परीक्षण और टीकाकरण का एक व्यापक कार्यक्रम टीका उत्सव का आयोजन किया।)

नामित गतिविधियाँ सक्रिय परीक्षण के लिए जागरूकता प्रसार और सामुदायिक सहायता जुटाने पर केंद्रित थीं और इससे टीकाकरण के लिए पात्र लोग प्रोत्साहित होते हैं, वैक्सीन सुरक्षा के बारे में जनता का विश्वास पैदा होता है और सार्वभौमिक स्वीकार्यता के लिए प्रतिकूल प्रभाव पर आशंकाओं को दूर करती है और लोगों को उचित व्यवहार कोविड़–19 को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती हैं। लोगों को कोविड–19 प्रोटोकॉल का पालन करने के लिए प्रेरित करती हैं।

कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, एनवाईकेएस ने 47,638 गतिविधियों का आयोजन किया, जिनके माध्यम से कुल 10.29 लाख लोगों तक पहुंचा गया और उन्हें कोविड टिकाकरण (टीकाकरण) के लिए प्रेरित किया गया।

6. कोविड–19 की दूसरी लहर के दौरान एनवाईकेएस की पहल और राष्ट्र के लिए सेवाएंः पूरे भारत में रोकथाम, प्रबंधन और राहत गतिविधियांः

एनवाईकेएस के सभी अधिकारियों ने वैक्सीन रोलआउट और पंजीकरण पर जागरूकता, आईईसी गतिविधियों सहित प्रमुख प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया, जिसमें कोविड–19 को रोकने और कम करने के लिए क्या करें और क्या न करें, सोशल व्हाट्स–ऐप समूह बनाना, आरोग्य सेतु ऐप – डाउनलोड करना, उपयोग करना और उसकी सिफारिश करना, सोशल डिस्टेंसिंग, हाथ धोना, लोगों को प्रेरित करना, घरों में मास्क बनाना और देशभर में व्यापक कवरेज और पहुंच के लिए युवा स्वयंसेवकों के आधार बढ़ाना और आईजीओटी पर तथा अन्य एजेंसियों के माध्यम से स्वयंसेवकों का पंजीकरण और प्रशिक्षण शामिल है।

क) यूनिसेफ समर्थित युवा योद्धा अभियानः

यूनिसेफ के सहयोग से 5,679 वर्चुअल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रशिक्षण के दौरान, पंजीकरण की प्रक्रिया और युवा योद्धा के रूप में कार्य करने की शपथ लेने जैसे विषय, कोविड–19 के आगे फैलाव को रोकने के लिए कोविड– उपयुक्त व्यवहार कार्यक्रम (फेस मास्क पहनना, सामाजिक दूरी बनाए रखना, स्वच्छता और नियमित अंतराल पर हाथ धोना), लोगों को कोविड–19 से बदनामी न फैलाने के लिए प्रोत्साहित करना, आदि शामिल थे। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से देश भर में 3.09 लाख एनवाईकेएस अधिकारियों, कोविड योद्धाओं, युवा क्लबों के सदस्यों, गंगा दूतों, आपदा प्रतिक्रिया दल के सदस्यों और अन्य हितधारकों को प्रशिक्षित किया गया। 2.88 लाख युवाओं और अन्य ने युवा योद्धाओं के रूप में अपना पंजीकरण कराया। 2.52 लाख युवाओं ने युवा योद्धा के रूप में कार्य करने का संकल्प लिया।

ख) अन्य प्रमुख उपलब्धियांः

- 82,381 युवा स्वयंसेवकों को युवा कार्यक्रमों और खेल मंत्रालय के आईजीओटी पोर्टल पर प्रशिक्षित किया गया।
- लगभग सभी जिलों में, एनवाईकेएस स्वयंसेवकों ने घर पर फेस मास्क बनाने के साथ–साथ जरूरतमंदों को फेस मास्क तैयार करने और

वितरित करने और उनके उपयोग को बढ़ावा दिया।

- 1,91,265 परिवारों को देश भर में कोविड–19 से सुरक्षा के लिए उनके परिवारों में बुजुर्ग लोगों की विशेष देखभाल करने के लिए संवेदनशील बनाया गया।
- 89,265 लोगों को कोविड–19 से संक्रमित व्यक्तियों वाले परिवारों की सहायता के लिए संवेदनशील बनाया गया।
- विभिन्न सेवाओं को सुविधाजनक बनाने और स्थानों पर भीड़ को संभालने के लिए जिला प्रशासन और ग्राम पंचायतों द्वारा एनवाईकेएस के 27,116 स्वयंसेवकों और अधिकारियों को लगाया गया था। इसके अलावा, जिला प्रशासन/पुलिस द्वारा स्थापित नियंत्रण कक्षों में सार्वजनिक घोषणाएं, कार्य करना जैसी गतिविधियां की गईं।

7. 7वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस –21 जून, 2021:

2021 का विषयः 'योग फॉर वेलनेस'

कोविड–19 महामारी के मद्देनजर, एनवाईकेएस ने वर्चुअल मोड के माध्यम से 7 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजित किया।

623 जिला स्तरीय समारोह आयोजित कर इस कार्यक्रम को क्रियान्वित किया गया जिसमें 2.33 लाख गतिविधियों में 4.30 करोड़ लोगों ने भाग लिया। 2.23 लाख गांवों के 75.94 लाख परिवार जुटाए गए। एनवाईकेएस कश्मीर घाटी, लेह, अंडमान निकोबार, पूर्वोत्तर क्षेत्र और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को प्रेरित करने और जोड़ने में सक्षम था।

8. रुचीयर4इंडिया रन टोक्यो 2020:

एनवाईकेएस ने टोक्यो ओलंपिक, 2020 में भाग लेने वाले भारतीय दल के साथ एकजुटता को प्रेरित करने, हौसला बढ़ाने और एकजुटता व्यक्त करने के लिए रुचीयर4इंडिया रन टोक्यो 2020 कार्यक्रम का आयोजन किया।

उपरोक्त कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, एनवाईकेएस ने 20 राज्य स्तरीय गतिविधियों का आयोजन किया जिसमें विशेषज्ञों द्वारा वार्ता, फ्लैग–ऑफ, बैनरों का प्रदर्शन और अन्य प्रचार सामग्री शामिल थी, जिसके बाद देशभर की राज्यों की राजधानियों में 5–7 किलोमीटर की दौड़ शामिल थी। एनवाईकेएस के अधिकारियों, स्वयंसेवकों और अन्य लोगों सहित कुल 11,190 लोगों ने कार्यक्रमों में भाग लिया।

इसके अलावा, सक्षम वातावरण बनाने, संदेश विस्तार और कार्यक्रम की लोकप्रियता बनाने के लिए, ट्विटर, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का व्यापक रूप से उपयोग किया गया। हैशटैग रुचीयर4इंडिया को ट्विटर और फेसबुक पर 1,58,286 इम्प्रेशन और 12,499 लाइक्स के साथ प्रचारित किया गया।

9. 1 से 15 अगस्त, 2021 तक स्वच्छता पखवाड़ा का उत्सव – स्वच्छता के बारे में जागरूकता पैदा करने और देशभर में कार्यान्वयन को सुकर बनाने और स्थानीय संसाधनों को जुटाकर स्वच्छता और स्वच्छता अभियान चलाने के लिए युवाओं को प्रेरित करना 14.71 लाख युवाओं ने स्वच्छता शपथ, व्याख्यान और सेमिनार, वाद–विवाद और भाषण प्रतियोगिता, स्वच्छता अभियान, डोर टू डोर अभियान, स्वच्छता अभियान और रैलियों जैसी विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया।

10. आजादी का अमृत महोत्सव के एक भाग के रूप में फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0 (13 अगस्त 2021 से 2 अक्टूबर, 2021):

आजादी का अमृत महोत्सव के एक हिस्से के रूप में, एनवाईकेएस ने फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0 का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य लोगों को अपने दैनिक जीवन में दौड़ने और खेल जैसी स्वस्थता गतिविधियां करने के लिए प्रोत्साहित करना और लोगों को स्वस्थ और सही जीवन शैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम देशभर के 744 जिलों के 64,699 गांवों में आयोजित किए गए। शपथ, राष्ट्रगान, फिट इंडिया फ्रीडम रन और राष्ट्रीय ध्वज धारण करने वाले प्रतिभागी प्रमुख गतिविधियां थीं। 57.25 लाख युवाओं एवं अन्य की भागीदारी से 77,582 रन आयोजित किए गए और इसके माध्यम से 4.24 करोड़ किलोमीटर की दूरी तय की गई।

11. स्वच्छ भारत कार्यक्रम (1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर, 2021):

आजादी का अमृत महोत्सव के एक भाग के रूप में, युवा कार्यक्रम के विभाग, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के मार्गदर्शन में एनवाईकेएस, एमओवाईएएस ने 1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर, 2021 तक ''स्वच्छ भारत'' कार्यक्रम की गतिविधियों को कार्यान्वित दिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जागरूकता पैदा करना, लोगों को संगठित करना और स्वच्छ भारत पहल में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना था। जो अपने स्तर और भागीदारी की दृष्टि से अद्वितीय है।

इसका उद्देश्य ऐतिहासिक स्मारकों और विरासत स्थलों, सामुदायिक केंद्रों, यूथ क्लब/महिला मंडल भवनों, स्कूल के रखरखाव और सौंदर्यीकरण अभियान के साथ–साथ 01 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2021 तक पूरे देश में मुख्य रूप से एकल उपयोग प्लास्टिक कचरे को साफ करने के लिए गतिविधियों का आयोजन करना था और स्वैच्छिक कार्य शिविरों के माध्यम से भवन, पंचायत भवन आदि और पारंपरिक जल निकायों की सफाई और रखरखाव करना कार्यक्रम 'जनभागीदारी से जन आंदोलन' के दृष्टिकोण के माध्यम से आयोजित किए गए थे।

यह कार्यक्रम 3.31 लाख गांवों में आयोजित किया गया, जहां कचरा संग्रहण और स्वच्छता अभियान की 4 लाख गतिविधियों का संचालन किया गया. एनवाईकेएस यूथ क्लब के सदस्यों, स्वयंसेवकों और समाज के अन्य वर्गों द्वारा 1.07 करोड़ किलोग्राम से अधिक कचरा एकत्र किया गया था, जिसमें से 1.05 करोड़ किलोग्राम कचरे का उचित निपटान किया गया था। 50 हजार स्मारकों की सफाई की गई और साइटों को विकसित किया गया, 25 हजार पारंपरिक जल स्रोतों का जीर्णोद्धार और रखरखाव किया गया और 56.62 लाख युवाओं की कुल भागीदारी के साथ 83 हजार से अधिक स्कूलों, पीएचसी और सामुदायिक स्थानों को साफ किया गया और उन्हें सुन्दर बनाया गया।

12. 26 नवंबर, 2021 को संविधान दिवस (संविधान दिवस) का समारोह:

इसका उद्देश्य वर्तमान पीढ़ी को मौलिक कर्तव्यों को जानने, जिम्मेदार और उपयोगी नागरिकों के गुणों को बताने और भारत के संविधान के महत्व, डॉ. बी. आर. अम्बेडकर के समानता और सकारात्मक कार्रवाई पर संदेशों को फैलाने और ये कैसे हमारे देश के विकास और विकास के लिए सहायक हैं, इसका संदेश देना था।

एनवाईकेएस ने 26 नवंबर 2021 को संविधान दिवस मनाया। कुल 8.85 लाख एनवाईकेएस अधिकारियों, युवा स्वयंसेवकों और अन्य संबंधित हितधारकों ने भारत के माननीय राष्ट्रपति के साथ भारतीय संविधान की प्रस्तावना पढ़ी और विभिन्न गतिविधियों में भी भाग लिया जैसे कि संविधान पर प्रश्नोत्तरी में भागीदारी, मौलिक कर्तव्यों की शपथ दिलाना, जागरूकता वार्ता, मौलिक कर्तव्यों पर सार्वजनिक संदेश का प्रसार, वेबिनार/कार्यशाला का आयोजन।

13. चौथा राष्ट्रीय पोषण माह 2021 मानना (1 सितंबर से 30 सितंबर, 2021):

एनवाईकेएस 2018 से देश भर में पोषण माह कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए एक प्रमुख भागीदार रहा है। जिला नेहरू युवा केंद्रों ने एनवाईवी और युवा क्लबों को कुपोषण, स्तनपान के महत्व, किचन गार्डन को बढ़ावा देने के मुद्दों पर प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिला प्रशासन, आंगनबाडी, आशा कार्यकर्ता के सहयोग से ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए प्रेरित किया।

महीने भर चलने वाले पोषण माह के दौरान, निम्नलिखित गतिविधियाँ की गईं:

क. परिवेश तैयार करने की गतिविधियां:

- 77,905 युवाओं और ग्रामीणों को पोषण (पोषण) के मूल मुद्दों पर जागरूक किया गया।
- 56837 गांवों में पोषण के मुख्य मुद्दों पर प्रकाश डालते हुए बैनर और अन्य प्रचार सामग्री प्रदर्शित की गई।
- पोषण माह गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रतिष्ठित नागरिकों के साथ बैठकें आयोजित की गईं जिनमें 51,305 युवाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

- शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया जिसमें 1,56,668 युवाओं और ग्रामीणों ने पोषण का संकल्प लिया।

ख. पोषण माह गतिविधियां:

- गर्भवती महिलाओं के लिए पोषक भोजन के बारे में 8285 रैलियां, 4183 स्लोगन लेखन प्रतियोगिताएं, कोविड टीकाकरण के लिए 8963 जागरूकता अभियान, 512, भीत्ति लेखन, किचन गार्डन की स्थापना के 7388 प्रदर्शनों का आयोजन किया गया जिसमें 306129 युवाओं और अन्य ने भाग लिया।
- 74803 युवाओं और अन्य ग्रामीणों की भागीदारी से 3481 योग सत्र आयोजित किए गए।
- एनवाईकेएस के विभिन्न राज्य और जिला कार्यालयों द्वारा '5–मिनट योग प्रोटोकॉल' (वाई–ब्रेक या योग ब्रेक) के 1251 सत्र आयोजित किए गए।
- पोषण, विविधता, स्तनपान आदि पर ध्यान केंद्रित करने के लिए गांवों में घर–घर जाकर अभियान चलाने के लिए 1739 घरों का दौरा किया गया।
- 1007 वॉश गतिविधियां आयोजित की गईं।
- 247 थीम पर आधारित नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया गया।

उपरोक्त गतिविधियों में कुल 10.64 लाख युवाओं ने भाग लिया।

घ. विभिन्न विकास विभागों और एजेंसियों के साथ स्वैच्छिक आधार पर समन्वय गतिविधियां

महत्वपूर्ण फोकस क्षेत्र

भावना – साझेदारी, स्वयंसेवा भाव और नेतृत्व

- स्वच्छता – सेवा भाव, निष्काम सेवा के साथ श्रमदान
- राष्ट्रीय मुख्य कार्यक्रमों का संवर्धन
- निवारक स्वास्थ्य देखभाल – योग, स्वैच्छिक रक्तदान, मिशन इन्द्रधनुष, आयुष्मान, एचआईवी/एड्स
- पर्यावरण संवर्धन – जल संरक्षण, पौधा रोपण
- युवा सशक्तिकरण के लिए मतदान के लिए जागरूकता
- कौशल विकास के लिए प्रेरणा और प्रारंभिक सहायता
- स्कूलों में बच्चों के पंजीकरण की सुगमता के लिए जागरूकता

एनवाईकेएस, विभिन्न विकास विभागों और एजेंसियों के साथ समन्वय में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करता है। जिला एनवाईके और राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक (एनवाईवी) उनके साथ निरंतर मिलकर काम करते हैं और युवा क्लबों को शामिल करके गतिविधियों को निष्पादित करते हैं। समीक्षाधीन अवधि के दौरान प्रमुख उपलब्धियां इस प्रकार थीं:

क्र. सं.	कार्यक्रम इकाई	कार्यक्रम आयोजित	कार्यक्रम की संख्या	लाभार्थियों
1.	सेवाभाव और सकारात्मक सोच के साथ पूरे गांव में स्वच्छता अभियान	अभियानों की संख्या	6105	164527
2.	आस–पास के स्मारकों और सांस्कृतिक विरासत स्थलों की सफाई	संख्या	2181	43976
3.	गांव को प्लास्टिक मुक्त होने तक उसके सभी हिस्सों से प्लास्टिक सामग्री का संग्रह	संख्या	2521	70217

क्र. सं.	कार्यक्रम	कार्यक्रम इकाई	कार्यक्रम आयोजित	लाभार्थियों की संख्या
4.	गांवों में खरपतवारों का उन्मूलन अर्थात् (गाजर घास, लैंटाना, जलकुंभी)	संख्या	1964	57653
5.	प्रमुख स्थानों, घरों, स्कूलों, दुकानों आदि पर प्लास्टिक का उपयोग न करने के संदेशों का प्रदर्शन	संख्या	2069	91000
6.	कपड़े के थैलों और कूड़ेदानों का वितरण	संख्या	928	21248
7.	डोर टू डोर प्लास्टिक कलेक्शन 'निष्काम कर्म'	संख्या	2096	71787
8.	अपशिष्ट और प्लास्टिक सामग्री के पुनर्चक्रण के लिए प्रौद्योगिकियों को अपनाना	संख्या	358	10563
9.	ग्राम सौंदर्यीकरण गतिविधियाँ (सामाजिक संपत्ति स्वामित्व बोध – सड़कें, पंचायत घर, सामुदायिक स्थान, स्कूल, आंगनवाड़ी केंद्र, पीएचसी, आदि)	संख्या	2418	54086
10.	औषधीय और स्थानीय प्रजाति का पौधा रोपण	प्रजाति का पौधा रोपण की संख्या	17751	51874
11.	युवाओं और ग्रामीणों द्वारा श्रमदान (कार्य शिविर)	कार्य शिविरों की संख्या	1860	40298
12.	प्रेरणा देना जिससे खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) के लिए शौचालयों का निर्माण हो	संख्या	1646	24496
	जल जागरण अभियान			
13.	जागरूकता और संवेदीकरण अभियानः सामुदायिक कार्रवाई के लिए युवाओं को जुटाना	संख्या	1913	52556
14.	जल संवाद (विषय विशेषज्ञों/प्रेरक द्वारा वार्ता/संवाद)	संख्या	731	20493
15.	अनुभवों और सर्वोत्तम प्रक्रियाओं को साझा करना	संख्या	618	16003
16.	प्रतियोगिताएंः क्विज, पोस्टर मेकिंग, पेंटिंग, स्लोगन राइटिंग आदि।	संख्या	802	16586
17.	जल बचाना (क्या करें और क्या न करें)	गांवों की संख्या	1230	28204
18.	वर्षा जल संचयन और जल पुनः उपयोग के लिए जागरूकता और प्रेरणा	कार्यक्रमों की संख्या	1248	42045
19.	जल स्रोतों और पारंपरिक जल निकायों की गाद निकालना	संख्या	409	7224
20.	खुदाई, रखरखाव और मरम्मतः कुएं, तालाब, छोटे जल मार्ग	संख्या	455	10566

क्र. सं.	कार्यक्रम	कार्यक्रम इकाई	कार्यक्रम आयोजित	लाभार्थियों की संख्या
21.	गांव के तालाबों और कुओं को गहरा करना	तलाबों और कुओं की संख्या	242	4377
22.	पानी की टंकियों का निर्माण	पानी की टंकियों की संख्या	380	7956
23.	पेयजल कुओं की कीटाणुशोधन	पेयजल कुओं की संख्या	514	10195
24.	जल बचाना (क्या करें और क्या न करें)	गांवों की संख्या	1071	16695
25.	हैण्डपम्पों की मरम्मत एवं उसके आसपास के क्षेत्र का रख–रखाव	हैण्डपम्पों की संख्या	368	4051
26.	बहते पीने के पानी पर नल लगाना	संख्या	343	6281
27.	कैच इट व्हेयर इट फॉल्स व्हेन इट फॉल्स – वर्षा जल संचयन: घरों की छतों पर बारिश के पानी का संग्रह और भूमिगत टैंक में इकट्ठा होना	संख्या	1109	38335
28.	जल पुनः उपयोग: पुनः उपयोग के लिए उपयोग किए गए पानी का संग्रह	संख्या	620	11621
युवा की अगुआई में स्वस्थ भारत अभियान : युवा स्वास्थता और सकारात्मक जीवन शैली				
29.	एचआईवी, एड्स, नशीली दवाओं के दुरुपयोग की रोकथाम के तरीकों पर जागरूकता और शिक्षा गतिविधियां	गतिविधयों की संख्या	1262	55402
30.	मौलिक कर्तव्यों पर प्रेरणा वार्ता और भारतीय होने पर गर्व है	वार्ताओं की संख्या	1878	62819
31.	युवा प्रजनन स्वास्थ्य, प्रतिरक्षा, पोषण, जीवन शैली रोग, आदि पर व्याख्याता वार्ता और चर्चा।	व्याखानों की संख्या	1239	62734
	परिवार के साथ @घर स्वस्थता			
32.	योग	संख्या	19729	514177
33.	नृत्य	संख्या	10745	62256
34.	स्ट्रेच	संख्या	11443	100018
35.	रस्सी कूदना	संख्या	29392	79601
36.	व्यायाम	संख्या	15090	193722

क्र. सं.	कार्यक्रम	कार्यक्रम इकाई	कार्यक्रम आयोजित	लाभार्थियों की संख्या
37.	एरोबिक्स	संख्या	5378	36185
38.	पतंगबाजी	संख्या	786	11432
39.	सीढ़ी चढ़ना	संख्या	11916	161510
40.	सफाई और अन्य घरेलू गतिविधियाँ जो स्वस्थता को बढ़ावा देती हैं	संख्या	29761	189288
कोविड–19 सुरक्षा मानदंडों का पालन करते हुए आउटडोर स्वस्थता कार्यक्रम				
41.	जॉगिंग	संख्या	21000	212119
42.	सोलो रन	संख्या	20816	164919
43.	पैदल चलना	संख्या	28652	338299
44.	प्लॉगिंग	संख्या	3122	59389
45.	साइकिल चलाना	संख्या	2555	75702
46.	तैराकी	संख्या	1047	14567
47.	नृत्य	संख्या	2377	21215
48.	ऐक्रोबैट्स	संख्या	342	12361
49.	पारंपरिक खेल कूद	संख्या	3569	46893
50.	कोई अन्य सीमित समूह शारीरिक गतिविधियां	संख्या	9903	49637
अन्य युवा कल्याण और सकारात्मक जीवन शैली गतिविधियाँ				
51.	रक्त दान	रक्त कैंपों की संख्या	653	19818
52.	स्वैच्छिक रक्तदाताओं का पंजीकरण और उनका रक्त समूहन	युवाओं की संख्या	907	15832
53.	किशोरियों को आयरन फोलिक एसिड टैबलेट सुलभ करवाना	लडकियों की संख्या	1327	24572
54.	लड़कियों और उनके माता–पिता को 18 वर्ष की उम्र तक उसका विवाह स्थगित करने के लिए प्रेरित किया।	लडकियों की संख्या	928	38041
55.	गर्भवती माताओं का टीकाकरण	महिलाओं की संख्या	1325	23500
56.	बच्चों (0–5 वर्ष) के टीकाकरण के लिए माता–पिता को प्रेरित करना	बच्चों की संख्या	2021	20867

क्र. सं.	कार्यक्रम	कार्यक्रम इकाई	कार्यक्रम आयोजित	लाभार्थियों की संख्या
57.	मोतियाबिंद (आंख) ऑपरेशन	व्यक्तियों की संख्या	322	6425
58.	स्वास्थ्य जांच शिविर (डॉट, उच्च रक्तचाप, मधुमेह और अन्य)	कैम्पों की संख्या	878	36180
यूथ मैपिंग, स्किलिंग एंड हैंडहोल्डिंग – आत्म निर्भर भारत				
59.	युवाओं की पहचान करने और उन्हें आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने के लिए कौशल मानचित्रण अभ्यास	संख्या	378	35205
60.	जरूरतमंद/लाभार्थियों का मार्गदर्शन और सहायता करने के लिए युवा स्वयंसेवकों को तैयार और शिक्षित करना	संख्या	560	41092
61.	जरूरतमंद लाभार्थियों तक पहुंच और उन्हें उनके विकास के लिए योजनाओं से अवगत कराना	संख्या	411	40615
62.	योजनाओं के तहत लाभ लेने के लिए युवाओं को किया जागरूक करना	संख्या	653	17685
63.	बैंक मित्रो के साथ सुविधा शिविर का आयोजन	संख्या	359	8670
64.	बैंक मित्रों द्वारा डिजिटल फॉर्म भरने में लाभार्थियों को सहायता करना	संख्या	2590	9460
65.	नौकरियों के लिए एमएसएमई और अन्य संभावित उद्योगों की सूची तैयार करना	संख्या	308	1957
66.	युवाओं को बुनियादी व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययन करने के लिए प्रेरित करना	संख्या	565	15714
67.	युवाओं को कौशल उन्नयन, रोजगार/स्वरोजगार के लिए कौशल निर्माण के लिए प्रेरित करना	संख्या	782	63098
68.	सेवा प्रदाताओं / उद्योगों के साथ रोजगार / स्वरोजगार के लिए प्रारंभिक सहायता और आगे की कार्रवाई	संख्या	303	2876
कोविड–19: अभियान और लॉकडाउन के बाद के हस्तक्षेप				
69.	घर पर फेस मास्क के उत्पादन को बढ़ावा देना और ग्रामीणों के बीच वितरण करना	संख्या	12980	462629
70.	बुजुर्गों और कोविड–19 से प्रभावित व्यक्तियों की देखभाल के लिए परिवारों को सहायता प्रदान करना	संख्या	9798	251468
71.	आईजीओटी पोर्टल में स्वयंसेवी की शिक्षा	संख्या	15073	168205
72.	आरोग्य सेतु ऐप – डाउनलोडिंग	संख्या	126239	547775

क्र. सं.	कार्यक्रम	कार्यक्रम इकाई	कार्यक्रम आयोजित	लाभार्थियों की संख्या
73.	युवा स्वयंसेवकों को तैनात कर जिला प्रशासन को सहयोग प्रदान करना	संख्या	2486	269472
74.	भीत्ति लेखन, सोशल मीडिया अभियान, जागरूकता पैदा करने के लिए ई–पोस्टर अभियान, मिथक तोड़ना, फर्जी समाचार और अफवाहों से निपटना	संख्या	5636	552797
75.	बदलकर अपना व्यापार, करें कोरोना पर वार – कोविड–19 से प्रभावित व्यक्तियों, फ्रंट लाइन वर्कर्स और कोविड योद्धाओं के खिलाफ सामाजिक बदनामी और भेदभाव को रोकना	संख्या	6300	246433
76.	सहायता और राहत गतिविधियों का संचालन	संख्या	3817	248360
77.	विभिन्न स्थितियों में सावधानियों पर प्रमुख संदेशों के प्रसार के लिए जागरूकता अभियान संदेश जैसे क्या करें और क्या न करें, गलतियाँ और गलतनामी, फेस कवर /मास्क का उपयोग, नियमित अंतराल पर हाथ धोना, सामाजिक दूरी बनाए रखना, लोगों के बीच कोविड–19 परीक्षण को प्रोत्साहित करना, इम्युनिटी बूस्टिंग, विशेष रूप से, आयुष, गैर–जरूरी यात्रा न करने के लिए प्रोत्साहित करना, टालना भीड़भाड़ करने से बचना आदि	संख्या	6072	519389

अध्याय – 5

राष्ट्रीय युवा कोर

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने 2010–11 के दौरान राष्ट्रीय युवा कोर नामक नई स्कीम शुरू की। एनवाईसी स्कीम के उद्देश्य हैं– अनुशासित और समर्पित युवाओं का समूह बनाना जिनका राष्ट्र निर्माण के कार्य में शामिल होने के प्रति झुकाव और भावना हो, समावेशी उन्नति (सामाजिक और आर्थिक दोनों) को साकार करने के कार्य को सुकर बनाना, सूचना, के प्रसार के केंद्र के रूप में कार्य करना, समुदाय में बुनियादी ज्ञान, समूह मॉडयूलेटर तथा साथी समूह शिक्षकों के रूप में कार्य करना, युवा वर्ग के लिए विशेषकर सार्वजनिक आचार, ईमानदारी तथा श्रम की गरिमा को बढ़ाने के लिए रोल मॉडल के रूप में कार्य करना।

इस स्कीम के तहत, 2021–22 के दौरान, 13206 के लक्ष्य की तुलना में 744 जिलों में कुल 12,216 स्वयंसेवक हर साल तैनात किए गए। स्वयंसेवकों के चयन के लिए जिले के डीएम / डीसी की अध्यक्षता में एक चयन समिति है। 18–29 वर्ष की आयु के स्वयंसेवकों को केवल 2 वर्ष की अवधि के लिए तैनात किया जाता है। प्रत्येक स्वयंसेवक को अक्तूबर 2016 से 5000/–रु. प्रति माह का मासिक मानदेय दिया जा रहा है जो पहले प्रति स्वयंसेवक मात्र 2,500/– रु. था। स्वयंसेवक युवा क्लब के सदस्यों और संबंधित नेहरू युवा केंद्र/ विभिन्न अन्य विभागों के बीच कड़ी के रूप में कार्य करते हैं।

ये स्वयंसेवक कोविड–19 से संबंद्ध कार्यकलापों सहित। एनवाईकेएस के मुख्य कार्यक्रमों और विशेष कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के साथ–साथ ग्राम/समुदाय स्तर पर युवा क्लबों और महिला क्लबों को प्रेरित करने और मजबूत करने में सक्रिय रूप से शामिल थे।

अध्याय – 6

राष्ट्रीय सेवा योजना

(समुदाय सेवा में एक शैक्षिक प्रयोग – परिसर से समुदाय)

प्रस्तावना

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) स्वयंसेवी समुदाय सेवा के माध्यम से युवा छात्रों के व्यक्तित्व और चरित्र का विकास करने के मुख्य उद्देश्य के साथ 1969 में आरंभ की गई थी। 'सेवा के माध्यम से शिक्षा' एनएसएस का उद्देश्य है। एनएसएस की विचाराधारा का उन्मुखीकरण महात्मा गांधी के आदर्शों से प्रेरित हैं। बिल्कुल उचित रूप से एनएसएस का आदर्श वाक्य "मैं नहीं, बल्कि आप" (स्वयं से पहले आप) है। एक एनएसएस स्वयंसेवी 'स्वयं' से पहले 'समुदाय' को रखता है।

एनएसएस के उद्देश्य: एनएसएस का उद्देश्य स्वयंसेवकों में निम्नलिखित गुणों/सक्षमताओं का विकास करना है:

क) उस समुदाय को समझना जिसमें एनएसएस स्वयंसेवक कार्य करते हैं और स्वयं को उनके समुदाय के संबंध में समझाना;

ख) समुदाय की आवश्यकताओं और समस्याओं की पहचान करना तथा स्वयं को समस्या सुलझाने की कार्रवाई में शामिल करना;

ग) स्वयं में सामाजिक और नागरिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना;

घ) अपने ज्ञान को व्यक्ति तथा समुदाय की समस्याओं को व्यावहारिक रूप से हल करने में प्रयोग करना;

ङ) समुदाय भागीदारी जुटाने में कौशल प्राप्त करना;

च) नेतृत्व के गुण तथा लोकतांत्रिक मूल्य अर्जित करना;

छ) आपात स्थितियों और प्राकृतिक आपदाओं का सामना करने के लिए क्षमता का विकास करना; और

ज) राष्ट्रीय एकता तथा सामाजिक सद्भावना अपनाना।

एनएसएस का प्रयास "परिसर और समुदाय", "कॉलेज और गांव" तथा "ज्ञान तथा कार्रवाई" के बीच अर्थपूर्ण संबंध स्थापित करना है।

एनएसएस 1969 में 37 विश्वविद्यालयों में शुरू किया गया था जिसमें लगभग 40,000 स्वयंसेवक शामिल थे, जो अब 657 विश्वविद्यालयों और 51+2 परिषदों/निदेशालयों में फैल गया है, जिसमें 20,669 कॉलेज/तकनीकी संस्थान और 11,988 वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शामिल हैं। स्थापना के बाद से, 7 करोड़ से अधिक छात्र एनएसएस से लाभान्वित हुए हैं।

एनएसएस की बुनियादी कार्यक्रम संरचना

एनएसएस वरिष्ठ माध्यमिक स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में कार्यान्वित किया जा रहा है। एनएसएस की अभिकल्पना में इस बात की परिकल्पना की गई है कि योजना के तहत शामिल प्रत्येक शैक्षिक संस्थान में 100 छात्र स्वयंसेवकों (कुछ मामलों में संख्या कम हो सकती है) वाली कम से कम एक एनएसएस यूनिट हो जिसका प्रमुख एक अध्यापक हो जिसे कार्यक्रम अधिकारी (पीओ) के रूप में नामोद्दिष्ट किया जाएगा। प्रत्येक एनएसएस यूनिट एक गांव या मलिन बस्ती को अपने कार्यकलापों का संचालन करने के लिए अपनाती है। एक एनएसएस स्वयंसेवक के लिए निम्नलिखित कार्य/कार्यकलाप करना अपेक्षित है:

क) **नियमित एनएसएस कार्यकलाप** : प्रत्येक एनएसएस स्वयंसेवक को दो वर्ष के लिए प्रतिवर्ष न्यूनतम 120 घंटों अर्थात 2 वर्षों में कुल 240 घंटों की सेवा देनी होती है। यह कार्य एनएसएस यूनिट द्वारा अपनाए गए गांवों/मलिन बस्तियों या विद्यालय/ कॉलेज कैंपस में सामान्यत: पढ़ाई के घंटों के बाद या सप्ताहांत में किया जाता है। प्रथम वर्ष के दौरान 20 घंटे (कुल 120 घंटों में से) एनएसएस स्वयंसेवकों के अभिविन्यास के लिए चिन्हित किए जाते हैं ताकि उन्हें व्याख्यानों, चर्चाओं, कार्यस्थल का भ्रमण, श्रव्य–दृश्य आदि के माध्यम से एनएसएस की मूलभूत जानकारी दी जा सके।

ख) **विशेष शिविर कार्यक्रम:** प्रत्येक एनएसएस यूनिट अपनाए गए गांवों/ मलिन बस्तियों में छुट्टियों के

दौरान स्थानीय समुदाय को शामिल करते हुए किसी विशिष्ट परियोजना पर 7 दिनों का विशेष शिविर आयोजित करती है। प्रत्येक स्वयंसेवक के लिए 2 वर्ष की अवधि के दौरान ऐसे विशेष शिविर में एक बार भाग लेना अनिवार्य है। इस प्रकार एक यूनिट के लगभग 50 प्रतिशत एनएसएस स्वयंसेवक विशेष शिविर में प्रतिभागिता करते हैं।

एनएसएस द्वारा किए जा रहे कार्यकलापों का स्वरूप :

एनएसएस द्वारा किए जा रहे कार्यकलापों को मुख्यतः दो श्रेणियों में बांटा जा सकता है यथा:

1. **मुख्य कार्यकलाप:** एनएसएस के अंतर्गत किए जा रहे कार्यकलाप समुदाय की आवश्यकताओं के अनुसार विकसित होते रहते हैं। एनएसएस द्वारा किए जा रहे कुछ कार्यकलापों की उदाहरणस्वरूप एक सूची नीचे दी गई है:–

क) शिक्षा: प्रौढ़ शिक्षा, स्कूल पूर्व शिक्षा, पढ़ाई छोड़ चुके व्यक्तियों को पढ़ाई जारी रखने में सहायता करना, सामाजिक बुराइयों को मिटाने के लिए कार्यक्रम आदि।

ख) स्वास्थ्य, परिवार कल्याण और पोषण: टीकाकरण, रक्तदान, स्वास्थ्य शिक्षा, एड्स जागरूकता आदि।

ग) पर्यावरण संरक्षण: पौधारोपण और उनका परिरक्षण/देखरेख, नालों/ सड़कों की सफाई और अनुरक्षण आदि।

घ) समाज सेवा कार्यक्रम: अस्पतालों, दिव्यांगजनों के लिए संस्थाओं, अनाथ आश्रमों, वृद्धाश्रमों, महिला कल्याण संस्थानो आदि में कार्य करना।

ङ) महिलाओं की स्थिति में सुधार के लिए कार्यक्रम: महिला अधिकारों के संबंध में जारूकता उत्पन्न करना, महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना इत्यादि।

च) उत्पादन–उन्मुख कार्यक्रम: लोगों को उन्नत कृषि संबंधी पद्धतियों के संबंध में शिक्षित करना, पशु संसाधन विकास के लिए मार्गदर्शन आदि।

छ) आपदा राहत और पुनर्वास: बचाव एवं राहत कार्यों में स्थानीय प्राधिकारियों के साथ मिलकर कार्य करना।

2. **एनएसएस के अंतर्गत अन्य कार्यकलाप/कार्यक्रम:** एनएसएस के मुख्य कार्यकलापों के अलावा अन्य कार्यकलाप भी किए जाते हैं। उदाहरण के लिए:

क) गणतंत्र दिवस परेड शिविर में सहभागिता।

बी) साहसिक गतिविधियों में सहभागिता।

ग) पूर्वोत्तर एनएसएस समारोहों का आयोजन।

घ) एनएसएस स्वयंसेवकों के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण।

ई) राष्ट्रीय अखण्डता शिविर।

च) महिला और बाल विकास मंत्रालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय आदि जैसे संबंधित मंत्रालयों के कार्यक्रम।

प्रशासनिक ढांचा:

किसी संस्था में प्रत्येक एनएसएस यूनिट का प्रमुख "कार्यक्रम अधिकारी (पीओ)" के रूप में नामित एक अध्यापक होता है जो अपने अंतर्गत एनएसएस यूनिट के लिए एक शिक्षक, आयोजक, समन्वयक, पर्यवेक्षक, प्रशासक और जनसंपर्क व्यक्ति के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है।

विश्वविद्यालय स्तर पर, विश्वविद्यालय और उसके संबद्ध कॉलेजों में सभी एनएसएस इकाइयों के संबंध में एनएसएस गतिविधियों के समन्वय के लिए एक एनएसएस सेल और एक नामित कार्यक्रम समन्वयक (पीसी) है। इसी प्रकार वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के लिए वरिष्ठ माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में एक एनएसएस सेल बनाया गया है।

राज्य स्तर पर, उच्च शिक्षा/युवा कार्यक्रम और खेल विभाग में स्थित एक राज्य एनएसएस प्रकोष्ठ है जो एनएसएस इकाइयों को अनुदान जारी करने को नियंत्रित करता है। रीडर्स/एसोसिएट प्रोफेसर वेतनमान में राज्य सरकार से प्रतिनियुक्ति पर एक राज्य एनएसएस अधिकारी (एसएनओ) होता है, जो राज्य एनएसएस सेल की गतिविधियों और कार्यों को देखता है। राज्य एनएसएस सेल का पूरा खर्च भारत सरकार द्वारा वहन किया जाता है।

राष्ट्रीय स्तर पर, एनएसएस का एक निदेशालय है, जो अहमदाबाद, बेंगलुरू, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, दिल्ली, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कोलकाता, लखनऊ,

पटना, पुणे और तिरुवनंतपुरम में स्थित 15 क्षेत्रीय निदेशालयों के माध्यम से कार्य करता है।

उपरोक्त के अलावा, राष्ट्रीय, राज्य, विश्वविद्यालय और संस्थान स्तर पर सलाहकार समितियां हैं, जिनमें सरकारी और गैर–सरकारी सदस्य होते हैं, जो एनएसएस पदाधिकारियों को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

वित्तीय तंत्र

वर्तमान में, कोर एनएसएस गतिविधियों को चलाने के लिए नियमित एनएसएस गतिविधियों के लिए 250 रुपये प्रति स्वयंसेवक प्रति वर्ष और विशेष शिविर गतिविधियों के लिए 450 रुपये प्रति स्वयंसेवक (किसी विशेष वर्ष में स्वयंसेवकों का 50 प्रतिशत) के लिए धन उपलब्ध कराया जाता है। सभी धनराशि का उपयोग एनएसएस गतिविधियों को चलाने के लिए किया जाता है और किसी भी स्वयंसेवक को कोई नकद भुगतान नहीं किया जाता है। कुल प्रावधान में से, एनएसएस से जुड़े शिक्षण संस्थानों में स्थापना लागत को भी नियमित गतिविधियों की निधि से पूरा करना आवश्यक है।

2015–16 तक एनएसएस एक केन्द्रीय प्रायोजित योजना के रूप में कार्यान्वित की गई। तथापि, 01.04.2016 से इसका कार्यान्वयन केन्द्रीय क्षेत्र योजना के रूप में किया जा रहा है।

स्व–वित्त पोषण ईकाइयां (एसएफयू):

विभाग ने एनएसएस की स्व–वित्त पोषित इकाइयों की स्थापना के लिए एक तंत्र की शुरुआत की है ताकि पर्याप्त सरकारी वित्त पोषण की कमी से एनएसएस का विस्तार बाधित न हो। इस तंत्र के तहत स्थापित ईकाइयों का स्तर किसी अन्य एनएसएस इकाई के समान होता है। अन्तर केवल इतना है कि इन इकाइयों को, इकाइयों की स्थापना करने वाले संस्थानों द्वारा वित्त पोषित किया जाता है। अब तक एनएसएस की 3691 स्व–वित्त पोषित इकाइयां स्थापित की जा चुकी हैं, जिनमें 3,69,100 स्वयंसेवक शामिल हैं।

2021–22 में कार्य निष्पादन रिपोर्ट

गांवों/मलिन बस्तियों को गोद लेना: एनएसएस इकाइयों ने समुदाय में विभिन्न सामाजिक गतिविधियों के लिए 27,775 गांवों/मलिन बस्तियों को गोद लिया।

एनएसएस विशेष शिविरों का आयोजन: विशेष शिविर एनएसएस का एक अभिन्न अंग हैं, जिसमें स्वयंसेवकों को ग्रामीण लोगों के साथ निकटता से काम करने, उनके जीवन के तरीके को समझने, उनके साथ सात दिनों तक रहने और विभिन्न विकास गतिविधियों को निष्पादित देने का अवसर मिलता है। पिछले वर्ष कोविड–19 के कारण 4682 विशेष शिविरों का आयोजन किया गया, हालांकि इस अवधि के दौरान ऑनलाइन जागरूकता गतिविधियों में एनएसएस के स्वयंसेवक सक्रिय रूप से शामिल थे।

पौधे रोपण: पौधे लगाना और उनका रखरखाव एनएसएस के तहत सबसे लोकप्रिय गतिविधियों में से एक है। विभिन्न स्थानों जैसे सरकारी भवनों, पार्कों, विश्वविद्यालय/कॉलेज परिसरों, एवेन्यू वृक्षारोपण, वन क्षेत्रों आदि में 20,52,053 पौधे लगाए गए।

रक्तदान: गरीबों, जरूरतमंदों, और अस्पतालों में आपात स्थितियों के दौरान रक्तदान करने के लिए एनएसएस के स्वयंसेवक देश में हमेशा सबसे आगे रहते हैं। नियमित कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, अधिकांश एनएसएस ईकाइयां इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, सरकारी अस्पतालों और ब्लड बैंकों के सहयोग से रक्तदान शिविर आयोजित करती हैं। अधिकांश विश्वविद्यालय/संस्थान एनएसएस स्वैच्छिक रक्त दाताओं की एक निर्देशिका रखते हैं,

जिनसे जरूरत के समय संपर्क किया जा सकता है। कोविड–19 के दौरान, पूरे भारत में एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा कुल 75,524 यूनिट रक्तदान किया गया।

पल्स पोलियो टीकाकरणः एनएसएस ने पल्स पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाया। एनएसएस स्वयंसेवकों ने पूरे देश में स्थानीय प्रशासन को बच्चों को पल्स पोलियो ड्रॉप्स पिलाने में मदद की। कुल 4,814 एनएसएस स्वयंसेवकों ने बच्चों के पल्स पोलियो टीकाकरण के लिए लाने सहभागिता की और इस कार्यक्रम से 21,691 बच्चे लाभान्वित हुए।

Pulse Polio Immunization by volunteers of Jadavpur University

PPI programme by NSS volunteers of +2 Council, West

स्वास्थ्य / नेत्र / टीकाकरण शिविरः एनएसएस इकाइयों ने गोद लिए गए गांवों में स्वास्थ्य, नेत्र और टीकाकरण शिविरों के आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई, वे विशेषज्ञ को जुटाते हैं और सामान्य स्वास्थ्य शिविर, कैंसर जागरूकता और पहचान शिविर, अंधापन नियंत्रण शिविर आदि के आयोजन के लिए सामान्य दवाएं भी एकत्र करते हैं। इस क्रम में 16,618 शिविर आयोजित किए गए, जिनमें 5,85,923 एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

देशभर जागरूकता कार्यक्रम / रैली / अभियानः में नियमित गतिविधि के एक भाग के रूप में एनएसएस इकाइयों ने समुदाय के लिए प्रासंगिक मुद्दों पर जागरूकता कार्यक्रम / रैली / अभियान आयोजित किए। पिछले वर्ष 93,419 जागरूकता कार्यक्रम / रैली / अभियान आयोजित किए गए, जिनमें 37,59,634 स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय अखण्डता शिविरः– एनएसएस स्वयंसेवकों के लिए महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, श्री राम कृष्ण कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, कोयंबटूर (तमिलनाडु), जे.के. कॉलेज, पुरुलिया (पश्चिम बंगाल), चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय हरियाणा कृषि कॉलेज, हिसार (हरियाणा) और सोआ विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर (ओडिशा) में 6 राष्ट्रीय अखण्डता शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में देश के विभिन्न राज्यों से टीमों के नेताओं के साथ 1,220 एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, हिसार, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र में शिविर हरियाणा सरकार द्वारा प्रायोजित थे और बाकी शिविर युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित थे।

कोविड–19 जागरूकता गतिविधियाँ: कोविड–19 महामारी के दौरान, अस्पतालों, बैंकों में सामाजिक दूरी बनाए रखने, जरूरतमंदों को खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने और समाज के बुजुर्ग लोगों की मदद करने जैसी विभिन्न गतिविधियों के लिए 1,27,078 स्वयंसेवकों ने जिला प्रशासन के साथ हाथ मिलाया। उन्होंने सुरक्षा सलाह सहित कोरोना वायरस के विभिन्न पहलुओं पर 1.47 करोड़ लोगों को जागरूक किया। देश भर में एनएसएस इकाइयों से प्रेरित होकर 52.90 लाख लोगों ने आरोग्य सेतु ऐप डाउनलोड किया। फेस मास्क के वितरण के लिए स्वयंसेवक भी 2.34 करोड़ लोगों तक पहुंचे। जहां तक कोविड–19 जन आंदोलन अभियान का संबंध है, एनएसएस इकाइयां देश में 2.64 करोड़ लोगों तक पहुंचीं। एनएसएस इकाइयों ने कोविड–19 टीकाकरण कार्यक्रमों में स्थानीय प्रशासन की भी मदद की, जिनमें 7,860 संस्थानों के 24,71,772 एनएसएस स्वयंसेवकों ने टीकाकरण अभियान में भाग लिया।

एक भारत श्रेष्ठ भारत 2021–22: कोविड–19 महामारी के कारण, एनएसएस ने वर्चुअल मोड के माध्यम से एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रमों का आयोजन किया। 2,11,293 एनएसएस स्वयंसेवकों और एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों की भागीदारी के साथ युग्मित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के बीच 45 राष्ट्रीय स्तर और 1,635 इकाई स्तर के वेबिनार आयोजित किए गए। एक भारत श्रेष्ठ भारत वेबिनार में शामिल विषय युग्मित राज्यों इतिहास, संस्कृति, ऐतिहासिक महत्व के स्थान, भाषा शिक्षण, वेशभूषा, व्यंजन, लोक कला, लोक गीत, नृत्य रूप, के संगीत वाद्ययंत्र थे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह, 2021: कोविड–19 के दौरान, शारीरिक व्यायाम और योग का महत्व जीवन शैली के एक अनिवार्य हिस्से के रूप में उभरा। पिछले साल की तरह, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस गतिविधियों का आयोजन ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीकों से किया गया। योग विषय पर योग प्रदर्शन और ऑनलाइन प्रतियोगिताओं, वेबिनार और अन्य गतिविधियों जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें देश भर के 24,59,882 एनएसएस स्वयंसेवकों और 9,91,726 अन्य लोगों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय पोषण माह–2021: पोषण माह का आयोजन 1 से 30 सितंबर, 2021 तक एनएसएस इकाइयों द्वारा किया गया था। कुल 8,28,721 स्वयंसेवकों ने पोषण जागरूकता अभियानों और मोटापे, खान–पान से जुड़े विकारों, फास्ट फूड और पैकेज्ड खाद्य वस्तुओं के शरीर पर प्रभाव और जैविक आहार के संवर्धन पर व्याख्यानों में भाग लिया।

सेवा योजना पुरस्कार, 2019–20 का समारोह वर्चुअल रूप में: 24 सितंबर 2021 को सुषमा स्वराज भवन, नई दिल्ली में आयोजित किया गया, जिसमें 42 एनएसएस पुरस्कार विजेताओं को भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया गया था। राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, कर्नाटक और गुवाहाटी विश्वविद्यालय, असम को सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय का पुरस्कार मिला। इसके अलावा 10 एनएसएस इकाइयों के कार्यक्रम अधिकारियों और 30 एनएसएस स्वयंसेवकों को भी सम्मानित किया जाता है।

फिट इंडिया फ्रीडम रन–2021: भारत की आजादी के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में फिट इंडिया फ्रीडम रन की श्रृंखला में 13 अगस्त से 2 अक्टूबर, 2021 तक कुल 9 रन का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों, पदाधिकारियों और अन्य लोगों ने रनों में भाग लिया, जिनमें देशभर के 29,304 संस्थानों के कुल 32,47,430 प्रतिभागियों ने इस राष्ट्रीय आयोजन में भाग लिया।

गांधी जयंती, 2021 समारोहः महात्मा गांधी की 152वीं जयंती पूरे देश में एनएसएस द्वारा उपयुक्त तरीके से मनाई गई। इस अवसर पर देशभर में फिट इंडिया प्लॉग रन, वेबिनार, व्याख्यान, ऑनलाइन निबंध लेखन और पेंटिंग, पोस्टर, क्विज जैसे विभिन्न कार्यक्रमों और गांधीवादी दर्शन पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें देश भर के 11,29,892 एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय एकता दिवस, 2021: सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती 31 अक्टूबर, 2021 को 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप में मनाई गई, जिसमें 13,86,946 एनएसएस स्वयंसेवकों ने देशभर में ऑफलाइन और ऑनलाइन, दोनों तरह की विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया।

स्वच्छ भारत अभियान–2021: 1–31 अक्टूबर, 2021 तक भारत की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के स्मरणोत्सव उपलक्ष्य में राष्ट्रव्यापी स्वच्छ भारत अभियान की श्रृंखला में, कुल 21,98,012 एनएसएस स्वयंसेवकों ने 14,10,750 किलोग्राम प्लास्टिक एकत्र किया।

संविधान दिवस: 26 नवंबर, 2021 को संविधान दिवस मनाया गया, जिसमें कुल 15,11,102 एनएसएस स्वयंसेवकों ने विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया।

एनएसएस गणतन्त्रता दिवस शिविर : पांच जोन में 5 गणतन्त्रता दिवस शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में देशभर से 1000 एनएसएस स्वयंसेवकों (500 पुरुष. 500 महिला) ने भाग लिया। इन शिविरों में गणतंत्र दिवस परेड कैंप–2022, नई दिल्ली में भाग लेने के लिए सर्वश्रेष्ठ पात्र स्वयंसेवकों का चयन किया गया।

राष्ट्रीय युवा महोत्सव, 2021: राष्ट्रीय युवा महोत्सव, 2022 का आयोजन 12–16 जनवरी, 2022 तक वर्चुअल मोड में किया गया, जिसमें देशभर से 13,97,134 एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

स्वच्छता पखवाड़ा–2021: देशभर में एनएसएस इकाइयों ने ऑफलाइन और ऑनलाइन, दोनों तरीकों से अपने शैक्षणिक संस्थानों के गोद लिए गांवों, मलिन बस्ति क्षेत्रों, पार्कों, अस्पतालों आदि के परिसर में स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम और गतिविधियों का आयोजन किया। राष्ट्रीय

सेवा योजना द्वारा इस वर्ष 1–15 अगस्त, 2021 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाने के लिए विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों और गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें देशभर के 11,311 संस्थानों के कुल 9,36,656 स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

Cleaning of Statues

Swacchta Abhiyan by NSS volunteers of +2 Council, West Bengal

आत्मरक्षा प्रशिक्षणः देश में संबंधित एनएसएस ईकाइयों के माध्यम से 11,208 एनएसएस बालिकाओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण दिया गया।

श्रमदानः एनएसएस के एक अभिन्न अंग के रूप में, स्वयंसेवकों द्वारा श्रमदान के 35,36,737 घंटे का योगदान दिया गया।

एनएसएस द्वारा 'आजादी का अमृत महोत्सव' उपयुक्त तरीके से मनाया जा रहा है। इस अवसर के उपलक्ष्य में, एनएसएस द्वारा देशभर में ऑफलाइन और ऑनलाइन मोड के माध्यम से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

गणतंत्र दिवस परेड शिविर, 2022: गणतंत्र दिवस परेड शिविर जनवरी, 2022 के महीने में नई दिल्ली में आयोजित किया गया था, जिसमें भारत के सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के 15 दल नेताओं के साथ 147 एनएसएस स्वयंसेवकों (पुरुष और महिला) ने भाग लिया था।

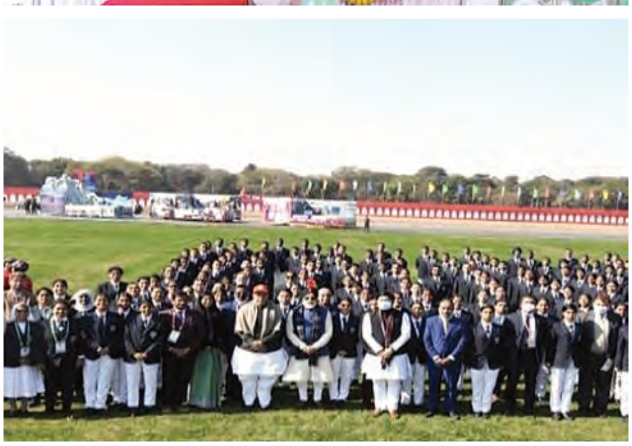

उत्तर पूर्व के एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा की गई सामाजिक गतिविधियों की झलक

भारत के उत्तर–पूर्वी राज्यों में अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा राज्य शामिल हैं। 2021–22 के दौरान, पूर्वोत्तर राज्यों में कुल आवंटित एनएसएस स्वयंसेवकों की संख्या 2,07,400 थी, जिसमें 36 विश्वविद्यालयों और सात +2 परिषदों के 1,151 संस्थानों में 1,818 एनएसएस इकाइयों को शामिल थे।

कोविड–19 महामारी के दौरान, पूर्वोत्तर में एनएसएस स्वयंसेवकों ने लोगों को कोविड–19 से बचाव और सुरक्षा के बारे में जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, लाखों मास्क सिले और वितरित किए, लोगों को टीका लगवाने में मदद की, दुर्घटना परामर्श दिया, क्वारंटीन केन्द्रों का सुचारू प्रबंधन और प्रशासन किया। लॉक डाउन के दौरान ब्लड बैंकों में रक्त की कमी को पूरा करने के लिए एनएसएस के स्वयंसेवक भी नियमित रक्तदान में शामिल रहे।

कोविड–19 महामारी के बावजूद, एनएसएस स्वयंसेवकों ने कभी भी किसी भी नियमित गतिविधियों की उपेक्षा नहीं की और वृक्षारोपण, स्वच्छ भारत मिशन और स्वच्छ भारत अभियान, जल शक्ति अभियान, एक भारत श्रेष्ठ भारत, मिशन इंद्रधनुष, ऊर्जा संरक्षण और नवीकरणीय ऊर्जा को लोकप्रिय बनाने, जैविक खेती, फिट इंडिया अभियान, पोषण माह, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दिवस का अवलोकन, योग, आत्मरक्षा आदि में सक्रिय रूप से भाग लिया।

इस अवधि के दौरान, पूर्वोत्तर के एनएसएस परिवार ने राष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त किए।

डॉन बॉस्को कॉलेज मारम, मणिपुर की एनएसएस इकाई की एक टीम को जल शक्ति अभियान मंत्रालय द्वारा स्वच्छ भारत ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम के लिए लगातार दो वर्षों तक सम्मान दिया गया। उत्तर–पूर्व के इतिहास में पहली बार, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, असम को सम्मान दिया गया और भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय एनएसएस पुरस्कार प्रदान किया गया।

जल शक्ति अभियान के तहत एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा मेघालय के पूर्वी खासी हिल्स जिले के जोंगक्ष गांव में वृक्षारोपण।

जवाहरलाल नेहरू कॉलेज पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश की एनएसएस इकाई ने अक्टूबर, 2021 के दौरान एक महीने तक चलने वाले स्वच्छ भारत अभियान का आयोजन किया, जहां एनएसएस स्वयंसेवकों ने शहर के विभिन्न हिस्सों और गोद लिए गए गांवों से अच्छी मात्रा में कचरा और प्लास्टिक एकत्र किया और प्लास्टिक और कचरे का सुरक्षित रूप से निपटान किया।

त्रिपुरा की एनएसएस इकाई ने जैविक किचन गार्डन विकसित किया, जहां स्कूल में मध्याह्न भोजन के लिए पौष्टिक सब्जी का उपयोग किया जाता है।

एनएसएस की सर्वोत्तम प्रक्रियाएं और सफलता की कहानियां–

1. 75 हजार औषधीय पौधों का वितरण–

एनएसएस स्वयंसेवकों की मदद से, योगी वामन विश्वविद्यालय, कडपा, आंध्र प्रदेश, एक अद्वितीय एनएसएस सेल था, जिसने 1 अगस्त 2021 से 31 अक्टूबर 2021 तक भारतीय स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ (आजादी का

अमृत महोत्सव) के संबंध में तीन महीने की अवधि के भीतर। आंध्र प्रदेश और उसके आसपास स्वयंसेवकों, किसानों, आम लोगों, परिवारों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, गैर सरकारी संगठनों को 75 हजार औषधीय पौधों का वितरण सफलतापूर्वक पूरा किया। सभी वितरित औषधीय पौधे अपने–अपने स्थानों पर अच्छी तरह से बढ़ रहे हैं, और एनएसएस स्वयंसेवक व्यक्तिगत रूप से निगरानी करने के लिए आते हैं और औषधीय पौधों और उनके घरेलू उपचारों पर जागरूकता की सीख देते हैं।

2. क. कोविड–19 वैक्सीन रोलआउट अभियान–

एनएसएस ने देश में कोविड–19 वैक्सीन रोलआउट के सफल कार्यान्वयन के लिए बहुत सक्रिय रूप से योगदान दिया। सोशल मीडिया, जैसे विभिन्न माध्यमों से डोर–टू–डोर जागरूकता, सामाजिक घोषणा, वॉल पेंटिंग और पोस्टर मेकिंग आदि विभिन्न गतिविधियों जैसे लोगों को जुटाना और सामुदायिक जुड़ाव, वैक्सीन के लाभ के बारे में संदेश का प्रसार और समुदाय के बीच वैक्सीन सुरक्षा के बारे में विश्वास पैदा करना, इस राष्ट्रव्यापी अभियान के सफल कार्यान्वयन के लिए किए गए थे। इन गतिविधियों में 7,860 संस्थानों के कुल 24,71,772 एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

ख. एनएसएस के कुछ स्वयंसेवकों ने कोविड–19 महामारी की दूसरी लहर के दौरान अनुकरणीय समर्पित कार्यकलाप किए।

पंजाब के एक स्वयंसेवक श्री मो. अमजद ने लगभग 100 शवों का अंतिम संस्कार करने में मदद की और विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर, महाराष्ट्र की एक स्वयंसेवक सुश्री प्रिया प्रकाश पाटिल ने 250 शवों के दाह संस्कार में मदद की। ये एनएसएस के केवल कुछ कोविड योद्धा हैं, जिन्होंने महामारी के दौरान बहुत समर्पण के साथ काम किया है।

3. फिर से पढ़ने की आदत : मुंबई विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र के एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा गोद लिए गए गांवों में पुस्तकालय का निर्माण–

मुंबई विश्वविद्यालय भारत के सबसे पुराने विश्वविद्यालयों में से एक है। इसकी 383 एनएसएस इकाइयाँ हैं जिनमें 47000 से अधिक एनएसएस स्वयंसेवक पंजीकृत हैं। एनएसएस इकाइयां लगभग 800 किमी क्षेत्र के दायरे में काम कर रही हैं। मुंबई विश्वविद्यालय के एनएसएस में अपने क्षेत्र के रूप में गतिविधियों का व्यापक स्पेक्ट्रम है, और इन्हें जिले के अनुसार डिजाइन किया जाता हैं जैसे सिंधुदुर्ग और रत्नागिरी जिले अपने पर्यटन स्थलों के लिए जाने जाते हैं, रायगढ़ जिला अब धीरे–धीरे शहरीकरण की ओर बढ़ रहा है, मुंबई वित्तीय राजधानी है, ठाणे अर्ध–शहरी और अर्ध–ग्रामीण है, और पालघर में आदिवासी आबादी है। तदनुसार इसी तरह प्रोजेक्ट तैयार किए गए हैं।

सभी एनएसएस ईकाइयों के लिए एक साझा गतिविधि करने का निर्णय लिया गया। प्रत्येक कॉलेज एनएसएस ईकाई के गोद लिए गए गांवों में पुस्तकालय खोलने का निर्णय लिया गया। लक्ष्य 24 नवंबर को या उससे पहले 50 कार्यात्मक पुस्तकालय और 2 अक्टूबर को या उससे पहले 150 अतिरिक्त कार्यात्मक पुस्तकालय का था। अब तक गांवों में 272 पुस्तकालय कार्यरत हैं। जिन्हें एनएसएस स्वयंसेवकों, पीओ और प्राचार्यों के सामूहिक प्रयासों के कारण खोला गया हैं।

4. मैसूर, कर्नाटक में एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा स्मारकों की सफाई:–

डॉ. राघवेंद्र, शेषाद्रिपुरम डिग्री कॉलेज, मैसूर के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी और एनएसएस स्वयंसेवकों ने श्रीरंगपट्टन और मैसूर के आसपास स्मारक की सफाई और जीर्णोद्वार का काम किया। उन्होंने कावेरी नदी के तट के पास गंजम और करीघट्टा में एक 600 वर्ष पुराने ईश्वर मंदिर का जीर्णोद्धार किया। इन गतिविधियों ने अन्य स्वयंसेवकों को विरासत प्रबंधन और रखरखाव की ऐसी ही गतिविधियों को करने के लिए प्रोत्साहित किया।

जक्कनहल्ली कल्याणी, श्रीरंगपट्टन की सफाई

5. उत्तर प्रदेश में कोरोना के खिलाफ फरिश्तेः

लॉकडाउन के दौरान एनएसएस स्वयंसेवकों ने कुछ नए–नए कार्य किए। इसी क्रम में एकेपी पीजी कॉलेज खुर्जा, बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश के एनएसएस स्वयंसेवकों ने 65 स्वयंसेवकों की एक टीम 'जननी' का गठन किया और इसे 'एंजेल्स अगेंस्ट कोरोना' नाम दिया। टीम ने घर–घर जाकर गर्भवती महिलाओं को किसी भी आपात स्थिति की जानकारी दी और महिलाओं को आवश्यक सामग्री वितरित की। स्वयंसेवकों ने आस–पास के क्षेत्रों में रहने वाली गर्भवती महिलाओं का डेटा एकत्र किया और किसी भी आपात स्थिति के मामले में उनके साथ एम्बुलेंस के संपर्क नंबर, स्थानीय प्रशासन के आपातकालीन नंबर साझा किए। इस अभियान से लगभग 165 गर्भवती महिलाओं ने लाभ उठाया।

अध्याय – 7

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी)

प्रस्तावना

आरजीएनआईवाईडी एक शीर्ष संस्थान है जो महत्वपूर्ण संसाधन केंद्र के रूप में कार्य कर रहा है, जिसमें युवा विकास के विभिन्न आयामों को शामिल करते हुए, युवा विकास के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में मौलिक अनुसंधान का कार्य करने और देशभर में विस्तार और लोकसंपर्क पहल करने के अलावा अत्याधुनिक विशिष्ट शैक्षणिक कार्यक्रम चलाएं जा रहे है।

संस्थान मंत्रालय के एक थिंक टैंक के रूप में कार्य करता है और देश में युवाओं से संबंधित गतिविधियों का एक प्रमुख संगठन है। शीर्ष संस्थान के रूप में, यह प्रशिक्षण कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में एनएसएस, एनवाईकेएस और अन्य युवा संगठनों के साथ घनिष्ठ सहयोग में काम करता है। यह संस्थान ग्रामीण, शहरी और आदिवासी क्षेत्रों में युवा विकास गतिविधियों के एक सूत्रधार के रूप में युवाओं को प्रशिक्षण देने के लिए नोडल एजेंसी है।

आरजीएनआईवाईडी देश में एक युवा वेधशाला और डिपॉजिटरी के रूप में कार्य करता है, जिससे युवाओं से संबंधित मुद्दों पर निगरानी की जाती है। युवाओं के कल्याण और विकास के लिए काम करने वाले विभिन्न संगठनों के साथ इसका व्यापक नेटवर्क है। भारत के माननीय राष्ट्रपति संस्थान के कुलाध्यक्ष हैं।

संस्थान की विविध गतिविधियों की निगरानी इसके वैधानिक निकायों जैसे कार्यकारी परिषद, अकादमिक परिषद, वित्त समिति और भवन और निर्माण समिति द्वारा की जाती है।

निदेशक, मुख्य कार्यकारी अधिकारी होता है जो विभिन्न स्कूलों, विभागों और केंद्रों के माध्यम से संस्थान के दिन–प्रतिदिन के कामकाज के लिए जिम्मेदार होता है।

2021 – 2022 के दौरान आरजीएनआईवाईडी के कार्यक्रम और गतिविधियां

शैक्षणिक प्रभाग की गतिविधियां

शैक्षणिक प्रभाग देश में युवा विकास के लिए सक्षम पेशेवरों का एक संवर्ग विकसित करने का प्रयास करता है, जो विभिन्न शैक्षिणक क्षेत्रों में अध्ययन के उचित रूप से डिजाइन और दक्षतापूर्वक वितरित पाठ्यक्रम के माध्यम से युवाओं की उभरती विकास आवश्यकताओं और आकांक्षाओं के लिए प्रासंगिक है और युवा कार्य पदाधिकारियों के राष्ट्रीय मूल्य और पेशेवर नैतिकता के अनुरूप है। वर्तमान में चलाए जा रहे अकादमिक पाठ्यक्रम दुनिया भर में प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों द्वारा चलाए जा रहे और ये अंतरराष्ट्रीय मानकों और पाठ्यक्रम आवश्यकताओं अनुरूप हैं।

प्रभाग के प्रमुख कार्यों में शामिल हैं:

- ज्ञान, कौशल, नैतिकता, मूल्यों आदि के संबंध में युवा विकास में स्नातकोत्तर डिग्री प्रदान करना, जिससे इच्छुक युवा पेशेवरों जो युवा विकास के क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं और देश के अन्दर और देश के बाहर को संस्थान के शैक्षणिक पाठ्यक्रमों तक व्यापक पहुंच प्रदान की जा सके।
- संस्थान के शिक्षण/प्रशिक्षण संकाय की व्यावसायिक क्षमताओं को विकसित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय ख्याति के संस्थानों और विश्वविद्यालयों के साथ संकाय सदस्यों के लिए आदान–प्रदान कार्यक्रम आयोजित करना।
- प्रतिष्ठित संस्थानों/विश्वविद्यालयों के साथ छात्र आदान–पदान कार्यक्रमों का प्रबंधन, जिसमें छात्र अपनी पसंद के विषय में दक्षता हासिल कर पाएंगे।
- राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ छात्रों के लिए इंटर्नशिप चलाना और रोजगार दिलाने की व्यवस्था करना ताकि उन्हें व्यापक सामाजिक और सांस्कृतिक विविधताओं के लिए आवश्यक परस्पर अनुभव प्राप्त कर सके, इस प्रकार, उन्हें वैश्विक नौकरी बाजार में प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनाया जा सके।
- विभिन्न पाठ्यक्रमों के मौजूदा पाठ्यक्रम की समीक्षा करना ताकि उन्हें रोजगार एजेंसियों की जरूरतों

के अनुरूप बनाया जा सके और देश के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के मानकों के साथ समानता सुनिश्चित की जा सके।

- संस्थान के शैक्षणिक कार्यक्रमों के अनुसंधान, प्रशिक्षण और शिक्षण में सहायता के लिए डॉक्टरेट फेलोशिप प्रदान करना।
- संस्थान के छात्रों और संकायों को विशेषज्ञ अकादमिक प्रवचन प्रदान करने के लिए प्रख्यात विद्वानों, प्रोफेसरों और उत्कृष्ट कार्यकर्ताओं की विशेषज्ञता का उपयोग करना।

युवा अध्ययन में उच्च शिक्षा के शीर्ष संस्थान के रूप में, आरजीएनआईवाईडी ने निम्नलिखित मास्टर डिग्री प्रोग्राम (दो साल की अवधि) चलाना जारी रखा :

- एम.एससी. (परामर्श मनोविज्ञान)
- एम.ए. (विकास नीति और अभ्यास)
- एम.ए. (लिंग अध्ययन)
- एम.ए. (स्थानीय शासन और विकास)
- एम.ए. (सामाजिक नवाचार और उद्यमिता)
- एम.एस.डब्ल्यू. (युवा और सामुदायिक विकास)

आरजीएनआईवाईडी द्वारा चलाए ज रहे ये स्नातकोत्तर कार्यक्रम सामग्री और संरचना के मामले में अद्वितीय हैं जो छात्रों को युवा कार्य और समकालीन मुद्दों के बारे में दक्षता और सैद्धांतिक ज्ञान से लैस करने के लिए एक अंतःविषय दृष्टिकोण को अपनाते हैं। विद्वानों की खोज और क्षेत्र अभ्यास का एक विवेकपूर्ण मिश्रण, प्रत्येक पीजी कार्यक्रम शिक्षार्थियों को युवा विकास में पेशेवरों के रूप में ढालता है।

स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के अलावा, आरजीएनआईवाईडी निम्नलिखित स्नातक कार्यक्रम चलाता है:

- बी.वोक. परिधान निर्माण और उद्यमिता
- बी.वोक. फैशन डिजाइन और रिटेल

ये कार्यक्रम देश भर के 25 केंद्रों के माध्यम से आरजीएनआईवाईडी, परिधान प्रशिक्षण और डिजाइन केंद्र (एटीडीसी) और परिधान प्रबंधन संस्थान (आईएएम) के बीच एक त्रिपक्षीय समझौते के माध्यम से पेश चलाए जाते हैं।

प्रशिक्षण / क्षमता निर्माण कार्यक्रम / कार्यशालाएं / अभिविन्यास

शैक्षिक लेखन कार्यशालाः शैक्षिक लेखन कार्यशाला मेंटोर सम्मेलन 8 अप्रैल 2021 को आयोजित किया गया, सम्मेलन के दौरान आरजीएनआईवाईडी, किंग्स कॉलेज, लंदन, हांगकांग विश्वविद्यालय और ग्रिफिथ विश्वविद्यालय के मेंटोरों ने कार्यशाला के प्रतिभागियों के लिए आरजीएनआईवाईडी पर ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श योजना और अभिविन्यास कार्यशाला पर चर्चा की और अंतिम रूप दिया। चयनित प्रतिभागियों को व्यक्तिगत मेंटरशिप के लिए मेंटर्स को आवंटित किया गया था। इसके बाद 22 अप्रैल 2021 को मेंटर्स और मेंटीज के बीच पहली व्यक्तिगत बैठक हुई और मेंटियों को एक लेखन योजना तैयार करने, तर्क तैयार करने, अपने विशिष्ट क्षेत्रों के आधार पर सिद्धांतों को स्पष्ट करने, विशिष्ट अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं और जर्नल आवश्यकताओं को चुनने का सुझाव दिया गया। प्रतिभागियों को आगे अपने प्रस्तावित कार्य का एक सार प्रस्तुत करने के लिए कहा गया।

डॉ. बी.आर. अम्बेडकर का सामाजिक विज्ञान शिक्षा में योगदान पर एक विशेष व्याख्यानः आरजीएनआईवाईडी द्वारा 15 अप्रैल 2021 को सामाजिक विज्ञान समुदाय को बाबा साहब डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के योगदान पर एक विशेष व्याख्यान बाबा साहिब डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की 130 वीं जयंती के उपलक्ष्य में दिया गया। विशेष व्याख्यान मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज, चेन्नई में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ सी लक्ष्मणन द्वारा दिया गया था। उन्होंने बताया कि अम्बेडकर के दृष्टिकोण से जाति किस प्रकार लोगों के दिमाग और रोजमर्रा की सामग्री में अपनी भूमिका और आकार लेती है।

कैरियर मार्गदर्शन और परामर्श पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम: प्रतिभागियों को सक्षम बनाने के लिए आरजीएनआईवाईडी द्वारा 26 से 28 जुलाई 2021 तक जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों के लिए कैरियर मार्गदर्शन और परामर्श पर प्रशिक्षकों का 3 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था ताकि प्रतिभागी करियर योजना के महत्व को समझें और व्यवस्थित करियर निर्णय लेने की दिशा में किशोरों और युवाओं का मार्गदर्शन करने के लिए उनकी क्षमताओं का पोषण हो, वे प्रतिभागियों को करियर परामर्श और करियर प्रोफाइलिंग के उन्मुखीकरण का देने के लिए आवश्यक कौशल से लैस किया जा सके और कार्य के परिवेश में विभिन्न करियर क्षेत्रों/कैरियर विकल्पों पर जानकारी दी जा सकें।

युवाओं के लिए कंप्यूटर कौशल पर ध्यान केंद्रित करने वाली बुनियादी डिजिटल साक्षरता: उत्तर पूर्वी क्षेत्र के विकास के लिए युवाओं के लिए 'बुनियादी डिजिटल साक्षरता, युवाओं के लिए कंप्यूटर कौशल पर ध्यान केंद्रित करना' पर युवाओं के लिए 5 दिवसीय ऑनलाइन कार्यक्रम त्रिपुरा विश्वविद्यालय (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय) के सहयोग से सीटीओसीबी, आरजीएनआईवाईडी के सहयोग से द्वारा आयोजित किया गया।

आपदा जोखिम न्यूनीकरण और लचीलेपन में युवाओं की भागीदारी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

04 अगस्त 2021: 4 से 6 अगस्त, 2021 तक आरजीएनआईवाईडी और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आपदा जोखिम न्यूनीकरण और लचीलापन में युवाओं की सहभागिता पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। प्रो. सिबनाथ देब, निदेशक आरजीएनआईवाईडी ने ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्‌घाटन भाषण दिया।

पूर्वोत्तर क्षेत्र के युवाओं के लिए शिक्षा प्रणालियों को प्रासंगिक बनाने के लिए एम्बेडिंग कम्प्यूटेशनल सोच पर युवाओं के लिए 5–दिवसीय ऑनलाइन कार्यक्रम: आरजीएनआईवाईडी ने सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय के सहयोग से 9 से 13 अगस्त, 2021 तक 5 दिवसीय ऑनलाइन कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें उत्तर पूर्व के विभिन्न हिस्सों के ग्रामीण स्कूलों (मुख्य रूप से केंद्रीय विद्यालय शिक्षक)

के 80 से अधिक युवा शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया। उन्हें सिखाया गया कि कैसे अपने युवा छात्रों में कम्प्यूटेशनल सोच को एम्बेड किया जाए ताकि वे 21 वीं सदी के कौशल जैसे कि अंतर–व्यक्तिगत संचार, सहयोग, महत्वपूर्ण सोच, डिजाइन सोच, समस्या समाधान, परिवर्तन से निपटने आदि के साथ तैयार हो सकें और आईसीटी और स्टेम पर ध्यान केंद्रित कर सकें।

प्रशिक्षण कार्यक्रम: आरजीएनआईवाईडी, श्रीप्रंबुदूर और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम), दिल्ली, (भारत सरकार) के सहयोग से 15–17 सितंबर, 2021 तक तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 'पूर्व चेतावनी और प्रसार में युवा की सहभागिता'(ऑनलाइन) आयोजित किया गया था। प्रो. सूर्य प्रकाश, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान ने बताया कि भारतीय संदर्भ में पूर्व चेतावनी प्रणाली कितनी सहायक है। बड़ी संख्या में युवा पेशेवरों ने प्रतिभागियों के साथ बातचीत की।

आजादी का अमृत महोत्सव – प्लास्टिक के एकल उपयोग से बचने के बारे में जागरूकता पैदा करने पर प्रतिकात्मक सप्ताह: आरजीएनआईवाईडी ने व्याख्यान और गतिविधियों की एक श्रृंखला के साथ 8 से 18 अक्टूबर, 2021 तक एक सप्ताह तक चलने वाले आजादी का अमृत महोत्सव का आयोजन किया। सतत विकास के क्षेत्र में काम करने वाले संसाधन व्यक्तियों को व्याख्यान सत्र देने के लिए आमंत्रित किया गया था। एक सफल मॉडल विलेज की स्थापना करने वाले वैज्ञानिक और जमीनी स्तर पर बदलाव लाने वाले श्री आर. एलंगो ने प्लास्टिक के एकल उपयोग से बचने के बारे में जागरूकता पर व्याख्यान दिया। मिडवे जर्नी असम के संस्थापक श्री शिरशेंदु शेखर दास का एक विशेष व्याख्यान, सभी स्तरों पर कचरे के प्रभावी प्रबंधन पर केंद्रित था। उन्होंने लैंडफिल की वैज्ञानिक पद्धति, लैंडफिल और डंप साइट्स के बीच अंतर के बारे में विस्तार से बताया।

सतत विकास के लिए व्यवहार परिवर्तन के लिए विचार शीर्षक से आरजीएनआईवाईडी के छात्रों के बीच एक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का समापन आरजीएनआईवाईडी के निदेशक प्रो सिबनाथ देब द्वारा नए अकादमिक ब्लॉक के पास आरजीएनआईवाईडी परिसर में वृक्षारोपण अभियान के साथ हुआ।

पेशेवर युवा कार्य प्रक्रिया पर दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रमः आरजीएनआईवाईडी द्वारा व्यावसायिक युवा कार्य प्रक्रिया पर दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम (02–03 नवंबर 2021) आयोजित किया गया था। 'युवाओं की जनसांख्यिकीय रूपरेखा और राष्ट्र निर्माण में युवाओं का महत्व' विषय पर पहला तकनीकी सत्र प्रो. देवेंद्रन, प्रोफेसर, सामाजिक कार्य विभाग, मिजोरम केंद्रीय विश्वविद्यालय, आइजोल द्वारा दिया गया।

झारखंड राज्य के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों के लिए रोजगार कौशल पर टीओटीः आरजीएनआईवाईडी ने 15–17 दिसंबर, 2021 को ऑनलाइन मोड में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के कार्यक्रम अधिकारियों के लिए प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में कुल 24 एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों ने भाग लिया।

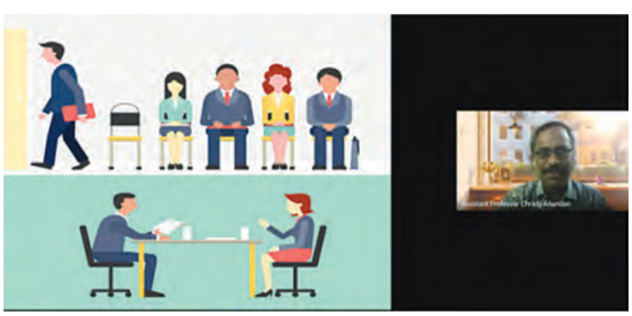

प्रशिक्षण में रोजगार क्षमता वाले कौशल का परिचय, स्व–ब्रांडिंग, कैरियर लक्ष्य निर्धारण और निष्पादन, समय प्रबंधन, संचार कौशल, अनुकूलन क्षमता और सहयोग, प्रभाव और अग्रणी, निर्णय लेने के कौशल, सूचना प्रौद्योगिकी कौशल और साक्षात्कार की तैयारी पर सत्र शामिल थे।

सामाजिक समावेशन पर दो दिवसीय ऑनलाइन कार्यशालाः आरजीएनआईवाईडी ने सामाजिक समावेशन पर दो दिवसीय कार्यशाला (21–22 दिसंबर, 2021) आयोजित की। मुख्य संबोधन प्रो. अवथी रमैया, डीन, इक्वल अपोचुयुरिटी सेंटर एण्ड फैकल्टी, सेंटर फॉर स्टडी ऑफ सोशल एक्सक्लूजन एंड इनक्लूसिव पॉलिसी, टीआईएसएस, मुंबई द्वारा दिया गया था। उन्होंने जोर देकर कहा कि शिक्षा, सामाजिक लोकतंत्र और संविधान प्रस्तावना के पोषित आदर्श, जो बौद्ध धर्म में भी हैं, समाज में एकता ला सकते हैं। 'पंचायत राज संस्थान और भारत में सामाजिक समावेश', 'समुदाय स्तर पर सामाजिक समावेश को बढ़ावा देने में युवाओं की भूमिका', 'सूचना युग और समावेशी नीतियों और अभ्यास के बीच अन्तर', 'समावेशी समाज बनानाः नागरिक समाज संगठन की भूमिका' जैसे विषय 'कार्यशाला के दौरान कवर किए गए।

भारत युवा विकास सूचकांक परियोजना पर दूसरी विशेषज्ञ बैठक – 2022: युवा विकास सूचकांक, 2022 पर विशेषज्ञों की दूसरी बैठक 13 अगस्त, 2021 को वर्चुअल मोड में आयोजित की गई। निदेशक, आरजीएनआईवाईडी ने इस प्रक्रिया को विस्तृत रूप से बताया कि कैसे सुझावों को बाद की चर्चाओं और विशेषज्ञों के साथ बातचीत के माध्यम से प्राप्त किया गया, जिन्हें मौजूदा डोमेन के तहत वर्गीकृत किया गया है और रक्षा और सुरक्षा पर एक नए विषय को राष्ट्रमंडल सचिवालय द्वारा बताए गए ग्लोबल युवा विकास सूचकांक 2020 में शामिल नए विषयों के अनुसार शामिल किया गया है।

सेमिनार / वेबिनार / व्याख्यान

'युवा और जल नेतृत्व' पर विशेष व्याख्यानः स्थानीय शासन विभाग, आरजीएनआईवाईडी ने ग्रासरूट एम्पावरमेंट एंड डेवलपमेंट बाय यूथ (जीईडीवाई) के सहयोग से 26 जून, 2021 को 'युवा और जल नेतृत्व' पर नेतृत्व व्याख्यान

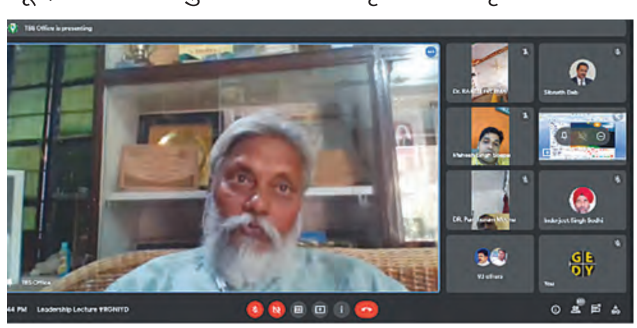

का आयोजन किया। प्रख्यात पर्यावरणविद् और मैग्सेसे पुरस्कार विजेता, डॉ. राजेंद्र सिंह (भारत के वाटरमैन के रूप में लोकप्रिय) ने विशेष व्याख्यान दिया।

आपदा प्रबंधन में युवाओं की भूमिका पर वेबिनारः 'आपदा प्रबंधन में युवाओं की भूमिका' पर वेबिनार का आयोजन आरजीएनआईवाईडी और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 6 अगस्त, 2021 को सुबह 11.30 बजे किया गया। आरजीएनआईवाईडी के निदेशक प्रो. सिबनाथ देब ने वेबिनार के मुख्य संरक्षक के रूप में व्याख्यान दिया।

पार्टिसिपेटरी अर्ली वार्निंग सिस्टम्स– यूथ एंगेजिंग प्रैक्टिसः ''पार्टिसिपेटरी अर्ली वार्निंग सिस्टम्सः यूथ एंगेजिंग प्रैक्टिस'' पर वेबिनार का आयोजन 9 अगस्त, 2021 को आरजीएनआईवाईडी और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। आरजीएनआईवाईडी के निदेशक, प्रो. सिबनाथ देब ने वेबिनार के मुख्य संरक्षक के रूप में व्याख्यान दिया।

भारत में राजकोषीय विकेंद्रीकरण पर विशेष व्याख्यानः 30 सितंबर, 2021 को आरजीएनआईवाईडी द्वारा ''15वें वित्त आयोग के बाद भारत में राजकोषीय विकेंद्रीकरण'' पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया था। प्रो. वी.एन. आलोक, भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, दिल्ली मुख्य वक्ता थे और उन्हें राजकोषीय संघवाद, केंद्रीय/राज्य वित्त आयोग, स्थानीय सरकार के वित्त के बारे में बात की। उन्होंने फ्लोटिंग बॉन्ड और स्थानीय सरकार के अन्य राजस्व स्रोतों के महत्व पर प्रकाश डाला। इसमें देश भर से 90 प्रतिभागी शामिल हुए।

युवा विकास सूचकांक पर सीआईआरडीएपी वेबिनारः डॉ. वसंती राजेंद्रन, प्रोफेसर, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग केंद्र ने अपनी वेबिनार श्रृंखला के हिस्से के रूप में 26 सितंबर, 2021 को सेंटर ऑन इंटीग्रेटेड रूरल डेवलपमेंट फॉर एशिया एंड द पैसिफिक (सीआईआरडीएपी) द्वारा आयोजित। युवा विकास सूचकांक 2017 और जीवाईडीआई 2020 पर वेबिनार में सीआईआरडीएपी सदस्य देशों के विशेष संदर्भ में भारत युवा विकास सूचकांक 2017 और जीवाईडीआई 2020 पर एक प्रस्तुति दी। विभिन्न लिंक संस्थानों का प्रतिनिधित्व करने वाले एशिया प्रशांत क्षेत्र में सीआईआरडीएपी के सभी सदस्य देशों ने वेबिनार में भाग लिया। वेबिनार के दौरान युवा विकास सूचकांक से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर संकेतकों, संकेतकों के चयन आदि पर चर्चा की गई। आरजीएनआईवाईडी पहले ही दो संस्करण निकाल चुका है, और तीसरा संस्करण निकालने की प्रक्रिया में है। आरजीएनआईवाईडी और सीआईआरडीएपी के बीच समझौता–ज्ञापन के तहत, सीआईआरडीएपी और एसएएआरसी के सहयोग से आरजीएनआईवाईडी द्वारा दक्षिण एशियाई देशों के लिए एक युवा विकास सूचकांक विकसित किया जाना है।

विशेष कार्यक्रम

नैनो प्रौद्योगिकी और उसके प्रयोगों पर अल्पकालिक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमः आरजीएनआईवाईडी ने 26 से 30 अप्रैल, 2021 तक राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुचिरापल्ली, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जालंधर, नैनो विज्ञान के लिए विशेष केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, सीगेट टेक्नोलॉजी, मिनेसोटा, यूएसए और बोस्टन साइंटिफिक, मिनेसोटा यूएसए सत्रों को एनआईटी तिरुचिरापल्ली, एनआईटी जालंधर, जेएनयू, सीगेट टेक्नोलॉजी, यूएसए और बोस्टन साइंटिफिक, यूएसए के सहयोग से एक संस्थान–उद्योग भागीदारी कार्यक्रम के रूप में आयोजित किया जा रहा है। नैनो प्रौद्योगिकी पर अपने ऑनलाइन अल्पकालिक प्रमाणपत्र कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इन सत्रों में एआईटी तिरूचिरापल्ली, एनआईटी जालंधर, जेएनयू, सीगेट टेक्नोलॉजी, यूएसए और बोस्टन साइंटिफिक, यूएसए के इस क्षेत्र के प्रतिष्ठित उपाय कुशल व्यक्तियों द्वारा संचालित किया गया।

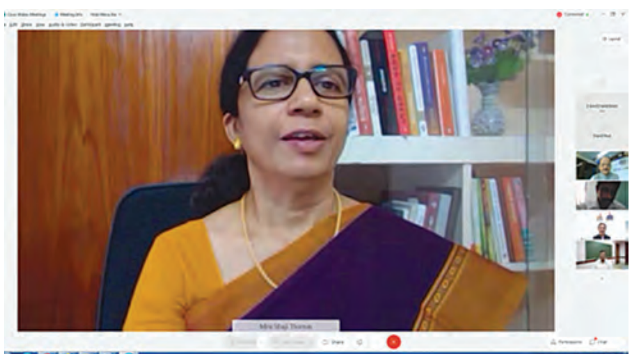

पहला आईबीएसए (भारत–ब्राजील–दक्षिण अफ्रीका) युवा शिखर सम्मेलनः विदेश मंत्रालय, भारत सरकार, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय और आरजीएनआईवाईडी ने संयुक्त रूप से 26–28 अगस्त, 2021, तक ऑनलाइन प्रथम आईबीएसए (भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका) युवा शिखर सम्मेलन का आयोजन किया।

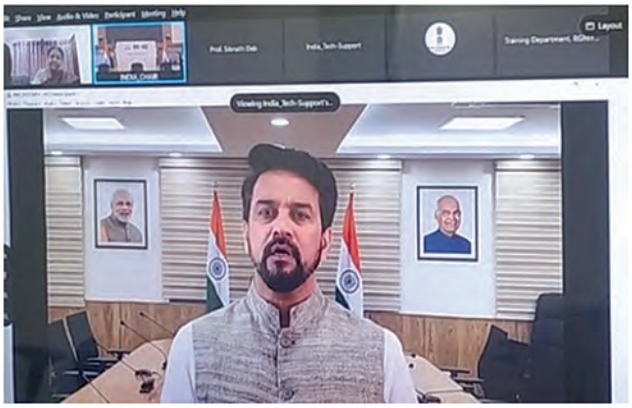

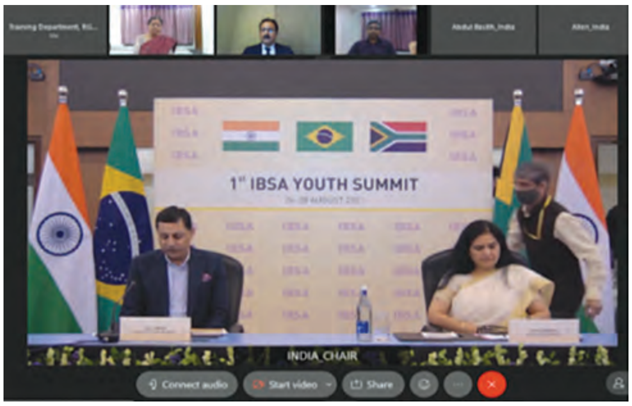

इसका उद्‌घाटन वर्चुअल रूप से 26 अगस्त 2021 को विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। सुश्री उषा शर्मा आईएएस, सचिव (युवा कार्यक्रम) ने उद्‌घाटन भाषण दिया। माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री, श्री अनुराग सिंह ठाकुर ने भारत सरकार की ओर से स्वागत भाषण दिया। शिखर सम्मेलन में ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और भारत के युवा कार्यक्रम के लिए जिम्मेदार माननीय मंत्रियों, सचिवों, संयुक्त सचिवों, युवा कार्यक्रम के वरिष्ठ अधिकारियों, सरकारी अधिकारियों और तीनों देशों में से प्रत्येक के 12 युवा प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

21वीं सदी में विकास पर पुनर्विचार पर विशेष व्याख्यान: आरजीएनआईवाईडी ने 21वीं सदी में विकास पुनर्विचार पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन 26 अगस्त, 2021 को किया। प्रोफेसर अस्मिता काबरा, मानव पारिस्थितिकी विभाग, अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली ने इस विषय पर विशेष व्याख्यान दिया। उन्होंने खासकर अनिश्चितता के संदर्भ में विकास की विभिन्न अवधारणाओं और उनके महत्व के बारे में बात की, व्याख्यान में अति–वैश्वीकरण, अनौपचारिकीकरण, ट्रिपल ग्रह संकट और विस्थापन के मुद्दे पर प्रकाश डाला गया।

''युवाओं पर कोविड–19 के प्रभाव को कम करना '' पर यूनेस्को की वाईएआर ज्ञान–साझाकरण बैठक में निदेशक, आरजीएनआईवाईडी की भागीदारी: युवा कार्यक्रम और खेल, भारत सरकार, मंत्रालय द्वारा यूनेस्को में भारत के स्थायी प्रतिनिधिमंडल (पीडीआई) में एक सदस्य के रूप में नामांकन के बाद प्रो. सिबनाथ देब, निदेशक, आरजीएनआईवाईडी ने विषयगत सत्र पर ''रिसर्च 2 एक्शन स्पेस'' बैठक में 7 अक्टूबर, 2021 को भाग लिया ''युवा और अधिकार कोविड–19 – का इस बात का युवा पर प्रभाव कि लोग अपने यौन और प्रजनन स्वास्थ्य और अधिकारों का प्रयोग कैसे करते हैं भारत की ओर से सुझाव दिए।

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से 7वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का उत्सव: 21 जून 2021 को, आरजीएनआईवाईडी ने आरजीएनआईवाईडी के संकाय, कर्मचारियों और छात्रों के लिए ''योग के साथ रहें, घर पर रहें'' विषय पर 7वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को मनाने के लिए एक ऑनलाइन कार्यक्रम का आयोजन किया। अंतर्राष्ट्रीय योग चैंपियन और विशेषज्ञ डॉ. पी. भास्करन ने प्रतिभागियों को योग का प्रदर्शन लिया।

आरजीएनआईवाईडी में 75वां स्वतंत्रता दिवस समारोह: हमारा देश देशभक्ति के उत्साह के बीच स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में 'आजादी का अमृत महोत्सव' के ऐतिहासिक अवसर का समारोह मना रहा है। यह दिन 15 अगस्त, 2021 को आरजीएनआईवाईडी में बड़े गर्व और सम्मान के साथ मनाया गया। संस्थान द्वारा कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। निदेशक, आरजीएनआईवाईडी ने इस दिन की महिमा गुनगान में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। आरजीएनआईवाईडी के कर्मचारियों और कार्यकर्ताओं के बच्चों ने राष्ट्रीय मूल्यों, देशभक्ति और जीत पर प्रकाश डालते हुए विभिन्न सांस्कृतिक

कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

निदेशक, आरजीएनआईवाईडी ने बाद में 75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के कलाकारों को पुरस्कार प्रदान किए।

राष्ट्रीय एकता दिवस के उत्सव में दक्षिण भारत के गुमनाम स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान पर विशेष व्याख्यानः राष्ट्रीय एकता दिवस (राष्ट्रीय एकता दिवस) के हिस्से के रूप में 75 सप्ताह के अभियान ''आजादी का अमृत महोत्सव'' (एकेएएम) के उत्सव के सम्मेलन में। आरजीएनआईवाईडी ने 30 अक्टूबर, 2021 को ऑनलाइन मोड के माध्यम से दक्षिण भारत के गुमनाम स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया। सेंटर फॉर ट्रेनिंग, ओरिएंटेशन एंड कैपेसिटी बिल्डिंग, आरजीएनआईवाईडी ने देश के दक्षिणी हिस्से से भारत के स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख और अन्य गुमनाम नायकों के संघर्षों को दर्शाने के लिए ''दक्षिण भारत की विरासत की विरासत'' नामक

एक लघु–फिल्म तैयार की। 1 नवंबर 2021 को, सरदार पटेल पुस्तक मंडप, और एक पुस्तक और फोटो प्रदर्शनी का, प्रदर्शनी गैलरी, आरजीएनआईवाईडी में उद्घाटन किया गया।

क्षेत्रीय केंद्र (आरसी), चंडीगढ़ की गतिविधियां

उद्यमिता विकास पर वेबिनारः राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, चंडीगढ़ ने 23 अप्रैल 2021 को नेहरू युवा केंद्र संगठन, पंजाब और चंडीगढ़ के राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों और युवा क्लब के सदस्यों के लिए ''उद्यमिता विकास'' पर एक वेबिनार का सफलतापूर्वक आयोजन किया। कार्यक्रम में 58 एनवाईकेएस स्वयंसेवकों की भागीदारी देखी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को अपना उद्यम शुरू करने के लिए आवश्यक कौशल और उपकरणों से लैस करना था।

मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन पर वेबिनारः नेहरू युवा केंद्र संगठन, झारखंड के सहयोग से आरसी, चंडीगढ़, आरजीएनआईवाईडी ने 11 मई 2021 को ''ब्रेक द साइलेंस'' नामक एक वेबिनार का सफलतापूर्वक आयोजन किया। वेबिनार में 18 विभिन्न जिलों झारखंड के (बोकारो, देवघर, पूर्वी सिंहभूम, धनबाद, गढ़वा, गिरिडीह, गोड्डा, गुमला, हजारीबाग, जामताड़ा, कोडरमा, पाकुड़, लातेहार, पलामू, रामगढ़, सरायकेलाखरसावां, सिमडेगा और पश्चिम सिंहभूम) की 62 युवा लड़कियों की भागीदारी देखी गई। वेबिनार का आयोजन ''मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन'' पर वैज्ञानिक जानकारी के प्रसार और प्रशिक्षण के लिए किया गया था – एक ऐसा विषय जो हमारे समाज में चुप्पी और शर्म की संस्कृति में दबा रह जाता।

महिलाओं को मुख्यधारा में लाना पर वेबिनारः 18 मई 2021 को नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस), ओडिशा के सहयोग से आरसी, चंडीगढ़ द्वारा '**महिलाओं को मुख्यधारा में लाना**' पर दो घंटे का ऑनलाइन सत्र आयोजित किया गया। वेबिनार में 102 युवा क्लब सदस्यों और एनवाईकेएस, ओडिशा के राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक (एनवाईवी) की भागीदारी देखी गई। वेबिनार ने प्रतिभागियों को लैंगिक मुद्दों और महिलाओं और पुरुषों के कमजोर पक्ष पर संवेदनशील बनाने का प्रयास किया। इसमें सरकारी योजनाओं, अधिनियमों और महिलाओं से संबंधित अधिकारों के बारे में जागरूकता पैदा करने और प्रतिभागियों को अंतराल की पहचान करने के लिए प्रेरित करने का भी प्रयास किया।

नेतृत्व कौशल पर वेबिनार – एनवाईकेएस, जम्मू और कश्मीर और लद्दाख संघ राज्य क्षेत्रों के राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों और युवा क्लब के नेताः आरसी, चंडीगढ़ ने जम्मू और कश्मीर और लद्दाख के विभिन्न जिलों के राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों और युवा क्लब के सदस्यों के लिए 1 जून 2021 को नेतृत्व कौशल पर एक वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार का उद्देश्य प्रतिभागियों को युवा विकास के लिए नेतृत्व के महत्व और युवा नेता बनने के लिए प्रमुख कौशल प्राप्त करने की प्रक्रिया को समझाना था। श्री सुरिंदर सिंह सैनी, राज्य निदेशक, एनवाईकेएस, जम्मू और कश्मीर और लद्दाख ने प्रतिभागियों को प्रेरित करने के लिए एक संक्षिप्त भाषण दिया और उनके नेतृत्व कौशल को बढ़ाने के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में 24 लोगों ने भाग लिया।

विश्व पर्यावरण दिवस का मनानाः आरजीएनआईवाईडी आरसी, चंडीगढ़ ने 4 जून 2021 को परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पारिस्थितिकी तंत्र को पुनः स्थापित करने के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना था। इस कार्यक्रम में आरजीएनआईवाईडी आरसी, चंडीगढ़ के 14 स्टाफ सदस्यों (9 पुरुष और 5 महिला) की भागीदारी देखी गई।

नेतृत्व और व्यक्तित्व विकास पर वेबिनार – हिमाचल प्रदेश के एनएसएस स्वयंसेवक और छात्र युवाः आरजीएनआईवाईडी आरसी, चंडीगढ़ ने राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) स्वयंसेवकों और हिमाचल प्रदेश के छात्र युवाओं के लिए नेतृत्व और व्यक्तित्व विकास पर एक वेबिनार का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को कौशल की एक श्रृंखला विकसित करने में सक्षम बनाना था जो सार्थक भागीदारी के माध्यम से नीतियों और कार्यक्रमों का नेतृत्व करने और उन्हें प्रभावित करने की उनकी क्षमता को बढ़ा सके। डॉ. सी.बी. मेहता, प्रिंसिपल, राजकीय महाविद्यालय, संजौली, शिमला (हिमाचल प्रदेश) ने उद्घाटन भाषण दिया। इस कार्यक्रम में 50 एनएसएस स्वयंसेवकों (25 पुरुष और 25 महिला) की भागीदारी देखी गई।

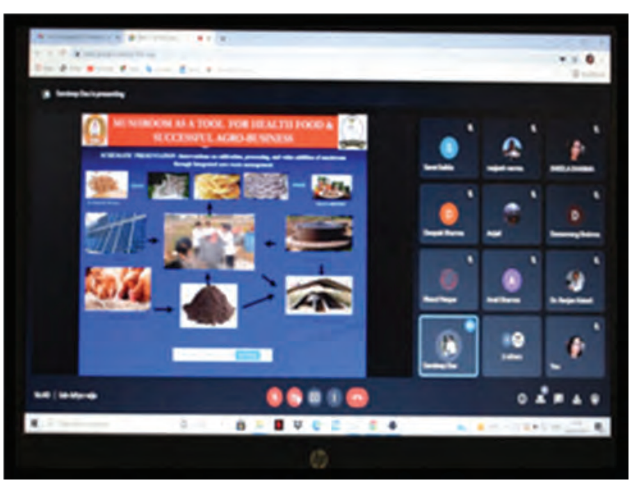

नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के विरूद्व अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनानाः आरजीएनआईवाईडी आरसी, चंडीगढ़ ने 'ड्रग्स पर तथ्य साझा करें, जीवन बचाएं' विषय पर नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के विरूद्व अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाने की दिशा में एक कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी की रोकथाम के बारे में जागरूकता बढ़ाना था ताकि इसके उन्मूलन के लिए सभी का समर्थन जुटाया जा सके।

तनाव प्रबंधन पर वेबिनार – एनवाईकेएस, जम्मू और कश्मीर और लद्दाख संघ राज्य क्षेत्रों के राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों और युवा क्लब के नेताः आरजीएनआईवाईडी आरसी, चंडीगढ़ ने 7 जुलाई 2021 को राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों (एनवाईवी) और नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस), जम्मू और कश्मीर और लद्दाख संघ राज्य क्षेत्र के युवा क्लब नेताओं के लिए 'तनाव प्रबंधन' पर एक वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार का उद्देश्य प्रतिभागियों को विभिन्न कार्य परिवेशों से विभिन्न तनाव संकेतों की पहचान करने और इसे प्रबंधित करने के तरीके खोजने में सक्षम बनाना था। श्री सुरेंद्र सिंह सैनी, राज्य निदेशक, एनवाईकेएस, जम्मू–कश्मीर और लद्दाख संघ राज्य क्षेत्र सम्मानित अतिथि थे, जिन्होंने इस महामारी की स्थिति के दौरान कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला, विशेष रूप से स्वयंसेवकों के लिए जो क्षेत्र में कोविड़ योद्धाओं के रूप में प्रदर्शन करते हैं। इस कार्यक्रम में जम्मू–कश्मीर और लद्दाख संघ राज्य क्षेत्रों के विभिन्न हिस्सों से 61 एनवाईवी और युवा क्लब के नेताओं (45 पुरुष और 16 महिलाएं) ने भाग लिया।

कोविड 19 और युवा पर वेबिनार – एनवाईकेएस, छत्तीसगढ़ के राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक और युवा क्लब के सदस्यः एनवाईकेएस, छत्तीसगढ़ के सहयोग से आरजीएनआईवाईडी आरसी, चंडीगढ़ द्वारा 22 जुलाई 2021 को कोविड 19 पर कोविड–19 के योद्वाओं के रूप में युवा' शीर्षक से एक इंटरैक्टिव वेबिनार का आयोजन

किया गया। वेबिनार का उद्देश्य प्रतिभागियों को आवश्यक और सटीक जानकारी से लैस करना था और समुदाय में सामाजिक एनिमेटर की भूमिका निभाना था। वेबिनार में वैज्ञानिक जानकारी साझा करके कोविड़–19 और टीकाकरण से संबंधित मिथकों और भ्रांतियों को तोड़ने का प्रयास किया गया। वेबिनार में 80 राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों और युवा क्लब के सदस्यों की भागीदारी देखी गई।

व्यक्तित्व विकास पर वेबिनार – उत्तर प्रदेश के एनएसएस स्वयंसेवकों: आरजीएनआईवाईडी आरसी, चंडीगढ़ ने 18 अगस्त 2021 को उत्तर प्रदेश के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) स्वयंसेवकों के लिए व्यक्तित्व विकास पर एक वेबिनार का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को यह समझाना था किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व को प्रभावित करने वाले कारक क्या है और यह कि स्वयंसेवकों को अधिक सक्रिय, उत्पादक और सशक्त कैसे बनाया जाए। कार्यक्रम का आयोजन उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के दिगंबर जैन कॉलेज के सहयोग से किया गया, जिसमें 99 स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

उद्यमिता विकास पर वेबिनार – उत्तर प्रदेश के राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवक: आरजीएनआईवाईडी, आरसी, चंडीगढ़ ने 28 सितंबर 2021 को उत्तर प्रदेश के राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवकों के लिए 'उद्यमिता विकास' पर एक वेबिनार का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य प्रतिभागियों को उद्यमिता विकास के दायरे और अवसर को समझने में सक्षम बनाना है। डॉ. अंशुमाली शर्मा, राज्य एनएसएस अधिकारी, उत्तर प्रदेश ने वेबिनार में विशेष संबोधन दिया और वर्तमान समय में युवाओं के लिए उद्यमिता विकास के महत्व पर जोर दिया. कार्यक्रम में 50 लोगों की भागीदारी देखी गई।

कृषि उद्यमिता विकास पर वेबिनार–स्वयं सहायता समूह के सदस्य और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), असम के स्वयंसेवक: आरसी, चंडीगढ़ ने राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) गुवाहाटी विश्वविद्यालय, असम के सहयोग से 28 अक्टूबर 2021 को 'कृषि उद्यमिता विकास' पर एक वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार में स्वयं सहायता समूह के 29 सदस्यों और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), असम के स्वयंसेवकों की भागीदारी देखी गई। वेबिनार का उद्घाटन डॉ. शरत सैकिया, मुख्य वैज्ञानिक, बागवानी अनुसंधान स्टेशन, काहिकुची, असम कृषि विश्वविद्यालय, असम ने किया, जिन्होंने प्रतिभागियों से एक स्थायी भविष्य के लिए कृषि–आधारित उद्यमशीलता की पहल करने का आग्रह किया।

मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन पर वेबिनार – नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईके), लेह, लद्दाख और कारगिल की महिला स्वयंसेवक: आरसी, चंडीगढ़ ने नेहरू युवा केंद्र (एनवाईके), लेह, लद्दाख और कारगिल के सहयोग से 26 नवंबर, 2021 को 'ब्रेक द साइलेंस' शीर्षक से एक वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार का आयोजन ''मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन'' पर वैज्ञानिक जानकारी के प्रसार और प्रशिक्षण देने के लिए किया गया था – एक ऐसा विषय जो हमारे समाज में चुप्पी और शर्म की संस्कृति में दबा है। एनवाईके लेह, लद्दाख और कारगिल से कुल 85 महिला स्वयंसेवकों ने वेबिनार में भाग लिया।

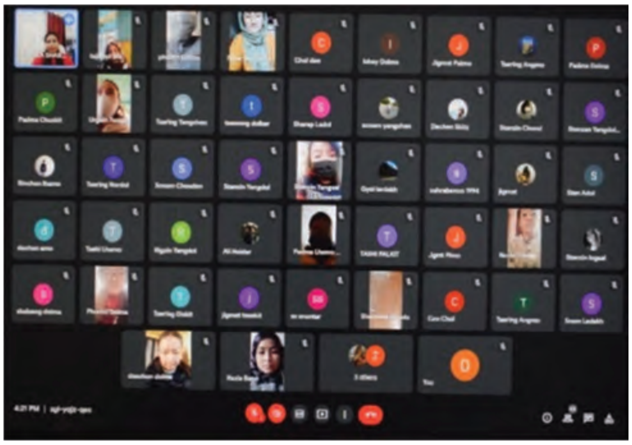

विश्व एड्स दिवस मनाना: आरसी, चंडीगढ़ ने 1 दिसंबर 2021 को ''असमानता समाप्त करें, एड्स समाप्त करें'' विषय के साथ सफलतापूर्वक विश्व एड्स दिवस

मनाया। श्री राजेश वर्मा, सलाहकार (वित्त एवं प्रशासन), आरजीएनआईवाईडी आरसी, चंडीगढ़ ने स्वागत संबोधन दिया और एड्स के बारे में जानने के महत्व के बारे में बात की। श्री योगेश शर्मा, प्रोग्राम ऑफिसर, सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ यूथ एंड मास, पंजाब और चंडीगढ़ इस दिन के अतिथि वक्ता थे।

उद्यमिता विकास पर वेबिनार – एनवाईकेएस, राजस्थान के राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों और युवा क्लब के नेताः आरजीएनआईवाईडी, आरसी, चंडीगढ़ ने 06 दिसंबर 2021 को एनवाईकेएस राजस्थान के राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों और युवा क्लब के नेताओं के लिए 'उद्यमिता विकास' पर एक वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार का उद्देश्य प्रतिभागियों को उद्यमिता और रोजगार सृजन में इसकी संभावनाओं की व्यापक समझ प्रदान करना था।

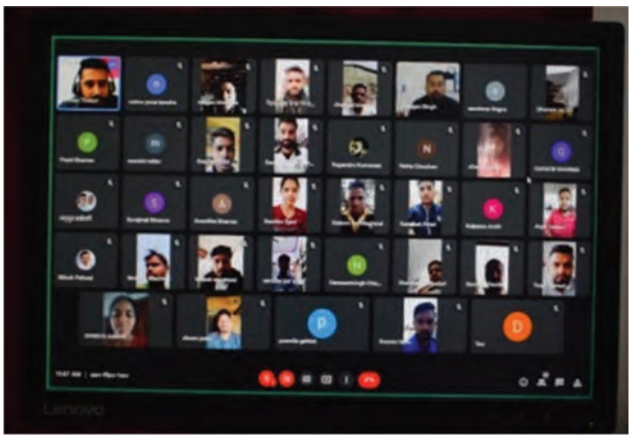

अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस का पालन – नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस), हिमाचल प्रदेश, पंजाब और हरियाणा के स्वयंसेवकों: आरसी, चंडीगढ़ ने 10 दिसंबर, 2021 को अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस मनाया। कोविड 19 की मौजूदा स्थिति को ध्यान में रखते हुए, आरसी ने मनाया ऑनलाइन मोड में दिन। एनवाईकेएस पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के कुल 97 स्वयंसेवकों (42 पुरुषों और 55 महिलाओं) ने इस आयोजन में भाग लिया। श्री। नरिंदर सिंह, महासचिव, मानवाधिकार संगठन, पंचकुला, हरियाणा ने भारत के उत्तरी क्षेत्र में मानवाधिकारों के उल्लंघन के विभिन्न मामलों को साझा किया।

आरसी, अरुणाचल प्रदेश की गतिविधियां

मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन (एमएचएम) पर ऑनलाइन सत्रः इसे ध्यान में रखते हुए और कोविड –19 की मौजूदा स्थिति पर विचार करते हुए, राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान आरसी, उत्तर पूर्वी क्षेत्र ने 17 दिसंबर, 2021 को सरकारी माध्यमिक विद्यालय, तेलिलुआंग, अरुणाचल प्रदेश की युवा छात्राओं के लिए 'ब्रेक द साइलेंस' नामक एक वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार का आयोजन ''मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन'' पर वैज्ञानिक जानकारी को प्रशिक्षण देने और प्रसारित करने के लिए किया गया था। वेबिनार में सरकारी माध्यमिक विद्यालय, तेलिलुआंग, अरुणाचल प्रदेश की 200 छात्राओं ने भाग लिया। प्रतिभागियों को मासिक धर्म में ऐंठन को कम करने के लिए खाद्य पदार्थों, योग आसन और घरेलू उपचारों की एक सूची भी प्रदान की गई।

अध्याय – 8

राष्ट्रीय युवा और किशोर विकास कार्यक्रम

प्रस्तावना

राष्ट्रीय युवा और किशोर विकास कार्यक्रम (एनपीवाईएडी) स्कीम राष्ट्रीय युवा सशक्तिकरण कार्यक्रम (आरवाईएसके) का एक घटक है। एनपीवाईएडी के तहत सरकारी/गैर–सरकारी संगठनों को युवाओं तथा किशोर विकास के लिए कार्यकलापों हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। एनपीवाईएडी के अंतर्गत 5 प्रमुख घटकों के अंतर्गत सहायता प्रदान की जाती है, नामतः

क) युवा नेतृत्व और व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण

ख) राष्ट्रीय एकता का संवर्धन (राष्ट्रीय अखण्डता शिविर, अंतर राज्य युवा आदान– प्रदान कार्यक्रम, युवा महोत्सव, बहु– सांस्कृतिक गतिविधियां आदि)।

ग) साहस का संवर्धन; तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार

घ) किशोर विकास और सशक्तिकरण (जीवन कौशल शिक्षा, काउंसलिंग, करियर गाइडेंस आदि)

ड.) तकनीकी और संसाधन विकास (युवा संबंधी मुद्दों पर अनुसंधान और अध्ययन, प्रलेखन, सेमिनार/कार्यशाला)

प्रचालन दिशा– निर्देश

सहायता के पात्र संगठनों में सरकार द्वारा आंशिक अथवा पूर्णतः वित्त पोषित स्वायत्त संगठन, पंजीकृत सोसायटियां, न्यास, एनजीओ, विश्वविद्यालय, भारतीय विश्वविद्यालय संघ, राज्य स्तरीय संगठन जैसे कि राज्य सरकार के विभाग, पंचायती राज संस्थाएं और शहरी स्थानीय निकाय, शिक्षा संस्थान इत्यादि शामिल हैं।

योजना के लाभार्थी 15–29 वर्ष आयु समूह के युवा और 10–19 वर्ष आयु समूह के किशोर होते हैं। स्कीम के तहत प्रत्येक प्रकार की गतिविधि के लिए सहायता के वित्तीय मानदंड स्कीम में दिए गए हैं।

सचिव, युवा कार्यक्रम की अध्यक्षता में परियोजना मूल्यांकन समिति (पीएसी) की सिफारिश के आधार पर सहायता मंजूर की जाती है। 2021–22 के दौरान (18.01.2022 तक), कुल 10.43 करोड़ रुपये का व्यय किया गया है।

एनपीवाईएडी के घटक (बी) राष्ट्रीय अखण्डता को बढ़ावा देने के तहत, स्वामी विवेकानंद की जयंती (12 जनवरी) मनाने के लिए हर साल जनवरी महीने के दौरान एक राष्ट्रीय युवा महोत्सव का आयोजन किया जाता है, जिसे राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। महोत्सव का आयोजन इसकी मेजबानी के लिए तैयार और सुसज्जित राज्यों में से एक राज्य में किया जाता है। खर्च को केंद्र और मेजबान राज्य के बीच साझा किया जाता है। आमतौर पर महोत्सव के हिस्से के रूप में आयोजित कार्यक्रमों में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम (प्रतिस्पर्धी और गैर–प्रतिस्पर्धी दोनों), युवा सम्मेलन, सुविचार, प्रदर्शनियां, साहसिक कार्यक्रम आदि शामिल हैं। इस वर्ष, कोविड –19 मामलों में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए, यह उत्सव 12 और 13 जनवरी 2022 को हाइब्रिड मोड में मनाया गया और उत्सव के घटकों में माइंडफुल मॉर्निंग और यूथ समिट के बाद सांस्कृतिक संध्या शामिल थे।

राष्ट्रीय युवा पुरस्कार

राष्ट्र निर्माण/सामुदायिक सेवा के लिए किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए युवा व्यक्तियों और गैर सरकारी संगठनों को हर वर्ष राष्ट्रीय युवा पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। प्रत्येक पुरस्कार विजेता को 1,00,000/– रुपये का नकद पुरस्कार एक पदक और एक प्रमाण पत्र दिया जाता है। स्वैच्छिक युवा संगठनों को पुरस्कार में एक प्रमाण पत्र, एक पदक और 3,00,000/– रुपये की राशि शामिल है। राष्ट्रीय युवा पुरस्कार 2017–18 और 2018–19 को नई दिल्ली में 12.08.2021 को क्रमशः 10 व्यक्तियों और 4 संगठनों और 7 व्यक्तियों और 1 संगठन को प्रदान किया गया है।

तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार

तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहसिक पुरस्कार भूमि, समुद्र और वायु पर साहसिक कार्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धि के

लिए सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान है। प्रत्येक पुरस्कार विजेता को 15.00 लाख रुपये का नकद पुरस्कार और सम्मान प्रमाण पत्र दिया जाता है। यह पुरस्कार खेल उत्कृष्टता के लिए अर्जुन पुरस्कार के समान है। तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहसिक पुरस्कार भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा अर्जुन पुरस्कारों के साथ प्रदान किया जाता है। इस वर्ष, 13.11.2021 को चार श्रेणियों, भूमि, जल, वायु और लाइफ टाइम अचीवमेंट में साहसिक कार्य के लिए 7 व्यक्तियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। साथ ही, पिछले वर्ष के तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहसिक पुरस्कार के सभी विजेताओं को दिनांक 01.11.2021 को दिल्ली के अशोका होटल में आयोजित एक समारोह के दौरान प्रतिमाएं प्रदान की गईं। पुरस्कार के सभी विजेताओं को पहले ही नकद पुरस्कार मिल चुके थे, लेकिन वे पिछले वर्ष के आयोजन के दौरान अपनी प्रतिमा और प्रशस्ति पत्र नहीं ले पाए। जब पुरस्कार समारोह वर्चुअल रूप में: कोविड़–19 महामारी के कारण आयोजित किया गया।

अध्याय – 9

अंतरराष्ट्रीय सहयोग

प्रस्तावना

विभाग विभिन्न युवा मुद्दों पर अन्य देशों और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों/संगठनों के सहयोग से युवाओं के बीच एक अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य बनाने का प्रयास करता है। विभाग संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों जैसे संयुक्त राष्ट्र स्वयंसेवक (यूएनवी) / संयुक्त राष्ट्रीय विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) और राष्ट्रमंडल युवा कार्यक्रम (सीवाईपी) के साथ विभिन्न युवा–संबंधित मुद्दों पर भी सहयोग करता है। विभाग ने कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने और युवाओं को लाभकारी रोजगार प्रदान करने के लिए जुलाई, 2020 से संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) के साथ सहयोग शुरू किया है।

अंतरराष्ट्रीय युवा आदान– प्रदान कार्यक्रम (आईवाईईपी)

विभिन्न देशों के युवाओं के बीच विचारों, मूल्यों और संस्कृति के आदान–प्रदान को बढ़ावा देने और शांति और समझ को बढ़ावा देने के लिए मित्र देशों के साथ युवा प्रतिनिधिमंडलों का आदान–प्रदान पारस्परिक आधार पर किया जाता है। इससे युवाओं के बीच अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण विकसित करने में मदद मिलती है।

चीन, दक्षिण कोरिया, वियतनाम, मालदीव, श्रीलंका, नेपाल, बहरीन, रूस, ताजिकिस्तान और किर्गिस्तान आदि के साथ नियमित वार्षिक युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। हालांकि, महामारी के कारण, वित्त वर्ष 2021–22 के दौरान अधिकांश युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम वर्चुअल मोड में आयोजित किए गए हैं।

वर्ष 2012 से बांग्लादेश से एक 100 सदस्यीय युवा प्रतिनिधिमंडल भारत का दौरा कर रहा है। इसके अलावा, नियमित आईवाईईपी के अलावा, कुछ अन्य अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम/समारोह/सम्मेलन आदि समय–समय पर विभिन्न देशों के साथ विदेश मंत्रालय के परामर्श से आयोजित किए जाते हैं।

वित्त वर्ष 2021–22 (01.04.2021 से 31.12.2021), के दौरान आयोजित युवा आदान–प्रदान कार्यक्रमों और अन्य कार्यक्रमों का विवरण इस प्रकार है:

1	तीसरी राष्ट्रमंडल युवा मंत्रिस्तरीय टास्क फोर्स (सीवाईएमएफटी) की बैठक 9 अप्रैल, 2021 को वर्चुअल मोड में आयोजित की गई। बैठक में सुश्री उषा शर्मा, सचिव, युवा कार्यक्रम विभाग, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने भाग लिया।
2	वर्चुअल मोड में 19–23 जुलाई 2021 तक इटली में आयोजित युवा 20 (वाई20) शिखर सम्मेलन में 3 सदस्यीय भारतीय युवा प्रतिनिधियों की भागीदारी।
3	7 जुलाई, 2021 को सदस्य देशों के साथ दूसरी विशेषज्ञ वर्चुअल शंघाई सहयोग संचालन (एससीओ) बैठक। बैठक ताजिकिस्तान द्वारा आयोजित की गई थी। विभाग की ओर से विशेषज्ञ बैठक में श्री. कमल कुमार कर, एपीए, एनएसएस ने भाग लिया।
4	अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर 12 अगस्त 2021 को यूएनडीपी/यूएनवी के संगठित सामाजिक उद्देश्य–नेतृत्व वाले स्वयंसेवी उद्यम विकास (सीवाईएमएफटी) चुनौती पुरस्कार। यह पुरस्कार माननीय मंत्री, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा यूएनडीपी/यूएनवी द्वारा पहचाने गए 10 युवा उद्यमियों को प्रदान किया गया। माननीय मंत्री, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, सचिव (वाईए) और संयुक्त सचिव (वाईए) ने भी अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर युवाओं को वर्चुअल मोड में संबोधित किया।
5	26–28 अगस्त 2021 से प्रथम आईबीएसए (भारत–ब्राजील–दक्षिण अफ्रीका) युवा शिखर सम्मेलन का वर्चुअल मोड में आयोजन किया। शिखर सम्मेलन का उद्घाटन माननीय मंत्री, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, श्री अनुराग सिंह ठाकुर द्वारा किया गया और आईबीएसए देशों द्वारा कार्य योजना को अपनाया गया।

6	29–31 अगस्त 2021 तक सातवीं ब्रिक्स (ब्राजील–रूस–भारत–चीन–दक्षिण अफ्रीका) युवा शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया। युवाओं के लिए जिम्मेदार ब्रिक्स मंत्रियों की मंत्रिस्तरीय बैठक भी 31 अगस्त 2021 को आयोजित की गई जिसमें माननीय मंत्री, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, श्री अनुराग सिंह ठाकुर ने भाग लिया और युवाओं के लिए जिम्मेदार ब्रिक्स मंत्रियों के संयुक्त वक्तव्य को अंगीकार किया गया।
7	युवा और खेल कार्यक्रम के सहयोग पर बहरीन के युवा और खेल कार्यक्रम के मंत्री और युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री, भारत सरकार के बीच 16.09.2021 को आयोजित एक वर्चुअल बैठक आयोजित की गई जिसमें विदेश मंत्रालय के प्रतिनिधि भी मौजूद थे।
8	16 सितंबर, 2021 को आयोजित एससीओ राष्ट्राध्यक्षों के ढांचे में एससीओ युवा परिषद की एक वर्चुअल बैठक आयोजित की गई जिसमें श्री कमल कुमार कर, एपीए, एनएसएस ने भाग लिया।
9	यूनेस्को द्वारा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर आयोजित कोविड–19 पर शोधकर्ताओं के रूप में युवा (वाईएआर) पर ज्ञान–साझाकरण बैठक की गई। बैठक में निदेशक (एनएसएस) और निदेशक (आरजीएनआईवाईडी) ने भाग लिया।
10	सांस्कृतिक और सामाजिक सहयोग के लिए भारत और सऊदी अरब के बीच जेडब्लूजी बैठक 02 नवंबर, 2021 को वर्चुअल प्रारूप में आयोजित की गई। बैठक में विभाग के उप सचिव श्री देवाशीष भारद्वाज शामिल हुए।
11	मालदीव के एक 14 सदस्यीय युवा प्रतिनिधिमंडल ने 10–18 नवंबर, 2021 तक भारत का दौरा किया।
12	चौथी राष्ट्रमंडल युवा मंत्रिस्तरीय टास्क फोर्स (सीवाईएमएफटी) की बैठक 2 दिसंबर 2021 को वर्चुअल मोड में आयोजित की गई थी। बैठक में सुश्री उषा शर्मा, सचिव, युवा कार्यक्रम विभाग, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने भाग लिया।
13	भारत में थाईलैंड साम्राज्य की माननीय राजदूत सुश्री पट्टारत हॉगटॉग ने 8 दिसंबर, 2021 को माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री, श्री अनुराग सिंह ठाकुर के आवास पर शिष्टाचार भेंट की।

मालदीव के युवा प्रतिनिधिमण्डल ने 10 से 18 नवम्बर, 2021 तक भारत का दौरा किया

29 से 31 अगस्त, 2021 तक 7वां ब्रिक्स (ब्राजील–रूस–भारत–चीन–दक्षिण अफ्रीका) युवा शिखर सम्मेलन

मंत्रालय, साझेदार देशों के साथ युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम भौतिक या वर्चुअल मोड में शुरू करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। वर्तमान में, युवा कार्यक्रम विभाग के एससीओ (शंघाई सहयोग संगठन) अंतर्राष्ट्रीय युवा आदान–प्रदान कार्यक्रमों और युवा मामलों पर सहयोग के लिए। विभिन्न देशों आर्मेनिया, बहरीन, बांग्लादेश, बेलारूस, ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका), इंडोनेशिया, कुवैत, किर्गिस्तान, मोजाम्बिक, मोरक्को, नेपाल, फिलिस्तीन, पुर्तगाल, रूस, दक्षिण कोरिया, श्रीलंका, ताजिकिस्तान, ट्यूनीशिया, वियतनाम, मालदीव, चीन के साथ 22 समझौता ज्ञापन/संयुक्त वक्तव्य हैं। अधिक देशों, उज्बेकिस्तान, म्यांमार, सेनेगल और मिस्र के साथ समझौता ज्ञापन/युवा कार्यक्रमों के आदान–प्रदान के लिए कार्रवाई पहले ही शुरू कर दी गई है।

यूएन एजेंसियों/सीवाईपी के साथ सहयोगः

संयुक्त राष्ट्रीय विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी)/संयुक्त राष्ट्र स्वयंसेवक (यूएनवी):

मंत्रालय विभिन्न युवा मुद्दों पर इन एजेंसियों के साथ मिलकर काम करने का प्रयास कर रहा है। मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग के अनुमोदन से यूएनवी कार्यक्रम में भारत के स्वैच्छिक योगदान के रूप में प्रतिवर्ष 20,000

अमरीकी डॉलर जारी करता है।

एनवाईकेएस और एनएसएस का सुदृढ़ीकरण:

वित्त मंत्रालय के अनुमोदन से वित्तीय वर्ष 2015–16 में ''एनवाईकेएस और एनएसएस के सुदृढ़ीकरण'' के लिए यूएनडीपी/यूएनवी के साथ संयुक्त रूप से विकसित एक परियोजना शुरू की गई है। परियोजना का पहला चरण 2018 में 29 जिलों को कवर करते हुए समाप्त हुआ। आर्थिक कार्य विभाग के परामर्श और उचित अनुमोदन के बाद, 2018–20 से ''एनवाईकेएस और एनएसएस को मजबूत करने'' पर परियोजना के चरण– II के कार्यान्वयन के लिए इस विभाग और यूएनडीपी/यूएनवी के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। परियोजना के लिए जनशक्ति की भर्ती, प्रशिक्षण का कार्य किया गया है और इन्हें क्षेत्र में तैनात किया गया है। चरण II परियोजना (2018–20 और जिसे बिना किसी अतिरिक्त लागत के 30 जून, 2022 तक बढ़ाया गया है) का विस्तार भारत के 29 से 58 जिलों में किया गया है, जिसमें राष्ट्रीय संयुक्त राष्ट्र स्वयंसेवी जिला युवा समन्वयक (यूएनवी डीवाईसी) रखे गए हैं। परियोजना का कार्यान्वयन जोरों पर है। अब तक वित्त वर्ष 2021–22 में यूएनडीपी/यूएनवी को भारत सरकार के हिस्से के रूप में 4.00 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं, और यूएनडीपी/यूएनवी को 3.12 करोड़ रुपये की और राशि जारी की जानी है।

आशय का विवरण (एसओआई):

मंत्रालय ने 20.07.2020 को संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) के साथ भारत में 'युवा, जेनरेशन अनलिमिटेड (जेनयू)' की स्थापना के लिए एक स्टेटमेंट ऑफ इंटेंट (एसओआई) पर हस्ताक्षर किए, ताकि युवाओं को सामाजिक, सांस्कृतिक, नागरिक और आर्थिक पहल में। उनकी सार्थक सहभागिता और भागीदारी को सुविधाजनक बनाकर उनकी क्षमता विकसित की जा सके। इस पहल के तहत, युवाह साझेदारी के तहत सहयोग और अवसरों पर एनएसएस और एनवाईकेएस की सहभागिता के लिए और राज्य कार्य योजनाओं के विकास के लिए नियमित रूप से ऑनलाइन राष्ट्रीय स्तर की बैठकें आयोजित की जा रही हैं।

राष्ट्रमंडल युवा कार्यक्रम (सीवाईपी):

सी वाईपी 1973 से अस्तित्व में है और इससे पहले यह लंदन में मुख्यालय और भारत में 4 क्षेत्रीय केंद्रों, गुयाना, जाम्बिया और सोलोमन द्वीप समूह से संचालित किया जा रहा था। हालांकि, 2013–14 के दौरान, सीवाईपी ने एक पुनर्गठन कवायद के हिस्से के रूप में अपने सभी क्षेत्रीय केंद्रों को बंद करने का निर्णय किया, जो अन्य बातों के साथ–साथ निधि की कमी के कारण जरूरी हो गया था। तदनुसार, चंडीगढ़ में सीवाईपी का क्षेत्रीय केंद्र 28.02.2014 से बंद हो गया है। भारत राष्ट्रमंडल सचिवालय को वार्षिक वचन राशि का योगदान देता है। वर्ष 2021–22 के लिए भारतीय वार्षिक अंशदान के रूप में राष्ट्रमंडल सचिवालय को जीबीपी 143,562 (लगभग 1.46 करोड़ रुपये) का योगदान दिया गया है।

अध्याय – 10

राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम

पृष्ठभूमि

2014–15 की बजट घोषणा के अनुसरण में, युवाओं में नेतृत्व गुण विकसित करने के उद्देश्य से एक नई केंद्रीय क्षेत्र स्कीम नामतः 'राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम (एनवाईएलपी)' दिसंबर, 2014 में आरंभ की गई थी ताकि उन्हें राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में योगदान देने के लिए अपनी क्षमता का लाभ उठाने के लिए समर्थ बनाया जा सके।

कार्यक्रम के लाभार्थी

इस कार्यक्रम के लाभार्थी, राष्ट्रीय युवा नीति, 2014 में 'युवा' की परिभाषा के अनुरूप 15–29 वर्ष आयु समूह के युवा हैं।

कार्यक्रम का उद्देश्य

कार्यक्रम का उद्देश्य एक संस्थागत मंच तैयार करना है जहां युवा अपने विचारों को व्यक्त कर सकें और स्थानीय प्रशासन का ध्यान ऐसे मुद्दों/चिंताओं की ओर आकर्षित कर सकें जो उनके जीवन को प्रभावित करते हैं, युवाओं को समकालीन सामाजिक–आर्थिक विकास के मुद्दों के बारे में शिक्षित किया जा सकें और वे सामुदायिक विकास और सामाजिक कल्याण गतिविधियों पर अपने विचार और अनुभव साझा कर सकें। कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, विषयों की आठ श्रेणियों से मुद्दे तैयार किए गए। कार्यक्रमों के दौरान विषय विशेषज्ञों के अलावा बड़ी संख्या में माननीय सांसदों, माननीय मंत्रियों, जनप्रतिनिधियों, पंचायती राज संस्थाओं के सदस्यों, युवा क्लबों के सदस्यों और युवा स्वयंसेवकों ने कार्यक्रमों के विचार–विमर्श के दौरान भाग लिया।

क. ब्लॉक स्तरीय नेबरहुड यूथ पार्लियामेंट

इस अवधि के दौरान, 1.52 लाख युवाओं की भागीदारी के साथ ब्लॉक स्तर पर 1,889 नेवरहुड यूथ पार्लियामेंट का आयोजन किया गया।

ख. जिला स्तर पर नेबरहुड यूथ पार्लियामेंट (एनवाईपी)

एनवाईकेएस ने समीक्षाधीन अवधि के दौरान उत्तर प्रदेश राज्य में 689 ब्लॉकों को कवर करके 60 जिला–स्तरीय नेबरहुड यूथ पार्लियामेंट (एनवाईपी) का आयोजन किया। 60 नेबरहुड यूथ पार्लियामेंट (एनवाईपी) के दौरान, 54,600 युवाओं ने जिला स्तरीय नेबरहुड यूथ पार्लियामेंट में भाग लिया।

अध्याय – 11

युवा छात्रावास

युवा छात्रावास, युवा यात्रा को बढ़ावा देने और युवाओं को देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अनुभव करने में सक्षम बनाने के लिए बनाए गए हैं। युवा छात्रावास का निर्माण केंद्र और राज्य सरकारों का संयुक्त उपक्रम है। जहां निर्माण की लागत केंद्र सरकार वहन करती है, वहीं राज्य सरकार पूरी तरह से पानी की आपूर्ति, बिजली और पहुंच सड़कों के साथ मुफ्त विकसित भूमि प्रदान करती है। युवा छात्रावास ऐतिहासिक और सांस्कृतिक मूल्य के क्षेत्रों, शैक्षिक केंद्रों, पर्यटन स्थलों आदि में स्थित हैं। युवा छात्रावास युवाओं के लिए उचित दरों पर अच्छा आवास प्रदान करते हैं, और इनकी देखरेख केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त प्रबंधकों और वार्डन द्वारा की जाती है।

देश भर में कुल 84 युवा छात्रावासों का निर्माण किया गया है और कोटा में एक और युवा छात्रावास निर्माणाधीन है। 84 युवा छात्रावासों में से, 11 छात्रावासों को नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस)/भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) / संबंधित राज्य सरकारों को युवाओं और खेल विकास के लिए इष्टतम उपयोग के लिए हस्तांतरित कर दिया गया है। युवा छात्रावासों की सूची **अनुलग्नक–IV** और **V** में है। तीन युवा छात्रावास, अर्थात् डलहौजी (हिमाचल प्रदेश), जोधपुर (राजस्थान) और मैसूर (कर्नाटक) को आईएसओ 9001 प्रमाणन मिला है।

चालू वित्तीय वर्ष यानी 2021–22 में युवा छात्रावास स्कीम के तहत, 6 करोड़ रुपये का बजट आवंटन है जिसमें तीन घटक शामिल हैं: प्रबंधकों और वार्डनों को मानदेय जारी करना, नए युवा छात्रावासों का निर्माण और युवा छात्रावासों की मरम्मत/नवीनीकरण।

अध्याय – 12

स्काउटिंग और गाइडिंग संगठनों को सहायता

देश में स्काउट और गाइड आंदोलन को बढ़ावा देने के लिए, स्काउटिंग और गाइडिंग की योजना, जो एक केंद्रीय क्षेत्र की स्कीम है, 1980 के दशक की शुरुआत में शुरू की गई थी। यह एक अंतरराष्ट्रीय आंदोलन है जिसका उद्देश्य युवा लड़कों और लड़कियों में चरित्र, आत्मविश्वास का निर्माण करना, आदर्शवाद और देशभक्ति की भावना और सेवा पैदा करना है। इस प्रक्रिया में स्काउटिंग और गाइडिंग का उद्देश्य भी लोगों के बीच संतुलित शारीरिक और मानसिक विकास को बढ़ावा देना चाहता है।

योजना के तहत विभिन्न कार्यक्रमों जैसे प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन, कौशल विकास कार्यक्रम, जंबोरियों का आयोजन आदि के लिए स्काउटिंग और मार्गदर्शन संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। गतिविधियों में अन्य बातों के साथ–साथ वयस्क साक्षरता, पर्यावरण संरक्षण, समुदाय सेवा, स्वास्थ्य जागरूकता और स्वच्छता और सफाई के संवर्धन से संबंधित कार्यक्रम शामिल हैं।

भारत स्काउट्स एंड गाइड्स (बीएस एंड जी) और हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स (एचएस एंड जी) नामक दो गैर–सरकारी संगठन हैं, जिन्हें स्काउटिंग और गाइडिंग की गतिविधियों के संचालन के लिए युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। देशभर में वर्ष 2021–22 के दौरान विभाग ने विभिन्न स्काउटिंग और गाइडिंग गतिविधियों के संचालन के लिए भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली को 37.50 लाख रुपये की अनुदान राशि स्वीकृत की।

सत्यमेव जयते

खेल विभाग

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, किरेन रिजिजू और राज्यमंत्री निशीथ प्रमाणिक टोक्यो ओलंपिक पदक विजेताओं के सम्मान समारोह के दौरान

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, किरेन रिजिजू और राज्य मंत्री निशीथ प्रमाणिक टोक्यो पैरालिंपिक पदक विजेताओं के सम्मान समारोह के दौरान

अध्याय – 13

खेल

खेलकूद को हमेशा मानव व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास में एक अभिन्न अंग के रूप में देखा गया है। मनोरंजन और शारीरिक स्वास्थ्य का एक साधन होने के अलावा, खेल ने समुदाय के भीतर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और बंधन की भावना जागृत करने में भी एक बड़ी भूमिका निभाई है। यह उल्लेख करने की आवश्यकता नहीं है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलों में उपलब्धियां हमेशा राष्ट्रीय गौरव और प्रतिष्ठा का स्रोत रही हैं।

आधुनिक खेलों के अत्यधिक प्रतिस्पर्धी होने के साथ, आधुनिक बुनियादी ढांचे, उपकरणों और उन्नत वैज्ञानिक सहायता के उपयोग ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेलों के परिदृश्य को बदल दिया है। उन्नत बुनियादी ढांचे, उपकरण और वैज्ञानिक सहायता की बढ़ती मांगों को ध्यान में रखते हुए, भारत सरकार ने कई पहल की हैं और खिलाड़ियों को वैज्ञानिक और उपकरण समर्थित प्रशिक्षण और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में सहभागिता के माध्यम से आवश्यक सहायता प्रदान कर रही है।

राष्ट्रीय खेल नीति पहल

शारीरिक शिक्षा, खेलकूद पर लगातार योजनाओं के माध्यम से ध्यान दिया जा रहा है। हालाँकि, भारत द्वारा 1982 में नवम् एशियाई खेलों की मेजबानी के बाद ही नीतिगत रूप में ''खेल'' पर ध्यान देना शुरू किया गया था। राष्ट्रीय खेल नीति, 1984 देश में खेलों के विकास और प्रोत्साहन के लिए एक संगठित और व्यवस्थित ढांचा विकसित करने की दिशा में पहला कदम था, और वर्तमान राष्ट्रीय खेल नीति, 2001 का अग्रदूत था।

राष्ट्रीय खेल नीति 2001

राष्ट्रीय खेल नीति 2001 का द्विपक्षीय पहलू राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ''खेल का व्यापक आधार'' और ''खेल में उत्कृष्टता प्राप्त करना'' हैं।

इस नीति की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं:

1. खेलों का व्यापक आधार और उत्कृष्टता की प्राप्ति;
2. बुनियादी ढांचे का उन्नयन और विकास;
3. राष्ट्रीय खेल संघों और अन्य खेल निकायों को सहायता;
4. खेलों के लिए वैज्ञानिक और कोचिंग सहायता को मजबूत करना;
5. खेलों को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रोत्साहन;
6. महिलाओं, अनुसूचित जनजातियों और ग्रामीण युवाओं की अधिक भागीदारी;
7. खेल प्रोत्साहन में कॉर्पोरेट क्षेत्र की भागीदारी; तथा
8. बड़े पैमाने पर जनता में खेल भावना को बढ़ावा देना।

खेल विभाग (डीओएस) की योजनाएं

खेल विभाग की सभी योजनाओं को राष्ट्रीय खेल नीति–2001 में उल्लिखित उद्देश्यों, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ''खेल का व्यापक आधार'' और ''खेल में उत्कृष्टता प्राप्त करना'' को प्राप्त करने के लिए तैयार किया गया है। ऐसी योजनाओं का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है:

1. विशेष नकद पुरस्कार

अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों के विजेताओं और उनके प्रशिक्षकों के लिए विशेष (नकद) पुरस्कार की योजना वर्ष 1986 में उत्कृष्ट खिलाड़ियों को उच्च उपलब्धियों के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित करने और युवा पीढ़ी को खेलों को करियर के रूप में अपनाने के लिए आकर्षित करने हेतु शुरू की गई थी। इस योजना के तहत, अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में उनकी उपलब्धियों के लिए उत्कृष्ट खिलाड़ियों को रु. 1.00 लाख से रु. 75 लाख तक का नकद पुरस्कार दिया जाता है।

2. राष्ट्रीय खेल पुरस्कार (एनएसए)

एनएसए सामान्य तौर पर हर साल राष्ट्रीय खेल दिवस (अर्थात 29 अगस्त) को भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा खेल के प्रचार में लगे उत्कृष्ट खिलाड़ियों, कोचों और संस्थाओं को प्रदान किए जाते हैं। इन पुरस्कार में मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार, अर्जुन पुरस्कार, ध्यानचंद पुरस्कार द्रोणाचार्य पुरस्कार, मौलाना अबुल कलाम आजाद (माका) ट्रॉफी और राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार शामिल हैं। इन पुरस्कारों का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है:

- **मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार** वर्ष 1991–92 में शुरू किया गया था, इस योजना में उस वर्ष से ठीक पहले चार वर्ष की अवधि जिसके दौरान पुरस्कार दिया जाना है। एक पदक प्रदान करने के लिए है, एक खिलाड़ी को खेल के क्षेत्र में उसके शानदार और सबसे उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 25.00 लाख रुपये का नकद पुरस्कार और एक मेडल दिया जाता है।

- **अर्जुन पुरस्कार** 1961 में शुरू किया गया था और यह उन खिलाड़ियों को दिया जाता है जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पिछले चार वर्षों में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया हो, और नेतृत्व, खेल भावना और अनुशासन का गुण दिखाया हो। पुरस्कार विजेताओं को एक प्रतिमा, सम्मान पत्र, औपचारिक पोशाक और ₹ 15.00 लाख की पुरस्कार राशि दी जाती है।

- **खेलों में लाइफ टाइम अचीवमेंट के लिए ध्यानचंद पुरस्कार** वर्ष 2002 में शुरू किया गया था। यह पुरस्कार उन खिलाड़ियों को सम्मानित करने के लिए दिया जाता है जिन्होंने अपने प्रदर्शन से खेल में योगदान दिया है और सक्रिय खेल करियर से सेवानिवृत्ति के बाद भी खेल को बढ़ावा देने में योगदान देना जारी रखा है। पुरस्कार विजेताओं को एक प्रतिमा, प्रमाण पत्र, औपचारिक पोशाक और ₹ 10.00 लाख की पुरस्कार राशि दी जाती है।

- **द्रोणाचार्य पुरस्कार** 1985 में शुरू किया गया था। यह पुरस्कार उन प्रख्यात कोचों को सम्मानित करता है जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करने में राष्ट्रीय एथलीटों और टीमों की सहायता की है। पुरस्कार विजेताओं को एक प्रतिमा, प्रमाण पत्र, औपचारिक पोशाक और 5.00 लाख का नकद पुरस्कार दिया जाता है।

- **मौलाना अबुल कलाम आजाद (माका) ट्रॉफी:** कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में प्रतिस्पर्धी खेलों को बढ़ावा देने की दृष्टि से, ₹ 15.00 लाख के नकद पुरस्कार के साथ माका ट्रॉफी अंतर–विश्वविद्यालय खेल टूर्नामेंटमें प्रथम स्थान पर आने वाले विश्वविद्यालय को दी जाती है। दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाले विश्वविद्यालयों को क्रमशः ₹ 7.5 लाख और ₹ 4.5 लाख का नकद पुरस्कार दिया जाता है।

- **राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कारः** खिलाड़ियों और कोचों के अलावा अन्य संस्थाओं द्वारा खेल विकास में किए गए योगदान को मान्यता देने के लिए, सरकार ने 2009 से राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार नामक एक नया पुरस्कार शुरू किया है, जिसमें चार श्रेणियां हैं, अर्थात् सामुदायिक खेल विकास, उत्कृष्ट खेल अकादमियों को बढ़ावा, प्रतिभावान खिलाड़ियों को सहायता और रोजगार।

3. मेधावी खिलाड़ियों को पेंशन

वर्ष 1994 में शुरू की गई इस योजना के तहत, वे खिलाड़ी, जो भारतीय नागरिक हैं और जिन्होंने ओलंपिक खेलों, विश्व कप/विश्व चैंपियनशिप, एशियाई खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों और पैरालंपिक खेलों में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीते हैं, और जिन्होंने 30 वर्ष की आयु प्राप्त कर ली है और एक सक्रिय खेल कैरियर से सेवानिवृत्त हो गए हैं, वे जीवनपर्यन्त पेंशन के लिए पात्र हैं। पेंशन की वर्तमान दरें ₹ 12,000/– से ₹ 20,000/– प्रति माह है।

4. पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय खेल कल्याण कोष

पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय खेल कल्याण कोष (पीडीयूएनडब्ल्यूएफएस) की स्थापना मार्च, 1982 में विपन्न परिस्थितियों में रहने वाले अतीत के उन उत्कृष्ट खिलाड़ियों की सहायता के लिए की गई थी, जिन्होंने खेलों में देश का नाम रोशन किया था। चिकित्सा उपचार सहित विभिन्न आधारों पर निधि से सहायता की राशि रु. 2 लाख से रु. 10 लाख तक है।

5. राष्ट्रीय खेल महासंघ को सहायता

इस योजना के तहत, भारत सरकार राष्ट्रीय खेल संघों (एनएसएफ) और अन्य खेल संगठनों को राष्ट्रीय चैंपियनशिप आयोजित करने और भारत में अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित करने, विदेशों में अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भाग लेने, कोचिंग शिविर आयोजित करने, खेल उपकरण खरीदने और विदेशी कोचों के अनुबंधन के लिए सहायता प्रदान करती है।

6. खेलों में मानव संसाधन विकास

खेल में मानव संसाधन विकास की योजना, एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है इसे खेल विभाग द्वारा ''प्रतिभा खोज और प्रशिक्षण की योजना'' के गहन संशोधन के बाद वित्तीय वर्ष 2013–14 में शुरू किया गया था। इस योजना का मुख्य फोकस खेल और खेल के विशिष्ट विषयों में परास्नातक और डॉक्टरेट स्तर पर विशेष अध्ययन के लिए योग्य उम्मीदवारों को फेलोशिप देकर खेल प्रबंधन के उन शैक्षणिक और बौद्धिक पक्षों पर जोर देना है जहां मानव संसाधन अपर्याप्त पाए जाते हैं।

7. राष्ट्रीय खेल विकास कोष

राष्ट्रीय खेल विकास कोष (एनएसडीएफ) की स्थापना 1998 में धर्मार्थ बंदोबस्ती अधिनियम, 1890 के तहत की गई थी, जिसका उद्देश्य निजी / कॉर्पोरेट क्षेत्र और अनिवासी भारतीयों सहित गैर–सरकारी स्रोतों से संसाधन जुटाना था।

8. खेलो इंडिया

एक प्रमुख नीतिगत पहल के रूप में, खेल विभाग ने 27.09.2017 को खेलो इंडिया योजना को नया रूप दिया है, जिसका उद्देश्य खेलों के व्यापक आधार और खेलों में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना है। इस योजना, जिसमें 12 कार्यक्षेत्र हैं, को देश में खेलों के समग्र प्रचार और विकास के लिए सरकार के प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए तैयार किया गया है।

9. फिट इंडिया अभियान

फिट इंडिया अभियान 29 अगस्त 2019 को माननीय प्रधान मंत्री द्वारा शुरू किया गया था। इस अभियान का मुख्य फोकस भारतीयों के बीच दैनिक जीवन में स्वास्थ्य के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करना और ऐसी चीजों को करने की आसानी और सरलता को प्रदर्शित करना है, जो हमें स्वस्थ रखती हैं।

फिट इंडिया की पहली **वर्षगांठ** के जश्न के भाग के रूप में, 24 सितंबर 2020 को आयोजित एक ऑनलाइन कार्यक्रम जहां माननीय प्रधान मंत्री ने देश के फिटनेस प्रेरकों के साथ बातचीत की। इस अवसर पर, 05–18 वर्ष, 18–65 वर्ष और 65+ वर्ष के विभिन्न आयु समूहों के लिए जीओएएलएस (सक्रिय जीवन शैली के लक्ष्य) के रूप में नामित आयु उपयुक्त फिटनेस प्रोटोकॉल लॉन्च किए गए।

अध्याय – 14

भारतीय खेल प्राधिकरण

एक परिचय

भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) की स्थापना सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के तहत पंजीकृत सोसायटी के रूप में की गई थी, जो 1982 में नई दिल्ली, में आयोजित IXवें एशियाई खेलों की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए संकल्प संख्या 1–1/83/SAI दिनांक 25 जनवरी, 1984 के अनुसरण में युवा मामले और खेल मंत्रालय (एमवाईएएस) के तहत स्थापित की गई थी। साई को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेलों को बढ़ावा देने और खेल उत्कृष्टता प्राप्त करने के द्विपक्षीय उद्देश्य सौंपे गए हैं।

इसके बाद, एक मजबूत खेल प्रोत्साहन निकाय के रूप में साई के विकास के लिए,पूर्व में राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा और खेल संस्थान (एसएनआईपीईएस) जिसमें किसुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनएसएनआईएस), पटियाला और इसके केंद्र तथा दो अन्य शैक्षणिक संस्थानों के साथ, अर्थात् लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय (एलएनसीपीई) ग्वालियर और तिरुवनंतपुरम को 1 मई, 1984 में साई के साथ मिला कर खेल कोचिंग और शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में आवश्यक ज्ञान और कौशल को शामिल किया गया था। हालांकि, एलएनसीपीई, ग्वालियर को ''डीम्ड यूनिवर्सिटी'' का दर्जा प्राप्त करने पर सितंबर, 1995 में साई से अलग कर दिया गया था। आज साई देश में खेल और खेल उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए एक शीर्ष निकाय के रूप में जाना जाता है।

साई का सामान्य सभा और शासी सभा

साई के मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन और नियमों के अनुसार, भारत सरकार द्वारा सामान्य सभा (सोसाइटी) और शासी सभा का गठन किया जाता है। माननीय युवा मामले और खेल मंत्री इसके अध्यक्ष के रूप में साई के सामान्य सभा और शासी सभा के प्रमुख होते हैं।

लक्ष्य और उद्देश्य

साई के लक्ष्य और उद्देश्य नीचे दिए गए हैं:

- देश में खेलों को बढ़ावा देना और उन्हें व्यापक बनाना;
- खेल प्रतिभाओं की पहचान/चयन करना और उनका पोषण करना;
- भारत को एक प्रमुख खेल शक्ति के रूप में स्थापित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए योजनाओं/कार्यक्रमों को लागू करना;
- दिल्ली में 1982 में आयोजित IXवें एशियाई खेलों के लिए निर्मित स्टेडियम का प्रबंधन;
- युवा मामले और खेल मंत्रालय और संबंधित राज्य सरकारों के साथ–साथ देश में खेलों के प्रोत्साहन/विकास के लिए जिम्मेदार अन्य एजेंसियों के बीच एक इंटरफेस के रूप में कार्य करना;
- उच्च क्षमता वाले प्रशिक्षकों, खेल वैज्ञानिकों और शारीरिक शिक्षा शिक्षकों को तैयार करने के लिए संस्थानों की स्थापना, संचालन, प्रबंधन और प्रशासन करना;
- देश में खेल के बुनियादी ढांचे और सुविधाओं की योजना, निर्माण, अधिग्रहण, विकास, प्रबंधन, रखरखाव और उपयोग करना;
- खेलों, खिलाड़ियों और कोचों के उन्नयन के लिए विभिन्न खेल विज्ञानों से संबंधित अनुसंधान परियोजनाओं को शुरू करना, चलाना, प्रायोजित करना, और प्रोत्साहित करना; तथा
- देश में खेलकूद को बढ़ावा देने और खेल उत्कृष्टता के विकास में शामिल अन्य केंद्रीय या राज्य निकायों और अन्य संस्थानों के साथ विचार विमर्श करना और/या सहयोग करना।

संगठनात्मक ढांचा

महानिदेशक, साई संगठन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं। उन्हें विभिन्न विभागों/प्रभागों के वरिष्ठ कार्यात्मक प्रमुखों की एक टीम द्वारा सहायता प्रदान की जाती है जिसमें सचिव, साई, कार्यकारी निदेशक और शैक्षणिक संस्थानों/क्षेत्रीय केंद्रों के प्रमुख शामिल हैं। वर्ष 2021–22 के लिए एक संगठनात्मक चार्ट इस प्रकार है:

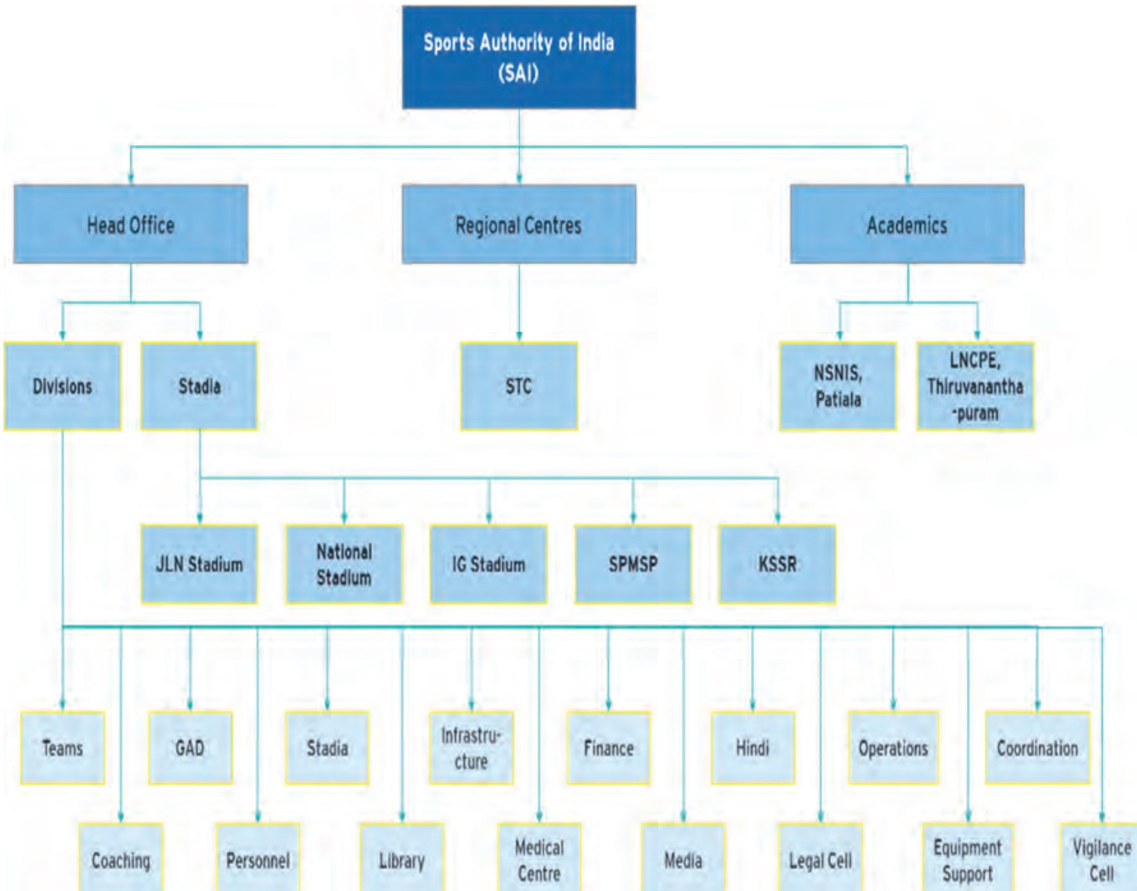

साई के प्रमुख प्रभागों/संस्थानों और उनकी कार्यात्मक जिम्मेदारियों को संक्षेप में निम्नानुसार वर्णित किया गया है:

क्र.सं.	प्रभाग का नाम	कार्य
(i)	अकादमिक (कोचिंग) एनएस एनआईएस, पटियाला	स्पोर्ट्स कोचिंग में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स संचालित करना। नियमित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम संचालित करके प्रशिक्षकों के कौशल का उन्नयन।
(ii)	अकादमिक (शारीरिक शिक्षा) एलएनसीपीई, तिरुवनंतपुरम	शारीरिक शिक्षा में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित करना।
(iii)	संचालन प्रभाग, साई मुख्यालय, नई दिल्ली	साई खेल प्रोत्साहन योजनाओं की योजना, कार्यान्वयन और निगरानी।
(iv)	टीम प्रभाग साई मुख्यालय, नई दिल्ली	राष्ट्रीय खेल संघों के सहयोग से एमवाईएएस की ओर से एलीट एथलीटों का प्रशिक्षण और प्रबंधन सहायता, जिसमें राष्ट्रीय शिविर आयोजित करना, विदेशी प्रदर्शन और विदेशी कोचों की सेवाओं की सुविधा शामिल है।

क्र.सं.	प्रभाग का नाम	कार्य
(v)	लक्ष्य ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स)	मिशन ओलिंपिक प्रकोष्ठ को चयन, बहिष्करण और प्रस्ताव के अनुमोदन सहित अपने अधिदेश को पूरा करने में सहायता करना। इसका उद्देश्य योजना के तहत चुने गए एथलीट के लिए शुरू से अंत तक सहायता प्रदान करना है यानी यानी चयन, प्रस्ताव, मंजूरी और प्रदर्शन की समीक्षा।
(vi)	उपकरण सहायक साई मुख्यालय, नई दिल्ली	एसएआई और/या अन्य खेल निकायों के लिए विभिन्न खेल उपकरणों की आवश्यकता का समेकन और स्थानीय और साथ ही विदेशी विक्रेताओं से इसकी सोर्सिंग।
(vii)	स्टेडिया प्रभाग साई मुख्यालय, नई दिल्ली	दिल्ली में साई स्टेडियम का रखरखाव और उपयोग।
(viii)	आधारभूत संरचना साई मुख्यालय, नई दिल्ली	देश भर में साई केंद्रों में खेल और खेल संबंधी बुनियादी ढांचे का निर्माण, विकास और रखरखाव करना।
(ix)	कार्मिक प्रभाग साई मुख्यालय, नई दिल्ली	अधिकारियों और कर्मचारियों की भर्ती और साई के कर्मचारियों के सेवा मामले।
(x)	कोचिंग प्रभाग, साई मुख्यालय, नई दिल्ली	साई के कोचों की भर्ती और सेवा मामले।
(xi)	वित्त प्रभाग, साई मुख्यालय, नई दिल्ली	दिल्ली में साई के विभिन्न प्रभागों, शैक्षणिक संस्थानों और फील्ड इकाइयों के लिए वित्तीय योजना और बजट आवंटन।
(xii)	समन्वय प्रभाग, साई मुख्यालय, नई दिल्ली	विशेष रूप से संसद और आरटीआई से संबंधित मामलों पर एमवाईएएंडएस/अन्य एजेंसियों और साई के विभिन्न प्रभागों के साथ संपर्क करने के लिए नोडल डिवीजन।
(xiii)	मीडिया और अंतर्राष्ट्रीय संबंध प्रभाग साई मुख्यालय, नई दिल्ली	प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथ संपर्क, एनआईटी/विज्ञापन जारी करना, प्रेस ब्रीफिंग आयोजित करना और साई अधिकारियों की वेबसाइट का रखरखाव करना। साथ ही सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रमों/विदेशी राष्ट्रों के साथ खेल के क्षेत्र में द्विपक्षीय संबंधों से संबंधित मुद्दों पर मंत्रालय के साथ संपर्क।
(xiv)	सामान्य प्रशासन साई मुख्यालय, नई दिल्ली	जनरल स्टोर की खरीद और रखरखाव। हाउस बिल्डिंग का रखरखाव, कम्प्यूटरीकरण और हाउसकीपिंग, परिवहन, बैठक और सेमिनार, आधिकारिक टेलीफोन और एयर टिकटिंग।
(xv)	विधि प्रभाग साई मुख्यालय, नई दिल्ली	साई से संबंधित सभी कानूनी मामलों को देखता है।
(xvi)	सतर्कता प्रभाग साई मुख्यालय, नई दिल्ली	साई से संबंधित सभी सतर्कता मामलों को देखता है।
(xvii)	राजभाषा प्रभाग साई मुख्यालय, नई दिल्ली	भारत सरकार की राजभाषा नीति का कार्यान्वयन।
(xviii)	खेलो इंडिया प्रभाग साई मुख्यालय, नई दिल्ली	सामूहिक भागीदारी और खेलों में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के दोहरे उद्देश्यों को प्राप्त करना।

क्र.सं.	प्रभाग का नाम	कार्य
(xix)	फिट इंडिया प्रभाग, साई मुख्यालय, नई दिल्ली	फिटनेस को आसान, मजेदार और मुफ्त के रूप में बढ़ावा देना, फिटनेस और विभिन्न शारीरिक गतिविधियों के बारे में जागरूकता फैलाना, जो केंद्रित अभियानों के माध्यम से फिटनेस को बढ़ावा देते हैं, स्वदेशी खेल और फिटनेस के आसपास की गतिविधियों को प्रोत्साहित करते हैं, फिटनेस को हर स्कूल, कॉलेज/विश्वविद्यालय, गांव, पंचायत आदि तक पहुंचाते हैं।
(xx)	कोच विकास और प्रशिक्षण	कोच विकास और प्रशिक्षण प्रभाग की स्थापना कोचों, वैज्ञानिक कर्मचारियों और प्रशासनिक कर्मचारियों के लिए उनके ज्ञान और कौशल को उन्नत करने के लिए प्रशिक्षण आयोजित करने के उद्देश्य से की गई है।

दिल्ली में निम्नलिखित स्टेडियम जिनका निर्माण/नवीनीकरण 1982 में नई दिल्ली में आयोजित IXवें एशियाई खेलों के लिए किया गया था और बाद में 2010 में नई दिल्ली में आयोजित XIXवें राष्ट्रमंडल खेलों के लिए पुनर्निर्मित किया गया था, का रखरखाव और उपयोग साई द्वारा किया जा रहा है:–

(i) जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम परिसर

(ii) इंदिरा गांधी खेल परिसर

(iii) डॉ यामा प्रसाद मुखर्जी स्विमिंग पूल कॉम्प्लेक्स (पूर्व में के रूप में जाना जाता है)

(iv) तालकटोरा स्विमिंग पूल)

(v) मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम (पूर्व में नेशनल स्टेडियम के नाम से जाना जाता था)

(vi) डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज (पूर्व में शूटिंग रेंज तुगलकाबाद के नाम से जाना जाता था)

साई की खेल प्रोत्साहन योजनाएं

साई का संचालन प्रभाग राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए विभिन्न आयु समूहों में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को खोजने और उनका पोषण करने के उद्देश्य से विभिन्न खेल प्रोत्साहन योजनाओं के कार्यान्वयन से संबंधित है।

इन योजनाओं को एनएस एनआईएस, पटियाला और एलएनसीपीई, तिरुवनंतपुरम में स्थित शैक्षणिक विंग के साथ–साथ बेंगलुरु, कोलकाता, गांधीनगर, कांदिवली (मुंबई), भोपाल, सोनीपत, लखनऊ, चंडीगढ़, गुवाहाटी और इंफाल में स्थित साई क्षेत्रीय केंद्रों के माध्यम से कार्यान्वित किया जा रहा है। पटियाला, बेंगलुरु और कोलकाता में स्थापित खेल विज्ञान केंद्र अच्छी तरह से सुसज्जित हैं, और इन सुविधाओं को अन्य केंद्रों में भी उन्नत किया जा रहा है।

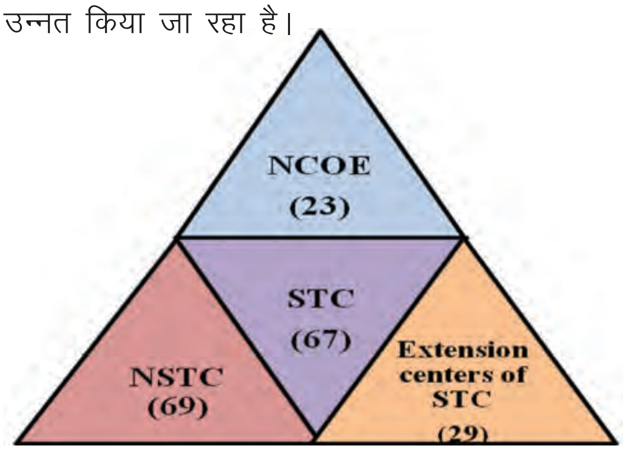

योजनाओं की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं:

1.0 साई राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई)

साई देश भर के क्षेत्रीय केंद्रों, शैक्षणिक संस्थानों और साई प्रशिक्षण केंद्रों (एसटीसी) में विभिन्न खेल प्रचार योजनाओं को लागू कर रहा था ताकि प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान की जा सके और उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु तैयार किया जा सके।

साई क्षेत्रीय केंद्रों और दिल्ली स्टेडियम में, कई योजनाओं जैसे कि उत्कृष्टता केंद्र, साई प्रशिक्षण केंद्र (एसटीसी), और राष्ट्रीय अकादमियाँ को लागू किया जा रहा था। एक ही परिसर के भीतर चल रही इन योजनाओं में विभिन्न आयु समूहों के लक्षित प्रशिक्षुओं के अलग–अलग हक और अलग–अलग वित्तीय मानदंड थे।

वित्तीय मानदंडों की एकरूपता बनाए रखने के लिए और साई क्षेत्रीय केंद्र/शैक्षणिक संस्थानों/स्टेडियम में एक

ही परिसर/परिसर में प्रशिक्षुओं के बीच भेदभाव को दूर करने के लिए, युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा 2019 में साई क्षेत्रीय केंद्र/शैक्षणिक संस्थानों और स्टेडियम के समान परिसर में संचालित हो रही सभी योजनाओं का **साई राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई)** के नाम से विलय करने का निर्णय लिया गया था।

एक ही परिसर और स्टेडियम आदि में संचालित साई प्रोत्साहन योजनाओं के विलय के बाद 20 एनसीओई को राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में उन्नत किया गया। हालांकि, संभावनाओं और बुनियादी ढांचे को देखते हुए, बाद में 3 और एनसीओई जोड़े गए। अब तक, भारत भर में 14 प्राथमिकता और 10 अन्य खेलों में 23 एनसीओई ***(चंडीगढ़ अभी शुरू होना बाकी है)*** कार्यरत हैं।

लक्ष्य और उद्देश्यः

ओलंपिक और अन्य अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए एथलीटों को प्रशिक्षित करने के अपने प्रयास में, भारतीय खेल प्राधिकरण ने देश भर में एनसीओई की स्थापना की है, जो अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे और खेल सुविधाएं, खेल विज्ञान बैकअप, प्रशिक्षित पोषण विशेषज्ञों द्वारा निर्धारित आहार, और सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षकों, योग्य सहायक कर्मचारियों और उच्च प्रदर्शन निदेशकों के तहत समग्र पर्यवेक्षण प्रदान करके होनहार एथलीटों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान करते हैं।

एनसीओई, भारत में सर्वश्रेष्ठ उपलब्ध प्रतिभाओं के लिए नियमित कोचिंग कैंप के रूप में संचालित करने के लिए अभिजात वर्ग को समायोजित करने में सक्षम हैं और संभावित खिलाड़ियों की समवर्ती परतें प्रदान करते हैं, जिससे राष्ट्रीय टीमों के चयन के लिए प्रतिभा और निरंतरता का व्यापक विकल्प मिलता है और साथ ही दूसरे और तीसरे विकल्प भी मिलते हैं।

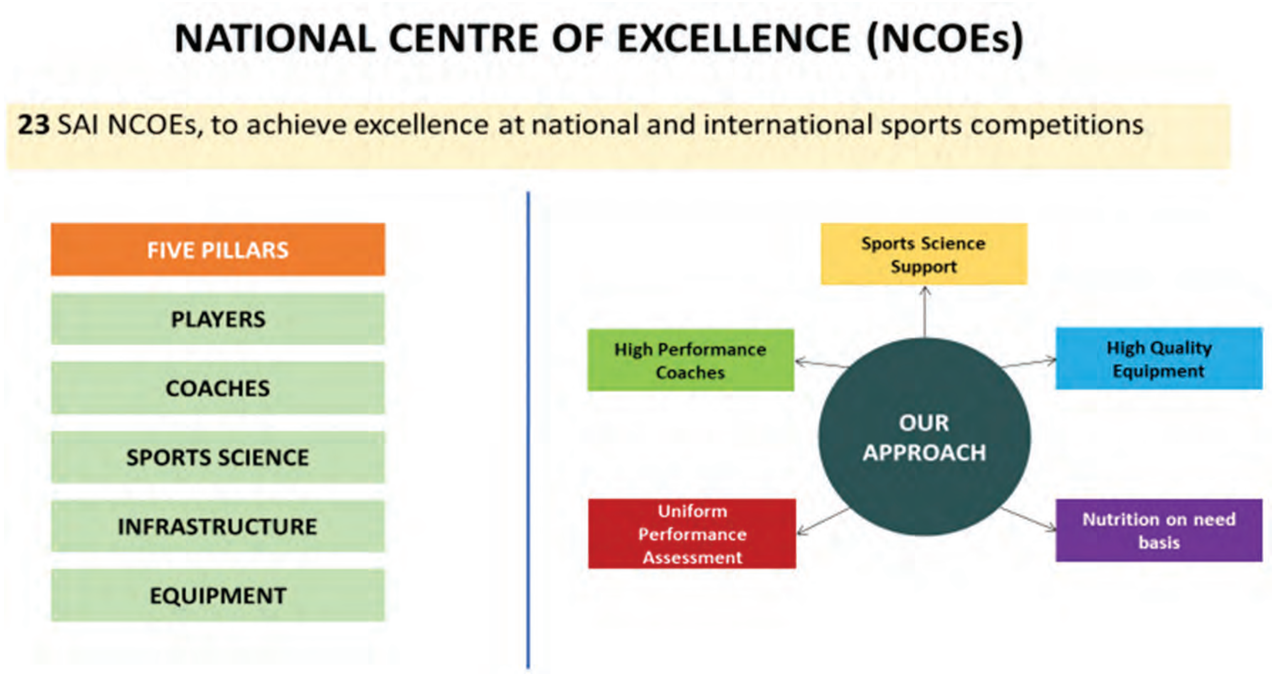

2. एनसीओई द्वारा कवर किए गए खेलः

एनसीओई 14 केंद्रित/प्राथमिकता वाले और 10 अन्य खेलों को कवर करता है जिनमें भारतीय एथलीट अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और उनके अंतरराष्ट्रीय आयोजनों/चैंपियनशिप/खेल, आदि में पदक जीतने की संभावना है इसके साथ ही एफओपी की उपलब्धता, मौजूदा एथलीटों, स्थानीय प्रतिभा आदि तथ्य भी होते हैं।

केंद्रित/प्राथमिकता वाले खेलः तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, मुक्केबाजी, साइकिल चलाना, फेंसिंग, हॉकी, जूडो, नौकायन, तैराकी, निशानेबाजी, टेबल टेनिस, कुश्ती और भारोत्तोलन

अन्य अनुशासनः फुटबॉल, जिमनास्टिक, बास्केटबॉल, हैंडबॉल, कबड्डी, खो–खो, कयाकिंग और कैनोइंग, पैरा स्पोर्ट्स, ताइक्वांडो, वॉलीबॉल, वुशु

3. प्रत्येक एनसीओई में शामिल खेल हैं: –

क्र. सं.	केंद्र का नाम	शिक्षण (ओं)
1	अल्लेप्पी	रोइंग, कयाकिंग और कैनोइंग
2	तिरुवनंतपुरम	एथलेटिक्स, साइकिलिंग, फुटबॉल, ताइक्वांडो, वॉलीबॉल
3	औरंगाबाद	तीरंदाजी, एथलेटिक्स, मुक्केबाजी, फेंसिंग, हॉकी (जी), भारोत्तोलन, जिमनास्टिक
4	मुंबई	एथलेटिक्स, हॉकी (जी), कबड्डी, कुश्ती
5	बेंगलुरु	एथलेटिक्स, हॉकी, जूडो, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन
6	भोपाल	एथलेटिक्स, बॉक्सिंग, हॉकी, जूडो, वुशु
7	चंडीगढ़	अनुशासन बाद में तय किया जाएगा।
8	धर्मशाला	एथलेटिक्स (जी), कबड्डी (जी), खो–खो (जी), वॉलीबॉल
9	गुवाहाटी	तीरंदाजी, एथलेटिक्स, मुक्केबाजी, साइकिल चलाना, फेंसिंग, फुटबॉल, तायक्वोंडो
10	गांधीनगर	एथलेटिक्स (पैरा), बैडमिंटन (पैरा), हैंडबॉल, कबड्डी, पावर लिफ्टिंग (पैरा), तैराकी (पैरा)
11	इंफाल	तीरंदाजी, एथलेटिक्स, साइकिलिंग, फेंसिंग, फुटबॉल, हॉकी, भारोत्तोलन, वुशु,
12	ईटानगर	मुक्केबाजी, भारोत्तोलन, वुशु
13	जगतपुरी	रोइंग, कयाकिंग और कैनोइंग
14	कोलकाता	तीरंदाजी एथलेटिक्स जिमनास्टिक हॉकी (जी) टेबल टेनिस
15	लखनऊ	एथलेटिक्स हॉकी तायक्वोंडो भारोत्तोलन, कुश्ती (जी)
16	पटियाला	एथलेटिक्स, साइकिलिंग, फेंसिंग, हॉकी (जी), जूडो, ताइक्वांडो, भारोत्तोलन
17	रोहतक	मुक्केबाजी
18	सोनीपत	तीरंदाजी, एथलेटिक्स, हॉकी, कबड्डी, कुश्ती
19	जेएन स्टेडियम नई दिल्ली	एथलेटिक्स (पोल वॉल्ट)
20	आईजी स्टेडियम नई दिल्ली	साइकिल चलाना, जिमनास्टिक
21	डॉ एसपीएमएसपीसी नई दिल्ली	तैराकी
22	एम.डी.सी.एन.एस. नई दिल्ली	हॉकी
23	डॉ. केएसएसआर, नई दिल्ली	शूटिंग

4. स्वीकृत संख्याः

बुनियादी ढांचे की उपलब्धता, पदक की संभावनाओं, खेल की लोकप्रियता और कई अन्य कारकों के आधार पर साई समय–समय पर एथलीटों की संख्या निर्धारित करता है जिन्हें प्रत्येक एनसीओई में खेल में प्रशिक्षित किया जा सकता है। कुल स्वीकृत संख्या को आगे आवासीय और गैर–आवासीय एथलीटों में तथा सभी लिंगों के लिए पर्याप्त प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए पुरुष और महिला एथलीटों में विभाजित किया गया है। एनसीओई में एथलीटों की वर्तमान स्वीकृत संख्या आवासीय एथलीटों के लिए 4,077 और गैर–आवासीय एथलीटों के लिए 500 है। हालाँकि, कोविड–19 के कारण चालू वर्ष के लिए प्रशिक्षणरत प्रशिक्षुओं की संख्या 2630 (1380 लड़के और 1250 लड़कियां) है।

5. प्रवेश मानदंडः

प्रतिभा पहचान और विकास समितियों (टीआईडीसी) को सभी खेलों के लिए एनसीओई से एथलीटों का चयन करने/छंटनी करने का अधिकार है।

6. प्रशिक्षित और कुशल कार्यबलः

i. कोचिंग स्टाफः

एनसीओई एथलीटों के प्रशिक्षण के लिए सर्वोत्तम प्रशिक्षण वातावरण और कोचिंग प्रदान कर रहे हैं। एथलीटों को सर्वोत्तम प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए, योग्य साई कोचों के अलावा, प्रतिष्ठित और अनुभवी कोचों को अन्य विभागों से प्रतिनियुक्ति पर रखा या लिया जा रहा है। प्रशिक्षण प्रभाग सभी एनसीओई में कोचों की भर्ती/चयन/स्थानांतरण आदि का ध्यान रखता है।

ii. वैज्ञानिक कर्मचारीः

युवा एथलीटों के प्रदर्शन का मूल्यांकन/समर्थन करने के लिए, स्पोर्ट्स एंथ्रोपोमेट्री, एक्सरसाइज फिजियोलॉजी, स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग, बायो–मैकेनिक, स्पोर्ट साइकोलॉजी, स्पोर्ट्स मेडिसिन, फिजियो–थेरेपी आदि के विशेष क्षेत्र में वैज्ञानिक विशेषज्ञों को प्रत्येक एनसीओई में काम पर रखा जा रहा है।

iii. प्रशासनिक कर्मचारीः

एनसीओई के सुचारू कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक एनसीओई में पर्याप्त प्रशासनिक कर्मचारी तैनात किए गए हैं।

vi. मैस स्टाफः

प्रत्येक एथलीट की दिन–प्रतिदिन की आवश्यकता के अनुसार गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के लिए इसके प्रभावी कामकाज की देखभाल के लिए विशेष मेस स्टाफ को लगाया गया है।

7. खेल विज्ञान सुविधाएं

जहां तक एनसीओई में वैज्ञानिक बैकअप का संबंध है, युवा एथलीटों के प्रदर्शन के मूल्यांकन/बढ़ाने के लिए आवश्यक विशिष्ट उपकरण एनसीओई में उपलब्ध कराए जा रहे हैं। एनसीओई में नवीनतम वैज्ञानिक उपकरण खरीदे गए हैं/जा रहे हैं। एनसीओई में वैज्ञानिक सुविधाएं स्थापित करने की कुल लागत ₹ 80.00 करोड़ है। एनसीओई में निम्नलिखित विभाग स्थापित किए जा रहे हैं,

(i) एन्थ्रोपोमेट्री
(ii) जीवमिति
(iii) जैवयांत्रिकी
(iv) पोषण
(v) प्रदर्शन का परीक्षण
(vi) शरीर क्रिया विज्ञान
(vii) भौतिक चिकित्सा
(viii) मनोविज्ञान
(ix) शक्ति और कंडीशनिंग

2.0 साई प्रशिक्षण केंद्र योजना (एसटीसी)

उद्देश्यः

10–18 वर्ष के आयु वर्ग के जूनियर स्तर के खिलाड़ियों को तैयार करने के लिए, साई प्रशिक्षण केंद्र (एसटीसी) की स्थापना उस राज्य में की जाती है जहाँ संबंधित राज्य सरकारों द्वारा खेल का बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराया जाता है।

कवर किए गए खेलः

तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, बॉक्सिंग, साइकिलिंग, फेंसिंग, फुटबॉल, जिमनास्टिक, हैंडबॉल, हॉकी, जूडो, कबड्डी, कराटे, कयाकिंग और कैनोइंग, खो–खो, रोइंग, सेपकताक्रा, शूटिंग, सॉफ्टबॉल, तैराकी,

टेबल टेनिस, ताइक्वांडो, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन, कुश्ती और वुशु (27 खेल)।

चयन मापदंड

प्रवेश के लिए मानदंडः आयुः 12 से 18 वर्ष।

(क) **व्यक्तिगत स्पर्धाएंः** मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल संघ द्वारा आयोजित सब–जूनियर (कैडेट सहित) और जूनियर नेशनल चैंपियनशिप में आठवें (08वें) स्थान तक और एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज और स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित इंटर–यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप में छठे (06) स्थान तक, वर्तमान या प्रवेश से पहले के वर्ष के दौरान।

या

मान्यता प्राप्त राज्य खेल संघ द्वारा आयोजित राज्य चैंपियनशिप में प्रथम तीन (03) स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी।

या

वे खिलाड़ी जिन्होंने नॉर्थ ईस्ट गेम्स और पीवाईकेकेए राष्ट्रीय ग्रामीण और महिला चैंपियनशिप में पहले तीन (03) स्थानों में से कोई भी स्थान हासिल किया हो।

या

खिलाड़ी जिन्होंने संबंधित मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय महासंघ द्वारा आयोजित किसी भी मान्यता प्राप्त चैंपियनशिप/टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व किया हो।

या

जिला चैंपियनशिप, अंतर–शिक्षा जिला स्तरीय लघु प्रतियोगिता, पब्लिक स्कूल परिसंघ, सीबीएसई, केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, पीवाईकेकेए, आदि द्वारा आयोजित चैंपियनशिप के प्रथम तीन (03) स्थान धारकों के चयन परीक्षणों में भाग लेने के लिए विचार किया जा सकता है।

ख) **टीम स्पर्धाएंः (i) उम्रः** 10 से 18 साल।

जो प्रतिभा परीक्षण की बैटरी के अनुसार मोटर गुणवत्ता के न्यूनतम स्तर तक नहीं पहुंच पाती है, उसे छह महीने के लिए अनंतिम रूप से चुना जा सकता है और बाद में मोटर गुणवत्ता परीक्षण और विशिष्ट कौशल परीक्षण पास करने के बाद ही, उपयुक्त पाए जाने पर औपचारिक प्रवेश दिया जा सकता है।

प्रत्येक प्रशिक्षु की व्यक्तिगत प्रशिक्षण डायरी का अनुरक्षण किया जाना चाहिए, जिसे प्रतिधारण और छंटनी प्रक्रिया के समय ध्यान में रखा जाए।

प्रवेश के लिए प्रदर्शन मानदंडः

किसी ऐसी टीम का कोई भी सदस्य जिसने मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल संघ द्वारा आयोजित सब–जूनियर और जूनियर नेशनल चैंपियनशिप में पहले चार (4) स्थान प्राप्त किए हों और एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज एंड स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित इंटर–जोनल और इंटर–यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप में पहले दो (02) स्थान प्राप्त किए हों।

या

किसी मान्यता प्राप्त राज्य खेल संघ द्वारा आयोजित राज्य चौम्पियनशिप में प्रथम (01) या द्वितीय (02) स्थान प्राप्त करने वाली टीम का सदस्य।

या

खिलाड़ी जिसने किसी भी मान्यता प्राप्त चैंपियनशिप/टूर्नामेंट में सब–जूनियर और जूनियर टीम के सदस्य के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व किया है, जिस टीम को आधिकारिक तौर पर भारत सरकार द्वारा भेजा गया था।

या

उत्तर पूर्व खेलों में टीम खेलों में विजेता और उपविजेता सदस्य।

या

राज्य खेल संघ, राज्य खेल परिषद और राज्य खेल विभाग द्वारा आयोजित मान्यता प्राप्त राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले खिलाड़ी चयन परीक्षण में भाग लेने के लिए विचार किए जा सकते हैं।

प्रवेश के लिए पूर्व शर्तः उपरोक्त दो श्रेणियों में प्रवेश प्रदर्शन संकेतकों, मानवशास्त्रीय मापन, शारीरिक और मनोवैज्ञानिक परीक्षणों और चयन टेस्ट में उपस्थित होकर उम्र, अनुशासन, प्रतियोगिता और भविष्य की क्षमता के मूल्यांकन के आधार पर किया जा सकता है। कोई सीधा प्रवेश नहीं होगा। प्रवेश केवल प्रदर्शन और परीक्षा परिणाम की बैटरी के आधार पर होगा और प्रवेश के समय प्रलेखित किया जाना है।

लेटरल एंट्रीः जिला, राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में वांछित प्रदर्शन करने वाले और परीक्षण, तकनीकी और विशिष्ट कौशल परीक्षणों की

बैटरी को सफलतापूर्वक पूरा करने वालों को वर्ष के किसी भी समय शामिल किया जा सकता है।

प्रतिधारण मानदंडः एथलीट का प्रतिधारण उसके प्रदर्शन के न्यूनतम स्तर को बनाए रखने पर आधारित होता है जिसके आधार पर उसे भर्ती किया गया था और वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्य को भी प्राप्त किया गया हो।

प्रवेश के समय पर विचारित परीक्षा परिणाम की बैटरी, विशिष्ट परीक्षा परिणाम और प्रदर्शन मूल्यांकन रिकॉर्ड को आधार प्रदर्शन के रूप में उचित रूप से प्रलेखित किया जाना चाहिए ताकि समय–समय पर प्रशिक्षुओं के प्रदर्शन में वृद्धि की तुलना की जा सके।

प्रत्येक प्रशिक्षु की व्यक्तिगत प्रशिक्षण डायरी रखी जाती है, जिसे प्रतिधारण और छंटनी के समय ध्यान में रखा जाता है।

मेडिकल चेकअप और आयु सत्यापन आवश्यक है, खासकर जब प्रवेश सब–जूनियर और जूनियर स्तर की प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन के आधार किया जाता है, यह उम्र धोखाधड़ी के खिलाफ एक प्रभावी निवारक उपाय के रूप में काम करता है।

छंटनी:

क) प्रदर्शन के अपेक्षित स्तर को बनाए नहीं रखना;

ख) प्रशिक्षण और या प्रतियोगिता से पहले छह महीने से अधिक समय तक की चोट; तथा

ग) डोप दुरुपयोग, उम्र धोखाधड़ी, कदाचार आदि।

भर्ती किए गए प्रशिक्षुओं के लिए निगरानी, अर्धवार्षिक वैज्ञानिक मूल्यांकन और अकादमिक बैकअप:

क) भर्ती किए गए सभी प्रशिक्षुओं की गहन निगरानी और अर्धवार्षिक वैज्ञानिक मूल्यांकन संस्थागत/क्षेत्रीय प्रमुखों द्वारा इन–हाउस खेल विज्ञान सुविधाओं की सेवाओं या प्रसिद्ध खेल विज्ञान संस्थानों के माध्यम से किया जाता है।

ख) जहां तक संभव हो निकट के विद्यालयों में प्रवेश दिलाने का प्रयास किया जाता है।

ग) शैक्षणिक सत्र से जोड़ने के बजाय प्रतिभा को शामिल करना एक सतत प्रक्रिया हो सकती है ताकि जब भी कोई प्रतिभा दिखे और प्रवेश के लिए योग्य पाए जाए तो साई को प्रतिभा को स्वीकार करने में सक्षम बनाया जा सके।

शैक्षणिक संस्थानों/क्षेत्रों के प्रमुख द्वारा 18 वर्ष की आयु से अधिक और 21 वर्ष तक के प्रशिक्षुओं के प्रतिधारण में छूट पर केवल विशेष मामलों में विचार किया जा सकता है, जहां प्रदर्शन और भविष्य की संभावनाओं के आधार पर मजबूत औचित्य है।

वर्तमान में देश में **67** एसटीसी केंद्र हैं जिनमें कुल **3865** प्रशिक्षु **(2465 लड़के और 1400 लड़कियां)** हैं।

इसके अलावा कोचों, सहायक कर्मचारियों और रखरखाव का वेतन साई द्वारा प्रदान किया जाता है।

3.0 एसटीसी केंद्रों के विस्तार केंद्र

उद्देश्य:

एसटीसी के विस्तार केंद्रों की योजना स्कूलों और कॉलेजों को व्यापक कवरेज के लिए 17 विषयों में शुरू की गई थी, ताकि स्कूलों और कॉलेजों में खेल मानक विकसित करने के लिए आवश्यक बुनियादी खेल बुनियादी ढांचे और खेलों में अच्छे परिणाम दिखाए जा सकें। नियमित प्रशिक्षण के लिए गैर आवासीय आधार के तहत 10–18 वर्ष के आयु वर्ग के प्रशिक्षुओं का चयन किया जाता है।

कवर किए गए खेल:

तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, बॉक्सिंग, कैनोइंग, फुटबॉल, जिमनास्टिक, हैंडबॉल, हॉकी, जूडो, कबड्डी, खो–खो, टेबल टेनिस, ताइक्वांडो, भारोत्तोलन और कुश्ती।

संस्थान का चयनः

खेल में सक्रिय रूप से शामिल और पर्याप्त बुनियादी ढांचे वाले स्कूल और कॉलेज इस योजना के तहत पात्र हैं। संस्था का राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी तैयार करने का पुराना इतिहास होना चाहिए।

प्रशिक्षुओं का चयनः

योजना के तहत एक स्कूल/कॉलेज में 20 प्रशिक्षुओं को गोद लिया जाता है। पास के स्कूल/कॉलेजों के छात्रों को भी प्रवेश दिया जा सकता है। एथलीटों का चयन एक विधिवत गठित समिति द्वारा किया जाता है जिसमें (1) क्षेत्रीय निदेशक (साई) या उनके प्रतिनिधि (2) कॉलेज/संस्थान के प्रमुख या उनके प्रतिनिधि (3) स्कूल/कॉलेज के संबंधित खेल के विशेषज्ञ/कोच

शामिल होते हैं। (4) क्षेत्र के उत्कृष्ट खिलाड़ी। सराहनीय परिणाम/असाधारण प्रतिभा के मामले में आयु में छूट दी गई है।

ये विस्तार केंद्र निकटतम एसटीसी से जुड़े हुए हैं और साई क्षेत्रीय केंद्रों के प्रमुखों द्वारा निगरानी की जाती है जिनके अंतर्गत संबंधित स्कूल/कॉलेज आते हैं।

चयन मापदंड

स्कूलों

(क) **व्यक्तिगत स्पर्धाएं:** जिला चैंपियनशिप, अंतर–शैक्षिक संस्थानों, पब्लिक स्कूल परिसंघ, सीबीएसई, केवी, जेएनवी द्वारा आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं के पहले चार स्थानधारकों में से कोई भी।

(ख) **टीम खेल:** जिला चैंपियनशिप, पब्लिक स्कूलों परिसंघ, सीबीएसई, केवी, जेएनवी और पीवाईकेकेए के द्वारा आयोजित अंतर–शैक्षिक संस्थान जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं के विजेता या उपविजेता और मानदंडों के अनुसार टेस्ट की बैटरी के तहत अर्हता प्राप्त करने वाली टीमें।

कॉलेज:

(क) **व्यक्तिगत स्पर्धाएं**– मान्यता प्राप्त राज्य खेल संघों द्वारा आयोजित सब–जूनियर और जूनियर स्टेट चैंपियनशिप विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इंटर–कॉलेज चैंपियनशिप और एसजीएफआई मानदंडों के अनुसार आयोजित राज्य स्तरीय एसजीएफआई चैंपियनशिप में चौथे स्थान तक/स्थान धारक।

(ख) **टीम खेल:** जिला चैंपियनशिप, पब्लिक स्कूलों परिसंघ, सीबीएसई, केवी, जेएनवी और पीवाईकेकेए के द्वारा आयोजित अंतर–शैक्षिक संस्थान जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं के विजेता या उपविजेता और मानदंडों के अनुसार टेस्ट की बैटरी के तहत अर्हता प्राप्त करने वाली टीमें।

विश्वविद्यालय: व्यक्तिगत और टीम:

भारतीय विश्वविद्यालय संघ और मान्यता प्राप्त राज्य संघ/राष्ट्रीय खेल संघों द्वारा आयोजित क्षेत्रीय/राष्ट्रीय चैंपियनशिप में विश्वविद्यालय, राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ी।

आयु: 10 से 18 वर्ष।

परीक्षण की बैटरी में प्रशिक्षुओं के प्रदर्शन और प्रवेश के समय उपलब्धियों को स्पष्ट रूप से प्रलेखित किया जाना चाहिए।

परीक्षण की बैटरी में असफल होने वाले प्रशिक्षुओं को अनंतिम रूप से चुना जाता है और प्रतिधारण के लिए छह महीने के बाद उनका मूल्यांकन किया जाएगा।

प्रवेश के समय पर विचारित परीक्षा परिणाम की बैटरी, विशिष्ट परीक्षा परिणाम और प्रदर्शन मूल्यांकन रिकॉर्ड को आधार प्रदर्शन के रूप में उचित रूप से प्रलेखित किया जाना चाहिए ताकि समय–समय पर प्रशिक्षुओं के प्रदर्शन में वृद्धि की तुलना की जा सके।

प्रवेश के लिए पूर्व शर्त:

उपरोक्त दो श्रेणियों में प्रवेश प्रदर्शन संकेतकों, मानवशास्त्रीय मापन, शारीरिक और मनोवैज्ञानिक परीक्षणों और चयन टेस्ट में उपस्थित होकर उम्र, अनुशासन, प्रतियोगिता और भविष्य की क्षमता के मूल्यांकन के आधार पर किया जा सकता है। परीक्षा परिणाम की बैटरी के आधार पर होगा और प्रवेश के समय प्रलेखित किया जाना है।

पार्श्व प्रविष्टि:

जिन लोगों ने जिला, राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में वांछित प्रदर्शन हासिल किया और परीक्षण, तकनीकी और विशिष्ट कौशल परीक्षणों की बैटरी को सफलतापूर्वक पूरा किया, उन्हें वर्ष के किसी भी समय शामिल किया जा सकता है।

प्रतिधारण मानदंड: एथलीट का प्रतिधारण उसके प्रदर्शन के न्यूनतम स्तर को बनाए रखने पर आधारित होता है जिसके आधार पर उसे भर्ती किया गया था और वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्य को भी प्राप्त किया गया हो।

छंटनी:

क) प्रदर्शन के अपेक्षित स्तर को बनाए नहीं रखना

ख) डोप दुरुपयोग, उम्र धोखाधड़ी, कदाचार।

भर्ती किए गए प्रशिक्षुओं की निगरानी, अर्धवार्षिक वैज्ञानिक मूल्यांकन और अकादमिक बैकअप:

क) यह अनुशंसा की जाती है कि भर्ती किए गए सभी प्रशिक्षुओं की बारीकी से निगरानी और अर्धवार्षिक वैज्ञानिक मूल्यांकन संस्थागत/क्षेत्रीय प्रमुखों द्वारा

इन–हाउस खेल विज्ञान सुविधाओं या प्रसिद्ध खेल विज्ञान संस्थानों की सेवायें लेकर किया जा सकता है।

ख) जहां तक संभव हो, एनआईओएस, मानव संसाधन विकास मंत्रालय और इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय के तहत राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा प्रणाली स्थापित करने के प्रयास किए जाने चाहिए ताकि प्रवेशित प्रतिभाओं पर नियमित शैक्षणिक दबाव को दूर किया जा सके।

ग) शैक्षणिक सत्र से जोड़ने के बजाय प्रतिभा को शामिल करना एक सतत प्रक्रिया हो सकती है ताकि जब भी कोई प्रतिभा दिखे और प्रवेश के लिए योग्य पाई जाए तो साई को प्रतिभा को प्रवेश देने में सक्षम बनाया जा सके।

घ) शामिल किए गए प्रशिक्षुओं की सामाजिक/नौकरी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्रों/सशस्त्र बलों/कॉर्पोरेट के साथ मिलकर प्रयास किए जा सकते हैं।

छूट: हालांकि, असाधारण मामलों में निचली और ऊपरी आयु सीमा के साथ–साथ प्रवेश दोनों के लिए छूट परीक्षणों की बैटरी में उत्कृष्ट प्रदर्शन और खेल की विशिष्ट प्रकृति को ध्यान में रखते हुए नए प्रवेश के 25% तक दी जा सकती है।

वित्तीय मानदंड:

क्र. सं.	विवरण	राशि (₹)
1	स्पोर्ट्स किट (प्रति प्रशिक्षु, प्रति वर्ष)	5000.00
2	प्रतियोगिता एक्सपोजर (प्रति प्रशिक्षु, प्रति वर्ष)	3000.00
3	वजीफा (प्रति प्रशिक्षु एक वर्ष में 10 महीने के लिए)	6000.00
4	बीमा (प्रति प्रशिक्षु, प्रति वर्ष)	150.00
5	प्रति प्रशिक्षु, पहचान किए गए संस्थानों में बुनियादी ढांचे और उपकरण सहायता, 1.00 लाख रूपए की सीमा के अधीन	5000.00

वर्तमान में, देश में 29 विस्तार केंद्र हैं जिनमें कुल **450** प्रशिक्षु (**284 लड़के और 166 लड़कियां**) हैं।

4.0 राष्ट्रीय खेल प्रतिभा प्रतियोगिता योजना (एनएसटीसी)

उद्देश्य:

1. राष्ट्रीय खेल प्रतिभा प्रतियोगिता, (एनएसटीसी) योजना **8–14** वर्ष के आयु वर्ग में खेल प्रतिभाओं को स्कूलों से चयन करने और उन्हें वैज्ञानिक प्रशिक्षण प्रदान करके भविष्य में पदक की उम्मीदों में पोषित करने के लिए लागू की जा रही है।

2. इस योजना के तहत, अच्छे खेल बुनियादी ढांचे और विश्वसनीय खेल प्रदर्शन के रिकॉर्ड वाले स्कूलों को साई द्वारा अपनाया जाता है। यह योजना नवोदित खिलाड़ियों को एक ही स्कूल में पढ़ने और खेलने के लिए सक्षम बनाती है। एनएसटीसी की मुख्य योजना (1985 में शुरू की गई) के अलावा, भारत में खेल प्रतिभाओं तक पहुँचने के लिए कुछ अलग उप–योजनाएँ शुरू की गईं, जिसमें नियमित स्कूलों को अपनाया जाता है, यहाँ तक कि स्वदेशी खेलों और खेलों में भाग लेने वालों को भी। एनएसटीसी की इन उप–योजनाओं में शामिल हैं:

   (i) नियमित स्कूल

   (ii) स्वदेशी खेल और मार्शल आर्ट (आईजीएमए)

   (iii) अखाड़े

3. **एनएसटीसी के अंतर्गत आने वाले खेल:**

नियमित स्कूल – एथलेटिक्स, बास्केटबॉल, फुटबॉल, जिमनास्टिक, हॉकी, खो–खो, तैराकी, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल और कुश्ती (10 खेल)।

आईजीएमए – तीरंदाजी, गतका, कबड्डी, कलारियापयतु, मुकना, मलखंब, थांग–ता, सिलंबम, खोमलैनै (09 खेल)

अखाड़े – कुश्ती (**01** खेल)

4. **गोद लिए गए स्कूलों और अखाड़ों को नियमित प्रशिक्षण के लिए एनएसएनआईएस प्रशिक्षित कोच उपलब्ध कराये जाते हैं।**

5. **नियमित स्कूलों का चयन मानदंड (एनएसटीसी)**

उम्र: 8 से 14 साल।

प्रवेश के समय परीक्षण की बैटरी में प्रशिक्षुओं के प्रदर्शन और उपलब्धियों को स्पष्ट रूप से प्रलेखित किया जाना चाहिए।

व्यक्तिगत/टीम स्पर्धा:

क. राज्य/राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में पदक विजेता प्रशिक्षुओं को इस योजना में प्रवेश दिया जाता है, बशर्ते कि वे चिकित्सकीय रूप से स्वस्थ हों।

ख. प्रशिक्षु जो जिला स्तरीय प्रतियोगिता में पदक विजेता हैं या राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग ले चुके हैं, को भर्ती किया जाता है बशर्ते वे चिकित्सकीय और शारीरिक रूप से फिट पाए गए हों और उनके पास आवश्यक क्षमता भी हो, जिसका मूल्यांकन परीक्षणों की बैटरी द्वारा किया जाता है।

ग. दूरस्थ, आदिवासी और तटीय क्षेत्रों से चयन के लिए, प्रतिभागियों के बीच प्रतियोगिताओं का आयोजन करके भी प्रशिक्षुओं का चयन किया जाता है। चयन एक चयन समिति द्वारा किया जाता है जिसमें साई, स्कूल/अखाड़ों, साई के कोच, खेल वैज्ञानिक आदि के प्रतिनिधि शामिल होते हैं। इस आधार पर चयनित खिलाड़ियों को आयु सत्यापन, चिकित्सा परीक्षण और बैटरी परीक्षणों में उपयुक्त पाए जाने पर प्रवेश दिया जाता है।

प्रवेश के लिए पूर्व शर्तः

उपरोक्त दो श्रेणियों में प्रवेश प्रदर्शन संकेतकों, एंथ्रोपोमेट्रिक मापन, शारीरिक और मनोवैज्ञानिक परीक्षणों के आधार पर किया जा सकता है और यह उम्र, अनुशासन, प्रतियोगिता और भविष्य की क्षमता के मूल्यांकन और परीक्षा परिणाम की बैटरी के आधार पर निर्भर करता है और प्रवेश के समय प्रलेखित किया जाना चाहिए।

प्रतिधारण मानदंडः

क) एथलीटों का प्रतिधारण उनके प्रदर्शन के उस न्यूनतम स्तर को बनाए रखने पर आधारित होगा जिसके आधार पर उसे प्रवेश दिया गया था और और उसने वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्य को भी प्राप्त किया हो।

छंटनीः

क) प्रदर्शन के अपेक्षित स्तर को बनाए नहीं रखना

ख) डोप दुरुपयोग, उम्र धोखाधड़ी, कदाचार।

भर्ती किए गए प्रशिक्षुओं की निगरानी, अर्धवार्षिक वैज्ञानिक मूल्यांकन और अकादमिक बैकअपः

यह अनुशंसा की जाती है कि भर्ती किए गए सभी प्रशिक्षुओं की बारीकी से निगरानी और अर्धवार्षिक वैज्ञानिक मूल्यांकन संस्थागत/क्षेत्रीय प्रमुखों द्वारा इन–हाउस खेल विज्ञान सुविधाओं या प्रसिद्ध खेल विज्ञान संस्थानों की सेवायें लेकर किया जा सकता है।

छूटः हालांकि, टेस्ट की बैटरी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर और खेल की विशिष्ट प्रकृति को ध्यान में रखते हुए असाधारण मामलों में निचली और ऊपरी आयु सीमा के साथ–साथ प्रवेश दोनों के लिए छूट दी जा सकती है, जिसके लिए महानिदेशक, एसएआई की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता होगी।

स्वदेशी खेल और मार्शल आर्ट (आईजीएमए) (एनएसटीसी की उप–योजना)

ग्रामीण और अर्ध–शहरी क्षेत्रों के स्कूलों में स्वदेशी खेलों और मार्शल आर्ट को बढ़ावा देने और आधुनिक खेलों में पोषण के लिए इन खेलों में प्रतिभा की खोज के लिए यह योजना नवंबर, 2001 में स्कूलों के समूह वाले शैक्षिक संस्थानों केन्द्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, डीएवी, विद्या भारती और इसी तरह के संस्थानों द्वारा संचालित स्कूलों में भी स्वदेशी खेलों और मार्शल आर्ट के प्रचार और विकास के लिए एनएसटीसी योजना के हिस्से के रूप में शामिल किया गया था।

चयन मापदंड

उम्रः 8 से 14 साल।

प्रवेश के समय परीक्षण की बैटरी में प्रशिक्षुओं के प्रदर्शन और उपलब्धियों को स्पष्ट रूप से प्रलेखित किया जाना चाहिए।

प्रवेश के लिए चयन मानदंडः

क. राज्य/राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में पदक विजेता प्रतिभाओं को इस योजना में प्रवेश दिया जाता है, बशर्ते कि वे चिकित्सकीय रूप से स्वस्थ हों।

ख. प्रशिक्षु जो जिला स्तरीय प्रतियोगिता में पदक विजेता हैं या राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग

ले चुके हैं, को भर्ती किया जाता है बशर्ते वे चिकित्सकीय और शारीरिक रूप से फिट पाए गए हों।

ग. स्वदेशी खेलों में प्रतिभा की खोज प्रतिभागियों के बीच खुली प्रतियोगिता के आधार पर की जाती है। चयन एक चयन समिति द्वारा किया जाता है जिसमें साई, संस्थानों, साई के कोच, संबंधित खेलों के गुरू आदि के प्रतिनिधि शामिल होते हैं। इस आधार पर चयनित खिलाड़ियों को आयु सत्यापन, चिकित्सा परीक्षण और बैटरी परीक्षणों में उपयुक्त पाए जाने पर प्रवेश दिया जाता है।

प्रतिधारण मानदंड:

क) एथलीटों का प्रतिधारण उनके प्रदर्शन के उस न्यूनतम स्तर को बनाए रखने पर आधारित होगा जिसके आधार पर उसे प्रवेश दिया गया था और और उसने वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्य को भी प्राप्त किया हो।

छंटनी:

क) प्रदर्शन के अपेक्षित स्तर को बनाए नहीं रखना

ख) डोप दुरुपयोग, उम्र धोखाधड़ी, कदाचार।

निगरानी:

गोद लिए गए क्लबों/संस्थानों की संस्थागत प्रमुखों/क्षेत्रीय केंद्रों के माध्यम से गहन निगरानी और अर्धवार्षिक मूल्यांकन किया जाता है। असाधारण रूप से प्रतिभाशाली लड़के और लड़कियों को साई एसएजी केंद्र या साई खेल अकादमी में खेल और पात्रता मानदंड के अनुसार प्रवेश दिया जा सकता है।

छूट: हालांकि, टेस्ट बैटरी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर और खेल की विशिष्ट प्रकृति को ध्यान में रखते हुए, असाधारण मामलों में महानिदेशक, एसएआई द्वारा निचली और ऊपरी आयु सीमा के साथ–साथ प्रवेश दोनों के लिए छूट दी जा सकती है, जिसके लिए महानिदेशक, एसएआई की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता होगी।

एनएसटीसी योजना के तहत अखाड़ों को गोद लिया जाना

परिचय

कुश्ती देश में एक पारंपरिक स्वदेशी खेल रहा है और ज्यादातर ग्रामीण स्तर पर खेला जाता है। भारत ने अतीत में कई अंतरराष्ट्रीय पदक जीते हैं और यह एक शक्ति रहा है। इसलिए, आधुनिक कुश्ती के लिए व्यापक आधार बनाने और देश में विभिन्न अखाड़ों द्वारा किए गए प्रयासों की सहायता के प्रयास किए जा रहे हैं।

अखाड़ों को गोद लिया जाना

कुश्ती खेल की विशिष्ट प्रकृति को ध्यान में रखते हुए, कुश्ती की चटाई बिछाने के लिए न्यूनतम 20x20 मीटर कवर हॉल और मल्टी–जिम और अन्य संबद्ध सुविधा स्थापित करने के लिए 15x15 मीटर कवर हॉल वाले अखाड़ों को गोद लिए जाने की मंजूरी दी जाती है।

चयन मानदंड: प्रतिभाशाली पहलवानों के चयन के लिए एनएसटीसी नियमित रूप से गोद लिए गए स्कूलों के चयन मानदंड लागू होते हैं।

एनएसटीसी योजना के तहत प्रदान की जाने वाली सुविधाएं: वर्तमान में योजना के तहत चयनित प्रशिक्षुओं को गैर–आवासीय आधार पर प्रवेश दिया जाता है। तथापि, एक अपवादात्मक मामले के रूप में प्रशिक्षुओं को आवासीय आधार पर दो स्कूलों में प्रवेश दिया गया है और उन्हें वृति के बजाय आवास सुविधा प्रदान की जाती है।

वित्तीय मानदंड:

1) नियमित स्कूल

क्र. सं.	विवरण	राशि (रूपये में)
1	स्पोर्ट्स किट (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	2000.00
2	बीमा (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	150.00
3	प्रतियोगिता एक्सपोजर (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	2000.00
4	10 महीने के लिए वजीफा (प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष)	3000.00
5	खेल उपकरण क्रय करने हेतु विद्यालय को वार्षिक अनुदान (प्रति वर्ष)	20000.00

2) स्वदेशी खेल और मार्शल आर्ट

क्र. सं.	विवरण	राशि (रूपये में)
1	स्पोर्ट्स किट (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	1500.00
2	बीमा (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	150.00
3	10 महीने के लिए वजीफा (प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष)	3000.00
4	उपकरण की खरीद के लिए स्कूल को वार्षिक अनुदान (प्रति वर्ष)	20000.00
5	प्रतियोगिता आयोजित करने के लिए विद्यालय को वार्षिक अनुदान। स्काउटिंग टैलेंट के लिए (प्रतिवर्ष)	25000.00

3) अखाड़े

क्र. सं.	विवरण	राशि (रूपये में)
1	स्पोर्ट्स किट (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	3000.00
2	प्रतियोगिता एक्सपोजर (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	3000.00
3	वजीफा (प्रति प्रशिक्षु प्रति माह)	1000.00
4	दुर्घटना बीमा (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	150.00
	गोद लिए गए अखाड़ों को अनुभवी कोचों की सेवा के अलावा कुश्ती मैट और/या मल्टी–जिम का एक सेट भी प्रदान किया जाता है।	

वर्तमान में <u>10</u> नियमित रूप से गोद लिए गए स्कूल, स्वदेशी खेलों/मार्शल आर्ट को बढ़ावा देने के लिए **<u>09</u>** स्कूल और **<u>50</u>** अखाड़ों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। एनएसटीसी योजना के तहत प्रशिक्षुओं की कुल संख्या **<u>1042</u>** (**834** लड़के और **208** लड़कियां) है।

साई केन्द्रों की संख्या

एथलीटों की संख्या का सारांश 2020–2021

क्र. सं.	योजना का नाम	केन्द्र की सं.	(आवासीय)			(गैर–आवासीय)			सकल योग
			लड़के	लड़की	कुल	लड़के	लड़की	कुल	
1	साई राष्ट्रीय उत्कृष्टता	**23**	1325	1200	2525	55	50	105	**2630**
	केंद्र (एनसीओई)								
2	साई प्रशिक्षण केंद्र (एसटीसी)	**67**	2182	1027	3209	283	373	656	**3865**
3	एक्सटेंशन एसटीसी का केंद्र	**29**	0	0	0	284	166	450	**450**
4	एनएसटीसी	**0**	0	0	0	0	0	0	**0**
i)	नियमित स्कूल	**10**	0	0	0	187	49	236	**236**
ii)	आईजीएमए	**09**	0	0	0	81	57	138	**138**
iii)	**अखाड़े**	**50**	0	0	0	566	102	668	**668**
	कुल:	**188**	**3507**	**2227**	**5734**	**1456**	**797**	**2253**	**7987**
			लड़के 4963		**लड़कियां 3024**		**सकल योग 7987**		

6.0 साई के क्षेत्रीय केंद्र

साई क्षेत्रीय केंद्र और शैक्षणिक संस्थान देश भर में इसकी खेल प्रचार योजनाओं और शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिए कार्यान्वयन एजेंसियां हैं।

उद्देश्य और कार्य

- प्रशिक्षण शिविर आयोजित करना और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए राष्ट्रीय टीमों की सहायता करनाय
- क्षेत्र में साई और भारत सरकार की खेल प्रोत्साहन योजनाओं को लागू करना और उनकी निगरानी करनाय
- एनएसएनआईएस पटियाला में साई के अकादमिक विंग के सहयोग से कोचिंग में डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित करनाय
- पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित करके कोचों की तकनीकी क्षमता और ज्ञान को बढ़ानाय
- शारीरिक शिक्षा शिक्षकों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम संचालित करनाय
- ज्ञान वृद्धि के माध्यम से खेल में उत्कृष्टता प्राप्त करने की दृष्टि से सभी संबंधितों को संगठनात्मक समर्थन, प्रलेखन और खेल विज्ञान की जानकारी प्रदान करनाय
- अन्य संगठनों/खेल निकायों, राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासन के साथ संपर्क करना और खेल संबंधी विषयों पर जानकारी प्रदान करनाय
- विभिन्न आयु समूहों के बीच खेल प्रतिभा की पहचान करना और उनके प्रदर्शन में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए उन्हें तैयार करनाय तथा

  खेलों में उच्च स्तरीय प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों को वैज्ञानिक सहायता प्रदान करना।

1. साई नेताजी सुभाष पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र (एनएसईसी), कोलकाता

साई पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना 23 जनवरी 1983 को साल्ट लेक सिटी, कोलकाता में की गयी थी। केंद्र बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह राज्यों में साई योजनाओं के कार्यान्वयन और निगरानी के लिए जिम्मेदार है।

शैक्षणिक कार्यक्रम:

वर्ष के दौरान केंद्र में निम्नलिखित शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित किए गए:—

- छह सप्ताह का प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम, 2021
- डिप्लोमा कोर्स प्रशिक्षुओं का इंटर्नशिप प्रशिक्षण कार्यक्रम
- विशिष्ट खेल और खेल विज्ञान के लिए डिप्लोमा पाठ्यक्रम का प्रायोगिक सत्र
- डिप्लोमा कोर्स प्रायोगिक परीक्षा
- खेल विज्ञान प्रायोगिक परीक्षा
- कोच ज्ञान उन्नयन के लिए ऑनलाइन कक्षा
- तीरंदाजी प्रशिक्षकों के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम
- फुटबॉल प्रशिक्षकों के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम

2. साई नेताजी सुभाष दक्षिणी केंद्र (एनएसएससी), बेंगलुरु

दक्षिणी केंद्र की स्थापना 13 अप्रैल, 1974 को श्रीकांतिरवा स्टेडियम, बेंगलुरु में की गई थी और बाद में 29 जुलाई, 1985 को ज्ञानभारती परिसर, बेंगलुरु विश्वविद्यालय, मैसूर रोड, बेंगलुरु में अपने वर्तमान स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया। एनएसएससी बेंगलुरु आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना राज्यों में साई खेल प्रचार योजनाओं को लागू करने और निगरानी के लिए जिम्मेदार है।

3. साई नेताजी सुभाष पश्चिमी केंद्र (एनएसडब्ल्यूसी), गांधीनगर

साई का पश्चिमी क्षेत्रीय मुख्यालय सेक्टर—15, गांधीनगर, गुजरात में स्थित खेल परिसर में स्थापित है, जिसे गुजरात सरकार द्वारा लंबे पट्टे के आधार पर (99 . के लिए) वर्षों) साई को स्थानांतरित कर दिया गया था। साई पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र का उद्घाटन 29 अगस्त 1987 पश्चिमी क्षेत्र के राज्यों गुजरात और राजस्थान में साई के उद्देश्यों और खेल प्रचार योजनाओं को लागू करने के

लिए किया गया था।

उपरोक्त के अलावा, सेक्टर–25 में 50.00 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से दक्षिण एशियाई पैरा सेंटर स्थापित करने का प्रस्ताव विचाराधीन है, 17–3–2017 को नई दिल्ली में सचिव, एमवाईएएस, भारत सरकार के साथ हुई बैठक के कार्यवृत्त के अनुसार इसके लिए सीपीडब्ल्यूडी गांधीनगर से प्रारंभिक अनुमान प्राप्त कर खेल एवं युवा मामलों मंत्रालय, भारत सरकार को आगे की मंजूरी के लिए भेजा गया है।

4. साई उद्धव दास मेहता (भाई जी) मध्य केंद्र, भोपाल

2000 में शासी सभा में लिए गए निर्णय के अनुसार, साई मध्य क्षेत्रीय केंद्र को 6 जून, 2001 को भोपाल स्थानांतरित कर दिया गया है। 18 मार्च 2002 को शासी सभा के निर्णय के अनुसार 17 अप्रैल 2002 को केंद्र का नाम बदलकर ''उद्धव दास मेहता (भाई जी) मध्य क्षेत्रीय केंद्र'' कर दिया गया। भोपाल में साई खेल परिसर 97 एकड़ में फैला हुआ है और भूमि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा प्रदान की गई थी। केंद्र को सितंबर, 2005 से चालू किया गया था, जिसमें 144 बिस्तरों वाला छात्रावास, एस्ट्रो टर्फ हॉकी फील्ड (2), बहुउद्देश्यीय हॉल, 400 मीटर सिंडर एथलेटिक्स ट्रैक, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, फुटबॉल के मैदान हैं। वर्तमान में मध्य क्षेत्रीय केंद्र, भोपाल को 1 नवंबर, 2019 से युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) के रूप में किया गया है,जो एथलेटिक्स, मुक्केबाजी, जूडो, हॉकी और वुशु जैसे केंद्रित खेलों को सुविधा उपलब्ध कराता है।

5. साई चौ. देवी लाल उत्तर क्षेत्रीय केंद्र, सोनीपत

साई उत्तर क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना जून, 1988 में हुई थी और इसने एनएस, एनआईएस, पटियाला से कार्य करना शुरू किया था। अक्टूबर 1991 में क्षेत्रीय केंद्र का कार्यालय चंडीगढ़ स्थानांतरित कर दिया गया। इसके बाद, जून, 2005 में, इस कार्यालय को चंडीगढ़ से गांव जोशी चौहान, बहलगढ़ (सोनीपत) में लगभग एक 83 एकड़ भूमि में फैले एक परिसर में स्थानांतरित कर दिया गया था, जहां विभिन्न खेल सुविधाएं सृजित/विकसित की गई हैं। हालाँकि, 23 फरवरी, 2009 को आयोजित भारतीय खेल प्राधिकरण के 36वें शासी सभा में लिए गए निर्णय के अनुसार, 1 अप्रैल, 2009 को चंडीगढ़ पंजाब, में एक नया साई केंद्र स्थापित किया गया था और हिमाचल प्रदेश, जम्मू–कश्मीर और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ को इसके अधिकार क्षेत्र में रखा गया है। इसके अलावा, हरियाणा और दिल्ली राज्यों को एनआरसी, सोनीपत के प्रशासनिक अधिकार क्षेत्र में रखा गया है।

6. साई क्षेत्रीय केंद्र, चंडीगढ

भारतीय खेल प्राधिकरण, एनआरसी, सोनीपत को विभाजित करके अलग क्षेत्रीय केंद्र, चंडीगढ़ को मार्च, 2009 के महीने में चंडीगढ़ में स्थापित किया गया था, जो 1 अप्रैल 2009 से31.10.2020 तक केंद्र शासित प्रदेश द्वारा हॉकी स्टेडियम, सेक्टर–42, चंडीगढ़ में दी गई जगह पर काम कर रहा था। अब यह केंद्र पंजाब सरकार द्वारा नाभा साहिब, गुरुद्वारा, पटियाला रोड, जीरकपुर (मोहाली) के पास दी गई भूमि (73 बिगा 06 बिस्वा) पर अपने परिसर में काम कर रहा है। इस क्षेत्रीय केंद्र का प्रशासनिक अधिकार क्षेत्र दो राज्य पंजाब, हिमाचल प्रदेश और तीन केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़, जम्मू और कश्मीर और लद्दाख हैं।

7. साई नेताजी सुभाष उत्तर–पूर्व क्षेत्रीय केंद्र, इंफाल

खेलों में भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में उपलब्ध प्रतिभाओं को ध्यान में रखते हुए, नेताजी सुभाष नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स, पूर्वोत्तर क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना 15 सितंबर 1986 को इंफाल के ताकील में प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने और डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए खेल सुविधाएं प्रदान करने हेतु की गई थी। केंद्र मणिपुर, मिजोरम और नागालैंड राज्यों में साई खेल प्रोत्साहन योजनाओं को लागू करने और निगरानी करने के लिए जिम्मेदार है।

8. साई क्षेत्रीय केंद्र, लखनऊ

भारतीय खेल प्राधिकरण, नेताजी सुभाष उप केंद्र, लखनऊ की स्थापना वर्ष 2004 में लखनऊ में हुई थी। इस केंद्र का उद्घाटन भारत के तत्कालीन माननीय प्रधान मंत्री, श्री अटल बिहारी वाजपेयी (भारत रत्न) ने 23 फरवरी 2004 को किया था। वर्तमान परिसर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदान की गई 52 एकड़ भूमि में फैला है। इस केंद्र में उत्कृष्ट खिलाड़ियों के लिए आवश्यक सभी आधुनिक

बुनियादी ढांचे, खेल सुविधाएं उपलब्ध हैं।

यह केंद्र मार्च 2009 तक केंद्रीय केंद्र भोपाल के अधिकार क्षेत्र में था। भोपाल से अलग होने के बाद यह 1 अप्रैल 2009 से यह केंद्र स्वतंत्र रूप से कार्य कर रहा है। फरवरी 2013 में इस केंद्र को दो राज्यों यानी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के अधिकार क्षेत्र के साथ स्वतंत्र क्षेत्रीय केंद्र के रूप में अधिसूचित किया गया था, जो देश की लगभग 22% आबादी की आवश्यकताओं को पूरा करता है। साई क्षेत्रीय केंद्र को विशेष रूप से महिला कुश्ती की सभी श्रेणियों और अन्य खेलों जूडो, हैंडबॉल, कबड्डी, टेबल टेनिस के लिए राष्ट्रीय कोचिंग शिविर आयोजित करने के लिए नोडल केंद्र के रूप में अधिसूचित किया गया था।

9. साई क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी

पूर्वोत्तर में खेलों को बढ़ावा देने की दृष्टि से भारतीय खेल प्राधिकरण ने 1987 में साई पूर्वोत्तर क्षेत्रीय केंद्र, इंफाल के तहत गुवाहाटी में अपना उप केंद्र स्थापित किया था। साई क्षेत्रीय उप केंद्र, गुवाहाटी की आधारशिला श्रीमती मार्गरेट अल्वा, पूर्व युवा मामले और खेल राज्य मंत्री, भारत सरकार ने वर्ष 1987 में रखी थी। केंद्र गुवाहाटी शहर के केंद्र में एक बहुत ही भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में स्थित है, जिसमें केवल 9.3 एकड़ भूमि है। जमीन को असम राज्य सरकार ने साई को 99 साल के लिए लीज पर @1.00 प्रति रूपए वर्ष की दर पर सौंप दिया था। जनवरी 2013 में उप केंद्र गुवाहाटी को क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी के रूप में उन्नत किया गया। चार पूर्वोत्तर राज्यों असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में विभिन्न साई प्रसर योजनाएं चल रही हैं।

10. साई क्षेत्रीय केंद्र, मुंबई

मुंबई में खेल प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना महाराष्ट्र में खेलों के समग्र प्रचार और विकास के प्राथमिक उद्देश्यों के साथ 1989 में की गई थी। खेल छात्रावास की स्थापना के लिए साई को परिसर और अन्य सुविधाएं सौंपने के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण और महाराष्ट्र सरकार के बीच 31 अगस्त 1989 को एक समझौता किया गया था। साई क्षेत्रीय केंद्र, मुंबई ने जून 2015 से महाराष्ट्र, गोवा और केंद्र शासित प्रदेशों दमन और दीव और दादरा नगर हवेली के साथ स्वतंत्र रूप से काम करना शुरू किया। 29 अप्रैल 2016 को महाराष्ट्र सरकार ने भारतीय खेल प्राधिकरण, नेताजी सुभाष दीनदयाल उपाध्याय क्षेत्रीय केंद्र खोलने के लिए नागपुर में 140 एकड़ जमीन दी।

साई, आरसी, कांदिवली, मुंबई का नाम बदलकर ''साई, श्री अटल बिहारी वाजपेयी राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र, मुंबई'' कर दिया गया है।

साई के शैक्षणिक संस्थान

1. नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान, पटियाला

राष्ट्रीय खेल संस्थान का उद्घाटन 7 मई 1961 को देश में व्यवस्थित और वैज्ञानिक खेल कोचिंग के युग की शुरुआत करने के लिए किया गया था। वर्ष 1973 में, संस्थान नेताजी सुभाष चंद्र बोस की स्मृति को समर्पित किया गया था। 1987 में साई और एसएनआईपीईएस के विलय के बाद, संस्थान भारतीय खेल प्राधिकरण का अकादमिक विंग बन गया। इसे एशिया में एक प्रमुख खेल संस्थान माना जाता है। यह संस्थान मोती बाग पैलेस, पटियाला (पंजाब) में स्थित है और संस्थान का कुल क्षेत्रफल 268 एकड़ है।

संस्थान के लक्ष्य और उद्देश्य

1. खेल कोचिंग, खेल विज्ञान और अन्य संबंधित क्षेत्रों में लघु और दीर्घकालिक शैक्षणिक पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए।
2. पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों के आयोजन के माध्यम से प्रशिक्षकों की क्षमता को बढ़ाना।
3. अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए विशिष्ट खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय कोचिंग शिविर आयोजित करना।
4. उच्च स्तरीय प्रदर्शन के लिए विशिष्ट खिलाड़ियों को वैज्ञानिक सहायता प्रदान करना।
5. खेल से संबंधित विषयों पर सम्मेलनों, सेमिनारों, कार्यशालाओं का आयोजन करना।
6. विशेषज्ञों के माध्यम से खेल के बुनियादी ढांचे पर सूचना और परामर्श के स्रोत के रूप में कार्य करना।
7. साई की खेल प्रोत्साहन योजनाओं को क्रियान्वित करना।

8. युवा मामले और खेल मंत्रालय की खेल प्रोत्साहन योजनाओं की राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं का आयोजन।

9. भारत सरकार की खेल प्रोत्साहन योजनाओं की राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में आगे संवारने के लिए खेल प्रतिभाओं की पहचान।

2. लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय (एलएनसीपीई), तिरुवनंतपुरम

लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय, करियावट्टम, तिरुवनंतपुरम, युवा मामले और खेल विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में 17 अगस्त, 1985 को अस्तित्व में आया। 1 मई, 1987 को भारतीय खेल प्राधिकरण के साथ एसएनआईपीईएस के समामेलन के साथ, यह महाविद्यालय, नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान, पटियाला और लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा कॉलेज, ग्वालियर के समान भारतीय खेल प्राधिकरण के शैक्षणिक विंग का हिस्सा बन गया। यह केरल विश्वविद्यालय के कार्यावट्टम परिसर से ली गई 50 एकड़ भूमि में स्थापित किया गया था, जो कि एनएच–47 के उत्तरी किनारे पर है, और तिरुवनंतपुरम के कार्यवट्टम जंक्शन से 1 किमी दूर है।

प्रमुख उद्देश्य':

(i) शारीरिक शिक्षा, खेलकूद तथा संबंधित क्षेत्रों में अत्यधिक सक्षम और कुशल नेताओं, शिक्षकों, प्रशिक्षकों, विद्वानों और प्रशासकों को तैयार करना।

(ii) शारीरिक शिक्षा और संबद्ध क्षेत्रों में अनुसंधान के लिए उत्कृष्टता केंद्र के रूप में कार्य करना।

(iii) भारत और विदेशों में कहीं भी शारीरिक शिक्षा के अन्य संस्थानों को तकनीकी, पेशेवर और शैक्षणिक नेतृत्व प्रदान करना।

(iv) क्षेत्र में लोगों को व्यावसायिक मार्गदर्शन और प्लेसमेंट सेवाएं प्रदान करना।

(v) सामूहिक शारीरिक शिक्षा गतिविधि के कार्यक्रमों को विकसित और बढ़ावा देना।

(vi) राज्य और राष्ट्रीय स्तर के कोचिंग कैंपों के लिए बुनियादी ढांचा, बोर्डिंग और लॉजिंग की सुविधा प्रदान करने के साथ–साथ इस कॉलेज को साई की चल रही योजनाओं के लिए प्रतिष्ठित केंद्र के रूप में बनाना।

विशिष्ट एथलीटों और प्रबंधन समर्थन का प्रशिक्षण (टीम)/लक्ष्य ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स)

युवा मामले और खेल मंत्रालय की ओर से संबंधित राष्ट्रीय खेल संघों के समन्वय में विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों के लिए विभिन्न खेलों में राष्ट्रीय टीमों को तैयार करने की जिम्मेदारी टीम (विशिष्ट वर्ग के एथलीटों और प्रबंधन सहायता का प्रशिक्षण) डिवीजन को सौंपी गई है। दूसरे शब्दों में, यह ओलंपिक, एशियाई खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों जैसे अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों और भारत एवं विदेश में विश्व कप और अन्य अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी करने वाले विशिष्ट वर्ग के खिलाड़ियों को आवश्यक सुविधाएं प्रदान करता है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिए राष्ट्रीय टीमों की तैयारी के लिए विभिन्न राष्ट्रीय खेल संघों द्वारा प्रशिक्षण और प्रतियोगिता के लिए अपने वार्षिक कैलेंडर (एसीटीसी) द्वारा तैयार और समिति द्वारा अनुमोदित की गई योजनाओं को लागू करता है और निम्नलिखित सुविधाएं प्रदान करता है:

- प्रशिक्षण शिविर

  ''राष्ट्रीय खेल संघों को वित्तीय सहायता'' योजना के तहत कुल **117** राष्ट्रीय कोचिंग शिविर आयोजित किए गए।

- विदेशी कोच

  कुल **24** विदेशी प्रशिक्षकों को **10** खेलों में भारतीय खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के लिए, **04** खेलों में **10** विदेशी सहायक कर्मचारियों और **02** खेलों में **02** उच्च प्रदर्शन निदेशक को अनुबंधित किया गया।

- अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं/प्रशिक्षण

  भारतीय टीमों ने टोक्यो ओलंपिक, 2020 और टोक्यो पैरालिंपिक, 2020 सहित सभी प्रमुख खेलों में 125 अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण/प्रतियोगिताओं में भाग लिया। टोक्यो ओलंपिक 2020 में भारतीय खिलाड़ियों की उपलब्धियां इस प्रकार हैं:

क्र.सं.	नाम	पदक	खेल का नाम	कार्यक्रम
1	नीरज चोपड़ा	स्वर्ण	एथलेटिक्स	पुरुषों की भाला फेंक
2	सैखोम मीराबाई चानू	रजत	भारोत्तोलन	महिलाओं की 49 किग्रा
3 4	रवि कुमार दहिया पी. वी. सिंधु	रजत कांस्य	कुश्ती बैडमिंटन	पुरुषों की फ्रीस्टाइल 57 किग्रा महिला एकल
5	लवलीना बोर्गोहैन	कांस्य	मुक्केबाजी	महिलाओं का वेल्टरवेट
6	भारत पुरुषों की राष्ट्रीय फील्ड हॉकी टीम दिलप्रीत सिंह रूपिंदर पाल सिंह सुरेंद्र कुमार मनप्रीत सिंह (सी) हार्दिक सिंह गुरजंत सिंह सिमरनजीत सिंह मनदीप सिंह हरमनप्रीत सिंह ललित उपाध्याय पी. आर. श्रीजेश सुमितो नीलकंठ शर्मा शमशेर सिंह वरुण कुमार बीरेंद्र लकड़ा अमित रोहिदास विवेक प्रसाद	कांस्य	फील्ड हॉकी	पुरुषों का टूर्नामेंट
7	बजरंग पूनिया	कांस्य	मुक्केबाजी	पुरुषों की फ्रीस्टाइल 65 किग्रा

टोक्यो पैरालिंपिक, 2020 में भारतीय खिलाड़ियों की उपलब्धियां इस प्रकार हैं:

क्र. सं.	**एथलीट**	**पदक**	**खेल**	**कार्यक्रम**	**राज्य**
1	भावना पटेल	रजत	टेबल टेनिस	महिला सिंगल क्लास 4	गुजरात
2	निषाद कुमार	रजत	एथलेटिक्स	पुरुषों की ऊंची कूद ज47	हिमाचल प्रदेश
3	योगेश कथुनिया	रजत	एथलेटिक्स	पुरुषों का डिस्कस थ्रो रु56	हरियाणा
4	अवनि लेखरा	स्वर्णकांस्य	शूटिंग	आर2 महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 आर 8 महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन एसएच1	राजस्थान
5	देवेंद्र झाझरिया	रजत	एथलेटिक्स	पुरुषों की भाला फेंक एफ46	राजस्थान

क्र. सं.	एथलीट	पदक	खेल	कार्यक्रम	राज्य
6	सुंदर सिंह गुर्जर	कांस्य	एथलेटिक्स	पुरुषों की भाला फेंक एफ46	राजस्थान
7	सुमित एंटिलो	स्वर्ण	एथलेटिक्स	पुरुषों की भाला फेंक एफ64	हरियाणा
8	सिंहराज अधाना	रजतकांस्य	शूटिंग	पी4 मिश्रित 50 मीटर पिस्टल एसएच1 पी1 पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच1	हरियाणा
9	मरियप्पन थांगअवेलु	रजत	एथलेटिक्स	पुरुषों की ऊंची कूद टी 63	तमिलनाडु
10	शरद कुमार	कांस्य	एथलेटिक्स	पुरुषों की ऊंची कूद टी 63	बिहार/दिल्ली
11	प्रवीण कुमार	रजत	एथलेटिक्स	पुरुषों की ऊंची कूद टी 64	दिल्ली
12	हरविंदर सिंह	कांस्य	तीरंदाजी	पुरुषों की व्यक्तिगत रिकर्व ओपन	हरियाणा
13	मनीष नरवाल	स्वर्ण	शूटिंग	पी4 मिश्रित 50 मीटर पिस्टल एसएच1	हरियाणा
14	प्रमोद भगत	स्वर्ण	बैडमिंटन	पुरुष एकल एसएल3	उड़ीसा
15	मनोज सरकार	कांस्य	बैडमिंटन	पुरुष एकल एसएल3	उत्तराखंड
16	सुहास यतिराज	रजत	बैडमिंटन	पुरुष एकल एसएल4	कर्नाटक
17	कृष्णा नगर	स्वर्ण	बैडमिंटन	पुरुष एकल एसएच6	राजस्थान

- **खेल विज्ञान बैक – अप**

  इसने राष्ट्रीय कोचिंग शिविरों के दौरान खिलाड़ियों को उनकी फिटनेस बढ़ाने, चोट से उबरने और चिकित्सा की कमी से उबरने के लिए स्पोर्ट्स मेडिसिन के डॉक्टरों, वैज्ञानिकों, फिजियोथेरेपिस्ट और मसाजर्स आदि के रूप में वैज्ञानिक बैक–अप प्रदान किया गया।

- **उपकरण समर्थन**

  इसने राष्ट्रीय कैंपरों को आयातित और स्वदेशी दोनों तरह की आवश्यक उपकरण सहायता प्रदान की।

राष्ट्रीय कोचिंग योजना

राष्ट्रीय कोचिंग योजना, जो राजकुमारी अमृत कौर योजना का संशोधित संस्करण है, पूरे देश में खेलों के व्यापक आधार वाले उद्देश्य को पूरा करती है और खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए वैज्ञानिक प्रशिक्षण प्रदान करती है। योजना के तहत, राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन/विश्वविद्यालय फील्ड स्टेशन (यूएफएस) को राज्य प्रशिक्षण केंद्र के लिए कोच प्रदान किए जाते हैं। तथापि, कोचों की कमी के कारण वर्ष के दौरान कोई भी साई कोच अपनी खेल प्रोत्साहन योजनाओं को मजबूत करने के लिए साई योजनाओं के बाहर तैनात नहीं किया गया था। कोचों का उपयोग साई की विभिन्न योजनाओं के तहत युवा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देने के लिए भी किया जाता है। इसके अलावा, प्रशिक्षक राष्ट्रीय टीमों के प्रशिक्षण में भी शामिल हैं और विभिन्न खेलों में कोचिंग में डिप्लोमा/मास्टर कोर्स आयोजित करने में अकादमिक विंग की सहायता करते हैं। साई के प्रशिक्षक राष्ट्रीय खेल संघों को अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी में राष्ट्रीय कोचिंग शिविर आयोजित करने में भी सहायता करते हैं।

साई कोच प्रतिभा खोज प्रक्रिया में शामिल होते हैं जिसके माध्यम से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान की जाती है और उन्हें साई की विभिन्न खेल प्रोत्साहन योजनाओं जैसे राष्ट्रीय खेल प्रतिभा प्रतियोगिता (एनएसटीसी), स्पेशल एरिया गेम्स (एसएजी), आर्मी बॉयज स्पोर्ट्स कंपनी (एबीएससी) और साई प्रशिक्षण केंद्र (एसटीसी) में शामिल किया जाता है। क्षेत्र में काम कर

रहे कोचों के प्रशिक्षण और प्रदर्शन की प्रगति की निगरानी के लिए साई के विभिन्न क्षेत्रीय केंद्रों पर भी इन कोचों को तैनात किया गया है। कोचों की तैनाती साई की आओ और खेलो तथा सामुदायिक संपर्क योजना लिए भी साई मुख्यालय और क्षेत्रीय मुख्यालयों पर की जा रही है।

वर्ष के दौरान की गई प्रमुख गतिविधियां इस प्रकार हैंः–

(1) नियमित सहायक कोच (ओलंपियन) की भर्ती

श्री गगन उल्लालमथ (ओलंपियन) 02.09.2021 को साई में सहायक कोच (तैराकी) के रूप में शामिल हुए और जेएलएन, स्टेडियम नई दिल्ली में तैनात हैं।

(2) अनुबंध कोच की भर्ती

संविदा आधार पर कोच की नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी कर 85 कोचों को नियुक्ति प्रस्ताव जारी कर दिया गया है। 212 सहायक कोच (अनुबंध पर) की भर्ती की प्रक्रिया का कार्य प्रगति पर है।

(3) प्रतिनियुक्ति प्रशिक्षकों की नियुक्ति

चालू वित्त वर्ष के दौरान साई में प्रतिनियुक्ति पर 03 कोचों की नियुक्ति की गई है।

(4) प्रमोशन

- 16 कोचों को सीनियर कोच के ग्रेड से चीफ कोच के पद पर पदोन्नत किया गया।

(5) ओलम्पिक/पैरालंपिक में प्रदर्शन के आधार पर 5 कोचों की बारी से पहले पदोन्नति

- एक कोच को सीनियर कोच के ग्रेड से चीफ कोच में पदोन्नत किया गया।
- 02 कोचों को कोच के ग्रेड से वरिष्ठ कोच में पदोन्नत किया गया था।
- 02 प्रशिक्षकों को सहायक कोच से कोच के पद पर पदोन्नत किया गया।

(6) साई से हटाए गए कोच

- 46 कोच साई सेवा से सेवानिवृत्त हुए।
- 05 कोच साई सेवा से स्वेच्छा से सेवानिवृत्त हुए।
- 02 कोचों ने सेवा से इस्तीफा दिया।
- 07 कोचों की मृत्यु हो गई।
- 02 कोचों को साई सेवा से प्रत्यावर्तित किया गया

(7) 31.12.2021 के अनुसार कोचों की संख्या

नियमित कोच – 634

अनुबंधित कोच – 267

साई स्टेडिया

स्टेडियम प्रभाग दिल्ली में पांच साई स्टेडियमों के उपयोग के लिए नीतिगत दिशानिर्देश तैयार करने के लिए जिम्मेदार है, जिसमें खेलों के व्यापक आधार और खेलों में उत्कृष्टता हासिल करने के वाले दोहरे उद्देश्य लिए विभिन्न सुविधाएं बनाई गई हैं। निम्नलिखित स्टेडियम 1982 में एशियाई खेलों के आयोजन के लिए बनाए गए थे और बाद में 2010 में राष्ट्रमंडल खेलों के आयोजन के लिए पुनर्निर्मित/फिर से तैयार किए गए थे। सभी स्टेडियमों में अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं।

उद्देश्य

निम्नलिखित के लिए सुविधाएं और स्थान प्रदान करनाः

1. राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं
2. राष्ट्रीय कोचिंग शिविर
3. राष्ट्रीय खेल अकादमियां और उत्कृष्टता केंद्र
4. आओ खेलें

तथापि, खेल सुविधाओं के उपयोग को बढ़ाने के लिए तथा खेल सुविधाओं का अधिकतम उपयोग करने के लिए और खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए, 'आओ और खेलो' योजना को मई 2011 में लॉन्च किया गया। इसके अलावा दिल्ली में साई स्टेडियमों में खेल के बुनियादी ढांचे को 1 नवंबर 2019 से देश भर के सभी खिलाड़ियों के लिए बिना शुल्क के सुलभ बनाया गया है। राष्ट्रीय और राज्य खेल संघों, लीग और क्लब को सरकार के स्वामित्व में वाली सभी खेल सुविधाओं में खेल स्पर्धाओं के निःशुल्क आयोजन की अनुमति/प्रोत्साहित किया जाएगा। खेल सुविधाएं उन एथलीटों को प्रशिक्षण देने वाले प्रशिक्षकों के लिए भी मुफ्त उपलब्ध होंगी जो भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्रों में आयोजित शिविरों का हिस्सा नहीं हैं। प्रवेश ऑफलाइन या वेब पोर्टल sportsauthorityofindia-nic-in/online sports facility के

माध्यम से किया जा सकता है।

ये स्टेडियम शैक्षिक संस्थानों/संघों/अन्य संगठनों को विभिन्न स्तरों पर अपने खेल टूर्नामेंट, बैठकें और सेमिनार, खेल और गैर–खेल आयोजनों के तहत खाद्य महोत्सव आयोजित करने के लिए प्रदान किए जा रहे हैं, और वह स्थान (विशेष रूप से खेल उद्देश्यों के लिए नहीं हैं) को राजस्व उत्पन्न करने के लिए सरकारी कार्यालयों को किराए पर दिया जा रहा है, जिसका उपयोग इन स्टेडियमों के रखरखाव के लिए किया जा सकता है।

1. **जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम परिसर (जेएनएस)** – 100 एकड़ भूमि क्षेत्र

- आउट–डोर स्टेडियम (सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक और फुटबॉल ग्राउंड) 60,000 स्थायी सीटों के साथ, पीटीएफएफ झिल्ली छत से ढका हुआ है।
- 2172 स्थायी सीटों के साथ पूर्णतः वातानुकूलित भारोत्तोलन सभागार (26000 वर्गमीटर)
- 140 बिस्तरों वाला खेल छात्रावास

उपलब्ध खेल सुविधाएं – एथलेटिक्स, फुटबॉल, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, लॉन टेनिस, क्रिकेट, बास्केटबॉल, तीरंदाजी, साइकिल चलाने और पैदल चलने के लिए मनोरंजक ट्रैक, फिटनेस सेंटर, बिलियर्ड और स्नूकर, शतरंज हॉल, योग।

2. **इंदिरा गांधी स्टेडियम परिसर (आईजीएससी)** – 104 एकड़ भूमि क्षेत्र

- 15000 स्थायी सीटों के साथ लकड़ी का फर्श वाला जिमनास्टिक हॉल (पूरी तरह से एसी),
- कुश्ती हॉल (पूरी तरह से एसी) 6000 स्थायी सीटों के साथ
- साइक्लिंग वेलोड्रोम (पूरी तरह से एसी) 3800 स्थायी सीटों के साथ
- 150 बिस्तरों वाला खेल छात्रावास।

उपलब्ध खेल सुविधाएं – बैडमिंटन, बास्केटबॉल, बॉक्सिंग, जिमनास्टिक, जूडो, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल, सेपकटाक्रॉ, वुशु, साइकिलिंग, कुश्ती, साइकिल चलाने और पैदल चलने के लिए मनोरंजक ट्रैक, फिटनेस सेंटर, बिलियर्ड और स्नूकर, योग

3. **डॉ. यामा प्रसाद मुखर्जी स्विमिंग पूल कॉम्प्लेक्स (डॉ. एसपीएमएसपीसी)** – 12.3 एकड़ भूमि क्षेत्र, 5000 स्थायी सीटों के साथ पूरी तरह से एसी इंडोर स्टेडियम

- 50 मीटर स्विमिंग पूल (10 लेन)
- 25 मीटर डाइविंग पूल
- 50 मीटर वार्म–अप पूल (छह लेन)

उपलब्ध खेल सुविधाएं – तैराकी और गोताखोरी के अलावा वॉलीबॉल, स्केटिंग, बिलियर्ड और स्नूकर की सुविधाएं हैं।

4. **मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम (एमडीसीएनएस)** – 37 एकड़ भूमि क्षेत्र आउटडोर स्टेडियम, खड़ी सीवन छत के साथ वीआईपी बैठने की जगह, नई खुली गैलरी में 14,000 स्थायी सीटें और कवर क्षेत्र में 6000 सीटें। तीन अंतर्राष्ट्रीय मानक प्रतियोगिताएं के हॉकी एस्ट्रोटर्फ।

उपलब्ध खेल सुविधाएं–हॉकी, कबड्डी, टेनिस, तैराकी, क्रिकेट, मल्टी जिम और बिलियर्ड और स्नूकर।

5. **डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज (डॉ. केएसएसआर), तुगलकाबाद, नई दिल्ली**

- मुख्य रेंज जिसे 10 मिनट के भीतर पूरी तरह से वातानुकूलित 10 मीटर से गैर–वातानुकूलित 25 मीटर और 50 मीटर की रेंज में परिवर्तित किया जा सकता है।
- पूरी तरह से आच्छादित वातानुकूलित 10 मीटर रेंज, 80 फायरिंग पॉइंट के साथ, 25 मीटर रेंज, 50 फायरिंग पॉइंट के साथ और 50 मीटर रेंज 80 फायरिंग पॉइंट के साथ और ट्रैप और स्कीट के लिए 6 रेंज हैं।
- नवनिर्मित 162 बिस्तरों वाले खेल छात्रावास के जनवरी 2021 से चालू होने की संभावना है।

उपलब्ध खेल सुविधाएं – वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, स्केटिंग, बिलियर्ड और स्नूकर, कैरम, साइकिल चलाने और चलने के लिए मनोरंजक ट्रैक, फिटनेस सेंटर।

समन्वय

साई का समन्वय प्रभाग मुख्य रूप से संसद/संसदीय स्थायी समिति, एसोसिएशन के ज्ञापन और साई के

नियमों से संबंधित मुद्दों को देखता है, जिसमें साई के सामान्य सभा और शासी सभा की बैठकें आयोजित करना शामिल है। यह वार्षिक रिपोर्ट तैयार करने औरसाई की लेखा परीक्षा रिपोर्ट और लेखा परीक्षित खातों के साथ संसद के दोनों सदनों के समक्ष रखने के लिए युवा मामले और खेल मंत्रालय को प्रस्तुत करने के लिए भी जिम्मेदार है। इसके अलावा, यह सामान्य प्रकृति के मुद्दों पर मुख्यालय और क्षेत्रीय केंद्रों/उप–केंद्रों/शैक्षणिक संस्थानों/युवा मामले और खेल मंत्रालय के विभिन्न प्रभागों के साथ भी संपर्क करता है।

- **स्वच्छ भारत अभियान**: भारतीय खेल प्राधिकरण ने देश को स्वच्छ रखने के लिए 02/10/2021 को महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर स्वच्छ भारत अभियान आभासी रूप से मनाया।
- **राष्ट्रीय एकता दिवस** – भारतीय खेल प्राधिकरण ने 31/10/2021 को सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस आभासी रूप से मनाया।
- **संविधान दिवस**: भारतीय खेल प्राधिकरण ने 26 नवंबर 2021 को संविधान दिवस आभासी रूप से मनाया। साई और इसकी फील्ड इकाइयों के तहत काम करने वाले अधिकारियों, कोचों और कर्मचारियों ने प्रतिभागियों के साथ निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन करके संविधान दिवस मनाया:
- साई के अधिकारियों, कर्मचारियों और प्रशिक्षकों द्वारा माननीय प्रधान मंत्री के साथ प्रस्तावना पढ़ना।
- विशेषज्ञ द्वारा साई मुख्यालय/साई स्टेडियम और क्षेत्रीय केंद्रों के अधिकारियों, कर्मचारियों और कोचों के लिए संवैधानिक मूल्यों और इसके महत्व पर जूम सत्र आयोजित किया गया।
- साई मुख्यालय/साई स्टेडियम और इसके क्षेत्रीय केंद्रों पर संविधान की प्रस्तावना दीवार लगाई गई।
- संविधान की प्रस्तावना को साई की वेबसाइट पर भी अपलोड किया गया है।
- जमीनी स्तर से लेकर उच्च स्तर के एथलीटों सहित सभी प्रतिभागियों ने भी भारत के संविधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाने के लिए प्रस्तावना दीवार पर हस्ताक्षर किए हैं।
- दिल्ली में साई स्टेडियम ने जूम सम्मेलन के माध्यम से साई स्टेडियम के अधिकारियों और कोचों के लिए भारतीय संविधान के तहत "मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों" पर एक वार्ता का आयोजन किया।
- सभी कर्मचारियों के लिए प्रस्तावना, मौलिक कर्तव्यों और मौलिक अधिकारों पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया।
- संविधान के मूल्यों को प्रोत्साहित करने के लिए मौद्रिक पुरस्कारों के साथ प्रस्तावना, मौलिक अधिकार और मौलिक कर्तव्यों पर एक ई–प्रश्नोत्तरी/प्रश्नोत्तरी का आयोजन।

साई मुख्यालय में खेल चिकित्सा केंद्र

खेल चिकित्सा और खेल विज्ञान केंद्र, जे.एन. स्टेडियम साईकी प्लान योजना के तहत 1984 में स्थापित किया गया था, इसका उद्देश्य खेल चिकित्सा के विशेषज्ञों, खेल वैज्ञानिकों, फिजियोथेरेपिस्ट, मालिश करने वालों और अन्य सहायक कर्मचारियों की मदद से खिलाड़ियों को व्यापक खेल चिकित्सा और खेल विज्ञान बैकअप प्रदान करना है। केंद्र विभिन्न वैज्ञानिक परीक्षणों के माध्यम से चोट के इलाज और रोकथाम, इससे उबरने, और प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए व्यापक खेल–आधारित कार्यक्रमों का अग्रणी प्रदाता है। जिन खिलाड़ियों को चिकित्सा और वैज्ञानिक सहायता प्रदान की जाती है उनमें राष्ट्रीय कैंपर, विभिन्न साई योजनाओं के खिलाड़ी, नियमित प्रशिक्षु, आओ और खेलो योजनाओं के तहत खिलाड़ी और अन्य शामिल हैं। हमारे राष्ट्रीय एथलीटों को सर्वोत्तम संभव चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए,दिल्ली के प्रमुख अस्पतालों जैसे अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, गंगाराम अस्पताल, दिल्ली आदि से हड्डी रोग, नेत्र विज्ञान, सर्जरी और चिकित्सा विभाग के विशेषज्ञ इस केंद्र का दौरा करते हैं। साई ने भी स्पोर्ट्स फिजियोथेरेपी पाठ्यक्रमों में परास्नातक चलाने वाले चिकित्सा संस्थानों से संपर्क किया है, जिसमें इंटर्न को साई में उनके नैदानिक कर्तव्यों के लिए तैनात किया जा रहा है। जामिया हमदर्द, जामिया इस्लामिया, दिल्ली से इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्पाइनल और एमिटी यूनिवर्सिटी, नोडिया जैसे संस्थान हैं साई में इंटर्न तैनात कर रहे हैं जो राष्ट्रीय शिविरों से जुड़े डॉक्टरों की सहायता कर रहे हैं।

चिकित्सा कवर

राष्ट्रीय शिविरार्थियों, विभिन्न साई योजनाओं के खिलाड़ियों, नियमित प्रशिक्षुओं, आओ और खेलो योजनाओं के तहत

आने वाले खिलाड़ियों और अन्य को वर्ष भर और आवश्यकता के आधार पर चिकित्सा कवर प्रदान किया जा रहा है।

मानव प्रदर्शन प्रयोगशाला (एचपीएल)

साई दिल्ली में स्थापित ह्यूमन परफॉर्मेंस लैब का उद्देश्य खेल विज्ञान में खेल वैज्ञानिकों और अन्य सहायक कर्मचारियों की मदद से खिलाड़ियों को व्यापक खेल विज्ञान में एंथ्रोपोमेट्री, पोषण, फिजियोलॉजी और मनोविज्ञान जैसे विषयों पर बैकअप प्रदान करना है। इसका उद्देश्य वैज्ञानिक विशेषज्ञता, नवीनतम शोध निष्कर्षों और विभिन्न वैज्ञानिक परीक्षणों का उपयोग करके एथलीटों के प्रदर्शन को प्राप्त करने और अधिकतम करने के तरीके विकसित करने के लिए कोचों के साथ समन्वय कार्य करना भी है। इसके लाभार्थी राष्ट्रीय शिविरों के उच्च स्तरीय खिलाड़ी, राष्ट्रीय खेल अकादमियों के युवा खिलाड़ी, उत्कृष्टता केंद्र और अन्य साई खेल प्रोत्साहन योजनाओं के खिलाड़ी हैं जिन्हें इस केंद्र से नियमित सहायता मिलती है।

विशेष परियोजनाएं

विशेष परियोजना प्रभाग घरेलू स्तर पर विभिन्न परियोजनाओं के लिए संचालन, रखरखाव और प्रबंधन पर कार्यप्रणाली के प्रति जागरूक होने के अलावा विकसित की जा रही बुनियादी ढांचे, इष्टतम उपयोग और राजस्व तटस्थ अवधारणाओं को सुनिश्चित करते हुए योजना के लेआउट पर तकनीकी जानकारी प्रदान करने के लिए जिम्मेदार है। इसमें स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर आदि से संबंधित डिजाइन का निर्माण, निर्माण स्थलों का दौरा, स्थानीय अधिकारियों के साथ बैठक करना, चर्चा के अनुसार परियोजना का पुनर्विकास एक सतत प्रक्रिया भी शामिल हैं।

एसपी डिवीजन, जहां भी साई/संस्थानों के क्षेत्रीय केंद्रों के पास अप्रयुक्त भूमि पूल उपलब्ध हैं वहां पीपीपी परियोजनाओं के निष्पादन के लिए लेनदेन सलाहकारों की पहचान करने के लिए निविदाएं करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

वीआईपी संदर्भों में भाग लेना, विभिन्न संगठनों को एमवाईएएस द्वारा जारी किए गए धन के लिए यूसी पर सघन अनुवर्ती कार्रवाई।

साई के पास दिल्ली में 5 स्टेडियम में उपलब्ध स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर के इष्टतम उपयोग के लिए, राजस्व साझाकरण मोड में वेन्यू आउटसोर्सिंग के लिए निविदाएं की जा रही हैं, जिसके कारण इस सुविधा का उपयोग एक विशेषज्ञ एजेंसी/संबंधित खेल के व्यक्तियों के माध्यम से, उत्कृष्टता को बढ़ावा देने तथा अच्छे परिणाम देने के लिए किया जाता है। यह उस खेल में प्रतिभा का एक पूल भी तैयार करेगा। स्क्वैश कोर्ट टेंडर को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में विकसित किया गया है।

ऐसी कई परियोजनाएं हैं जिन्हें एसपी प्रभाग द्वारा निष्पादित किया जा रहा है, निम्नलिखित गतिविधियां निर्माणाधीन हैं जो वर्ष 2021 के लिए 1 अप्रैल 2021 से 31 दिसंबर 2021 तक की गई हैं।

1. नारनपुरा खेल परिसर:

उद्देश्य: सभी के लिए सुलभ विश्व स्तरीय सुविधाओं के साथ बहु–विषयक एकीकृत खेल परिसर।

अहमदाबाद नगर निगम से एक डीपीआर के साथ नारनपुरा अहमदाबाद, गुजरात में एक खेल परिसर के निर्माण के संबंध में एक प्रस्ताव प्राप्त हुआ था। अहमदाबाद नगर निगम के स्वामित्व में प्लॉट का कुल आकार 19.64 एकड़ है। परिसर में कई खेलों के आयोजन के लिए इंडोर मल्टी स्पोर्ट क्षेत्र के अलावा गीले और सूखे दोनों खेल और अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों की इनडोर सुविधाएं, खेल उत्कृष्टता केंद्र/विभिन्न खेलों के लिए प्रशिक्षण और कोचिंग सुविधाओं के लिए अकादमी भवन आदि होंगे।

खेल परिसर के मुख्य पहलुओं में निम्नलिखित शामिल हैं,

I. जलीय स्टेडियम।

II. खेल उत्कृष्टता और आवास केंद्र

III. इंडोर मल्टी स्पोर्ट्स एरिना

IV. सामुदायिक खेल परिसर

V. आउटडोर टेनिस कोर्ट।

VI. बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, कबड्डी, खो–खो आउटडोर कोर्ट और स्केटिंग रिंग

VII. फिट इंडिया जोन और पार्किंग सुविधा।

चयनित खेलों के लिए एनसीओई चलाने के लिए मसौदा अनुबंध साई एसपी डिवीजन द्वारा तैयार किया जा रहा है।

2. डॉ. संपूर्णानंद खेल स्टेडियम, सिगरा, वाराणसी स्मार्ट सिटी, वाराणसी, (एसआईजीआरए) का पुनर्विकास:

सिगरा, वाराणसी स्मार्ट सिटी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश में खेल केंद्र का विकास वैचारिक स्तर पर है। इसका उद्देश्य परिसर को वैश्विक मानकों के अनुरूप स्पोर्ट्स हब के रूप में विकसित करना है ताकि यह स्थल अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की भी मेजबानी कर सके।

इस संबंध में दिनांक 10.07.2021 को पीएमओ के साथ बैठक के दौरान अवधारणा योजना पर एक प्रस्तुति दी गई, जिसमें महानिदेशक, संयुक्त सचिव खेल (विकास) और वाराणसी मंडल के आयुक्त उपस्थित थे। अवधारणा योजना विचाराधीन है और संबंधित अधिकारियों द्वारा इसे अंतिम रूप दिया जा रहा है।

परिसर का स्वामित्व उत्तर प्रदेश राज्य सरकार के पास है और इस परियोजना को वाराणसी स्मार्ट सिटी (वीएससीएल) द्वारा सहयोग दिया जा रहा है।

प्रस्तावित लेआउट के मुख्य पहलुओं में निम्नलिखित शामिल हैं,

I. अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता स्थल

II. सामुदायिक खेल केंद्र

III. इंडोर स्पोर्ट्स एरिना (स्विमिंग पूल सहित)

IV. आउटडोर खेल मैदान (क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, लॉन टेनिस)

V. खेल अकादमी (एनटीसी बिल्डिंग 1–शूटिंग रेंज)

VI. खेल अकादमी (एनटीसी बिल्डिंग 2)

VII. प्रशिक्षकों का आवास

VIII. स्पोर्ट्स हॉस्टल ब्लॉक (पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग–अलग ब्लॉक)

3. मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम (एमडीसीएनएस) के लिए संकल्पना योजना

उद्देश्य: समाज के सभी वर्गों के लिए कई खेल और स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करके मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम को स्पोर्ट्स हब के रूप में बदलने के लिए और बढ़े हुए राजस्व के साथ स्टेडियम का इष्टतम उपयोग। इसे नीचे दर्शाया गया है

स्पोर्ट्स इन्क्यूबेटर्स स्टार्ट–अप कंपनियां हैं, जो विचारों को विकसित करती हैं और खेल और तकनीकी विकास के व्यवसाय में हैं। एमडीसी उपलब्ध स्थान को (राजस्व हिस्सेदारी के साथ किराया/रिटेनरशिप) के माध्यम से आउटसोर्स कर सकता है।

सामुदायिक खेल परिसर, विभिन्न उपलब्ध या आवश्यक विकास/उन्नयन के बाद खेल सुविधाओं का उपयोग समुदाय के लिए किया जा सकता है। विभिन्न मॉडल के आधार पर यह कुछ सुविधाओं के लिए मुफ्त हो सकता है और सदस्यता या भुगतान और उपयोग मॉडल के आधार पर विभिन्न सुविधाओं के लिए अलग–अलग टैरिफ हो सकता है।

खेल संग्रहालय, खेल इतिहास और संस्कृति के क्षेत्रों को प्रदर्शित करने और खेल प्रशंसकों, स्कूली बच्चों आकर्षित करने के लिए और सार्वजनिक पीपीपी आधारित खेल संग्रहालय प्रस्तावित है।

हॉकी, क्रिकेट, टेनिस, स्क्वैश, टेबल टेनिस, निशानेबाजी और बैडमिंटन जैसे विभिन्न खेलों में **खेल अकादमियों** को आउटसोर्स मॉडल पर प्रस्तावित किया जा रहा है। अकादमियों को पेशेवरों/प्रसिद्ध खिलाड़ियों/कोचों द्वारा चलाया जा सकता है और राजस्व बंटवारे के लिए उपयुक्त तंत्र पर विचार किया जा सकता है। यह खेल को बढ़ावा देने, प्रतिभा की पहचान और राजस्व सृजन में स्टेडियम के उपयोग में मदद करेगा।

4. पीपीपी परियोजनाएं: सार्वजनिक–निजी भागीदारी (पीपीपी) के माध्यम से जीरकपुर, पंजाब और बेंगलुरु, कर्नाटक में साई क्षेत्रीय केंद्रों में पहचाने गए भूमि पार्सल का पुनर्विकास

i. श्री अमिताभ कांत, सीईओ नीति आयोग के पत्र के बाद संयुक्त सचिव खेल से एक पत्र प्राप्त हुआ था जिसमें यह सलाह दी गई थी कि छोटे क्षेत्र के लिए एकीकृत पाइपलाइनों के रूप में पहचान मुद्रीकरण पाइपलाइन जो ग्रीनफील्ड के निवेशकों और डेवलपर्स के साथ–साथ ब्राउनफील्ड निवेश के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण देता है, वित्तीय वर्ष 21–24 की अवधि के लिए भारत के खेल प्राधिकरण के पास उपलब्ध स्टेडियमों और छात्रावासों को आधुनिकीकरण पाइपलाइन में शामिल किया जाएगा।

ii. चूंकि बहुत कम क्षेत्रीय केंद्र हैं जहां भूमि साई को

हस्तांतरित की गई है, ऐसे मामलों में; राज्य सरकार की मंजूरी से हम पीपीपी मॉडल पर आगे बढ़ सकते हैं।

iii. युवा मामले और खेल मंत्रालय ने मुद्रीकरण के तहत परियोजनाओं की पहचान के लिए महानिदेशक, साईकी अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया। 6 जुलाई को प्रातः 11 बजे वित्त समिति की 98वीं बैठक के दौरान एजेंडा संख्या 6 के रूप में निर्णय लिया गया, जिसमें यह प्रस्तावित किया गया कि व्यवहार्यता अध्ययन और अन्य संबंधित प्रक्रियाओं का संचालन करने के लिए; यदि संभव हो; खुली प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के माध्यम से और आरएफपी द्वारा एक सलाहकार नियुक्त किया जा सकता है।

iv. ''सार्वजनिक निजी भागीदारी के माध्यम से साई आरसी, जीरकपुर और बेंगलुरु में पहचाने गए भूमि पार्सल के पुनर्विकास के लिए लेनदेन सलाहकार'' के चयन के लिए एक आरएफपीसीपीपी पोर्टल पर अपलोड किया गया। बोली दस्तावेजों का मूल्यांकन करने के बादय कार्य मैसर्स प्राइस वाटर हाउस कूपर्स प्राइवेट लिमिटेड को सौंपा गया है। इसकी अधिसूचना मैसर्स प्राइस वाटर हाउस कूपर्स प्रा. लिमिटेड को 23.12.2021 को जारी कर दी गई है।

5. साई एलएनसीपीई त्रिवेंद्रम गोल्फ कोर्स (साई टीजीसी)

i. पहले केरल सरकार के स्वामित्व वाले गोल्फ कोर्स साई को सभी भारों से मुक्त एक पट्टा विलेख के माध्यम से स्थानांतरित कर दिया गया था जिसे 17.09.2014 को निष्पादित किया गया था। इस प्रकार त्रिवेंद्रम गोल्फ कोर्स 33 वर्षों के लिए साई त्रिवेंद्रम गोल्फ कोर्स के रूप में साई के कब्जे में आ गया।

ii. साई ने अध्यक्ष के रूप में साई के महानिदेशक की अध्यक्षता में एक तदर्थ समिति का गठन किया। तदर्थ समिति ने मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन और बाय लॉ और साई टीजीसी के एसोसिएशन ऑफ एसोसिएशन को मंजूरी दी। साई टीजीसीको सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के तहत एक सोसायटी के रूप में पंजीकृत किया गया था।

iii. पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने 31.03.2017 को साई त्रिवेंद्रम गोल्फ कोर्स के विकास के लिए 24.65 करोड़ रुपये की केंद्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) के साथ साई त्रिवेंद्रम गोल्फ कोर्स के उन्नयन को मंजूरी दी। इसका जिम्मा सीपीडब्ल्यूडी को सौंपा गया है।

iv. काम को दो चरणों में विभाजित किया गया था जिसके लिए एमओटी द्वारा पैसा जारी किया गया था। तथापि, कुछ निधियों को एमओटी को वापस करना पड़ा क्योंकि कुछ परिवर्तन आवश्यक नहीं पाए गए थे और धन को साई के पास रह सकता था। इसलिए, पर्यटन मंत्रालय (एमओटी) ने साई मुख्यालय के पास बचा हुआ पैसा उपार्जित ब्याज के साथ वापस करने का अनुरोध किया। साई मुख्यालय ने 23.11.2021 को एमओटी को 4,19,47,584 रुपये वापस किए।

v. 24.12.2021 को साई टीजीसी के संचालन और प्रबंधन में कठिनाइयों को दूर करने के लिए महानिदेशक, साई के मार्गदर्शन में शीर्ष समिति की बैठक आयोजित की गई थी।

6. अहमदाबाद ओलंपिक बुनियादी ढांचा विकास – युवा ग्रीष्मकालीन ओलंपिक 2034/36 की मेजबानी के लिए बोली लगाने हेतु भारत का प्रयास

i. अगले दशक में ओलंपिक, एशियाई खेलों जैसे अंतर्राष्ट्रीय बहु–खेल आयोजनों की मेजबानी के लिए अहमदाबाद शहर की तैयारियों का आकलन करना आवश्यक था। तदनुसार, एक बहु–स्थल स्पोर्ट्स एन्क्लेव के लिए एक मास्टर प्लान और विजन विकसित करने का निर्णय लिया गया जो अहमदाबाद शहर की दीर्घकालिक जरूरतों को पूरा करेगा।

ii. उपरोक्त उद्देश्य के साथ, मेसर्स आईएनआई डिजाइन स्टूडियो प्राइवेट लिमिटेड को एक प्रारंभिक मूल्यांकन के लिए 01 महीने का अध्ययन प्रदान किया गया। मेसर्स आईएनआई डिजाइन स्टूडियो ने एशियाई खेलों जैसे आयोजन की मेजबानी की आवश्यकताओं को समझने के लिए अनुसंधान और बेंचमार्किंग की। एजेंसी ने अहमदाबाद में मौजूदा खेल सुविधाओं और टाउन प्लानिंग योजनाओं और सरकार से उपलब्ध भूमि पूल के आधार पर एसवीपी स्पोर्ट्स एन्क्लेव के लिए भूमि उपलब्धता अध्ययन का भी सीमांकन किया।

iii. एशियाड गेम्स जैसे आयोजन को ध्यान में रखते हुए सरदार वल्लभभाई पटेल (एसवीपी) स्पोर्ट्स एन्क्लेव का मास्टर प्लान तैयार किया गया है। एसवीपी स्पोर्ट एन्क्लेव के लिए 215 एकड़ (87 हेक्टेयर) का क्षेत्र निर्धारित किया गया है, जिसमें से नरेंद्र मोदी स्टेडियम 59 एकड़ (23.9 हेक्टेयर) में फैला है।

iv. संभावित भविष्य के मिश्रित उपयोग/आतिथ्य परिसर के लिए 21 एकड़ (8.5 हेक्टेयर) भूमि निर्धारित की गयी है।

v. मास्टर प्लान में एथलीट विलेज और अन्य सुविधाओं के साथ 20 से ज्यादा खेलों के लिए सुविधाएं विकसित करने का प्रस्ताव किया गया है।

vi. प्रस्तावित एसवीपी स्पोर्ट्स एन्क्लेव के लिए अनुमानित परिव्यय लगभग 4,600 करोड़ रुपये है।

vii. 24 फरवरी 2021 को माननीय राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद और माननीय केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह द्वारा एसपी स्पोर्ट्स एन्क्लेव का भूमि पूजन किया गया।

viii. 2036 ओलंपिक खेलों के संभावित मेजबान के रूप में अहमदाबाद और गांधीनगर क्षेत्र के मूल्यांकन के लिए गैप विश्लेषण और पूर्व–व्यवहार्यता अध्ययन करने के लिए एक वैश्विक निविदा जारी की गई थी।

ix. निविदा प्रक्रिया के अनुसार, मेसर्स पीडब्ल्यूसी को अहमदाबाद और गांधीनगर क्षेत्रों का विस्तृत मूल्यांकन करने के लिए योग्य बोलीदाता के रूप में चुना गया था। पीडब्ल्यूसी ने एयूडीए को एक रिपोर्ट प्रस्तुत की है जिसमें गैप विश्लेषण, अवधारणा रूपरेखा योजना, विजन, बजट शामिल है।

7. दीन दयाल उपाध्याय क्षेत्रीय केंद्र, नागपुर

i. 25 मई 2015 को आयोजित साई की 44वीं शासी निकाय बैठक में क्षेत्रीय केंद्र (आरसी) नागपुर की स्थापना को मंजूरी दी गई थी। 47वीं शासी निकाय बैठक के दौरान प्रारंभिक कार्य के लिए आवश्यक धनराशि को मंजूरी दी गई थी। हालांकि, साई ने 53वीं शासी निकाय बैठक में अनुमोदन के बाद एनपीसीसी को बाउंड्री वॉल के निर्माण के लिए 11.48 करोड़ का कार्य स्वीकृत किया।

ii. नागपुर नगर निगम ने साई को 30 साल के लिए 140.77 एकड़ जमीन लीज पर देने का प्रस्ताव रखा। लेकिन, 52 एकड़ पर अतिक्रमण के चलते सितंबर 2019 में आरसी के विकास के लिए 87.25 एकड़ भूमि अधिग्रहण का निर्णय लिया गया।

iii. 87.25 एकड़ भूमि को स्थानांतरित करने के लिए आयुक्त, नागपुर नगर निगम (एनएमसी) और साईके बीच समझौता ज्ञापन पर दिसंबर 2019 को हस्ताक्षर किए गए। 8 जुलाई 2020 को निदेशक एनसीओई औरंगाबाद द्वारा औपचारिक रूप से भूमि सौंप दी गयी।

iv. आरसी नागपुर के विकास के संबंध में माननीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री की अध्यक्षता में 10 मार्च 2021 को बैठक हुई। अध्यक्ष द्वारा निर्णय लिया गया कि चारदीवारी के अतिरिक्त एक बहुउद्देशीय हाल एवं 150 बिस्तरों वाले छात्रावास का निर्माण किया जायेगा।

v. सीनियर हैंडबॉल कोचश्री आशीष बनर्जी को एक समर्पित अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है, जिन्हें विशेष रूप से नागपुर के लिए ड्यूटी सौंपी गई है। श्री रघु कमानी, जूनियर कंसल्टेंट (इन्फ्रा), साई आरसी, मुंबई भी नियमित समन्वय और दौरों के माध्यम से नागपुर में काम देख रहे हैं।

vi. साई आरसीडब्ल्यूसी मुंबई इलाके में सभी संबंधित विभागों के पूर्ण सहयोग से चारदीवारी के निर्माण के लिए मेसर्स एनपीसीसी लिमिटेड द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा कर रहा है।

vii. परियोजना की बेहतर निगरानी और त्वरित प्रगति के लिए आरसी मुंबई में एक पीएमजी (परियोजना प्रबंधन समूह) का गठन किया गया है। वर्तमान में आरडी मुंबई इन परियोजनाओं के लिए सीपीडब्ल्यूडी से एक नोडल अधिकारी की नियुक्ति के लिए मुख्य अभियंता सीपीडब्ल्यूडी नागपुर के साथ समन्वय कर रहे हैं।

viii. साथ ही सीपीडब्ल्यूडी एमओयू को अंतिम रूप दे रहा है जिस पर साई और एजेंसी के बीच हस्ताक्षर किए जाएंगे। एमओयू को अंतिम रूप दिए जाने के बाद, सीपीडब्ल्यूडी नक्शा और अनुमान तैयार करने की प्रक्रिया शुरू करेगा।

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रकोष्ठ (आईसीसी)

साई में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रकोष्ठ (आईसीसी) विशेष रूप से खेल, शारीरिक शिक्षा, खेल विज्ञान और खेल चिकित्सा, खेल विज्ञान, खेल चिकित्सा पर ज्ञान साझा करने, मैत्रीपूर्ण प्रतियोगिताएं, प्रशिक्षण और प्रतियोगिता और मित्र देशों के साथ युवा प्रतिनिधिमंडलों का आदान–प्रदान आदि के क्षेत्र में युवा मामले और खेल मंत्रालय तथा विदेश मंत्रालय के सक्रिय सहयोग के माध्यम से मित्र राष्ट्रों के साथ द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने और मजबूत करने का प्रयास करता है। साथ ही, सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रमों/प्रशिक्षण सह प्रतियोगिता, खेल के क्षेत्र में विदेशी राष्ट्रों के साथ द्विपक्षीय संबंधों आदि से संबंधित मुद्दों पर युवा मामले और खेल मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और अन्य दूतावासों के साथ आवश्यकता के आधार पर संपर्क करता है।

इन गतिविधियों से विभिन्न देशों के युवाओं के बीच विचारों, मूल्यों और संस्कृति के आदान–प्रदान को बढ़ावा मिलता है और विशेष रूप से खेल और खेल विज्ञान के क्षेत्र में विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों/एजेंसियों के साथ समझौता ज्ञापनों और गतिविधियों के विभिन्न कार्यक्रमों (पीओए) के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय समझ विकसित होती है। यह खेल विज्ञान, खेल चिकित्सा, कोचिंग तकनीकों आदि के क्षेत्र में ज्ञान और विशेषज्ञता के विस्तार में मदद करता है, जिसके परिणामस्वरूप अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में हमारे खिलाड़ियों के प्रदर्शन में सुधार होगा और प्रगतिशील और पड़ोसी देशों के साथ द्विपक्षीय संबंधों को भी मजबूत करेगा।

वर्ष 2021 – 2022 (01 अप्रैल 2021 से दिसंबर 2021) में की गई/चल रही प्रमुख गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण:

- खेल शिक्षा, ओलंपिक और पैरालंपिक शिक्षा, ज्ञान साझा करने और खेल शिक्षण पाठ्यक्रम के आदान–प्रदान, संयुक्त विकास और सामग्री के प्रकाशन के लिए संकाय और विशेषज्ञों के आदान–प्रदान के क्षेत्र में साई और सुकुबा विश्वविद्यालय, जापान के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। सुकुबा विश्वविद्यालय के सहयोग से पूर्व–ओलंपिक प्रशिक्षण स्थलों की पहचान करने में मदद मिली। एमओयू के नवीनीकरण पर सक्रिय रूप से विचार किया जा रहा है जहां गतिविधियों में खेल विशिष्ट कार्यक्रम और खेल विज्ञान संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रम का विवरण भी शामिल किया जा रहा है। प्रशिक्षण और प्रतियोगिता विशेष रूप से उन खेलों में जो ओलंपिक भागीदारी के लिए प्रशिक्षण दे रहे हैं, को शामिल किया गया है।
- केरल सरकार और नीदरलैंड के स्वास्थ्य, कल्याण और खेल मंत्रालय के बीच समझौता ज्ञापन। खेल विकास के क्षेत्र में तकनीकी सहयोग। युवा मामले और खेल मंत्रालय से एक ईमेल प्राप्त हुआ था जिसमें ज्ञापन के मसौदे पर साई से सुझाव मांगे गए थे।
- बहरीन के युवा और खेल मामलों के मंत्री के कार्यालय से माननीय युवा मामले और खेल मंत्री, भारत सरकार के साथ एक आभासी बैठक के लिए एक निमंत्रण प्राप्त हुआ था, जिसमें भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) से उक्त आभासी बैठक के लिए खेलों पर विस्तार से/विस्तृत सुझाव/टिप्पणियां मांगी गयी थीं।
- युवा मामले और खेल मंत्रालय से एक पत्र प्राप्त हुआ था जिसमें आगामी पेरिस 2024 के लिए भारत और फ्रांस के बीच आशय की संयुक्त घोषणा के मसौदे पर सुझाव मांगे गए थे।
- युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा भारत और जमैका के बीच खेल सहयोग पर साई से इनपुट मांगे गए थे।
- 08.12.2021 को माननीय युवा मामले और खेल मंत्री, और भारत में थाईलैंड के राजदूत के बीच 08.12.2021 को एक बैठक निर्धारित की गई थी, जिसमें साई द्वारा युवा मामले और खेल मंत्रालय को बातचीत के बिंदु प्रदान किए गए थे।
- बर्मिंघम विश्वविद्यालय (यूओबी) से भारत में प्रदर्शन (वर्चुअल मोड) के लिए कॉमनवेल्थ गेम्स बैटन रिले स्पोर्ट्स साइंस की संयुक्त कार्यशाला पर एक दिवसीय संगोष्ठी में भाग लेने के लिए एक निमंत्रण प्राप्त हुआ है, जो 13 जनवरी 2022 को आयोजित होने वाली है। महानिदेशक साई इस अवसर पर मुख्य अतिथि हैं। इस संबंध में यूओबी के साथ समन्वय चल रहा है।

कोविड प्रतिक्रिया

(i) ''खेलो इंडिया–फिर से'' के नाम से प्रशिक्षण केंद्रों में खेल गतिविधियों को फिर से शुरू करने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) निर्धारित की गई थी। एसओपी ने प्रशिक्षण केंद्रों में सभी हितधारकों को शामिल किया, जिनमें शामिल हैं:

- सभी एथलीट
- सभी तकनीकी और गैर–तकनीकी सहायक कर्मचारी
- सभी प्रशासनिक कर्मचारी
- सभी छात्रावास और सुविधा प्रबंधन कर्मचारी
- केंद्र के सभी आगंतुक

प्रशिक्षण केंद्र पर दिशानिर्देशों को सख्ती से लागू करने के लिए एक कोविड टास्क फोर्स समिति का गठन किया गया था। समिति सरकार के स्वास्थ्य प्रोटोकॉल की निरंतर निगरानी और प्रबंधन के लिए जिम्मेदार थी।

एसओपी खेल के विषयों को गैर–संपर्क खेल, न्यूनतम/मध्यम–संपर्क खेल, पूर्ण संपर्क खेल और पानी के खेल में वर्गीकृत करता है।

(ii) राष्ट्रव्यापी तालाबंदी के पहले चरण के दौरान एथलीटों को आवश्यक खेल उपकरण जैसे (बारबेल रॉड्स, वेट, एक्सरसाइज साइकिल आदि), एयर पैलेट्स, लक्ष्य प्रणाली साई क्षेत्रीय केंद्रों, राज्य सरकारों और गैर सरकारी संगठनों की मदद से घर पर उपलब्ध कराए गए जिससे वे अपने घरों पर प्रशिक्षण ले सकते थे।

(iii) इस कठिन समय में एथलीटों का मनोबल बढ़ाने और प्रेरित करने के लिए उनके साथ **नियमित बातचीत** की गई थी। कठिन समय के दौरान तनाव से निपटने के तरीके के बारे में एथलीटों को शिक्षित करने और अपने उद्देश्यों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, सोशल मीडिया जैसे फेसबुक लाइव, इंस्टा लाइव आदि के माध्यम से टॉप्स एथलीटों के लिए खेल मनोविज्ञान, खेल विज्ञान/चिकित्सा, कोविड में पोषण, शक्ति और कंडीशनिंग, उच्च प्रदर्शन खेल वातावरण, डोपिंग रोधी विशेषज्ञों द्वारा सेमिनार और कार्यशालाओं का आयोजन किया गया है ताकि प्रशिक्षण में बाधा न आए।

(iv) एनसीओई के एथलीटों, जिन्होंने प्रशिक्षण फिर से शुरू होने के बाद अपना प्रशिक्षण फिर से शुरू किया, को साई द्वारा उनके गृह नगर से एनसीओई के लिए हवाई टिकट प्रदान किया गया और 500 किमी के दायरे में रहने वालों को एसी–3 टियर ट्रेन टिकट प्रदान किया गया।

(v) लॉक डाउन अवधि के दौरान एथलीटों कोप्रेरित और फिट रखने के लिए कोचों द्वारा उनके लिए नियमित ऑनलाइन प्रशिक्षण/कक्षा आयोजित की गई। एथलीटों को दैनिक अभ्यास के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण मॉड्यूल उपलब्ध कराया गया।

(vi) खेल मनोविज्ञान, खेल विज्ञान/चिकित्सा, कोविड में पोषण, शक्ति और कंडीशनिंग, उच्च प्रदर्शन वाले खेल वातावरण, डोपिंग रोधी आदि विषयों पर सेमिनार और कार्यशालाएँ आयोजित की गईं।

(vii) हालांकि सरकार द्वारा देश के सभी राष्ट्रीय खेल महासंघों की मान्यता रद्द कर दी गई थी, साई ने आगामी 2021 ओलंपिक खेलों के लिए प्रशिक्षण केंद्रों में खेल गतिविधियों को पूरी सावधानी के साथ फिर से शुरू करने के लिए कई उपाय किए हैं। इसके अलावा, राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन पहले चरण के दौरान साई क्षेत्रीय केंद्रों, राज्य सरकारों और गैर सरकारी संगठनों की मदद से एथलीटों को आवश्यक खेल उपकरण जैसे (बारबेल रॉड्स, वेट, एक्सरसाइज साइकिल, एयर पैलेट्स, टारगेट सिस्टम, आदि) उपलब्ध कराए गए। ताकि वे अपने घरों में प्रशिक्षण ले सकें और अपना नियमित अभ्यास और प्रशिक्षण जारी रख सकें।

(viii) टॉप्स योजना:– लक्ष्य ओलंपिक पोडियम योजना युवा मामले और खेल मंत्रालय का एक प्रमुख कार्यक्रम है जो भारत के शीर्ष एथलीटों को सहायता प्रदान करने का एक प्रयास है। यह योजना इन एथलीटों की तैयारियों में सहायता की कोशिश करती है ताकि वे ओलंपिक में पदक जीत सकें।

(ix) एथलीट और कोच शिक्षा कार्यक्रम और कोच विकास कार्यक्रम (एसीईपी/सीडीपी) आयोजित किए गए और विभिन्न खेल विषयों पर प्रशिक्षकों और खेल विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिए गए।

अध्याय – 15

लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान, ग्वालियर (डीम्ड विश्वविद्यालय)

प्रस्तावनाः

प्रारंभ में लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान की स्थापना 17 अगस्त, 1957 अर्थात् भारत की स्वतंत्रता के लिए युद्ध के शताब्दी वर्ष में एक कॉलेज के रूप में की गई थी। यह संस्थान मध्य प्रदेश के ग्वालियर में स्थित है, जहाँ झांसी की रानी लक्ष्मीबाई ने देश के स्वतंत्रता संग्राम के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी थी। संस्थान द्वारा शारीरिक शिक्षा और खेल–कूद के क्षेत्र में प्रदान की गई सेवाओं को मान्यता हेतू वर्ष 1995 में, भारत सरकार ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सिफारिशों पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के तहत इसे सम–विश्वविद्यालय (डीम्ड यूनिवर्सिटी) का दर्जा प्रदान किया है। यह संस्थान मिनिस्ट्री ऑफ यूथ अफेयर एंड स्पोर्ट्स, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक स्वायत्त संगठन है और मध्य प्रदेश सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1973 के तहत पंजीकृत सोसाइटी के माध्यम से चलाया जा रहा है।

लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान, ग्वालियर

2. उद्देश्यः

संस्थान के उद्देश्य इस प्रकार हैंः–

1. ज्ञान की ऐसी प्रशाखाओं में उत्कृष्टता, विशिष्टता और नवाचार के लिए अग्रणी उच्चतर शिक्षा प्रदान करना जिन्हें मुख्य रूप से एवं पूरी तरह से विश्वविद्यालय की अवधारणा के अनुरूप स्नातकोत्तर और अनुसंधान डिग्री स्तरों अर्थात् विश्वविद्यालय शिक्षा रिपोर्ट (1984), भारत में उच्चतर शिक्षा के नवीकरण एवं कायाकल्प संबंधी समिति की रिपोर्ट (2009) तथा सम–विश्वविद्यालयों के लिए समीक्षा समिति की रिपोर्ट (2009) पर उपयुक्त समझा जा सकता है।
2. विश्वविद्यालय शिक्षा प्रणाली के उद्देश्यों हेतू विशिष्ट योगदान देने की सिद्ध क्षमता के साथ विशेषज्ञता के क्षेत्रों में संलग्न होना – ऐसे शैक्षणिक जुड़ाव, जो साधारण एवं सामान्य प्रकृति के कार्यक्रमों से स्पष्ट रूप से एक अलग हैं और जो कला, विज्ञान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, दंत चिकित्सा, फार्मेसी, प्रबंधन आदि में पारंपरिक डिगियों की ओर ले जाकर उनका नेतृत्व करते हैं, जिन्हें पारंपरिक संस्थानों द्वारा नियमित रूप से पेश किया जाता है।

3. उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षणकार्य, अनुसंधानकार्य, उन्नत ज्ञान और इनका प्रसार करना जो विभिन्न विषयों में पूर्णकालिक संकाय/अनुसंधान विद्वानों (पीएचडी और पोस्ट डॉक्टरेट) की पर्याप्त संख्या में घर से किए गए विभिन्न अनुसंधान एवं शोध कार्यक्रमों के माध्यम से प्रदान करने हेतू पेश किया जाता है।

4. शारीरिक शिक्षा, अन्य अंतर–अनुशासनात्मक विषयों और खेल–कूद/खेलों के क्षेत्र में उच्च योग्य अग्रणियों को तैयार करना।

5. शारीरिक शिक्षा में उत्कृष्टता और नवाचारों के केंद्र के रूप में सेवा करना, और इस क्षेत्र में शोधकार्य शुरू करना, बढ़ावा देना, प्रसारित करना और इसी क्षेत्र में साहित्य भी प्रकाशित करना।

6. शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में अन्य संस्थानों को पेशेवर और शैक्षणिक नेतृत्व प्रदान करना।

7. इस क्षेत्र में लोगों को व्यावसायिक मार्गदर्शन और पेशेवर सेवाएं प्रदान करना।

8. शारीरिक शिक्षा गतिविधियों में जनभागीदारी को बढ़ावा देना।

9. समाज के विकास कार्यों में योगदान के लिए बाह्य अध्ययन, विस्तार कार्यक्रम और फील्ड आउटरीच गतिविधियों को शुरू करना।

10. शैक्षिक संस्थानों और अन्य संगठनों में शारीरिक शिक्षा और खेल–कूद/खेलों के कार्यक्रमों को विकसित और बढ़ावा देना।

11. ऐसी शाखाओं जैसे स्वास्थ्य और फिटनेस, तंदुरुस्ती, कल्याण, योग और सीखने की स्वदेशी गतिविधियों में निर्देश और प्रशिक्षण प्रदान करना जहाँ यह उपयुक्त एवं उचित हो सकता है।

12. ऐसे सभी अन्य कार्य और चीजें करना जो लक्ष्मीबाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन (एलएनआईपीई) के कामकाज के लिए समीचीन हो सकते हैं या ऊपर निर्दिष्ट उद्देश्यों को प्राप्त करने या आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक या वांछनीय या अनुकूल हो सकते हैं।

3. संकाय और विभाग:

संस्थान में दो संकायों के अंतर्गत निम्नलिखित सात शैक्षणिक विभाग हैं: –

(i) शारीरिक शिक्षा और संबद्ध क्षेत्रों के संकाय:

- शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षण विभाग
- खेल प्रबंधन और कोचिंग विभाग
- यौगिक विज्ञान विभाग

(ii) खेल विज्ञान संकाय:

- व्यायाम शरीर क्रिया विज्ञान विभाग
- खेल मनोविज्ञान विभाग
- खेल बायोमैकेनिक्स विभाग
- स्वास्थ्य विज्ञान विभाग
- व्यायाम शरीर क्रिया विज्ञान विभाग

पाठ्यक्रमों की पेशकश:

संस्थान वर्तमान में निम्नलिखित पाठ्यक्रम चलाता है: –

<u>शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षण विभाग</u>

(i) बी.पी.एड. – 8 सेमेस्टर
(ii) एम.पी.एड. – 4 सेमेस्टर (शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षण)
(iii) पीएच.डी. – शारीरिक शिक्षा

<u>व्यायाम फिजियोलॉजी विभाग</u>

(i) एम.पी.एड. – 4 सेमेस्टर (व्यायाम फिजियोलॉजी)
(ii) पीएच.डी. – शारीरिक शिक्षा

<u>खेल मनोविज्ञान विभाग</u>

(i) एम.पी.एड. – 4 सेमेस्टर (खेल मनोविज्ञान)
(ii) पीएच.डी. – शारीरिक शिक्षा

खेल बायोमैकेनिक्स विभाग

(i) एम.पी.एड. – 4 सेमेस्टर (स्पोर्ट्स बायोमैकेनिक्स)
(ii) पीएच.डी. – शारीरिक शिक्षा

स्वास्थ्य विज्ञान विभाग

(i) एम.पी.एड. – 4 सेमेस्टर (स्वास्थ्य विज्ञान)
(ii) पीएच.डी. – शारीरिक शिक्षा

खेल प्रबंधन विभाग

(i) एम.पी.एड. – 4 सेमेस्टर (खेल प्रबंधन)
(ii) पीएच.डी. – शारीरिक शिक्षा
(iii) बी.ए. (कार्यक्रम) – 6 सेमेस्टर खेलकूद और प्रदर्शन
(iv) स्नातकोत्तर – खेल पत्रकारिता में 2 सेमेस्टर डिप्लोमा
(v) स्नातकोत्तर – फिटनेस प्रबंधन में 2 सेमेस्टर डिप्लोमा
(vi) स्नातकोत्तर – खेल प्रबंधन में 2 सेमेस्टर डिप्लोमा
(vii) स्नातकोत्तर – स्पोर्ट्स कोचिंग में 2 सेमेस्टर डिप्लोमा
(viii) स्पोर्ट्स कोचिंग में डिप्लोमा – 2 सेमेस्टर

योग विज्ञान विभाग

(i) योग शिक्षा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा– 2 सेमेस्टर
(ii) एम.ए. योग – 4 सेमेस्टर
(iii) पीएच.डी. योग में

उपरोक्त पाठ्यक्रमों के अलावा, विभिन्न विषयों/खेलों और खेलकूद में बड़ी संख्या में अल्पावधि प्रमाणपत्र कोर्स संचालित किए जाते हैं।

5. शासन प्रणाली:

संस्था सोसायटी पंजीकरण अधिनियम (बाद में प्रायोजक सोसायटी के रूप में संदर्भित) के तहत एक गैर–लाभकारी सोसायटी के रूप में पंजीकृत है, जो केंद्र सरकार द्वारा एक सार्वजनिक वित्त पोषित डीम्ड विश्वविद्यालय है।

संस्थान का सर्वोच्च प्रशासी निकाय प्रबंधन बोर्ड है जिसका नेतृत्व कुलपति द्वारा किया जाता है। प्रबंधन बोर्ड में न्यूनतम दस सदस्य और अधिकतम पंद्रह सदस्य होते हैं।

संस्थान का प्रबंधन बोर्ड अपनी शैक्षणिक और प्रशासनिक जिम्मेदारियों को पूरा करने और निभाने के लिए पूर्ण स्वायत्तता के साथ प्रायोजक सोसायटी से स्वतंत्र है। प्रबंधन बोर्ड में समाज के प्रतिनिधियों/नामांकित व्यक्तियों की संख्या अधिकतम चार तक सीमित की गयी है। प्रबंधन बोर्ड में संस्थान के आदर्शों और परंपराओं में योगदान देने और बनाए रखने में सक्षम प्रतिष्ठित व्यक्ति शामिल होंगे।

प्रबंधन बोर्ड में निम्नलिखित शामिल हैं:

(i) कुलपति – अध्यक्ष।

(ii) संकायों के डीन जिन्हें कुलपति द्वारा दो से अधिक (वरिष्ठता के अनुसार रोटेशन द्वारा) नियुक्त किया जाता है।

(iii) संस्थान के अध्यक्ष द्वारा नामित तीन प्रतिष्ठित खेल शिक्षाविद, जिन्होंने प्रोफेसर के पद पर काम किया हो और जो न तो संस्थान या प्रायोजक समाज से संबंधित होंगे और न ही उनके रिश्तेदार होंगे।

(iv) युवा मामले और खेल मंत्रालय, खेल विभाग, भारत सरकार का एक प्रतिनिधि, जो संयुक्त सचिव/प्रोफेसर के पद से नीचे का न हो।

(v) कुलपति द्वारा वरिष्ठता के आधार पर पदानुक्रम

(रोटेशन) द्वारा नियुक्त दो शिक्षक (प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर से)।

(vi) कुलपति द्वारा वरिष्ठता के आधार पर पदानुक्रम (रोटेशन) द्वारा नियुक्त एक शिक्षक (सहायक प्रोफेसरों से)।

(vii) प्रायोजक सोसायटी (युवा मामले और खेल मंत्रालय) के अधिकतम चार नामांकित व्यक्ति (शिक्षाविद), जो खेल शिक्षाविद होंगे जो प्रोफेसर के पद से नीचे नहीं होंगे।

(viii) रजिस्ट्रार – सचिव।

6. पूर्वोत्तर क्षेत्रीय केंद्रः

वर्ष 2009 में गुवाहाटी में पूर्वोत्तर क्षेत्रीय केन्द्र को मिनिस्ट्री ऑफ यूथ अफेयर एंड स्पोर्ट्स द्वारा अनुमोदित किया गया और इसकी स्थापना को मंजूरी दी गयी थी। अकादमिक सत्र 2009–10 के दौरान पहले बैच ने ग्वालियर से ऑफ–कैंपस के रूप में कार्य किया था। तत्पश्चात, मई, 2010 में असम सरकार से टेपासिया खेल परिसर (स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स) का अधिग्रहण करने के बाद एनईआरसी ने अकादमिक सत्र 2011–12 से वास्तविक रूप में कामकाज शुरू किया, जहां इंडोर बहुउद्देशीय (मल्टीपर्पज) हॉल, फुटबॉल मैदान, हॉकी मैदान, वेलोड्रोम और वॉलीबॉल कोर्ट जैसी कई सुविधाएं पहले से ही विद्यमान थीं और तत्पश्चात, संस्थान ने शैक्षणिक उददेश्यों और अकादमिक प्रयोजनों के लिए आवश्यक कई अवसंरचनाओं का निर्माण किया। संस्थान अब वहां पूर्ण और नियमित तरीके से बी.पी.एड. के साथ–साथ एम.पी.एड. भी चला रहा है। एनईआरसी, गुवाहाटी के लिए नियमित मानवीय शक्ति की आवश्यकता को स्वीकार करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय ने वर्ष 2011–12 के दौरान कुल 11 पदों को मंजूरी दी है और इन पदों पर अधिकांश नियुक्तियां की गई हैं। फैकल्टी और स्टाफ के लिए हॉकी सिंथेटिक फील्ड, ट्रैक एंड फील्ड (सिंथेटिक), ऑडिटोरियम, लाइब्रेरी और क्वार्टर का विकासकार्य प्रक्रिया में है।

7. ग्रांट्स–इन–एड्स (अनुदान):

संस्थान पूरी तरह से भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय से अनुदान एवं सहायता (अनुदान–इन–एडस) द्वारा वित्त पोषित है। वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई), ग्वालियर के लिए 37.50 करोड़ रुपये एनईआरसी, गुवाहाटी के लिए 7.50 करोड़ रुपये के अनुदान का आवंटन किया गया है। वित्तीय वर्ष 2021–22 के लिए लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई), ग्वालियर के लिए 46.00 करोड़ रुपये और एनईआरसी, गुवाहाटी के लिए 9.00 करोड़ रुपये के अनुदान का आवंटन किया गया है।

अकादमिक ब्यौरा:

वर्ष 2020–21 के दौरान श्रेणी–वार छात्रों की संख्या

श्रेणी	कुल संख्या	लिंग–वार			विद्यार्थियों की संख्या										सकल योग
					अ.ज.जा		अ.जा		अ.पि.व		सामान्य		ई.डब्ल्यू.एस.		
	पंजीकृत	लड़के	लड़कियां	कुल	लड़के	लड़कियां	लड़के	लड़कियां	लड़के	लड़कियां	लड़के	लड़कियां	लड़के	लड़कियां	
बी.पी.एड. I सेमस्टर	113	82	31	113	05	04	14	05	33	14	23	07	07	01	113
बी.पी.एड. III सेमस्टर	109	75	34	109	06	02	09	05	32	11	28	16	.	.	109
बी.पी.एड. V सेमस्टर	100	69	31	100	06	01	09	08	33	10	21	12	.	.	100
बी.पी.एड. VII सेमस्टर	111	81	30	111	08	02	14	06	33	12	26	10	.	.	111
एम.पी.एड. I सेमस्टर	91	59	32	91	01	04	09	05	17	12	11	24	08	.	91
एम.पी.एड. III सेमस्टर	78	60	18	78	06	.	17	01	22	10	15	07	.	.	78
एम.ए. I सेमस्टर योगा	04	02	02	04	01	.	00	.	01	00	00	02	.	.	04
एम.ए. III सेमस्टर योगा	15	07	08	15	.	.	01	.	04	03	02	05	.	.	15
एम.ए. (स्पे.शारी.) I सेमस्टर	04	04	.	04	.	.	.	.	.	02	.	02	00	.	04
एम.एस.सी. (एक्स फीजियो) I सेमस्टर	02	02	00	02	.	.	.	.	.	.	01	01	.	.	02
एम.एस.सी. (स्पोर्ट्स मैनेज.) I सेमस्टर	04	04	.	04	.	.	02	.	01	.	01	.	00	.	04
एम.ए.(स्पोर्ट्स मैनेज.) I सेमस्टर	08	07	01	08	.	.	01	.	01	.	05	01	.	.	08
बी.ए. (कार्यक्रम) I सेमस्टर	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.
बी.ए. (कार्यक्रम) III सेमस्टर	04	04	.	04	.	.	01	.	.	03	.	.	.	.	04
बी.ए. (कार्यक्रम) V सेमस्टर	03	02	01	03	.	.	.	.	01	.	01	01	.	.	03
एम.एस.एम. I सेमस्टर	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.
एम.एस.एम. III सेमस्टर	05	04	01	05	.	01	.	.	02	.	02	.	.	.	05
पीएच.डी.	74	52	22	74	04	01	07	02	22	08	18	11	01	.	74
कुल	725	514	211	725	37	15	84	32	202	85	154	99	16	01	725
	श्रेणी वार योग				**52**		**116**		**287**		**253**		**17**		**725**

अकादमिक ब्यौराः

वर्ष 2020–21 के दौरान पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम और अन्य पाठ्यक्रमों का श्रेणी–वार ब्यौरा

श्रेणी	कुल संख्या	लिंग–वार			विद्यार्थियों की संख्या										सकल योग
					अ.ज.जा		अ.जा		अ.पि.व		सामान्य		ई.डब्ल्यू.एस.		
	पंजीकृत	लड़के	लड़कियां	कुल	लड़के	लड़कियां	लड़के	लड़कियां	लड़के	लड़कियां	लड़के	लड़कियां	लड़के	लड़कियां	
पीजीडी – वाईईडी	15	07	08	15	.	.	.	02	04	03	03	03			15
पीजीडी – एफएम पीजीडंगी – स्पोर्ट्स जर्नलिज्म	17	15	02	17	.	01	03	.	07	01	05	.	.	.	17
(ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग मोड)	05	05	.	05	01	.	.	.	.	.	04	.	.	.	05
पीजीडी – स्पोर्ट्स इवेंट मैनेजमेंट (ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग मोड)	10	08	02	10	.	.	02	.	02	01	04	01	.	.	10
खेल प्रबंधन में डिप्लोमा (ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग मोड)	41	34	07	41	03	01	01	.	06	02	23	04	01	.	41
पीजीडी – एससी	165	134	31	165	03	01	22	05	61	15	46	10	02	.	165
डी.एस.सी.	29	29	.	29	01	.	03	.	06	.	19	.	.	.	29
कुल	282	232	50	282	08	03	31	07	86	22	104	18	03	.	282
					11		38		108		122		03		282

अकादमिक ब्यौराः

वर्ष 2020–21 के दौरान श्रेणी–वार और विभाग–वार छात्रों की संख्या

श्रेणी	कुल संख्या	लिंग–वार			विद्यार्थियों की संख्या										सकल योग
					अ.ज.जा		अ.जा		अ.पि.व		सामान्य		ई.डब्ल्यू.एस.		
	पंजीकृत	लड़के	लड़कियां	कुल	लड़के	लड़कियां	लड़के	लड़कियां	लड़के	लड़कियां	लड़के	लड़कियां	लड़के	लड़कियां	
शिक्षा शास्त्र	16	11	05	16	–	01	02	–	03	03	05	01	01	–	16
खेल मनोविज्ञान	15	12	03	15	01	–	02	01	03	01	04	01	02	–	15
खेल बायोमैकेनिक्स	15	10	05	15	–	–	02	01	02	01	05	02	02	–	15
व्यायाम शरीर क्रिया विज्ञान	14	05	09	14	–	01	–	02	01	04	03	02	01	–	14
स्वास्थ्य शिक्षा	16	11	05	16	–	01	01	01	05	01	04	02	01	–	16
खेल प्रबंधन	15	09	06	15	–	01	02	–	03	02	03	03	01	–	15
सकल योग	**91**	**58**	**33**	**91**	**01**	**04**	**09**	**05**	**17**	**12**	**24**	**11**	**08**	–	**91**
	श्रेणी वार योग				**05**		**14**		**29**		**35**		**08**		

अकादमिक ब्यौराः

वर्ष 2020–21 के दौरान श्रेणी–वार और विभाग–वार छात्रों की संख्या

एम.पी.एड. तृतीय सेमेस्टर

श्रेणी	कुल संख्या	लिंग–वार			विद्यार्थियों की संख्या								सकल योग
					अ.ज.जा		अ.जा		अ.पि.व		सामान्य		
	पंजीकृत	लड़के	लड़कियां	कुल	लड़के	लड़कियां	लड़के	लड़कियां	लड़के	लड़कियां	लड़के	लड़कियां	
शिक्षा शास्त्र	14	10	04	14	01	–	02	01	04	02	03	01	14
खेल मनोविज्ञान	13	08	05	13	01	–	02	–	04	03	01	02	13
खेल बायोमैकेनिक्स	11	09	02	11	01	–	03	–	03	01	02	01	11
व्यायाम शरीर क्रिया विज्ञान	15	10	05	15	01	–	02	–	05	03	02	02	15
स्वास्थ्य शिक्षा	13	12	01	13	01	–	05	–	02	01	04	–	13
खेल प्रबंधन	12	11	01	12	01	–	03	–	04	–	03	01	12
सकल योग	**78**	**60**	**18**	**78**	**06**	–	**17**	**01**	**22**	**10**	**15**	**07**	**78**
	श्रेणी वार योग				**06**		**18**		**32**		**22**		

शैक्षणिक सत्र 2019–20 के दौरान पास हो चुके छात्रों की संख्या

क्र. सं	कोर्स	उपस्थित हुए विद्यार्थी			पास हो चुके विद्यार्थी		
		पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल
1.	बी.पी.एड. आठवां सेमस्टर (ग्वालियर)	134	61	**195**	134	61	**195**
2.	बी.पी.एड. आठवां सेमस्टर (गुवाहाटी)	67	26	**93**	67	26	**93**
3.	एम.पी.एड. चतुर्थ सेमस्टर (ग्वालियर)	52	29	**81**	52	29	**81**
4.	एम.पी.एड. चतुर्थ सेमस्टर (गुवाहाटी)	28	11	**39**	28	11	**39**
5.	एमए (योग) चतुर्थ सेमस्टर	08	09	**17**	08	09	**17**
6.	पीजीडीवाईएड–द्वितीय सेमस्टर	06	07	**13**	06	07	**13**
7.	पीजीडीएफएम–द्वितीय सेमस्टर	12	02	**14**	12	02	**14**
8.	पीजीडीएससी–द्वितीय सेमस्टर	111	25	**136**	111	25	**136**
9.	डीएससी–द्वितीय सेमस्टर	22	00	**22**	22	00	**22**
10.	एम.फिल.	00	00	**00**	00	00	**00**
11.	पीएच.डी.	06	03	**09**	06	03	**09**

उत्तीर्ण छात्रों का संक्षिप्त वर्णन – 2019–20

स्नातक	–	288 छात्र
पोस्ट ग्रेजुएट	–	300 छात्र
एम.फिल.	–	शून्य
पीएच.डी.	–	09 छात्र
डीएससी	–	22 छात्र

9. अवसंरचनात्मक एवं बुनियादी सुविधाएं:

संस्थान अपनी स्थापना के समय से ही सह–शैक्षिक और पूरी तरह से आवासिक रहा है, यह ग्वालियर में खेल के मैदानों, भवनों आदि सहित बुनियादी एवं मूलभूत सुविधाओं से सुसज्जित है, जबकि इस तरह की सुविधाएं एनईआरसी, गुवाहाटी में प्राथमिकताओं के साथ–साथ धन की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए चरणबद्ध तरीके से बनाई जा रही हैं।

10. 1 जनवरी, 2021 से 31 दिसंबर, 2021 तक के महत्वपूर्ण कार्यक्रम एवं घटनाएं:

मौजूदा एवं प्रचलित कोविड–19 महामारी के कारण रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान कई प्रकार की नियमित गतिविधियों को निलंबित कर दिया गया था या कुछ को संकरित एवं हाइब्रिड मोड पर संचालित किया गया था। विवरण इस प्रकार हैः–

राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह – 12 जनवरी 2021 को राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह मनाया गया। इस सुअवसर स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया।

गणतंत्र दिवस समारोह – 26.01.2021 को संस्थान में 72वां गणतंत्र दिवस समारोह मनाया गया।

क्र. सं.	विभाग का नाम	सम्मेलन/कार्यशाला/संगोष्ठी/वेबिनार	तिथि
1.	योग विज्ञान	योग पर राष्ट्रीय वेबिनार (थीमः पोस्ट कोविड–19 के लिए योग हस्तक्षेप)	06.01.2021
2.	खेलकूद प्रबंधन और कोचिंग	खेलों में उच्च प्रदर्शन के लिए एकीकृत योजना पर राष्ट्रीय वेबिनार	22.01.2021

क्र. सं.	विभाग का नाम	सम्मेलन/कार्यशाला/संगोष्ठी/वेबिनार	तिथि
3.	खेलकूद प्रबंधन और कोचिंग	स्वास्थ्य प्रबंधन पर 03 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला	28.01.2021 से 30.01.2021
4.	व्यायाम फिजियोलॉजी	खेलकूद और संबद्ध विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ई–सम्मेलन)	23.02.2021 से 24.02.2021
5.	खेलकूद प्रबंधन और कोचिंग	खेलकूद, व्यायाम और वजन प्रबंधन के लिए पोषण पर राष्ट्रीय कार्यशाला	मार्च 2021
6.	खेलकूद प्रबंधन और कोचिंग	व्याख्यान श्रृंखला (प्रशिक्षण और स्थानापन्न)	अप्रैल 2021
7.	योग विज्ञान	योगिक अवधारणाओं के माध्यम से प्रतिरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने पर राष्ट्रीय वेबिनार	19.06.2021
8.	खेलकूद बायोमैकेनिक्स	साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाले सॉफ्टवेयर पर दो दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला	09.07.2021 से 10.07.2021
9.	आईक्यूएसी और राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई	स्वच्छ भारत मिशन पर वेबिनार (स्वच्छ पखवाड़ा 2021)	14.08.2021
10.	साहित्यिक सोसायटी और आईसीटी केंद्र	स्वच्छता पर ऑनलाइन स्लोगन लेखन व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता	14.08.2021
11.	प्रसार सेवा निदेशालय और एनएसएस यूनिट	राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रकाश एवं आलोक में 2024 ओलंपिक के रोड मैप पर राष्ट्रीय वेबिनार	26.08.2021
12.	शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षण	स्वतंत्र भारत के संदर्भ में सतर्कता जागरूकता सप्ताह पर कार्यशाला/75 अखंडता के साथ आत्मनिर्भरता	01.11.2021
13.	शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षण	बी.पी.एड.–ए सेमेस्टर के लिए ओरिएन्टेशन प्रोग्राम	18.11.2021
14.	मुक्त और दूरस्थ शिक्षा निदेशालय	ओडीएल कोर्स की कार्यक्रम संरचना और कोर्स तैयार करने के लिए 03–दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला।	01.12.2021 से 03.12.2021
15.	खेलकूद बायोमैकेनिक्स	क्लोन और प्रेडटोरी पत्रिकाओं पर एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला	13.12.2021
16.	खेलकूद मनोविज्ञान	भलाई एवं कल्याण के मनोवैज्ञानिक पहलुओं पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार	17.12.2021

महत्त्वपूर्ण सूचनाः

संस्थान में जनवरी, 2021 से लेकर दिसंबर, 2021 तक कोविड–19 महामारी के कारण कुछ अन्य गतिविधियाँ व्यापक स्तर पर संचालित नहीं की गईं।

अध्याय – 16

खेलो इंडिया स्कीम

वर्ष 2016–17 से एक सेन्ट्रल सैक्टर स्कीम, अर्थात् खेलो इंडिया – खेलकूद के विकास हेतू राष्ट्रीय कार्यक्रम लागू किया जा रहा था। खेलो इंडिया स्कीम को वर्ष 2017–18 में संशोधित करके एक नया रूप दिया गया था। संशोधित खेलो इंडिया स्कीम का उद्देश्य देश में खेल संस्कृति को प्रभावित करना, बढ़ावा देना, देश में खेल उत्कृष्टता प्राप्त करना और देश भर में खेलों को प्रोत्साहित करना है, इस प्रकार आबादी को अपने क्रॉस–कटिंग प्रभाव अर्थात् बच्चों और युवाओं के समग्र विकास, सामुदायिक विकास, सामाजिक एकीकरण, लैंगिक समानता, स्वस्थ जीवन शैली, राष्ट्रीय गौरव और खेल विकास से संबंधित आर्थिक अवसरों के माध्यम से खेलों की शक्ति का उपयोग करने की अनुमति देना है।

भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा निम्नलिखित वर्टिकल्स लागू और कार्यान्वित किए जाते हैं:–

i. खेल के मैदानों का विकास करना,
ii. खेल अवसंरचना का उपयोग और निर्माण/उन्नयन करना,
iii. शांति, अमन और विकास के लिए खेलकूदों का आयोजन करना।

भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा निम्नलिखित वर्टिकल्स लागू और कार्यान्वित किए जाते हैं: –

i. राज्य स्तरीय पर खेलो इंडिया केंद्रों की स्थापना करना,
ii. वार्षिक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करना,
iii. प्रतिभाओं की खोज और विकास करना,
iv. महिलाओं के लिए खेलकूद आयोजित करना,
v. राष्ट्रीय/क्षेत्रीय/राज्य खेल अकादमियों को सहायता प्रदान करना,
vi. विकलांग व्यक्तियों के बीच खेलकूद को बढ़ावा देना,
vii. ग्रामीण और मूल/आदिवासी/कबीली खेलों को बढ़ावा देना,
vii. स्कूल जाने वाले बच्चों की शारीरिक फिटनेस को विकसित करना।

लक्ष्मी बाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई) द्वारा निम्नलिखित वर्टिकल्स को लागू और कार्यान्वित किया जाता है: –

i. सामुदायिक कोचिंग विकास

विभिन्न घटकों की संक्षिप्त व्याख्या आगामी पैराग्राफों में की गई है।

1. **खेल के मैदानों का विकास:** उनके इष्टतम उपयोग के लिए एक भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) प्लेटफॉर्म पर खेल के मैदानों और खेल के बुनियादी एवं मूलभूत संरचना की एक राष्ट्रीय सूची तैयार की जाएगी। सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में एक मजबूत संस्थागत तंत्र स्थापित करने के लिए खेल के मैदानों के संरक्षण, सुरक्षा, विकास, संबर्धन और बढ़ावा देने हेतू, नेशनल प्ले फील्ड एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनपीएफएआई) की तर्ज पर राज्य और जिला खेल मैदान संघ बनाए जाएंगे। जिला और राज्य स्तर के संघ मौजूदा खेल क्षेत्रों को पंजीकृत करेंगे, उन्हें जीआईएस प्लेटफॉर्म पर मैप करेंगे और जिला और राज्य संघों के माध्यम से राष्ट्रीय खेल मैदान संघ (एनपीएफएआई) से संबद्ध होंगे, जिससे एक राष्ट्रीय डेटाबेस तैयार होगा। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण योजना से सभी ग्राम पंचायतों में खेल के मैदान का विकास किया जा सकता है।

रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) और राज्य सरकार/केंद्र सरकार की कोई अन्य योजना। इसके अंतर्गत पायलट आधार पर मॉडल प्ले फील्ड का विकास भी किया जाएगा।

2. **सामुदायिक कोचिंग विकास:** सामुदायिक कोचों के विकास हेतू सामुदायिक कोच विकास के एक व्यापक मॉडल को देश भर में अपनाया जाएगा। इसमें कौशल विकास और प्रमाणन प्रणाली शामिल होगी। एक अल्पकालिक सामुदायिक कोचिंग विकास कार्यक्रम विकसित किया जाएगा और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा नामित शारीरिक शिक्षा शिक्षकों (पीईटी) को मास्टर प्रशिक्षकों या कोच डेवलपर्स के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा। ऐसे मास्टर ट्रेनर, अन्य पीईटी/स्वयंसेवकों को उनके संबंधित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में सामुदायिक प्रशिक्षकों के रूप में प्रशिक्षित करेंगे और सामुदायिक स्तर पर टीमों का विकास एवं संबर्धन करेंगे। प्राथमिक और उन्नत स्तरों पर सामुदायिक कोच विकास हेतू ऑनलाइन पाठ्यक्रम भी विकसित किए जाएंगे।

3. **राज्य स्तरीय खेलो इंडिया सेंटर:** देश भर

में स्थापित बड़ी संख्या में कोचों/अंशकालिक प्रशिक्षकों की कमी, फिजियोथेरेपिस्ट और मालिश करने वाले सहायक स्टाफ, उपस्करों, खेल के उचित मैदानों, उपभोग्य वस्तुओं, डे बोर्डिंग सुविधाओं आदि के साथ–साथ आवर्ती व्यय को पूरा करने हेतू पर्याप्त वित्तीय सहायता की कमी के कारण खेल अवसंरचना और मूल ढांचों का इष्टतम उपयोग इष्टतम रूप से नहीं किया जा रहा है। तदनुसार, उपयुक्त समझौता ज्ञापन (एमओयू) के माध्यम से राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से संबंधित खेल अवसंरचना और बुनियादी ढांचे के बेहतर उपयोग का समर्थन करने और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) योजना के अनुसार दिन–बोर्डिंग सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रशिक्षकों की नियुक्ति के लिए सहायता प्रदान करने का प्रस्ताव भी है।

4. **वार्षिक खेल प्रतियोगिताएं:** खेल कौशल का प्रदर्शन करने के लिए खेलो इंडिया खेल बुनियादी मंच होगा और तदनुसार राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभाओं को खोजने, पहचानने और गुणवान, होशियार और प्रतिभाशाली बच्चों को उत्कृष्टता हासिल करने हेतू एक विकासशील मंच बन जाएगा। केंद्र सरकार संबंधित राष्ट्रीय खेल संघों (एनएसएफ), स्कूल गेम फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) और भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) सहित खेल प्रचार निकायों को जोड़कर देश भर में विभिन्न स्थानों पर प्राथमिकता वाले खेल विषयों के संबंध में स्कूल और कॉलेज स्तर की राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं का आयोजन करेगी।

5. **प्रतिभा पहचान और विकास:** खेलो इंडिया स्कीम, राष्ट्रीय चैंपियनशिप और भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के राष्ट्रीय खेल प्रतिभा खोज पोर्टल के तहत स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और राष्ट्रीय खेल परिसंघों (एनएसएफ) को शामिल करने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं, प्राथमिकता वाले खेल विषयों में प्रतिभाशाली, गुणवान, होशियार खिलाड़ियों की पहचान के लिए एक मंच प्रदान करेंगी, जिसमें देश की सामर्थ्य संभावनाएं, प्रतिभाएं/सुअवसर मौजूद हैं। पुरस्कार विजेताओं के चयन के अलावा, विधिवत गठित प्रतिभा पहचान समिति विभिन्न खेल विषयों में प्रतिभा को खोजने और पहचानने के लिए विश्व स्तर पर स्वीकृत वैज्ञानिक तरीकों को भी अपना सकती है। खेल प्रतिभाओं को खोजने, उनकी पहचान करने में राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के सहयोग से टैलेंट स्काउट्स (इस प्रयोजनार्थ और उद्देश्य के लिए लगाए जाने वाले) द्वारा बच्चों के अखिल भारतीय परीक्षणों का आयोजन शामिल होगा।

6. **खेल संरचनाओं का उपयोग, सृजन और निर्माण** देश में मौजूद अधिकांश स्कूलों, कॉलेजों और यहां तक कि विश्वविद्यालयों में उचित खेल मैदानों के साथ–साथ खेलकूद के मूल और बुनियादी ढांचे का भी अभाव है। सक्रिय प्रबंधन समिति की एक प्रणाली के माध्यम से मौजूदा उपलब्ध खेल बुनियादी ढांचे को उपयोग करने का प्रयास किया जाएगा जिसमें खिलाड़ियों और पड़ोसी समुदाय के सदस्यों और साथ ही पूरे देश के सदस्यों को शामिल किया जाऐगा जो विशेष रूप से केंद्र सरकार/राज्य सरकारों के नियंत्रण में होंगे। देश भर में मौजूद खेल अवसंरचना और बुनियादी ढांचे की उपलब्धता में होने वाली कमियों की पहचान करने और खेलो इंडिया स्कीम के तहत सहायता एवं समर्थन के साथ इन कमियों को भरने के लिए एक उपयुक्त तंत्र विकसित किया जाएगा। खेलो इंडिया स्कीम को मेम्बर्स ऑफ पार्लियामेंट लोकल एरिया डेवेलपमेंट (एमपीएलएडी) स्कीम के साथ भी जोड़ा जाएगा। राज्य विधान सभा सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास (एमएलए एलएडी) स्कीम को खेलो इंडिया स्कीम के साथ अभिसरण के लिए भी प्रदान कर सकते हैं। इस घटक में निम्नलिखित दो उप घटक होंगे:

i. यूनिवर्सिटी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस प्रोग्राम: चयनित विश्वविद्यालयों में खेल उत्कृष्टता के केंद्र स्थापित करने के लिए होगा।

ii. उपयुक्त खेल बुनियादी ढांचे का निर्माण: जहाँ भी कमी और अभाव हैं वहाँ पर इस घटक के तहत, महत्वपूर्ण खेल बुनियादी ढांचे और अन्य बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों, भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) आदि को सहायता एवं अनुदान प्रदान किया जाऐगा।

7. **राष्ट्रीय/क्षेत्रीय/राज्य खेल अकादमियों को सहायता:** इस स्कीम के तहत पहचान की गई खेल प्रतिभाओं को भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई), राष्ट्रीय खेल अकादमियों, राज्य खेल अकादमियों और खेल स्कूलों या निजी क्षेत्र द्वारा स्थापित खेल अकादमियों में शामिल होने का विकल्प दिया जाएगा। भारतीय खेल प्राधिकरण, राज्य की सरकारों या निजी क्षेत्र या खिलाड़ी को सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) मोड के तहत लंबे समय तक सुविधा और पूरकता के लिए खेल अकादमियों की स्थापना, संचालन और रखरखाव के लिए दीर्घावधि एथलीट विकास (एलटीएडी) कार्यक्रम (8 वर्षों के लिए) को अनुदान सहायता प्रदान की जाएगी और पैरा एथलीटों के लिए कम से कम एक अकादमी का समर्थन किया जाएगा।

8. **शारीरिक स्वास्थ्य एवं फिटनेस:** खेलो इंडिया स्कीम के तहत भारत के सभी स्कूलों में शारीरिक फिटनेस के एक घटक को लागू करने का प्रयास किया

जाएगा। राष्ट्रीय शारीरिक फिटनेस मानकों को क्षेत्रवार विकसित किया जाएगा और देश भर में सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में स्कूल जाने वाले सभी बच्चों की शारीरिक फिटनेस का मूल्यांकन करने के लिए प्रत्येक स्कूल को एक टूल किट प्रदान की जाएगी। खेल और शारीरिक शिक्षा के एकीकरण के लिए सलाहकार की भूमिका निभाने हेतू एक तंत्र विकसित किया जाएगा। खेल को अनिवार्य विषय बनाकर स्कूली शिक्षा से जोड़ा जाएगा, जिसके लिए अंक भी दिए जाएंगे। यह स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सहयोग से किया जाएगा।

9. **महिलाओं के लिए खेलकूदः** यद्यपि खेलो इंडिया स्कीम के सभी घटक लैंगिकता के हिसाब से तटस्थ होतें हैं और महिलाओं को भी खेल गतिविधियों और खेलों के विकास में भाग लेने के अवसर प्रदान करते हैं, तथापि महिलाओं के लिए वार्षिक राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं आयोजित करने का प्रस्ताव दिया गया है। जहाँ महिलाओं की भागीदारी कम है वहाँ पर ऐसी खेलकूद विधाओं पर जोर दिया जाएगा ताकि अधिक संख्या में महिलाएं ऐसी खेल विधाओं में भाग लें।

10. **अमन, शांति और विकास के लिए खेलकूदः** भारत सरकार, जम्मू–कश्मीर के लिए विशेष पैकेज के तहत राज्य में होने वाली खेल सुविधाओं को बढ़ाने हेतू धन उपलब्ध करा रही है। इन बुनियादी और मूल अवसंरचना का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए, कोच, उपकरण, उपभोग्य सामग्री, तकनीकी सहायता और प्रतिस्पर्धा आदि के संदर्भ में सॉफ्ट सपोर्ट प्रदान किया जाएगा। जम्मू–कश्मीर राज्य में युवाओं के सकारात्मक जुड़ाव के लिए लोकप्रिय खेल विषयों के संबंध में ब्लॉक स्तर की प्रतियोगिताओं का आयोजन करने का प्रयास किया जाऐगा। इसी तरह के प्रयास अन्य उग्रवाद और आतंकवाद प्रभावित और दूसरे अशांत क्षेत्रों के मामले में भी किए जाएंगे।

11. **विकलांग व्यक्तियों के बीच खेलकूदों को बढ़ावा देनाः** विकलांग व्यक्तियों के लिए विशेष खेल बुनियादी एवं मूल अवसंरचना के निर्माण के लिए राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों और भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। स्टेडियमों को विकलांगों के अनुकूलध बाधा मुक्त बनाने के लिए आवश्यक धनराशियों को डिपार्टमेंट और एम्पावरमेंट ऑफ पर्सन विद डिसेबिलिटीज की स्कीम फार इंप्लीमेंटेशन ऑफ पर्सन विद डिसेबिलिटीज एक्ट (एसआईपीडीए) प्राप्त किया जाएगा। इस मद के तहत प्रदान की गई धनराशि का उपयोग खिलाड़ियों के वर्गीकरण, उपकरण, प्रशिक्षण और पैरालंपिक खेलों और विषयों और प्रतियोगिताओं के लिए टीमों की तैयारी के लिए किया जाएगा।

12. **ग्रामीणों और मूल/आदिवासी/कबीली खेलों को बढ़ावा देनाः** हमारे ग्रामीण और मूल/कबीली खेलों को प्रदर्शित करने के लिए, ग्रामीण और मूल/आदिवासी खेलों में बारी–बारी से खेलो इंडिया स्कीम के तहत वार्षिक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। ऐसे खेलों के बारे में जानकारी प्रदान करने वाली एक गतिशील और संवादात्मक वेबसाइट भी चालू की जाएगी। यह न केवल सूचनाओं के प्रसार में मदद करेगा और इन खेलों के बारे में वर्तमान पीढ़ी की जिज्ञासा को शांत करेगा, बल्कि बच्चों और युवाओं को इन खेलों को एक प्रमुख तरीके से अपनाने के लिए प्रोत्साहित भी करेगा, जिससे भविष्य की मुख्य धारा में आने का उनका मार्ग प्रशस्त हो जाऐगा।

स्टेट लेवल खेलो इंडिया सेंटरः

ओलंपिक में उत्कृष्टता हेतू भारत की खोज के रूप में और राज्य/केंद्र शासित प्रदेश के मौजूदा सेन्टर को विश्व मानक स्तर तक बढ़ाने के प्रयास के रूप में, मौजूदा प्रशिक्षण केंद्रों में से एक को खेलो इंडिया स्कीम के राज्य स्तरीय खेलो इंडिया सेंटर (एसएलकेआईसी) के वर्टीकल्स के तहत खेला इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (केआईएससीई) के रूप में नामित किया जाएगा।

अब तक, राज्य/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन द्वारा प्रबंधित **27 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में 28 केंद्रों** को केआईएससीई के रूप में अधिसूचित किया गया है, जहाँ व्यवहार्यता अंतर विश्लेषण करने के बाद जनशक्ति, खेल उपस्करों, खेल विज्ञान सहायता आदि के संदर्भ में वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

जमीनी स्तर पर देश में खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए सरकार के दृष्टिकोण के एक हिस्से के रूप में, एक कम लागत का प्रभावशाली खेल प्रशिक्षण तंत्र तैयार किया गया है जिसमें युवाओं के लिए पिछले "चैंपियन एथलीट" कोच और सलाहकार बनेंगे, जो एक स्वायत्त तरीके से खेल प्रशिक्षण कार्यक्रम चला रहे हैं और अपनी आजीविका अर्जित कर रहे हैं। इस प्रयास में, देश के सभी जिलों में 04 वर्षों के दौरान 1,000 केआईसी स्थापित करने का प्रस्ताव रखा गया है। वर्तमान में, **28 राज्यों में 453 प्रशिक्षण केंद्रों** को पहले ही खेलो इंडिया सेंटर (केआईसी) के रूप में अधिसूचित किया जा चुका है।

सेना के अनुशासित वातावरण, माहौल और उपलब्ध बुनियादी अवसंरचना का उपयोग करने की दृष्टि से सेना के साथ मिलकर और उसके सहयोग से आर्मी बॉयज स्पोर्ट्स कंपनी स्कीम शुरू की गई थी जिसमें 8–14 वर्ष के युवा प्रतिभाओं का चयन करके स्कीम में प्रवेश दिया जाता है। वर्तमान में देश में **26** एबीएससी **01 नेवी बॉयज स्पोर्ट्स कंपनी और 01 एयर फोर्स बॉयज स्पोर्ट्स कंपनी स्क्वाड्रन** मौजूद हैं।

पायलट प्रोजेक्ट के रूप में 09 पब्लिक स्कूलों को स्पोर्ट्स स्कूल के रूप में नामित किया गया है। इन 09 विद्यालयों में से 04 केन्द्रीय विद्यालय आवासीय सुविधाओं के साथ वर्तमान में खेलकूद विद्यालयों के रूप में परिचालित हैं। कोविड महामारी के कारण शेष विद्यालयों का संचालन नहीं किया जा सका है। छात्रों का चयन वैज्ञानिक मूल्यांकन के आधार पर मापदंडों के माध्यम से किया जाता है। उनके रहने, ठहरने, शिक्षा, प्रशिक्षण, प्रतियोगिता में भाग लेने, चिकित्सा आदि का खर्च भारत सरकार द्वारा वहन किया जा रहा है।

प्रतिभा खोज और विकासः

खेलो इंडिया टैलेंट आइडेंटिफिकेशन एंड डेवलपमेंट (केआईटीडी) खेलो इंडिया स्कीम के सबसे महत्वपूर्ण वर्टिकल में से एक है। शारीरिक विशेषताओं एवं गुणों के संदर्भ में विशाल विविधता वाला देश खेल के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए अपार अवसर प्रदान करता है, बशर्ते खेल प्रतिभाओं की पहचान सही समय पर की जाती है और ओलंपिक में पदक जीतने के उद्देश्य हेतू खेल विज्ञान समर्थन की मदद और सहायता से कोचों द्वारा आयु–उपयुक्त पोषण किया जाता है।

प्रतिभा पहचान और विकास समिति (टैलेंट आइडेंटिफिकेशन एंड डेवलपमेंट कमेटी) की सिफारिश के आधार पर, चयनित प्रतिभाओं की पहचान खेलो इंडिया एथलीट (केआईए) के रूप में की जाती है, जिन्हें प्रशिक्षण के उद्देश्य से भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) और गैर भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) मान्यता प्राप्त अकादमी में शामिल होने का विकल्प दिया जाता है। खेलो इंडिया मान्यता प्राप्त अकादमियों में प्रशिक्षण लेने वाले केआईए 5.00 लाख रुपये प्रति वर्ष की वित्तीय सहायता और इसके अतिरिक्त 10,000/– रूपए प्रति माह पॉकेट अलाउंस (ओपीए) के हकदार होते हैं। ऐसे केआईए, जो किसी अकादमी में शामिल नहीं हुए हैं, उन्हें केवल ओपीए प्रदान किया जाता है। वर्तमान में कुल 2671 केआईए को 21 विषयों में सहायता मिल रही है और लगभग 240 अकादमियों को विभिन्न खेल विषयों में खेलो इंडिया योजना के तहत मान्यता दी गई है।

स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए शारीरिक फिटनेस

इसका उद्देश्य क्षेत्रवार राष्ट्रीय फिटनेस मानकों को विकसित करना और सभी स्कूल जाने वाले बच्चों के शारीरिक स्वास्थ्य और फिटनेस का मूल्यांकन करने के लिए प्रत्येक स्कूल को एक टूलकिट प्रदान करना है। खेलो इंडिया मोबाइल एप्लिकेशन को आम जनता को खेल के विभिन्न पहलुओं (हाउ टू प्ले), भारत भर में उपलब्ध प्लेफील्ड (कहां खेलना है) या देश की युवा स्कूल जाने वाली आबादी के फिटनेस मापदंडों की मैपिंग करने के लिए जानकारी प्राप्त करने और पहुँच को आसान और सक्षम बनाने के लिए लॉन्च किया गया था। इस ऊर्ध्वाधर (31.12.2021 के रूप में) के तहत निम्नलिखित विकास हुए हैं: शारीरिक फिटनेस मूल्यांकन के लिए, खेलो इंडिया मोबाइल एप्लिकेशन में, 2,04,130 स्कूल और

3,31,076 मूल्यांकनकर्ता पंजीकृत हैं। 6493889 छात्र प्रोफाइल बनाए गए हैं और इन 23 में से, 30,835 फिटनेस, मूल्यांकन के नंबर किए गए हैं। इस ऊर्ध्वाधर के तहत कुल 317 ऑनलाइन/ऑफलाइन ट्रेनर कार्यक्रमों का प्रशिक्षण (टीओटी) आयोजित किया गया था जिसमें 81,579 से अधिक शारीरिक शिक्षा शिक्षकों और 21,577 प्रधानाचार्यों को प्रशिक्षण दिया गया था। मौजूदा कोविड –19 स्थितियों को ध्यान में रखते हुए, सितंबर 2021 में शारीरिक शिक्षा शिक्षकों के लिए एक ऑनलाइन प्रशिक्षण मॉड्यूल पेश किया गया था, जिसमें, पीई शिक्षक खुद को पंजीकृत कर सकते हैं और प्रशिक्षण से गुजर सकते हैं और परीक्षा में भाग ले सकते हैं। परीक्षा के सफल समापन पर, प्रतिभागी को एक ऑनलाइन प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा।

ग्रामीण और मूल खेलों को बढ़ावा देने की स्थिति

आज तक, मल्लखंभ, कलारीपयट्टू, गतका और थांग–टा को 04.06.2019 को सचिव खेल, एमवाईएएस की अध्यक्षता में आयोजित डीपीएसी में खेलो इंडिया की योजना के तहत "ग्रामीण और मूल/जनजातीय खेलों को बढ़ावा देने" के वर्टीकल के तहत सहायता और मदद देने हेतू पहचान की गई है। अवसंरचना विकास, उपस्कर सहायता, कोचों की नियुक्ति, प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण और छात्रवृत्तियों के लिए अनुदान सहायता स्वीकृत की गयी थी।

एनएसएफ के लिए उपस्कर सहायता सहित अवसंरचना विकास/उन्नयन के लिए राष्ट्रीय खेल परिसंघों को एकबारगी अनुदान राशि स्वीकृत एवं मंजूर की गयी है (मल्लखंब के लिए 25 लाख रुपये प्रति केंद्र, कलारीपयट्टू के लिए 40 लाख रुपये प्रति केंद्र, गतका के लिए 05 लाख रुपये प्रति केंद्र और थांग–टा के लिए 05 लाख रुपये)। वर्तमान में कुल 108 प्रशिक्षण केंद्र हैं (मल्लखंब के लिए 100, कलारीपयट्टू के लिए 02, गतका के लिए 03 और थांग–टा के लिए 03)। एनएसएफ द्वारा की गई सिफारिश के अनुसार अक्टूबर 2019 से कुल 21 कोच (मल्लखंब के 05, थांग–टा के 06, गतका के 06 और कलारीपयट्टू के 04) को तिमाही आधार पर (5 लाख रुपये प्रति कोच प्रति वर्ष) वेतन प्राप्त हो रहा है।

मल्लखंभ, कलारीपयट्टू, गतका और थांग–टा के संबंध में 335 पदक विजेताओं के लिए छात्रवृत्ति स्वीकृत की गई है। (एक वर्ष की अवधि के लिए प्रति एथलीट 10,000/– रुपये)। वर्तमान में, 283 एथलीटों को एनएसएफ द्वारा अनुशंसित 1 अक्टूबर 2019 से लेकर जून 2021 तक छात्रवृत्तियां प्राप्त हुई हैं।

इसके अतिरिक्त, 28 राज्य सरकारों और 9 संघ राज्य क्षेत्रों को स्वदेशी ग्रामीण और जनजातीय खेलों की पहचान करने के लिए पत्र भेजे गए हैं जिनका अभी भी सक्रिय रूप से अभ्यास/खेला जा रहा है ताकि ऐसी प्रचलित मूल खेल गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा सके। जिनमें से 20 राज्यों और 04 संघ राज्य क्षेत्रों ने बेहतर संचार और परियोजना शुरू करने के लिए प्वाइंट अधिकारियों की नियुक्ति की है।

विकलांगों के बीच खेलकूद को बढ़ावा देने की स्थिति

जिला और राज्य खेलों के समर्थन के लिए 5.7 करोड़ रुपये की राशि पर सहमति व्यक्त की गई थी। परिसंघों यानी स्पेशल ओलंपिक भारत, ऑल इंडिया स्पोर्ट्स काउंसिल ऑफ डेफ और पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के परामर्श से भविष्य के तौर–तरीकों पर काम किया जा रहा है।

वर्ष 2021 में खेलो इंडिया स्कीम के तत्वावधान में की गई विभिन्न पहलः

- एसएलकेआईसी 27 राज्यों में 28 खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (केआईएससीई) को अधिसूचित किया गया है।
- एसएलकेआईसी वर्टिकल के तहत 67 एसएआई–एसटीसी में 3865 प्रशिक्षुओं को शामिल किया गया है।
- 21 खेल अनुशासन में खेलो इंडिया एथलीटों (केआईए) के प्रशिक्षण के लिए 240 अकादमियों को मान्यता दी गयी है।
- 2671 एथलीटों को दीर्घावधि विकास कार्यक्रम (एलटीएडी) के तहत समर्थित केआईए के रूप में की मान्यता की गई है।
- खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2021 हरियाणा में आयोजित होने वाला है जिसमें 18 वर्ष से कम आयु वर्ग के लिए 25 खेलकूद विधाएं अनुसूचित की गयी हैं।
- खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2022 को मध्य प्रदेश राज्य की मेजबानी में आयोजित करने की मंजूरी दी गई है।
- खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2021(22) को जैन यूनिवर्सिटी, बैंगलोर, कर्नाटक में आयोजित करने की योजना है।
- खेलो इंडिया विंटर गेम्स (केआईडब्ल्यूजी) 2021 का दूसरा भाग फरवरी – मार्च 2021 में जम्मू और

कश्मीर और लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेशों में आयोजित किया गया।

- योगासन को हरियाणा के पंचकुला में आयोजित होने वाले आगामी खेलो इंडिया यूथ गेम्स (केआईवाईजी) 2021 के लिए खेल विधाओं में शामिल किया गया है।
- प्रतिभा पहचान विकास समिति (टीआईडीसी), प्रतिभा पहचान क्षेत्रीय समिति (टीआईजेडसी) और राज्य समन्वयकों और उनकी पात्रताओं की नई सूची गठित की गई है।
- खेलो इंडिया अंडर –21 महिला हॉकी लीग का पहला भाग मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम, नई दिल्ली में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया था।
- **कोच के रूप में पिछले चैंपियन एथलीटों की भर्ती** – देश भर में 1000 खेलो इंडिया केन्द्रों (केआईसी) की स्थापना के लिए पहल की गई है जिसमें कोच के रूप में पिछले चैंपियन एथलीटों की भर्ती के लिए प्रावधान किया गया है। 453 केआईसी को पहले ही अनुमोदित और अधिसूचित किया जा चुका है जिसमें 129 पिछले चैंपियन एथलीटों को कोच के रूप में भर्ती किया गया है।

खेल के मैदानों का विकास

- अपने इष्टतम उपयोग के लिए भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) प्लेटफॉर्म पर खेल के मैदानों और खेल के बुनियादी ढांचे की राष्ट्रीय सूची तैयार करना।
- 11227 खेल मैदानों को (भू–टैग) जियोटैग किया गया है।

सामुदायिक कोचिंग का विकास

- एक खेल संचालित राष्ट्र का निर्माण,
- बच्चों के प्रारंभिक चरणों के दौरान उनकी उपलब्धता को सुनिश्चित और निर्धारित करने के लिए जमीनी स्तर पर कोचों के कौशल विकास करने हेतू एक अवसर प्रदान करना, और अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं का पालन करते हुए विभिन्न स्तरों पर प्रशिक्षण और मान्यता प्रदान करना।
- खेलो इंडिया स्कीम के लिए 23000 शारीरिक शिक्षा शिक्षकों को कोचों के समुदाय के रूप में प्रशिक्षित किया गया है।

खेलकूद बुनियादी अवसंरचना का उपयोग, निर्माण और उन्नयन

- सभी के लिए खेलकूद गतिविधियाँ
- बड़े पैमाने पर आम जनता के लिए अवसंरचना की प्रति व्यक्ति उपलब्धता में वृद्धि करना और वित्तीय सहायता प्रदान करके राज्य स्तर पर महत्वपूर्ण खेल अवसंरचना का विकास करना।

उपलब्धियां:

- 34 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में विभिन्न पात्र संस्थाओं के संबंध में 271 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।
- कुल स्वीकृत राशि– 2,262.89 करोड़ रुपये है।
- जम्मू और कश्मीर (जे और के) में युवाओं को खेल और शारीरिक गतिविधियों को अपनाने में मदद करने के लिए खेल अवसंरचना के विकास हेतू 200 करोड़ रुपये के विशेष पैकेज को मंजूरी दी गई थी।

अमन, शांति और विकास के लिए खेल

- खेलकूद सभी लोगां को एकजुट करता है।
- इसका उददेश्य जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, पूर्वोत्तर राज्यों और वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) से प्रभावित राज्यों में लोकप्रिय खेल विधाओं में ग्रामीण स्तर की प्रतियोगिताओं का आयोजन करके युवाओं की ऊर्जा को उत्पादक रूप से चैनलाइज करना है।

उपलब्धियां:

- खेलो इंडिया विंटर गेम्स (केआईडब्ल्यूजी) 2020 का पहला भाग फरवरी–मार्च 2020 के दौरान केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख तथा जम्मू और कश्मीर राज्य में आयोजित किया गया था।
- खेलो इंडिया विंटर गेम्स (केआईडब्ल्यूजी) 2021 का दूसरा भाग जनवरी–फरवरी 2021 में जम्मू और कश्मीर राज्य और लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेशों में आयोजित किया गया था।
- शीतकालीन खेलों (विंटर गेम्स) को अब राष्ट्रीय खेल कैलेंडर की नियमित विशेषता बना दिया गया है।
- जम्मू–कश्मीर में खेल प्रतियोगिताओं के लिए 10 लाख प्रति ब्लॉक स्वीकृत किये गये हैं।

- वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) प्रभावित 14 राज्यों के 95 जिलों में खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन करने के लिए 10 लाख रुपयों का अनुमोदन कर दिया गया है।
- अमन, शांति और सद्भावना को बढ़ावा देने के लिए रुपये से अधिक उत्तर–पूर्वी राज्यों सहित विभिन्न राज्यों के अशांत क्षेत्रों में 25 करोड़ खर्च किए गए।
- युवाओं के बीच एकीकरण और सद्भाव की भावना को बढ़ावा देने के लिए उत्तर–पूर्वी राज्यों में इस वर्टिकल के तहत समर्थित स्थानीय और क्षेत्रीय बाइक और कार रैलियां का आयोजन किया गया।

वित्तीय वर्ष 2017–18, 2018–19, 2019–20, 2020–21 और 2021–22 के दौरान खेलो इंडिया स्कीम का बजट आवंटन और उपयोग (31.12.2021 तक):

(रुपये करोड़ में)

वर्ष	अनुमोदित आबंटन			वास्तविक व्यय
	बजट प्राक्कलन	संशोधित प्राक्कलन	अंतिम प्राक्कलन	
2017–18	350.00	350.00	350.00	346.99
2018–19	520.09	500.09	375.09	342.24
2019–20	500.00	578.00	578.00	575.52
2020–21	890.42	328.77	–	338.06
2021–22	657.71	–	–	390.80*

*31.12.2021 के अनुसार

दिनांक 01.04.2021 से लेकर दिनांक 31.12.2021 तक की अवधि के दौरान 'स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर के उपयोग और निर्माण/उन्नयन' के तहत जारी अनुदान सहायता का विवरण अनुबंध–VI में दिया गया है।

दिनांक 01.04.2021 से लेकर दिनांक 31.12.2021 तक की अवधि के दौरान खेलो इंडिया स्कीम के अन्य कार्यक्षेत्रों के तहत जारी अनुदान सहायता का विवरण अनुबंध–VII में दिया गया है।

II. प्रधान मंत्री का विकास पैकेज (पीएमडीपी) – जम्मू–कश्मीर राज्य में खेलकूद की बुनियादी सुविधाओं में वृद्धि

माननीय प्रधान मंत्री ने दिनांक 07.11.2015 को जम्मू–कश्मीर के लिए विशेष पैकेज को मंजूरी दी और घोषणा की, जिसमें अन्य बातों के साथ–साथ कोच/प्रशिक्षक/फर्नीचर/प्रतियोगिता/प्रोत्साहन/पुरस्कार राशि और खेल बुनियादी और आधारभूत अवसंरचना की सुविधाओं के लिए 260 करोड़ के पैकेज शामिल हैं। खेलकदों से संबंधित सभी कार्य प्रगति पर हैं। एक बार खेल अवसंरचना की परियोजनाओं के पूरा हो जाने के बाद, उन्हें जम्मू और कश्मीर सरकार द्वारा राज्य में खेल संवर्धन और प्रोत्साहन गतिविधियों के लिए संचालित और उपयोग किया जाएगा। परियोजनाओं का ब्यौरा नीचे दिया गया है।

युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा निष्पादित और क्रियान्वित की जा रही परियोजनाएं

(रु. करोड़ में)

क्र.सं.	परियोजनाएं	निर्धारित राशि	स्थिति
1.	बख्शी स्टेडियम, श्रीनगर का नवीनीकरण और विकास फीफा मानक के अनुसार।	44.00	लगभग 80 प्रतिशत काम पूरा हो गया है।
2.	अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों के लिए मौलाना आजाद (एमए) स्टेडियम, जम्मू का नवीनीकरण और विकास आईसीसी मानक के अनुसार	40.00	इस परियोजना का काम पूरा हो गया है और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल द्वारा दिनांक 15.01.2020 को उद्घाटन किया जा चुका है।
	योग (क)	**84.00**	

जम्मू और कश्मीर राज्य सरकार द्वारा निष्पादित और क्रियान्वित की जा रही परियोजनाएं

(रु. करोड़ में)

क्र.सं.	परियोजनाएं	निर्धारित राशि	स्थिति
1.	22 इनडोर हॉल का निर्माण i. सहपोरा गांदरबल ii. शादीपोरासुंबल, बांदीपोरा iii. कैमोह, कुलगाम vi. बिजबेहरा, अनंतनाग v. त्राल, पुलवामा vi. रामनगर, उधमपुर vii. सांबा viii. भगवती नगर, जम्मू ix. बिलावर, कठुआ x. मीर गुंडपट्टन, बारामूला xi. सोइबुग, बडगाम xii. राजपोरा, पुलवामा xiii. जादीबल, श्रीनगर xiv. शोपियां xv. कुबाथांग, कारगिलो xvi. कोटर्नका, राजौरी xvii. मंडी, पुंछो xviii. गूल, रामबन xix. डोडा xx. किश्तवाड xxi. रियासी xxii. हंदवाड़ा, कुपवाड़ा	88.00 (22 इनडोर हॉल के लिए प्रत्येक 4.00 करोड़)	आठ इनडोर हॉल (गांदरबल में सहपोरा, शदीपोरा सुंबल बांदीपोरा, रामनगर उधमपुर, बिलावर कठुआ, भगवती नगर, सांबा, कोटरांका, राजौरी और रियासी) में पूरा हो गया है और अन्य इनडोर हॉल का काम प्रगति पर है।
2.	राजौरी और पुंछ में मौजूदा स्टेडियम का उन्नयन	4.00	पूरा हो गया है
3.	उधमपुर, जम्मू में सुभाष स्टेडियम का उन्नयन /समापन	10.00	पूरा हो गया है
4.	जम्मू और श्रीनगर में वाटर स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास (नेहरू पार्क, श्रीनगर और रंजीत सागर बांध, बसोहली)	6.00 (प्रत्येक के लिए 3 परियोजना)	नेहरू पार्क का काम पूरा हो चुका है और रंजीत सागर बांध, बसोहली का काम शुरू होना अभी बाकी है।
5.	टीआरसी ग्राउंड/गनी स्टेडियम में प्रकाश की व्यवस्था	2.63	पूरा हो गया है
6.	खेल उपस्कर, कोच/प्रशिक्षक आदि। योग (ख)	5.37 116.00	टेंडरिंग स्टेज पर है।
	कुल योग (क ख)	**200.00**	

क्र.सं.	परियोजनाएं	निर्धारित राशि	स्थिति
1.	स्वर्गीय श्री अरुण जेटली की स्मृति में कठुआ जिले में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिनी स्टेडियम का निर्माण	60.00	भूमि अधिग्रहण का कार्य प्रगति पर है (अभी तक केवल 144 कनाल भूमि का अधिग्रहण किया गया है)।
	योग (ग)	**60.00**	

प्रधान मंत्री के विकास पैकेज (पीएमडीपी) का बजट आवंटन और उपयोग – वित्तीय वर्ष 2020–21 और 2021–22 के दौरान जम्मू–कश्मीर में खेलकूद बुनियादी और मूलभूत सुविधाओं में वृद्धिः

(रुपये करोड़ में)

वर्ष	**अनुमोदित आबंटन**		**अनुमोदित आबंटन**
	बजट प्राक्कलन	**बजट प्राक्कलन**	
2020–21	50.00	25.00	25.00
2021–22	50.00	–	0.00 31.12.2021 के अनुसार

अध्याय – 17

खेलकूद गतिविधियों में उत्कृष्टता एवं विशिष्टता को बढ़ावा देने से संबंधित योजनाएं

1. राष्ट्रीय खेल महासंघ को सहायता योजना

इस योजना के तहत, भारत सरकार राष्ट्रीय खेल संघ (एनएसएफ) को भारत में राष्ट्रीय चैंपियनशिप और अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित करने, विदेशों में अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भाग लेने, कोचिंग के कैंपों को आयोजित करने, खेल उपस्करों को खरीदने और विदेशी कोचों की नियुक्ति हेतू सहायता प्रदान करती है। वर्ष 2015 में, भारतीय एथलीटों की तैयारी को प्रोत्साहित करने एवं बढ़ावा देने और पदक पाने वाली देश की उम्मीदों को बढ़ाने के लिए, युवा मामले और खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय खेल महासंघों को सहायता योजना के तहत विभिन्न वित्तीय मानकों में संशोधन किया। भारत में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों के लिए, वित्तीय सहायता की राशि को 10 लाख से बढ़ाकर 30 लाख प्रति टूर्नामेंट तक बढ़ा दिया गया है। राष्ट्रीय चैंपियनशिप खेलों को आयोजित करने की राशि सीनियर, जूनियर और सब–जूनियर के लिए 2 लाख रुपये से बढ़ाकर क्रमशः सीनियर्स के लिए 5 लाख रुपये, जूनियर के लिए 7 लाख रुपये और सब–जूनियर्स के लिए 10 लाख रुपये कर दी गई है। एथलीटों के लिए 5 लाख की चिकित्सा बीमा पॉलिसी और 25 लाख की व्यक्तिगत दुर्घटना पॉलिसी की अनुमति दी गई है। एनएसएफ को 10 लाख रुपये तक के खेल उपस्करों को खरीदने की अनुमति दी गई है। पारंपरिक टूर्नामेंटों को प्रोत्साहित करने और बढ़ावा देने के लिए ऐसे आयोजनों के लिए प्रत्येक के लिए 5 लाख तक की सहायता का नया प्रावधान किया गया है। भारत में प्रतिष्ठित टूर्नामेंट आयोजित करने के लिए 25 लाख की सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इससे टूर्नामेंट की गुणवत्ता में सुधार करने में मदद मिलेगी। 'अन्य' श्रेणी में आने वाली खेल विधाओं को वित्तीय सहायता बहाल कर दी गई है।

राष्ट्रीय खेल परिसंघों (एनएसएफ) को सहायता योजना के तहत विभिन्न संगठनों को दी गयी वित्तीय सहायता नीचे तालिका में दी गई है:

क्र. सं.	वित्तीय सहायता के घटक	लाभार्थी	सहायता का पैमाना
1	राष्ट्रीय चैंपियनशिप	राष्ट्रीय खेल महासंघ की सभी श्रेणियां	सीनियर्स – 5 लाख रुपये जूनियर्स – 7 लाख रुपये सब जूनियर – 10 लाख रुपये
2	प्रिशिक्षण और प्रतियोगिता हेतू खलाड़ियों के लिए विदेशी एक्सपोजर	सभी उच्च प्राथमिकता, प्राथमिकताऔर सामान्य श्रेणी वाली खेल विधाएँ (26 संख्या)	स्वीकृत बजट और बजट की उपलब्धता के अनुसार हवाई किराया, बोर्डिंग और लॉजिंग, टीए/डीए और अन्य स्वीकार्य मदों के लिए पूरा खर्च
3	मुख्य / राष्ट्रीय कोच	कोच चयनित / नियुक्त	1,50,000/– रुपये तक का पारिश्रमिक। योग्य मामलों में और भी अधिक हो सकता है।
4	प्रतिष्ठित पारंपरिक टूर्नामेंट	निर्धारित कार्यक्रम एवं ईवेंट	के आयोजक 25 लाख रुपए तक
5	पारंपरिक खेल आयोजन	निर्धारित कार्यक्रम एवं ईवेंट	के आयोजक 5 लाख रुपए तक

वर्ष 2021–22 (31.12.2021 तक) के लिए एनएसएफ को सहायता योजना के तहत एनएसएफ को दी गई राशि का विवरण **अनुबंध–VIII** में दिया गया है।

2. नेशनल सेंटर फॉर स्पोर्ट्स कोचिंग

राष्ट्रीय खेल संस्थान, पटियाला के तहत नेशनल सेंटर फॉर स्पोर्ट्स कोचिंग (एनसीएससी) का उद्देश्य देश में खेल कोचिंग शिक्षा को बढ़ाना और देश का एक व्यापक कोचिंग विकास ढांचा तैयार करना और एथलीटों के कोचिंग और प्रशिक्षण के तकनीकी, सामरिक और कौशल विकास पहलुओं में अनुसंधान करना है। इसका उद्देश्य खेलकूद क्षेत्र के लिए सक्षम, गुणवान और आत्मविश्वासी कोच तैयार करना होगा। यह एथलीटों के विकास में उनकी अधिकतम क्षमता और कार्यदक्षता के लिए अपना योगदान देगा और उनके प्रतिस्पर्धी खेल कैरियर को लम्बा खींचेगा। एनसीएससी का उद्देश्य उच्च कार्यप्रदर्शन वाले खेलों के कोचों की कमी एवं मांग को पूरा करना और दीर्घकालिक एथलीट विकास योजना के कार्यान्वयन को पूरा करना है। एनसीएससी से अर्हता प्राप्त करने वाले कोचों की सेवाओं का उपयोग भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई), राज्य सरकारों, खेल परिषद, राष्ट्रीय खेल परिसंघों (एनएसएफ) और देश भर के विभिन्न खेल शिक्षाविदों और शैक्षणिक संस्थानों में किया जाएगा। योजना की कुल लागत 81.00 करोड़ रुपये की है। यह एक सेन्ट्रल सैक्टर स्कीम है।

3. नेशनल सेन्टर ऑफ स्पोर्ट साइंस एंड रिसर्च (एनसीएसएसआर)

नेशनल सेन्टर ऑफ स्पोर्ट साइंस एंड रिसर्च (एनसीएसएसआर) की एक योजना जिसका उद्देश्य अभिजात वर्ग के एथलीटों के उच्च कार्यप्रदर्शन के संबंध में उच्च स्तरीय अनुसंधान, शिक्षा और नवाचार का समर्थन करना है। वित्त वर्ष 2025–26 तक एनसीएसएसआर योजना की कुल लागत 260 करोड़ रुपये होगी। यह एक केंद्रीय क्षेत्र की स्कीम है। इस उद्देश्य को आगे बढ़ाने की दृष्टि से, यह स्कीम निम्नलिखित संस्थागत तंत्र के निर्माण और समर्थन के माध्यम से खेल चिकित्सा सहित खेल विज्ञान पर केंद्रित है:

क. भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम परिसर के प्रशासनिक ब्लॉक में राष्ट्रीय खेल विज्ञान और अनुसंधान केंद्र (एनसीएसएसआर) की स्थापना की जाएगी, जिसे एक हब के रूप में विकसित किया जाएगा और यह भारतीय खेल प्राधिकरण के 11 राष्ट्रीय खेल विज्ञान उपस्कर प्रदान करने में सहायता करेगा। उत्कृष्टता केंद्र (औरंगाबाद, भोपाल, गांधी नगर, गुवाहाटी, इंफाल, लखनऊ, कोलकाता, केएसएसआर नई दिल्ली, रोहतक, सोनीपत, त्रिवेंद्रम में) और पटियाला और बेंगलुरु में 2 उच्च प्रदर्शन केंद्र, जो **प्रवक्ता** के रूप में कार्य करेंगे।

ख. यह चुनिंदा 6 विश्वविद्यालयों/संस्थानों में स्थित खेल विज्ञान विभागों और चुनिंदा 5 संस्थान/मेडिकल कॉलेज में स्थित खेल चिकित्सा विभागों का भी **समर्थन** करेगा।

पात्रता के योग्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों और मेडिकल कॉलेजों/अस्पतालों के वित्त पोषण के लिए रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआइ) मांगी गई थी। देश के विभिन्न हिस्सों में क्रमशः खेल विज्ञान और खेल चिकित्सा विभाग स्थापित करने के लिए 6 विश्वविद्यालयों और 5 मेडिकल कॉलेजों का चयन किया गया था और धन का एक हिस्सा विश्वविद्यालयों/संस्थानों और मेडिकल कॉलेजों को पहले ही जारी किया जा चुका है। युवा मामले और खेल मंत्रालय (एमवाईएएस) प्रत्येक चयनित विश्वविद्यालयों और मेडिकल कॉलेजों को 5 वर्षों की अवधि में घनराशि देगा और बाद में वे आत्मनिर्भर हो जाएंगे।

खेल विज्ञान विभाग की सहायता के लिए वित्त पोषण हेतु चयनित विश्वविद्यालयों/संस्थानों की सूची

क) गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर

ख) राष्ट्रीय पोषण संस्थान, हैदराबाद

ग) अन्नामलाई विश्वविद्यालय, तमिलनाडु

घ) राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, अजमेर, राजस्थान

ङ) कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

च) राजीव गांधी विश्वविद्यालय, दोईमुख, अरुणाचल प्रदेश

खेल चिकित्सा विभाग की सहायता के लिए अनुदान हेतु चयनित चिकित्सा महाविद्यालयों की सूची

क) किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ

ख) पंडित भागवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा

ग) बैंगलोर मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, बेंगलुरु, कर्नाटक

घ) क्षेत्रीय आयुर्विज्ञान संस्थान, इंफाल, मणिपुर

ङ) गांधी मेडिकल कॉलेज, भोपाल

4. खेलकूद में मानव संसाधन विकास की स्कीम (एचआरडीएस)

1. **योजना का नामः**— स्कीम ह्यूमन रिसोर्स डेवेलपमेंट इन स्पोर्ट (एचआरडीएस)

2. **योजना की पृभठभूमिः** — देश में खेलकूदों और खेलों के विकासकार्यां की देखभाल करने के लिए मिनिस्ट्री ऑफ यूथ अफेयस एंड स्पोर्ट (एमवाईएएस) भारत सरकार में एक नोडल मंत्रालय है। वर्ष 2012 से, 'स्कीम ह्यूमन रिसोर्स डेवेलपमेंट इन स्पोर्ट' एक ऐसा प्रयास है, जो मिनिस्ट्री ऑफ यूथ अफेयस एंड स्पोर्ट (एमवाईएएस)/भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई)/राष्ट्रीय खेल परिसंघों (एनएसएफ) के अधिकारियों, एथलीटों, कोचों, तकनीकी अधिकारियों, आदि को उनके कौशल और ज्ञान के उन्नयन हेतू वित्तीय सहायता प्रदान करता है। यह योजना प्रशिक्षकों के तकनीकी और सहायक कर्मचारियों के प्रशिक्षण और अल्पकालिक पाठ्यक्रमों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती हैय इसके अलावा, खेल विशेषज्ञों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किये गये संगोष्ठियों/सम्मेलनों में भाग लेने के लिए प्रायोजित किया जाता हैय विदेशी विशेषज्ञों को आमंत्रित करके या उन्हें विदेशी संस्थानों में भेजकर देश के भीतर कोचिंग शिविरों/सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं के आयोजनों/में भाग लेने के लिए भी सहायता प्रदान की जाती है।

3. **योजना के उद्देश्यः**— इस योजना का उद्देश्य हैः

i. खेल और खेल से संबंधित विशिष्ट विधाओं में मास्टर स्तर के कार्यक्रमों को आयोजित करने के लिए अल्पावधि (3 महीने तक) विशेष अध्ययन और 2 साल तक के लिए फैलोशिप प्रदान करना;

ii. भारत या विदेश में आयोजित सेमिनारों, क्लीनिकों/प्रशिक्षणों, कार्यशालाओं और सम्मेलनों में भागीदारी के माध्यम से अपने विचारों एवं दृष्टिकोणों के आदान–प्रदान, ज्ञान, कार्यदक्षता और कौशल को बढ़ाने के लिए खेलकूदों के क्षेत्रों में पेशेवरों को प्रोत्साहित और बढ़ावा देना और ऐसी गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना;

iii. उच्च कार्यप्रदर्शन एवं कार्यसंपादन वाले निदेशकों, प्रशिक्षकों, तकनीकी अधिकारियों, खेल वैज्ञानिकों, खेल चिकित्सा विशेषज्ञों, मालिश करने वालों, फिजियोथेरेपिस्ट, प्रोफेसरों, विद्वानों जैसे प्रतिष्ठित/योग्य विदेशी विशेषज्ञों को व्याख्यान, कोचिंग, परामर्श, विनिमय, प्रशिक्षण, संवाद, सलाह आदि के लिए भारत में आमंत्रित करना;

iv. अर्हक एवं विशेषक परीक्षाओं में बैठने के लिए मैच अधिकारियों को सहायता प्रदान करनाय प्रशिक्षण/पाठ्यक्रमों के लिए मैच अधिकारियों, कोचों और अन्य सहायक कर्मियों को सहयोग और सहायता प्रदान करना जो उन्हें भारत या विदेश में विशेषज्ञता एवं योग्यता के अपने प्रासंगिक क्षेत्रों में उनकी पेशेवर कार्यक्षमता में सुधार करने में मदद करते हैं;

v. खेलकूदों और खेलों से संबंधित अनुसंधान एवं शोध परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना और भारतीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विशेष शोध एवं अनुसंधान परियोजनाओं को चालू करना;

vi. खेलकूदों और खेलों के लिए सीधे प्रासंगिक उच्च गुणवत्ता वाले कार्यों के प्रकाशनार्थ वित्तीय सहायता प्रदान करनाय आम जनता के लिए खेलकूदों और स्पोटस पर लोकप्रिय साहित्य का प्रकाशन/प्रायोजन करना; तथा

vii. सामुदायिक प्रशिक्षकों और आम जनता के बीच विभिन्न भाषाओं में खेल के ज्ञान और तकनीकों के व्यापक प्रसार के लिए ऑनलाइन शिक्षण संसाधन विकसित करना।

मौजूदा और प्रस्तावित फंडिंग पैटर्न (सारणीबद्ध रूप में) औचित्य के साथ।

व्यक्तिगत आवेदक, साई, नाडा, एलएनआईपीई, एनएसएफ, विश्वविद्यालयों आदि से प्रस्ताव प्राप्त करना।

↓

योजना के मानदंडों के अनुसार प्रस्तावों की जांच करना

↓

योजना के मानदंडों के तहत सचिव (खेल) की अध्यक्षता में एचआरडीएस की नामित–सह–विशेषज्ञ समिति की बैठक में प्रस्तावों को रखने के रूप में प्रस्तावों की जांच करना।

↓

निर्णय

→ अगर स्वीकृत

↓

सचिव (खेल) के प्रशासनिक अनुमोदन और आईएफडी, एमवाईएएस से धनराशियों की सहमति और नोटिंग के लिए प्रस्ताव भेजे गए हैं

↓

आरटीजीएस के माध्यम से आवेदकों को पहली किस्त (75: तक) जारी करना

↓

उपयोगिता प्रमाण पत्र, बिल/वाउचर और कोई अन्य सहायक दस्तावेज प्राप्त करना

↓

आवेदक/एजेंसियों द्वारा जमा किए गए दस्तावेज की जांच करना, सचिव (खेल) के प्रशासनिक अनुमोदन के लिए फाइल पर रखना और शेष धनराशि जारी करने के लिए आईएफडी, एमवाईएएस से धनराशियों की सहमति और नोटिंग करना

→ आरटीजीएस के माध्यम से आवेदक/एजेंसियों को प्रतिपूर्ति के आधार पर दूसरी और अंतिम किस्त जारी करना, यदि कोई हो या खातों के निपटान हेतु

→ अगर स्वीकृत

↓

एचआरडीएस की नामित–सह–विशेषज्ञ समिति द्वारा लिए गए निर्णय के बारे में आवेदकों को सूचित करना

5. लक्ष्य समूहः–

संबंधित खेल विषयों में खिलाड़ियों की उत्कृष्टता के लिए कोच, मैच अधिकारी और सहायक कर्मचारी (यानी जज, अंपायर और रेफरी आदि) आवश्यक होते हैं। अतः इस लक्षित समूह के लिए प्रशिक्षण/अर्हता परीक्षा में बैठने के लिए विदेश में पर्याप्त प्रावधान किया गया है। विशेष अध्ययन के छात्र और खेल और खेल से संबंधित विशिष्ट विषयों में स्नातकोत्तर छात्र भी इस योजना में लक्षित समूह होते हैं।

6. पिछले पांच वर्षों के लिए बजट प्रावधानः

(करोड़ रुपये में)

वर्ष	बीई	आरई	वास्तविक
2017.18	10.00	10.00	6.03
2018.19	5.00	5.00	4.83
2019.20	5.00	5.00	4.75
2020.21	5.00	1.00	0.45
2021.22	3.80	2	.

5. नेशनल स्पोट डेवेलपमेंट फंड (एनएसडीएफ):

राष्ट्रीय खेल विकास कोष (एनएसडीएफ) तकनीकी वैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक समर्थन के साथ अंतरराष्ट्रीय ख्याति के कोचों के तहत प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करके और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए अनुभव प्राप्त करने के लिए क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतू व्यक्तियों का समर्थन करता है। टारगेट आलंपिक पोडियम स्कीम (टीओपीएस) में शामिल एथलीटों की फंडिंग भी एनएसडीएफ से की जाती है। एनएसडीएफ से भी खेल बुनियादी ढांचे के निर्माण/विकास/उन्नयन के लिए फंड जारी किया जाता है। एनएसडीएफ में योगदान के लिए सार्वजनिक और निजी और व्यक्तिगत दोनों कॉर्पोरेट संस्थाओं को प्रोत्साहित करने के लिए, राष्ट्रीय खेल विकास कोष (एनएसडीएफ) में सभी योगदानों पर आयकर से 100 प्रतिशत की छूट उपलब्ध है। एनएसडीएफ में योगदानकर्ता विशिष्ट उद्देश्य के लिए धन आवंटित करने के लिए स्वतंत्र रहते हैं, अर्थात् वे उस परियोजना को इंगित कर सकते हैं जिस पर वे अपने योगदान का उपयोग सामान्य नीति दिशानिर्देशों के अधीन करना चाहते हैं।

विभिन्न संस्थाओं और व्यक्तियों द्वारा राष्ट्रीय खेल विकास कोष में 170.32 करोड़ रुपये का योगदान दिया गया है। केंद्र सरकार ने एनएसडीएफ को इसके समान और अनुकूल हिस्से के रूप में 164.15 करोड़ रुपये का योगदान दिया है। वर्तमान में एनएसडीएफ का कोष 100. 86 करोड़ रुपये है।

6. टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स):

टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप) का मुख्य उददेश्य राष्ट्रीय खेल विकास कोष (एनएसडीएफ) से वित्त पोषण के साथ ओलंपिक 2021 के लिए संभावित पदक क्षमताओं की पहचान करना, देख–रेख करना और उन्हें तैयार करना है। इस योजना के तहत चयनित खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, प्रतियोगिताओं में भाग लेने, खेल–उपस्करों की खरीद, सहायक व्यक्तियों की सेवाओं का लाभ उठाने आदि के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इसके अलावा, 50,000/– रुपये प्रति माह की दर से 'आउट ऑफ पॉकेट भत्ता' दिया जाता है। कोर ग्रुप में चयनित एथलीटों को और 25,000/–रुपये प्रति माह की दर से आकस्मिक और विविध खर्चों को पूरा करने के लिए दिया जाता है।

अब तक, कोर ग्रुप में 162 एथलीट और डेवलपमेंट ग्रुप में 254 जूनियर एथलीटों को टॉप्स में चुना गया है। (21.12.2021 की तारीखे तक)।

7. राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय, मणिपुरः

1. प्रस्तावनाः

वर्ष 2017 में राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय (एनएसयू) की स्थापना मणिपुर सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1989 के तहत की गई थी। वर्ष 2018 में इसने खुमान लम्पक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, इंफाल में एक अस्थायी परिसर में दो पाठ्यक्रमों के स्नातक कार्यक्रमों के साथ काम करना शुरू किया, जिसमें बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स और बैचलर ऑफ साइंस इन स्पोर्ट कोचिंग शामिल थे। 17 अगस्त, 2018 को एनएसयू संसद के एक अधिनियम द्वारा अधिनियमित किया गया है। मणिपुर स्थित यह विश्वविद्यालय भारत में अपनी तरह का पहला विश्वविद्यालय है। विश्वविद्यालय ने चार साल सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं।

उद्देश्यः

विश्वविद्यालय के उद्देश्य इस प्रकार हैं:–

- शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान के क्षेत्र में उन्नत

अध्ययन संस्थान के रूप में विकसित होना।

- शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष रूप से तैयार और डिजाइन किए गए शैक्षणिक और प्रशिक्षण कार्यक्रम और खेल की उन्नत प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षण प्रदान करके शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान में अनुसंधान और विकास और ज्ञान का प्रसार करना।
- पारंपरिक और जनजातीय खेलों और खेलों सहित खेलों को बढ़ावा देने के लिए शारीरिक शिक्षा और खेल प्रशिक्षण कार्यक्रमों को मजबूत करना।
- शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान, खेल प्रौद्योगिकी और सभी खेलकूदों और खेलों के लिए उच्च प्रदर्शन प्रशिक्षण के क्षेत्र में अत्याधुनिक शैक्षिक प्रशिक्षण और अनुसंधान कार्य करने के लिए उत्कृ ष्टता केंद्र और संस्थान स्थापित करना।
- शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान के क्षेत्र में अन्य संस्थानों को पेशेवर और शैक्षणिक नेतृत्व प्रदान करना।
- शारीरिक शिक्षा, खेल विज्ञान, खेल चिकित्सा, खेल प्रौद्योगिकी और अन्य संबंधित क्षेत्रों में व्यावसायिक मार्गदर्शन और नियुक्ति सेवाएं प्रदान करना।
- शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान, खेल प्रौद्योगिकी और सभी खेलकूदों और खेल गतिविधियों के लिए उच्च प्रदर्शन प्रशिक्षण के क्षेत्र में विभिन्न स्तरों पर ज्ञान, कौशल और क्षमता के विकास के लिए संभावनाएं पैदा करना।
- शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान, खेल प्रौद्योगिकी और सभी खेलकदों और खेल गतिविधियों के लिए उच्च प्रदर्शन प्रशिक्षण से संबंधित क्षेत्रों में शिक्षा, प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर का बुनियादी अवसंरचना हेतू संभावनाएं पैदा करना।
- सभी खेलों और खेलों के लिए शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान, खेल प्रौद्योगिकी और उच्च कार्यप्रदर्शन प्रशिक्षण के क्षेत्र में उच्च योग्य पेशेवरों को तैयार करना।
- सभी खेलों और खेलों के उत्कृष्ट और अन्य प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए उत्कृष्टता केंद्र के रूप में कार्य करना और शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान में नवाचार, अनुसंधान, समर्थन और प्रचार करना।
- शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान, खेल प्रौद्योगिकी और सभी खेलकूदों और खेल गतिविधियों के लिए उच्च प्रदर्शन प्रशिक्षण के क्षेत्रों में ज्ञान और विकास के लिए एक प्रमुख संसाधन केंद्र के रूप में कार्य करना।
- सभी खेलों और खेलों के लिए शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान, खेल प्रौद्योगिकी और उच्च प्रदर्शन प्रशिक्षण के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और सहायता प्रदान करना।
- शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान, खेल प्रौद्योगिकी और सभी खेलकूदों और खेल गतिविधियों के लिए उच्च प्रदर्शन प्रशिक्षण में शिक्षण, प्रशिक्षण और अनुसंधान कार्यों के उद्देश्य से खेल अकादमियों, स्कूलों, कॉलेजों, खेल और मनोरंजन क्लबों, खेल परिसंघों और अंतर्राष्ट्रीय परिसंघों के साथ घनिष्ठ संबंध स्थापित करना।
- प्रतिभाशाली एथलीटों को प्रशिक्षित करना ताकि उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर के विशिष्ट एथलीटों के रूप में विकसित करने में मदद मिल सके।
- भारत को एक खेल शक्ति बनाना।

2. विश्वविद्यालय प्राधिकरण:

निम्नलिखित शासी निकाय विश्वविद्यालय के अधिकारी हैं:

i. कोर्ट।

ii. कार्यकारी परिषद।

iii. अकादमिक और गतिविधि परिषद।

iv. खेल अध्ययन बोर्ड।

v. वित्त समिति।

कार्यकारी परिषद, अकादमिक एवं गतिविधि परिषद और वित्त समिति का गठन किया गया है।

3. शैक्षणिक गतिविधियां

वर्तमान समय में विश्वविद्यालय में 3 शैक्षणिक विभाग हैं:–

i. खेल कोचिंग विभाग।

ii. शारीरिक शिक्षा विभाग।

iii. अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग

पाठयक्रमों और कार्यक्रमों की पेशकश :

विश्वविद्यालय ने वर्तमान में निम्नलिखित पाठयक्रमों एवं कार्यक्रमों की पेशकश की है:

पाठयक्रम का नाम	डिग्री	समयाविधि	
		वर्ष	सैमिस्टर
मास्टर ऑफ साइंस इन स्पोर्ट कोचिंग	एमएससी (स्पोर्ट कोचिंग)	2	4
मास्टर ऑफ आर्ट इन स्पोर्ट साइकोलॉजी	एमए (स्पोर्ट साइकोलॉजी)	2	4
मास्टर ऑफ फिजीकल एजूकेशन एंड स्पोर्ट	एम.पी.ई.एस.	2	4
बैचलर ऑफ साइंस इन स्पोर्ट कोचिंग	बीएससी (स्पोर्ट कोचिंग)	4	8
बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स	बी.पी.ई.एस.	3	6

दाखिले:

शैक्षणिक वर्ष 2021–2022 के लिए अखिल भारतीय सामान्य प्रवेश लिखित परीक्षा राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा ऑनलाइन आयोजित की गई थी और राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय (एनएसयू) द्वारा विभिन्न एसएआई केंद्रों पर शारीरिक फिटनेस, खेल प्रवीणता परीक्षा, चिकित्सा परीक्षण और मौखिक परीक्षा आयोजित की गई थी।

छात्र नामांकन:

दिनांक 31 दिसंबर, 2021 को विश्वविद्यालय के नामावली में छात्रों की संख्या 261 दर्ज की गयी है। विवरण का विवरण नीचे दिया गया है:

सेमेस्टर	कोर्स का नाम	पुरुष	महिला	योग	कुल योग
सेमेस्टर–VIII	बीएससी (स्पोर्ट कोचिंग)	27	08	35	35
सेमेस्टर–VI	बी.पी.ई.एस.	32	09	41	77
	बी एससी (स्पोर्ट कोचिंग)	30	06	36	
सेमेस्टर–IV	बी.पी.ई.एस.	20	08	28	53
	बी एससी (स्पोर्ट कोचिंग)	11	03	14	
	एमए स्पोर्ट साइकॉलोजी	04	04	08	
	एमएससी (स्पोर्ट कोचिंग)	02	01	03	
सेमेस्टर–I	बी.पी.ई.एस.	44	09	53	96
	बी एससी (स्पोर्ट कोचिंग)	17	06	23	
	एमए स्पोर्ट साइकॉलोजी	01	02	03	
	एम.पी.ई.एस.	13	04	17	
	कुल	201	60	261	261

सभी नामांकित छात्र देश भर से आये हुए हैं।

4. सहायता अनुदान:

विश्वविद्यालय पूरी तरह से भारत सरकार, युवा मामले और खेल मंत्रालय से अनुदान सहायता द्वारा वित्त पोषित है। वर्ष 2021–22 के दौरान बजट अनुमान स्तर पर अनुदान का आवंटन राजस्व मद में 8:00 करोड़ रुपये और पूंजी मद में 43.72 करोड़ रुपये और आरई स्तर पर 5.49 करोड़ रुपये राजस्व मद में है।

5. प्रकाशनः

विश्वविद्यालय के संकाय अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रिकाओं के साथ–साथ सम्मेलन की कार्यवाही में सक्रिय रूप से शोध पत्र प्रकाशित कर रहे हैं। वर्ष 2021–22 के दौरान प्रकाशनों में निम्न प्रकाशन शामिल हैं:

- जर्नलः 8
- पुस्तकें: 2

6. सम्मेलन / सेमिनार / कार्यशालाएँ:

वर्ष 2021–22 के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा सम्मेलनों, सेमिनारों / वेबिनार, कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। ये निम्न हैं:–

- दिनांक 03.07.2021 को टोक्यो ओलंपिक 2020 इंडिया जर्नी एंड एक्पैक्टेशन का आयोजन किया गया।

7. छात्रों की गतिविधियाँ:

छात्र विभिन्न खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेते रहते हैं। ये निम्न हैं:–

- **अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय टूर्नामेंट में भागीदारी:**

खेल	प्रतियोगिता की तिथि	भागीदारी की संख्या
एक्वेटिक्स (पुरुष)	22 से 25 दिसंबर 2021	3
बैडमिंटन (पुरुष)	27 से 31 दिसंबर 2021	6
बैडमिंटन (महिला)	17 से 19 दिसंबर 2021	4
बॉक्सिंग (महिला)	17 से 23 दिसंबर 2021	2
बॉक्सिंग (पुरुष)	25 दिसंबर 2021 से 2 जनवरी 2022	5
फुटबॉल (पुरुष)	24 दिसंबर 2021	20
वॉलीबॉल (महिला)	20 से 22 दिसंबर 2021	8
वॉलीबॉल (पुरुष)	28 दिसंबर 2021 से01 जनवरी 2022	11
भारोत्तोलन (महिला)	27 से 30 दिसंबर 2021	2

- राष्ट्रीय और राज्य टूर्नामेंट में भागीदारी:

आयोजन	प्रतियोगिता की तिथि	संख्या	वेन्यू / स्थान	प्रतियोगिता / टूर्नामेंट का नाम
शूटिंग	18 नवंबर से 10 दिसंबर 2021	6	एनईजेडएससी, गुवाहाटी	64वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप
रस्सी लंघन	29–31 दिसंबर 2021	1	नेपाल	साउथ एशिया रोप स्किपिंग चैंपियनशिप 2021
बॉल बैडमिंटन	31 मार्च से 4 अप्रैल 2021	1	जयपुर	पुरुषों और महिलाओं के लिए 66वीं सीनियर नेशनल बॉल बैडमिंटन चैंपियनशिप
बैडमिंटन	30 नवंबर से 5 दिसंबर 2021	1	मणिपुर	65वीं स्टेट ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप
ट्राइथलॉन	5 दिसंबर 2021	1	कालीकट	चौथा कालीकट ट्रायथलॉन
वालीबाल	2 से 6 दिसंबर 2021	10	मणिपुर	वरिष्ठ राज्य मणिपुर

आयोजन	प्रतियोगिता की तिथि	संख्या	वेन्यू/स्थान	प्रतियोगिता/टूर्नामेंट का नाम
थांग ता	27 से 30 मार्च 2021	1	मणिपुर	XXVI राष्ट्रीय तांग–ता चौम्पियनशिप
फुटबॉल	21 से 26 दिसंबर 2021	1	इंफाल मणिपुर	एआईएफएफ डी कोचिंग सर्टिफिकेट
कराटे	नवंबर 2021	1	छत्तीसगढ़	पहली अखिल भारतीय ओपन ई काटा राष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप
शूटिंगबॉल	19–21 मार्च 2021	1	एमपी	39वीं सीनियर नेशनल शूटिंगबॉल चैंपियनशिप
बाड़ लगाना	25 दिसंबर 2021	1	पंजाब	29वीं जूनियर नेशनल फेंसिंग चैंपियनशिप
वालीबाल	5 से 11 मार्च 2021	1	उड़ीसा	69वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप
वुशु	4 से 10 दिसंबर 2021	1	भोपाल एमपी	30वीं सीनियर नेशनल वुशु चैंपियनशिप
फुटबॉल	22 नवंबर से 12 दिसंबर 2021	1	केरल	वरिष्ठ राष्ट्रीय महिला प्रतियोगिता
व्यायाम	3 से 5 दिसंबर 2021	17	मणिपुर	मणिपुर स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप
मुक्केबाजी	30 सितंबर से 3 अक्टूबर 2021	1	पंजाब	5वीं सीनियर पंजाब महिला बॉक्सिंग चैंपियनशिप

महिला वॉलीबॉल टीमः सीनियर स्टेट वॉलीबॉल चैंपियनशिप 2021 में उपविजेता

एम.लुखमी (बीपीईएस–4 सेमेस्टर): जूनियर नेशनल फेंसिंग चैंपियनशिप 2021 में कांस्य पदक

सिद्दर्टे डे (बीपीईएस चतुर्थ सेमेस्टर): दक्षिण एशियाई रस्सी स्किपिंग चैंपियनशिप 2021, नेपाल में दो स्वर्ण पदक।

जियो जे (बीपीईएस वी सेमेस्टर): चौथी कालीकट ट्रायथलॉन 2021 में विजेता

- छात्रों ने विश्वविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, योग दिवस, ओलंपिक दिवस, हिंदी दिवस, राष्ट्रीय खेल दिवस, निबंध प्रतियोगिता, वाद–विवाद प्रतियोगिता, संविधान दिवस, ओणम, दुर्गा पूजा, दिवाली जैसे विभिन्न सांस्कृतिक, उत्सव, लोहड़ी आदि और अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमों आर्र समारोह का जश्न मनाया।

8. बुनियादी और मूलभूत सुविधाएं:

अस्थायी परिसर:

वर्तमान समय में विश्वविद्यालय खुमान लम्पक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, इंफाल में अपने अस्थायी परिसर से कार्य कर रहा है। यह अपनी स्थापना के बाद से सह–शैक्षिक और पूरी तरह से आवासीय इकाई है। मणिपुर सरकार ने इंफाल के खुमान लम्पक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में जगह उपलब्ध कराई है। इस परिसर में तीन छात्रावास भवन मौजूद हैं, लड़कों के लिए दो छात्रावास, प्रत्येक छात्रावास में 50 कमरे हैं, लड़कियों के लिए एक छात्रावास जिसमें 35 कमरे हैं, परिसर में शैक्षणिक और प्रशासनिक ब्लॉक भवन शामिल किये गये हैं।

इनके अलावा, खेल गतिविधियों और कक्षाओं के लिए खुमान लम्पक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की विभिन्न अन्य अच्छी तरह से सुसज्जित सुविधाओं का भी उपयोग किया जाता है।

नया परिसर:

एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड को एमवायएएस और एनबीसीसी के बीच दिनांक 25 सितंबर 2019 के समझौता ज्ञापन के माध्यम से राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए परियोजना प्रबंधन सलाहकार (पीएमसी) के रूप में नियुक्त किया गया है। एनबीसीसी (इंडिया) ने एनएसयू की लेआउट योजना तैयार करने के लिए खेल बुनियादी अवसंरचना परियोजनाओं को तैयार एवं डिजाइन करने में एक अनुभवी आर्किटेक्चरल फर्म मेसर्स आर्कोप एसोसिएट्स को नियुक्त किया।

वित्त मंत्रालय ने 3 साल की अवधि में कुल 906.47 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय पर राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए सार्वजनिक निवेश बोर्ड (पीआईबी) की सिफारिशों को मंजूरी दे दी है। परिसर की निर्माण लागत को कम करने के लिए युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा वांछित के रूप में, एनबीसीसी ने संशोधित पीएआर लागत और मास्टर प्लान प्रस्तुत किया।

युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा अनुमोदित परियोजना की संशोधित कुल लागत 643.34 रूपए है। परियोजना को वास्तविक निर्माण शुरू होने के 30 महीने के भीतर पूरा किया जाना है।

विश्वविद्यालय के नए परिसर का निर्माण राज्य सरकार द्वारा प्रदान की गई 325.90 एकड़ भूमि पर शुरू हो गया है, जो इंफाल शहर से लगभग 20 किमी दूर इंफाल पश्चिम जिले के कौट्रुक–सेनजाम खुनौ गांव के पास एक तलहटी पर स्थित है।

साइट विकास, रिटेनिंग वॉल, साइट कार्यालय, मिट्टी परीक्षण आदि का काम निवेश पूर्व गतिविधियों के हिस्से के रूप में पूरा कर लिया गया है। एनबीसीसी, परियोजना प्रबंधन सलाहकार ने नए परिसर के संशोधित लेआउट को अंतिम रूप दे दिया है। सुरक्षा कर्मियों के लिए भूमि विकास, रिटेनिंग वॉल और अस्थाई बैरक के निर्माण का कार्य पूरा कर लिया गया है। छात्रावासों का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

नए परिसर का निर्माण जारी

अध्याय — 18

खिलाड़ियों को प्रोत्साहन से संबंधित योजनाएं

युवा मामले और खेल मंत्रालय खेलों में शामिल होने हेतू खिलाड़ियों को बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न योजनाएं लागू करता है:

1. **प्रमुख ध्यानचंद रत्न पुरस्कार** (पूर्व राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार) वर्ष 1991–92 में शुरू किया गया था। इस योजना के तहत, किसी एक खिलाड़ी को 25 लाख रुपये के नकद राशि पुरस्कार के साथ एक पदक दिया जाता है। यह उस खिलाड़ी को पुरस्कार दिए जाने वाले वर्ष से ठीक पहले के चार वर्षों की अवधि में खेल के क्षेत्र में उसके शानदार और सबसे उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया जाता है। आम तौर पर हर साल केवल एक पुरस्कार दिया जाता है। योजना की शुरुआत से अब तक 43 खिलाड़ियों को यह पुरस्कार दिया जा चुका है।

वर्ष 2021 के दौरान निम्नलिखित 12 खिलाड़ियों को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया है:

क्र. सं.	खिलाड़ी का नाम	खेल विधा
1.	नीरज चोपड़ा	व्यायाम
2.	रवि कुमार	कुश्ती
3.	लवलीना बोर्गोहैन	मुक्केबाजी
4.	श्रीजेश पी.आर	हॉकी
5.	अवनि लेखरा	पैरा शूटिंग
6.	सुमित एंटिलो	पैरा एथलेटिक्स
7.	प्रमोद भगत	पैरा बैडमिंटन
8.	कृष्णा नगर	पैरा बैडमिंटन
9.	मनीष नरवाल	पैरा शूटिंग
10.	मिताली राज	क्रिकेट
11.	सुनील छेत्री	फुटबॉल
12.	मनप्रीत सिंह	हॉकी

2. **अर्जुन पुरस्कार** यह पुरस्कार वर्ष 1961 में स्थापित किया गया था और यह उन खिलाड़ियों को दिया जाता है जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पिछले चार वर्षों से लगातार अच्छा कार्यप्रदर्शन किया है और खेल में नेतृत्व, खेल और अनुशासन की भावना दिखाई है। पुरस्कार विजेताओं को एक प्रतिमा, सम्मान पत्र, औपचारिक पोशाक और 15.00 लाख रुपये की पुरस्कार राशि दी जाती है। आम तौर पर, प्रत्येक वर्ष अधिकतम 15 पुरस्कार दिए जा सकते हैं। विभिन्न खेल विधाओं के 932 उत्कृष्ट खिलाड़ियों को अब तक अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

वर्ष 2021 के लिए निम्नलिखित 35 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया है:

क्र. सं.	खिलाड़ी का नाम	खेल विधा
1.	अरपिंदर सिंह	व्यायाम
2.	सिमरनजीत कौर	मुक्केबाजी
3.	शिखर धवन	क्रिकेट
4.	भवानी देवी चडलवादा आनंद सुंदररमन	बाड़ लगाना
5.	मोनिका	हॉकी
6.	वंदना कटारिया	हॉकी
7.	संदीप नरवाल	कबड्डी
8.	हिमानी उत्तम पराबी	मलखंब
9.	अभिषेक वर्मा	शूटिंग
10.	अंकिता रैना	टेनिस
11.	दीपक पुनिया	कुश्ती
12.	दलप्रीत सिंह	हॉकी
13.	हरमन प्रीत सिंह	हॉकी
14.	रुपिंदर पाल सिंह	हॉकी
15.	सुरेंद्र कुमार	हॉकी
16.	अमित रोहिदास	हॉकी
17.	बीरेंद्र लकड़ा	हॉकी
18.	सुमित	हॉकी

19.	नीलकांत शर्मा	हॉकी
20.	हार्दिक सिंह	हॉकी
21.	विवेक सागर प्रसाद	हॉकी
22.	गुरजंत सिंह	हॉकी
23.	मनदीप सिंह	हॉकी
24.	शमशेर सिंह	हॉकी
25.	ललित कुमार उपाध्याय	हॉकी
26.	वरुण कुमार	हॉकी
27.	सिमरनजीत सिंह	हॉकी
28.	योगेश कथुनिया	पैरा एथलेटिक्स
29.	निषाद कुमार	पैरा एथलेटिक्स
30.	प्रवीण कुमार	पैरा एथलेटिक्स
31.	सुहास यतिराजी	पैरा बैडमिंटन
32.	सिंहराज अधाना	पैरा शूटिंग
33.	भावना पटेल	पैरा टेबल टेनिस
34.	हरविंदर सिंह	पैरा तीरंदाजी
35.	शरद कुमार	पैरा एथलेटिक्स

3. **द्रोणाचार्य पुरस्कार** यह पुरस्कार वर्ष 1985 में स्थापित किया गया था। यह पुरस्कार उन प्रख्यात कोचों को सम्मानित करता है जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करने में राष्ट्रीय एथलीटों और टीमों की सहायता की है। पुरस्कार विजेताओं को एक प्रतिमा, प्रमाण पत्र, औपचारिक पोशाक और 15.00 लाख रुपये (आजीवन श्रेणी) और 10.00 लाख (नियमित श्रेणी) रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाता है। आम तौर पर, प्रत्येक वर्ष अधिकतम 5 पुरस्कार दिए जा सकते हैं। इसकी स्थापना से लेकर अब तक 137 प्रशिक्षकों को यह पुरस्कार दिया जा चुका है।

वर्ष 2021 के लिए निम्नलिखित 10 कोचों को द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया है:

क्र. सं.	खिलाड़ी का नाम	खेल विधा
1.	टी. पी. औसेफी	व्यायाम
2.	सरकार तलवार	क्रिकेट
3.	सरपाल सिंह	हॉकी
4.	आशान कुमार	कबड्डी
5.	डॉ तपन कुमार पाणिग्रही	तैराकी
6.	राधाकृष्णन नायर पु	व्यायाम
7.	संध्या गुरुंग	मुक्केबाजी
8.	प्रीतम सिवाच	हॉकी
9.	जय प्रकाश नौटियाली	पैरा शूटिंग
10.	सुब्रमण्यम रमन	टेबल टेनिस

4. **खेल और खेलकूदों में जीवन भर की उपलब्धियों के लिए ध्यानचंद पुरस्कार वर्ष 2002** में स्थापित किया गया था। यह पुरस्कार उन खिलाड़ियों को सम्मानित करने के लिए दिया जाता है जिन्होंने अपने कार्यप्रदर्शन से खेल में अपना योगदान दिया है और सक्रिय रूप से सेवानिवृत्ति के बाद भी खेल कैरियर को प्रोत्साहित करने और बढ़ावा देने में अपना सहयोग एवं योगदान देना जारी रखा है। पुरस्कार विजेताओं को एक प्रतिमा, एक प्रमाण पत्र, औपचारिक पोशाक और 10.00 लाख रुपये की पुरस्कार राशि दी जाती है। शुरुआत से लेकर अब तक 80 खिलाड़ियों को यह पुरस्कार दिया जा चुका है।

निम्नलिखित 05 खिलाड़ियों को वर्ष 2021 के लिए ध्यानचंद पुरस्कार से सम्मानित किया गया है:

क्र. सं.	खिलाड़ी का नाम	खेल विधा
1.	लेख केसी	मुक्केबाजी
2.	अभिजीत कुंते	शतरंज
3.	दविंदर सिंह गरचा	हॉकी
4.	विकास कुमार	कबड्डी
5.	सज्जन सिंह	कुश्ती

5. **मौलाना अबुल कलाम आजाद (माका) ट्रॉफी** : कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में प्रतिस्पर्धी खेलों को प्रोत्साहित करने और बढ़ावा देने की दृष्टि से, मौलाना अबुल कलाम आजाद (माका) ट्रॉफी 15.00 लाख रुपये के नकद पुरस्कार के साथ इंटर–यूनिवर्टिसी स्पोर्ट टूर्नामेन्ट में प्रथम स्थान पर रहने वाले विश्वविद्यालय को दी जाती है। दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाले विश्वविद्यालयों को 7.5. लाख रुपये और 4.5 लाख रुपये क्रमशः प्रत्येक को नकद पुरस्कार दिया जाता है।

पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ को वर्ष 2020 में भारत के राष्ट्रपति द्वारा वर्ष 2021 के लिए एमएकेए ट्रॉफी प्रदान

की गई।

6. राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कारः खिलाड़ियों और कोचों के अलावा अन्य संस्थाओं द्वारा खेल विकास में किए गए योगदान को मान्यता देने के लिए, सरकार ने 2009 से राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार नामक एक नया पुरस्कार शुरू किया है, जिसमें चार श्रेणियां हैं, अर्थात् सामुदायिक खेल विकास उत्कृष्टता की खेल अकादमियों को बढ़ावा देना, विशिष्ट खिलाड़ियों को समर्थन और खिलाड़ियों को रोजगार देना।

वर्ष 2021 के लिए निम्नलिखित संस्थाओं को राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया गया:

क्र. सं.	श्रेणी	राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार, 2021 के लिए संस्तुत संस्था
1.	नवोदित और युवा प्रतिभा की पहचान और	मानव रचना शैक्षणिक संस्थान पोषण
2.	कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के माध्यम से खेलों को प्रोत्साहन	इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड

7. अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में विजेताओं और उनके प्रशिक्षकों के लिए विशेष पुरस्कार की योजना यह स्कीम वर्ष 1986 में उत्कृष्ट खिलाड़ियों को उच्च उपलब्धियों के लिए प्रोत्साहित करने, बढ़ा देने के साथ–साथ प्रेरित करने और युवा पीढ़ी को खेलों को करियर के रूप में लेने के लिए आकर्षित करने के लिए शुरू की गई थी। मंत्रालय ने 29 जनवरी, 2015 को इस स्कीम में संशोधन किया है, जिसमें पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार की राशि में काफी वृद्धि की गई है और योजना का भेदभावपूर्ण खंड जिसके जिसके तहत पैरा ओलंपिक, विकलांगों के लिए विशेष ओलंपिक चैंपियनशिप जैसे आयोजनों को बंद कर दिया था, इन आयोजनो से बधिर, गूंगा, नेत्रहीन आदि को पदक विजेताओं से दूर कर दिया गया था और इनको संशोधित स्कीम में शामिल किया गया है। दिनांक 20 जून, 2017 को इस योजना में और संशोधन किया गया है जिसके द्वारा नेत्रहीन क्रिकेट विश्व कप की श्रेणी को योजना में शामिल किया गया है।

11 मार्च 2020 को योजनाओं में संशोधन किया गया है जिसके तहत बधिर खेलों में विश्व चौम्पियनशिप/विश्व कप में पदक विजेताओं को नकद पुरस्कार के लिए शामिल किया गया है। 2 साल में हुए साउथ एशियन गेम्स को भी कैश अवॉर्ड के लिए शामिल किया गया है. इसके अलावा, नकद पुरस्कार के उद्देश्य से बिलियर्ड्स और स्नूकर अनुशासन में विशिष्ट घटनाओं को अद्यतन किया गया है। नकद पुरस्कार के लिए खिलाड़ियों के आवेदन को अग्रेषित करने की प्रक्रिया और खिलाड़ियों को भुगतान प्रक्रिया में भी बदलाव किया गया है। इस योजना के अंतर्गत मान्यता प्राप्त अन्तर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले खिलाडियों और उनके प्रशिक्षकों को नीचे दी गई तालिका के अनुसार विशेष पुरस्कार दिए जाते हैं:

(क) श्रेणी: खुली श्रेणी के खेल

क्र. सं.	आयोजनों का नाम	पुरस्कार राशि की राशि (रुपये में)		
		स्वर्ण पदक	रजत पदक	कांस्य पदक
1.	ओलंपिक खेल (ग्रीष्म और शीतकालीन)	75 लाख	50 लाख	30 लाख
2.	एशियाई खेल	30 लाख	20 लाख	10 लाख
3.	राष्ट्रमंडल खेल	30 लाख	20 लाख	10 लाख
4.	विश्व चैंपियनशिप या विश्व कप (चार साल के चक्र में आयोजित)	40 लाख	25 लाख	15 लाख
5.	विश्व चौम्पियनशिप/विश्व कप (दो साल में एक बार आयोजित)	20 लाख	14 लाख	8 लाख
6.	विश्व चौम्पियनशिप/विश्व कप (वार्षिक रूप से आयोजित)/ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप	10 लाख	7 लाख	4 लाख

क्र. सं.	आयोजनों का नाम	पुरस्कार राशि की राशि (रुपये में)		
		स्वर्ण पदक	रजत पदक	कांस्य पदक
7.	एशियाई चैंपियनशिप (चार साल में एक बार आयोजित)	15 लाख	10 लाख	5 लाख
8.	एशियाई चैंपियनशिप (दो साल में एक बार आयोजित)	7.5 लाख	5 लाख	2.5 लाख
9.	एशियाई चैंपियनशिप (सालाना आयोजित)	3.75 लाख	2.5 लाख	1.25 लाख
10.	एशियाई चैंपियनशिप (चार साल में एक बार आयोजित)	15 लाख	10 लाख	5 लाख
11.	राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप (दो साल में एक बार आयोजित)	7.5 लाख	5 लाख	2.5 लाख
12.	राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप (सालाना आयोजित)	3.75 लाख	2.5 लाख	1.25 लाख
13.	विश्व विश्वविद्यालय खेल	3.75 लाख	2.5 लाख	1.25 लाख

(ख) श्रेणी: पैरा–स्पोर्ट्स

क्र. सं.	आयोजनों का नाम	पुरस्कार राशि की राशि (रुपये में)		
		स्वर्ण पदक	रजत पदक	कांस्य पदक
1.	पैरालंपिक खेल (गर्मी और सर्दी)	75 लाख	50 लाख	30 लाख
2.	पैरा एशियाई खेल	30 लाख	20 लाख	10 लाख
3.	राष्ट्रमंडल खेल (पैरा एथलीट)	30 लाख	20 लाख	10 लाख
4.	आईपीसी विश्व कप/चैंपियनशिप (द्विवार्षिक रूप से आयोजित)	20 लाख	14 लाख	8 लाख
5.	आईपीसी विश्व कप/चैंपियनशिप (सालाना आयोजित) #	10 लाख	7 लाख	4 लाख

ऐसे आयोजन जो अंतर्राष्ट्रीय पैरालंपिक समिति (आईपीसी) के हिस्से के रूप में आयोजित नहीं होते हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय खेल महासंघ द्वारा आईपीसी के प्राधिकरण के साथ सक्षम खिलाड़ियों के लिए आयोजित किए जाते हैं, वे इस शर्त के अधीन नकद पुरस्कार के लिए पात्र हैं कि खेल विधाओं को पैरालंपिक खेलों में शामिल किया जाना चाहिए।

(ग) श्रेणी: नेत्रहीन खेल

क्र. सं.	आयोजनों का नाम	पुरस्कार राशि की राशि (रुपये में)		
		स्वर्ण पदक	रजत पदक	कांस्य पदक
1.	आईबीएसए विश्व चैंपियनशिप	10 लाख	7 लाख	4 लाख

(घ) श्रेणी: बधिर–खेल

क्र. सं.	आयोजनों का नाम	पुरस्कार राशि की राशि (रुपये में)		
		स्वर्ण पदक	रजत पदक	कांस्य पदक
1.	डीफलंपिक्स	75 लाख	50 लाख	30 लाख
2.	विश्व चैंपियनशिप/विश्व कप (चार साल के चक्र में आयोजित)@	40 लाख	25 लाख	15 लाख
3.	विश्व चैंपियनशिप/विश्व कप (दो साल के चक्र में एक बार आयोजित)@	20 लाख	14 लाख	8 लाख
4.	विश्व चौम्पियनशिप/विश्व कप (सालाना आयोजित)@	10 लाख	7 लाख	4 लाख

@यह आयोजन केवल उन्हीं खेल विधाओं की योग्यता के पात्र है जो डेफलिंपिक खेलों में शामिल हैं।

(ङ) श्रेणी: – विशेष ओलंपिक खेल

क्र. सं.	आयोजनों का नाम	पुरस्कार राशि की राशि (रुपये में)		
		स्वर्ण पदक	रजत पदक	कांस्य पदक
1.	विशेष ओलंपिक (ग्रीष्म/शीतकालीन)	5 लाख	3 लाख	1 लाख

(च) श्रेणी: – नेत्रहीन क्रिकेट विश्व कप

क्र.सं.	आयोजनों का नाम	पुरस्कार राशि की राशि (रुपये में)
1.	नेत्रहीन क्रिकेट विश्व कप (चार साल में आयोजित)	5 लाख

(छ) श्रेणी: दक्षिण एशियाई खेल

क्र.सं.	आयोजनों का नाम	पुरस्कार राशि की राशि (रुपये में)		
1.	दक्षिण एशियाई खेल (दो साल में आयोजित)	स्वर्ण पदक	रजत पदक	कांस्य पदक
		3.00 लाख	2.00 लाख	1.00 लाख

नकद पुरस्कारों की योजना के लिए 2021.22 के दौरान बीई चरण में 38.00 करोड़ रुपये और आरई चरण में 42. 00 करोड़ रुपये का बजटीय आवंटन किया गया है।

8. मेधावी खिलाड़ियों के लिए पेंशन योजनाः

यह योजना वर्ष 1994 में उन खिलाड़ियों के लिए शुरू की गई थी, जो भारतीय नागरिक हैं और जिन्होंने ओलंपिक/पैरालंपिक खेलों, विश्व कप/विश्व चैंपियनशिप, एशियाई खेलों या राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण, रजत या कांस्य पदक जीते हैंय 30 वर्ष की आयु हो चुकी हैय और सक्रिय खेल करियर से सेवानिवृत्त हो चुके हैं, वे लाइफ पेंशन के लिए पात्र हैं। पेंशन की वर्तमान दरें इस प्रकार हैं (07 जून, 2018 से):

क्र. सं.	मेधावी खिलाड़ियों की श्रेणी	पेंशन की दर (रु./प्रति माह)
1	ओलंपिक खेलों/पैरा ओलंपिक खेलों में पदक विजेता	20,000
2	ओलंपिक और एशियाई खेलों में विश्व कप/विश्व चौम्पियनशिप में स्वर्ण पदक विजेता	16,000
3	ओलंपिक और एशियाई खेलों में विश्व कप/विश्व चौम्पियनशिप में रजत और कांस्य पदक विजेता	14,000
4	एशियाई/राष्ट्रमंडल खेलों/पैरा एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता	14,000
5	एशियाई/राष्ट्रमंडल खेलों/पैरा एशियाई खेलों के रजत और कांस्य पदक विजेता	12,000

पेंशन भुगतान भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के माध्यम से किया जाता है, जिसके लिए मंत्रालय एलआईसी को एकमुश्त भुगतान करके व्यक्तिगत पेंशनभोगियों के लिए वार्षिकियाँ (अन्यूइटी) खरीदता है।

2021–22 के दौरान मेधावी खिलाड़ियों को पेंशन की योजना के लिए 15.00 करोड़ रुपये का बजटीय आवंटन किया गया है।

9. पंडित दीनदयाल उपाध्याय नेशनल वेलफेयर फंड फॉर स्पोर्ट्सपर्सन (पीडीयूएनडब्ल्यूएफएस) की स्थापना मार्च, 1982 में अतीत काल के उत्कृष्ट खिलाड़ियों की सहायता के लिए की गई थी, जिन्होंने खेलकूल में देश को गौरवान्वित किया था, लेकिन वे गरीब परिस्थितियों में रह रहे हैं। जुलाई 2009 में इस योजना की समीक्षा की गयी और इसमें संशोधन किया गया। खिलाड़ियों के राष्ट्रीय कल्याण कोष की योजना को मई 2016 में संशोधित किया गया है।

इस योजना के दायरे का भी विस्तार किया गया है ताकि निधि से वित्तीय सहायता के लिए विचार किए जाने के लिए और अधिक खिलाड़ियों को शामिल किया जा सके। इस योजना का नाम 22 सितंबरए 2017 को खिलाड़ियों के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय कल्याण कोष के रूप में बदल दिया गया है। इस योजना की 29 जनवरीए 2019 को फिर से समीक्षा और संशोधन किया गया थाए जिसमें मंत्रालय में समयबद्ध तरीके से प्राप्त आवेदन को संसाधित करने के लिए समय–सीमा को शामिल किया गया था। निधि से सहायता की मात्रा में भी पर्याप्त वृद्धि की गई है। इस योजना की आगे की समीक्षा की गई और 15 मई 2020 को संशोधित किया गया। इस निधि से वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए पात्र होने के लिए वार्षिक आय की राशि को सभी स्रोतों से बढ़ाकर 8 लाख रुपये कर दिया गया है।

संशोधित योजना के तहत खिलाड़ी और खिलाड़ियों के परिवारिक सदस्य निम्नलिखित राशि की वित्तीय सहायता के पात्र होंगे:

(i) गरीब परिस्थितियों में रह रहे किसी भी उत्कृष्ट खिलाड़ी को वित्तीय सहायता, अधिकतम 5.00 रुपए लाख दी जाएेगी। इसके अलावा, 5,000/– रुपये (पांच हजार रुपये) की मासिक पेंशन का प्रावधान किया गया है। किसी खिलाड़ी के अनुरोध की योग्यता को ध्यान में रखते हुए, विशिष्ट अवधि के लिए पर विचार किया जा सकता है।

(ii) वित्तीय सहायता मृतक खिलाड़ियों के परिवारों को अधिकतम 5.00 लाख रुपये की सहायता राशि दी जा सकती है।

(iii) खिलाड़ियों या उनके परिवार के सदस्यों को चिकित्सा उपचार के लिए रु. 10.00 लाख रुपये प्रदान किए जा सकते हैं। यह वित्तीय सहायता 10. 00 लाख रुपये से अधिक नहीं हो सकती है।

(iv) योजना में सूचीबद्ध खेल प्रतियोगिताओं के लिए प्रशिक्षण और भाग लेने के दौरान लगी चोटों के लिए 10.00 लाख प्रदान किए जा सकते हैं, लेकिन इसमें सब जूनियर और जूनियर वर्ग की प्रतियोगिताएं भी शामिल होंगी। यह वित्तीय सहायता 10.00 लाख रुपये से अधिक नहीं हो सकती है।

(v) उन खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, उपकरणों की खरीद और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में भाग लेने के लिए 2.5 लाख रुपये प्रदान किए जा सकते हैं, जिनके माता–पिता गरीब परिस्थितियों में रह रहे हैं। उन खेल विधाओं से संबंधित खिलाड़ी जिनके संघों की या तो मान्यता रद्द कर दी गई है या जिनकी मान्यता सरकार या संघों द्वारा निलंबित कर दी गई है, और जिन्हें अब तक सरकार की मान्यता नहीं मिली है, वे भी इस उद्देश्य के लिए सहायता के पात्र होंगे। यह वित्तीय सहायता 10.00 लाख रुपये से अधिक नहीं हो सकती है।

(vi) वरिष्ठ श्रेणी के खिलाड़ियों और राष्ट्रीय टीमों (वरिष्ठ श्रेणी), और अंपायरों, रेफरी और मैच अधिकारियों, जो मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय चैंपियनशिप (वरिष्ठ श्रेणी) से जुड़े रहे हैं, के लिए राष्ट्रीय कोचिंग शिविरों से जुड़े हुए कोचों और सहायक कर्मियों को वित्तीय सहायता के रूप में 2.00 लाख प्रदान किए जा सकते हैं। और ओलंपिक, एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में शामिल खेल विधाओं में अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट (वरिष्ठ श्रेणी) जो गरीब परिस्थितियों में रह रहे हैं या ऐसे मृतक सहायक कर्मियों के परिवार के सदस्यों के लिए जो गरीब परिस्थितियों में रह रहे हैं।

(vii) खराब परिस्थितियों में रहने वाले कोचों और सहायक कर्मियों को चिकित्सा उपचार के लिए या गरीब परिस्थितियों में रहने वाले ऐसे मृत सहायक कर्मियों के परिवार के सदस्यों को चिकित्सा उपचार के लिए वित्तीय सहायता के रूप में 4.00 लाख प्रदान किए जा सकते हैं।

चालू वित्तीय वर्ष 2021 (31.01.2022 की तारीख तक) के दौरान, पीडीयूएनडब्ल्यूएफएस योजना के तहत एकमुश्त वित्तीय सहायता निम्नलिखित को दी गई:

क्र. सं.	नाम	खेल का नाम	उद्देश्य	राज्य	राशि (रूपये में)
1.	श्री प्रवीण रावण शिंदे	जिम्नास्टिक्स	वित्तीय स्थिति में सुधार	महाराष्ट्र	500000
2.	श्री तनय हर्ष	कराटे	उपकरणों का प्रशिक्षण और खरीद	बिहार	250000
3.	श्री महाराज कृष्ण कौशिक	हॉकी	चिकित्सा उपचार के लिए वित्तीय सहायता	दिल्ली	500000
4.	श्री रविन्द्र पाल सिंह	हॉकी	चिकित्सा उपचार के लिए वित्तीय सहायता	उत्तर प्रदेश	500000
5.	श्री अभिषेक गोगोई	एथलेटिक्स	उपकरणों का प्रशिक्षण और खरीद	असम	250000
6.	सुश्री विकास राणा	स्कीइंग	उपकरणों का प्रशिक्षण और खरीद	हरियाणा	250000
7.	श्री जोसेफ जेम्स	पावर लिफ्टिंग	चिकित्सा उपचार के लिए वित्तीय सहायता	कर्नाटक	250000
8.	सुश्री तेजस्विनी बाई	कबड्डी	उपकरणों का प्रशिक्षण और खरीद	कर्नाटक	200000

क्र. सं.	नाम	खेल का नाम	उद्देश्य	राज्य	राशि (रूपये में)
9.	श्री दीपक कुमार सिंह	पैरा एथलेटिक्स	उपकरणों का प्रशिक्षण और खरीद	बिहार	250000
10.	स्वर्गीय श्री बिटन सिंह	फुटबॉल कोच	कोचों और सहायक कर्मियों को वित्तीय सहायता	मणिपुर	200000
11.	श्री विनोद कुमार	जू जित्सु	उपकरणों का प्रशिक्षण और खरीद	उत्तर प्रदेश	250000
12.	सुश्री कल्याणी अरुण जोशी	वुशु	उपकरणों का प्रशिक्षण और खरीद	पुणे	250000
13.	स्वर्गीय प्रशांत दोरा	फुटबॉल	मृतक खिलाड़ी के परिवार को आर्थिक सहायता	पश्चिम बंगाल	250000
14.	श्री हर्षित अग्रवाल	बैडमिंटन	चिकित्सा उपचार के लिए वित्तीय सहायता	कर्नाटक	242000
15.	श्री. अनय बाई	फुटबॉल	चिकित्सा उपचार के लिए वित्तीय सहायता	हरियाणा	250000
16.	युमनाम लक्ष्मी देवी	फुटबॉल	उपकरणों का प्रशिक्षण और खरीद	मणिपुर	250000
17.	सर्टो लिंडा कोमो	फुटबॉल	उपकरणों का प्रशिक्षण और खरीद	मणिपुर	250000
18.	श्री राहुल प्रजापति	किक बॉक्सिंग	उपकरणों का प्रशिक्षण और खरीद	राजस्थान	250000
19.	सुश्री शेख जाफरीनी	डीफ टेनिस	उपकरणों का प्रशिक्षण और खरीद	आंध्र प्रदेश	250000
20.	श्री हर्षील दानी	बैडमिंटन	चिकित्सा उपचार के लिए वित्तीय सहायता	महाराष्ट्र	513000
21.	सुश्री संगीता कुमारी	फुटबॉल	गरीब स्थिति के लिए वित्तीय सहायता	झारखंड	250000
22.	श्री नजीब आग	जूडो	चिकित्सा उपचार के लिए वित्तीय सहायता	कर्नाटक	97910
23.	श्री सुमित कुमार	फुटबॉल	उपकरणों का प्रशिक्षण और खरीद	दिल्ली	250000
24.	सुश्री मनीषा	फुटबॉल	उपकरणों का प्रशिक्षण और खरीद	पंजाब	250000
25.	सुश्री लिशम बबीना देवी	फुटबॉल	उपकरणों का प्रशिक्षण और खरीद	मणिपुर	200000
26.	श्री दिलबरदीप सिंह संधू	पैरा एथलेटिक्स	चिकित्सा उपचार के लिए वित्तीय सहायता	पंजाब	300000
27.	श्री अनिकेत चिराग पटेल	सॉफ्ट टेनिस	उपकरणों का प्रशिक्षण और खरीद	अहमदाबाद	250000
28.	श्री रक्षित शेट्टी	एथलेटिक्स	वित्तीय स्थिति में सुधार	कर्नाटक	250000
29.	श्री अमित कुमार	पैरा एथलेटिक्स	उपकरणों का प्रशिक्षण और खरीद	पंजाब	250000
30.	श्री अब्दुल सलीम अब्बासी	हॉकी	खिलाड़ियों को चिकित्सा उपचार के लिए वित्तीय सहायता	भोपाल	250000

क्र. सं.	नाम	खेल का नाम	उद्देश्य	राज्य	राशि (रूपये में)
31.	सुश्री गंगा बाई	बैडमिंटन	वित्तीय स्थिति में सुधार	झारखंड	500000
32.	श्री विनायक अमोल नस्ल	कसरत	उपकरणों का प्रशिक्षण और खरीद	मुंबई	250000
33.	श्री मोहितो	पेनकाक्सिलेट	उपकरणों का प्रशिक्षण और खरीद	नई दिल्ली	250000
34.	श्री मोहम्मद रफी	जिम्नास्टिक्स	उपकरणों का प्रशिक्षण और खरीद	उत्तर प्रदेश	250000
35.	सुश्री पल्लवी राजी	वुशु	उपकरणों का प्रशिक्षण और खरीद	बिहार	100000
36.	श्री ए. राज अरविंदन	टेबल टेनिस	उपकरणों का प्रशिक्षण और खरीद	तमिलनाडु	250000
37.	सुश्री सौ नीना राणे	हॉकी	खिलाड़ियों को चिकित्सा उपचार के लिए वित्तीय सहायता	महाराष्ट्र	650000
38.	सुश्री रेखा श्रीकांत नेने	फेंसिंग	चिकित्सा उपचार के लिए प्रशिक्षकों के लिए वित्तीय सहायता	महाराष्ट्र	400000
39.	सुश्री सुमेधा पाठक	शूटिंग	उपकरणों का प्रशिक्षण और खरीद	वाराणसी	250000
40.	सुमति कुमारी	फुटबॉल	उपकरणों का प्रशिक्षण और खरीद	झारखंड	250000
41.	अरविंद कुमार सत्ती	तायक्वोंडो	उपकरणों का प्रशिक्षण और खरीद	जम्मू	200000
	कुल				11602910

अध्याय – 10

राष्ट्रीय डोप–विरोधी एजेन्सी (नाडा)

1. उत्पत्ति

खेलों में डोपिंग के विरूद्ध अंतर्राष्ट्रीय समझौता, युनेस्को की आम सभा में अक्तूबर 2005 में अपनाया गया। भारत ने 07.11.2007 को समझौते पर हस्ताक्षर किए। कोपेनहेगन डोप–रोधी घोषणापत्र और युनेस्को के डोपिंग के विरूद्ध अंतर्राष्ट्रीय समझौता (फरवरी, 2007) के एक हस्ताक्षरकर्ता के तौर पर नाडा ने मार्च 2008 में विश्व डोप–रोधी कोड को स्वीकार किया।

नाडा को खेलों में देश के डोप–रोधी कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अंतर्गत पंजीकृत एक सोसाइटी के रूप में वर्ष 2009 में खेल विभाग, खेल एवं युवा मामले मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त निकाय के तौर पर स्थापित किया गया था। इसका प्रमुख उद्देश्य वाडा कोड के अनुसार डोप–रोधी नियमों को कार्यान्वित करना, डोप नियंत्रण कार्यक्रम का नियमन करना, डोपिंग और उसके दुष्प्रभावों के बारे में डोप–रोधी शिक्षा और जागरूकता का प्रचार करना है।

2. संगठन का ढ़ांचा

माननीय खेल मंत्री नाडा की प्रबंध–परिषद और आम सभा के अध्यक्ष हैं, और सचिव (खेल) नाडा के कार्यकारी बोर्ड के सभापति हैं जिसकी अध्यक्षता एक महानिदेशक द्वारा की जाती है जो कि एजेन्सी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी भी हैं और भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किए जाते हैं। नाडा के मुख्यालय में लिपिकिय, बहु–कार्य और बाहरी एजेन्सी द्वारा नियुक्त किए गए सुरक्षा कार्मिकों के अलावा 7 नियमित अधिकारी और 3 ठेकागत अधिकारी हैं। क्षेत्रीय समन्वयकों को अंशकालिक आधार पर नियुक्त किया गया है और देश के विभिन्न भागों में लगभग 100 डोप नियंत्रण अधिकारियों का नमूना एकत्रिकरण के लिए पैनल बनाया गया है।

3. नाडा के प्रमुख कार्य:

- डोप–रोधी नियमों और नीतियों को अपनाना और कार्यान्वित करना जोकि विश्व डोप–रोधी कोड के अनुरूप हैं।
- देश भर में खिलाड़ियों का डोप नमूना एकत्रिकरण।
- डोप–रोधी नियम के उल्लंघनों के बाद परिणाम प्रबंधन।
- एथलीटों, कोचों और सहायक स्टाफ को शिक्षा और अनुसंधान के माध्यम से डोप–रोधी उपायों के बारे में जागरूकता प्रदान करना।

4. डोप परीक्षण

डोप नमूना एकत्रिकरण, मुख्य तौर पर प्रशिक्षण स्थलों के स्थान पर और देशभर में आयोजित होने वाली खेल स्पर्धाओं के दौरान भी किया जाता है। हाल के वर्षों में, नाडा ने देशभर में आयोजित राष्ट्रीय, राज्य, विश्वविद्यालय और विद्यालय स्तर की प्रतियोगिताओं में डोप परीक्षण आरंभ किया है।

5. परिणाम प्रबंधन

डोप रोधी अनुशासनात्मक पैनल (एडीडीपी)

इस पैनल में 15 सदस्य होते हैं जिसमें पांच बेंच डोप–रोधी नियमों के उल्लंघनों की सुनवाई करती हैं। प्रत्येक बेंच में विधि, चिकित्सा और खेलों के क्षेत्र से एक विशेषज्ञ होता है। नाडा के डोप–रोधी नियमों का उल्लंधन करने के दोषी पाए जाने वाले एथलीटों को पैनल द्वारा निर्धारित तिथि और समय पर पैनल के समक्ष स्वयं को प्रस्तुत करने और सुनवाई पैनल को अपनी सफाई देने का एक अवसर दिया जाता है।

डोप–रोधी अपील पैनल (एडीएपी)

पैनल में छह सदस्य शामिल होते हैं जिसमें दो सभापति सहित दो चिकित्सा विशेषज्ञ और दो प्रख्यात खिलाड़ी होते हैं। पैनल के सदस्य नियमित तौर पर मिलते हैं और अपील के मामलों की सुनवाई करते हैं।

शिक्षा–सह–जागरूकता कार्यक्रम

नाडा नियमित रूप से खेलों में नशे के दुरूपयोग पर शिक्षा/जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करता है, शिक्षण सत्रों/सेमिनारों/कार्यशालाओं के माध्यम से और एथलीटों

पर प्रतियोगिता में और प्रतियोगिता से बाहर डोप परीक्षण आयोजित कर डोपिंग के दुष्प्रभावों पर खिलाड़ियों, कोचों और सहायक कार्मिकों को सूचना का प्रसार करती हैं और शिक्षित करती हैं।

6. प्रमुख उपलब्धियां

1.	विश्व डोप–रोधी कोड, 2021 विश्वभर में 1 जनवरी 2021 से लागू हुआ। सभी हितधारकों द्वारा अनुमोदित और स्वीकार किए अनुसार नाडा ने वाडा कोड 2021 के अनुपालन में अपने डोप–रोधी नियम (एडीआर) 2021 में संशोधन किया है और कार्यान्वित किया है। नाडा 2021 के संशोधित डोप–रोधी नियम 1 जनवरी 2021 से प्रभावी हुए और राष्ट्रीय हितधारकों पर लागू हैं।
2.	कोविड–19 महामारी के दौरान डोप परीक्षण चालू रखने के लिए हितधारकों के साथ परामर्श करके मानक प्रचालन प्रक्रिया (एसओपी) बनाई गई।
3.	महत्वपूर्ण राष्ट्रीय चौम्पियनशिपों के दौरान ओलिम्पिक क्वालिफायरों का डोप परीक्षण आयोजित किया गया।
4.	हितधारकों को अपने संबंधित क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने में व्यापकता से नियोजित करने के लिए नाडा द्वारा बनाए गए क्षेत्रीय समन्वयकों के पैनल की ब्रीफिंग आयोजित की।
5.	कोविड–19 महामारी के दौरान एथलीट/खिलाड़ियों के लिए वर्चुअल तरीके से डोप–रोधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।
6.	कोविड–19 महामारी के दौरान एथलीटों/खिलाड़ियों की सुविधा के लिए डोप–रोधी अनुशासनात्मक पैनल (एडीडीपी)/डोप–रोधी अपील पैनल (एडीएपी) ऑनलाईन सुनवाई आयोजित कर रहे हैं।
7	खेलों में डोप–रोधन पर युनेस्को के दिशानिर्देशों के अनुपालन में खेलों में डोप–रोधन के लिए राष्ट्रीय अनुपालन प्लेटफार्म स्थापित किया गया है जिसमें विभिन्न मंत्रालयों/विभागों से हित धारक शामिल हैं।

अध्याय – 20

राष्ट्रीय डोप–परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल)

राष्ट्रीय डोप–परीक्षण प्रयोगशाला भारत सरकार का एक स्वायत्त निकाय है। यह देश में स्थापित एक अग्रणी विश्लेषणात्मक परीक्षण एवं अनुसंधान संगठन है जिसमें अत्याधुनिक सुविधाएं हैं और घरेलू के साथ–साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तरों, दोनों पर खिलाड़ियों के डोप परीक्षण के लिए अधिदेशाधीन है। यह वाडा द्वारा प्रत्यायित है और यह रसायनिक और जैविक परीक्षण के लिए आईएसओ/आईईसी 17025:2017 के अनुसार राष्ट्रीय परीक्षण एवं अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) द्वारा भी प्रत्यायित है।

2. प्रयोगशाला डोप–रोधन के लिए खिलाड़ियों के नमूनों के विश्लेषण का कार्य करती है। इसके अतिरिक्त, यह वाडा के अंतर्राष्ट्रीय प्रयोगशाला मानकों (आईएसएल) के प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करते हुए डोप विज्ञान के अनुसंधान तथा विकास और नई औषधियों/परीक्षण की विधियों से संबंधित मामलों में हितधारकों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए भी प्रतिबद्ध है। वर्तमान में, यह विश्व में वाडा द्वारा प्रत्यायित तीस (30) प्रयोगशालाओं में से एक है। यह वाडा के दिशानिर्देशों का पालन करती है और आवधिक रूप से वाडा द्वारा मूल्यांकन/समीक्षा के अधीन है।

3. वर्ष 2021–22 के दौरान प्रयोगशाला की निम्नलिखित प्रमुख उपलब्धियां हैं:

- **एनडीटीएल को वाडा प्रत्यायन की बहाली**

  प्रयोगशाला ने 22 दिसम्बर 2021 को वाडा प्रत्यायन पुनरू प्राप्त किया। इसके प्रत्यायन की बहाली अंतर्राष्ट्रीय प्रयोगशाला मानकों (आईएसएल) के नवीनतम रूपांतर के और वाडा तकनीकी दस्तावेज 2021 के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए की गई है। पहले, सितम्बर 2018 में हुए प्रयोगशाला के ऑन–साईट मूल्यांकन के दौरान पाए गए अननुपालन के आधार पर 20 अगस्त 2019 को एनडीटीएल का वाडा द्वारा प्रत्यायन निलंबित कर दिया गया था। वाडा ने जून 2021 में प्रयोगशाला का एक ऑनलाईन दूरस्थ मूल्यांकन आयोजित किया। वाडा के अंतर्राष्ट्रीय प्रयोगशाला मानकों के सफलतापूर्वक अनुपालन के बाद एनडीटीएल ने प्रयोगशाला के लिए पुनः प्रत्यायन प्राप्त किया। इसके साथ, एनडीटीएल की डोप–रोधी परीक्षण और गतिविधियों को 23 दिसम्बर, 2021 से बहाल कर दिया गया है।

- **द्वितीय संदर्भ सामग्री का शुभारंभ**

  प्रयोगशाला ने राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (निपेर), गुवाहाटी के साथ मिलकर द्वितीय संदर्भ सामग्री (आरएम), *नॉरइथाइलमॉरफीन* संश्लेषित की जिसे 7 जुलाई 2021 का आधिकारिक तौर पर शुभारंभ किया गया। यह संदर्भ सामग्री प्रयोगशाला द्वारा अपने सम्मिलित प्रयासों के अधीन एक चरणबद्ध तरीके से संश्लेषित की जाने वाली ऐसी 20 सामग्रियों में से एक है। उक्त आरएम को एनडीटीएल – भारत द्वारा वाडा द्वारा प्रत्यायित सभी प्रयोगशालाओं में भी वितरित किया गया है ताकि उनकी डोप विज्ञान में परीक्षण क्षमताओं के साथ–साथ परीक्षण निष्पादन को मजबूत बनाने में सहायता की जा सके।

इससे पूर्व, प्रथम संदर्भ सामग्री (पी–*हाइड्रॉक्सिल–प्रीनाईलअमाइन*) जिसे 28.01.2021 को वाडा द्वारा प्रत्यायित सभी प्रयोगशालाओं में डोप–रोधी विज्ञान के क्षेत्र में रसायन परीक्षण में उपयोग के लिए एनडीटीएल और निपेर–जी के सम्मिलित प्रयासों द्वारा संयुक्त रूप से संश्लेषित किया गया था। एनडीटीएल ने देश की सदियों से चली आ रही **'वसुधैव कुटुम्बकम'** की परम्परा की सच्ची भावना में और तत्कालीन माननीय खेल मंत्री द्वारा की गई घोषणा के अनुपालन में पहली बार वाडा द्वारा प्रत्यायित डोप परीक्षण प्रयोगशालाओं को इस आरएम की 5 मिलीग्राम मात्रा भी निःशुल्क वितरित की है।

- **एनएबीएल द्वारा गुणता मूल्यांकन के लिए डेस्कटॉप लेखा परीक्षा (ऑडिट)**

  वाडा कोड के अनुपालन के लिए और आईएसओ/आईईसी 17025:2017 के मानक के

अनुसार एक प्रत्यायन प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए आईएसओ/आईईसी डेस्कटॉप ऑडिट अनिवार्य है। प्रयोगशाला के गुणता मूल्यांकन के लिए एक डेस्कटॉप ऑडिट 20 अप्रैल से 3 मई 2021 तक एनएबीएल द्वारा सफलतापूर्वक आयोजित किया गया और परिणाम को संतोषजनक पाया गया।

- **सम्मेलन/प्रशिक्षण/कार्यशालाएं:**

  प्रयोगशाला ने अंतर्राष्ट्रीय डोप विशेषज्ञों की सेवाओं का उपयोग करके अपने वैज्ञानिकों और स्टाफ के लिए 12 अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाईन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं जिन्होंने ड्राइड ब्ल्ड स्पॉट (डीबीएस) जांच, स्टीरॉयड प्रोफाइलिंग, विशाल पेप्टाइड्स, आईआरएमएस तकनीकी डाटा, जीसी–एमएस/एमएसः मूल सिद्धांत, डाटा का प्रचालन एवं प्रतिपादन, बेहतर प्रयोगशाला अभ्यास (जीएलपी), गुणता प्रबंधन प्रणाली आदि के कार्यान्वयन के लिए सर्वाधिक उन्नत विश्लेषणात्मक तकनीकों पर प्रशिक्षण प्रदान किया। इसी प्रकार, प्रयोगशाला ने डोप विश्लेषण के विभिन्न क्षेत्रों में कौशल और जानकारी प्रदान करने के लिए 7 आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।

इसके अलावा, एनडीटीएल ने भारतीय भौतिक शिक्षा संस्था (पीईएफआई) के सहयोग से 28 जनवरी, 2021 को "डोप–रोधी विज्ञानः चुनौतियां तथा भविष्य के परिदृश्य" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। लगभग 250 प्रतिभागियों जिसमें एथलीट, कोच, परिसंघ के अधिकारी, विश्वविद्यालय के विद्यार्थी शामिल थे, ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

- **राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ वैज्ञानिक सहयोग/समझौताः**

  निपेर, गुवाहाटी के अलावा एनडीटीएल ने संदर्भ मानकों के संश्लेषण और डोप परीक्षण के लिए निर्दिष्ट मेटाबोलाइट्स तथा दीर्घावधि मेटाबोलाइट्स संदर्भ सामग्रियों के लिए वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) – भारतीय एकीकृत औषधी संस्थान (आईआईआईएम) जम्मू के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षण किए हैं। इसने कुछ वाडा प्रयोगशालाओं, जैसे कि कोलोन प्रयोगशाला और टोक्यो प्रयोगशाला के साथ मिलकर डोप विज्ञान के उन्नत क्षेत्रों में अनुसंधान करने का जिम्मा लिया है।

- प्रयोगशाला ने डोप विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्रों में एआईआईएमएस और आईआईटी से सहयोग लेने के लिए भी पहल आरंभ कर दी है।

- **प्रबंध परिषद और अन्य नीति–निर्माता निकायों की बैठकें:**

  अवधि के दौरान प्रयोगशाला ने अपनी विभिन्न बैठकें समय पर आयोजित की हैं जैसे कि वित्त समिति, प्रबंध परिषद, आम सभा, वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड (एसएबी), भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद का विशेषज्ञ समूह (आईसीएमआर), नीतिशास्त्र समिति, आंतरिक अनुसंधान समीक्षा समिति (आईआरआरसी), सहयोगियों के साथ परियोजना प्रगति समीक्षा बैठकें, प्रबंधन समीक्षा समूह (एमआरजी) बैठकें आदि।

- **ईक्यूएएस में सहभागिता**

  जनवरी 2021 से दिसम्बर 2021 तक की अवधि के दौरान प्रयोगशाला ने वाडा ईक्यूएएस, विशिष्ट वाडा ईक्यूएएस और सीएससीक्यू में भाग लिया।

- **चालू अनुसंधान परियोजनाएं**

  प्रयोगशाला ने हाल ही में डोप विज्ञान के विभिन्न पहलुओं पर 9 अनुसंधान परियोजनाओं का जिम्मा लिया है।

- **आधारभूत ढ़ांचे को मजबूत बनाना**

  वर्ष 2021–22 में प्रयोगशाला ने अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों में सहायता करने, वाडा की आवश्यकताओं के अनुसार सभी प्रतिबंधित वस्तुओं के लिए मौजूदा विश्लेषणात्मक पद्धतियों और पद्धति पुनरू विधिमान्यकरण की उन्नति के लिए अपने आधारभूत ढ़ांचे को मजबूत बनाने के लिए अनेक पहले की हैं। इस अवधि के दौरान प्रयोगशाला द्वारा की गई कुछ प्रमुख पहलें निम्नलिखित हैं:–

➢ प्रयोगशाला के सिविल ढ़ांचे में सुधार करना जिसमें प्रयोगशाला में सदियों पुरानी वीआरवी/वीआरएफ/एचवीएसी प्रणाली को बदलना शामिल है,

➢ 24 x 7 x 365 दिन के लिए एक समर्पित अबाधित पावर–बैक की स्थापना,

➢ प्रयोगशाला की सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए बाड़ लगाना, वाडा आईएसएल आदि के अनुपालन में समर्पित सुरक्षा की स्थापना करना।

अध्याय – 21

2021–22 के दौरान प्रमुख पहलें और उपलब्धियां

फिट इंडिया

फिटनेस को हमारे दैनिक जीवन का एक अभिन्न अंग बनाने के उद्देश्य से माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 29 अगस्त 2019 को फिट इंडिया अभियान प्रारंभ किया गया। प्रधानमंत्री ने सरल जीवनशैली बदलावों के बारे में राष्ट्र से एक अपील की जो कि हमारे नागरिकों की एक स्वस्थ भारत की ओर बढ़ने में सहायता कर सकती है। लांच कार्यक्रम के दौरान प्रतिष्ठित व्यक्ति, खिलाड़ी और फिटनेस की ओर प्रभावित करने वाले व्यक्ति मिलकर आगे आए और फिट रहने तथा "हम फिट तो इंडिया फिट" के स्वप्न की ओर योगदान देने के लिए मिलकर शपथ ली।

2. अभियान का मिशन व्यावहारिक बदलाव लाना और शारीरिक रूप से अधिक सक्रिय जीवनशैली की ओर बढ़ना है। इस मिशन को प्राप्त करने की दिशा में, फिट इंडिया में विभिन्न कदम उठाने और निम्नलिखित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए कार्यक्रम आयोजित करने का प्रस्ताव है;

क. फिटनेस का सरल, आनंदमय और निशुल्क के तौर पर प्रचार करना;

ख. फिटनेस और विभिन्न शारीरिक गतिविधियों पर जागरूकता फैलाना, जो कि केन्द्रित अभियानों के माध्यम से फिटनेस का प्रचार करते हैं;

ग. स्वदेशी खेलों को प्रोत्साहित करना;

घ. फिटनेस को प्रत्येक स्कूल, कॉलेज/विश्वविद्यालय, पंचायत/गांव, आदि तक पहुंचाना;

ङ. सूचना का आदान प्रदान करने, जागरूकता फैलाने और वैयक्तिक फिटनेस कहानियों के आदान–प्रदान को प्रोत्साहित करने के लिए भारत के नागरिकों के लिए एक प्लेटफार्म बनाना;

च. अभियान के सम्पूर्ण दृष्टिकोण के प्रचार के लिए नीति समाभिरूपता प्राप्त करना।

3. प्रारंभ होने के समय से फिट इंडिया मिशन फिटनेस के बारे में सक्रिय रूप से जागरूकता फैला रहा है जिसमें सरल शारीरिक गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया है जोकि हमेशा से हमारी भारतीय संस्कृति का एक अभिन्न अंग रहा है ताकि हम सम्मिलित रूप से सक्रिय जीवनशैली की ओर वापस जाएं जो हमारे पास हमेशा से ही है।

4. फिट इंडिया अभियान अनेक केन्द्रीय मंत्रालयों के साथ गहराई से कार्य कर रहा है और समाभिरूपता के क्षेत्रों की पहचान की है और लगभग 8–10 मंत्रालयों/विभागों के साथ कार्य योजनाएं बनाई हैं।

5. 01.04.2021 से 31.12.2021 की अवधि के दौरान फिट इंडिया अभियान के तत्वावधान में अनेक पहलों और गतिविधियों का जिम्मा लिया गया है जो नीचे दिए गए हैं:

लॉकडाऊन के दौरान गतिविधियां:–

क. परिवारों और बच्चों के लिए एक विशेष डिजिटल फिटनेस श्रृंखला घरेलू श्रृंखला से फिट इंडिया फिटनेस का 3 मई से 12 जून 2021 तक सोशल मीडिया (https:www.youtube.com/c/FitIndiaMovement2019/playlists) पर ऑनलाईन प्रसारण किया जिसमें फिटनेस, नृत्य, योग आदि पर 40 से अधिक सत्र थे;

ख. भारत के स्वदेशी खेलों के प्रचार के प्रोत्साहन में हमारे स्वदेशी खेलों के माध्यम से फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए "एक भारत श्रेष्ठ भारत" के बैनर तले फिट इंडिया द्वारा एक श्रृंखला भी घरेलू श्रृंखला से फिट इंडिया फिटनेस का एक भाग थी। अभी तक इस कार्यक्रम के अधीन 25 स्वदेशी खेलों को शामिल किया गया है;

ग. चौम्पियनों के साथ फिट इंडिया फिटनेस बातचीत, जिसमें भारतीय एथलीटों ने अपने विद्यार्थी दिनों–उनके संघर्षों और जीत की कहानियों को साझा किया;

घ. श्रृंखला का अप्रैल से जून 2021 तक के लॉकडाउन चरणों के दौरान फिट इंडिया डिजिटल पलेटफार्म पर फिर से ऑनलाईन प्रसारण किया गया।

फिट इंडिया फ्रीडम रन – फिट इंडिया फ्रीडम रन के दूसरे संस्करण का शुभारंभ 13 अगस्त 2021 को नेशनल स्टेडियम, नई दिल्ली से माननीय खेल एवं युवा मामले मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर और माननीय राज्य मंत्री खेल एवं युवा मामले, श्री निशित प्रमाणिक द्वारा किया गया। जिसमें अन्य संगठन जैसे बीएसएफ, आईटीबीपी, सीआईएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी, एनएसजी, भारतीय रेलवे और एनवाईकेएस फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0 प्रारंभ करने के लिए स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्रीय महत्व से संबंधित सुप्रसिद्ध स्थानों से वर्चुअल तरीके से जुड़े। यह आजादी का अमृत महोत्सव के कीर्तिगान में 13 अगस्त से 2 अक्तूबर तक 51 दिन का अभियान था। इस अभियान में कुल 9,03,26,822 लोगों की भागीदारी थी और यह 19,91,29,888 कि.मी. तक फैला।

फिट इंडिया मोबाइल ऐप की माननीय प्रधान मंत्री द्वारा प्रारंभ किए गए 'आयु–उपयुक्त फिटनेस प्रोटोकॉल' के अनुसार नागरिकों को अपनी शारीरिक फिटनेस का मूल्यांकन करने के लिए संकल्पना की गई है। फिट इंडिया मोबाईल ऐप गतिविधि ट्रैकर, कैलोरी गिनती आदि जैसी विशेषताएं भी हैं और यह स्वास्थ्य और फिटनेस में सुधार के तरीके भी सुझाता है। फिट इंडिया मोबाइल ऐप में प्रचलित डाइट प्लान को भी शामिल किया गया है।

यह माननीय खेल एवं युवा मामले मंत्री तथा माननीय राज्य मंत्री, खेल एवं युवा मामले द्वारा 29 अगस्त 2021 यानि फिट इंडिया अभियान की दूसरी जयंती को आरंभ किया गया। यह एंड्रायड और पवे प्लेटफार्म दोनों पर उपलब्ध है और 31.12.2021 तक 2.5 लाख से अधिक लोगों ने फिट इंडिया मोबाइल ऐप को डाऊनलोड किया है।

डाऊनलोड के लिंक निम्नलिखित हैं:

i. Android- https://play.google.com/store/apps/details?id=com.sai.fitIndia

ii. iOS- https://apps.apple.com/us/app/fit-india-mobile-app/id1581063890

फिट इंडिया क्विज फिटनेस और भारत के समृद्ध खेल इतिहास जिसमें सदियों पुराने स्वदेशी खेल शामिल हैं के बारे में विद्यार्थियों में जागरूकता पैदा करने के लिए अपने तत्वज्ञान में देशभर में फैला भारत का पहला क्विज प्रयास है। यह एक वर्चुअल कार्यक्रम के माध्यम से 1 सितम्बर 2021 को माननीय शिक्षा मंत्री की उपस्थिति में माननीय खेल एवं युवा मामले मंत्री द्वारा आरंभ किया गया था। क्विज में विद्यार्थियों, शिक्षकों, स्कूलों और अभिभावकों के लिए **3.25 करोड़ रुपए के पुरस्कार** हैं। स्टार स्पोर्ट्स और अन्य राष्ट्रीय टेलीविजन चैनलों पर नेशनल चरण का प्रसारण किया जाएगा।

क्विज के चार चरणों में निम्न शामिल हैः

क. **पंजीकरणः** स्कूलों को क्विज के लिए विद्यार्थियों का पंजीकरण करना है और नामित करना है। **1.8 लाख से अधिक** विद्यार्थियों ने सफलतापूर्वक पंजीकरण करवाया और 15 नवम्बर से निम्नलिखित चरणों में प्रतिस्पर्धा आरंभ करेंगे।

ख. **प्रारंभिक चरणः** यह राष्ट्रीय परीक्षा एजेन्सी (भारत का प्रतिष्ठित परीक्षा निकाय जो राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाएं जैसे जेईई और नीट आयोजित करती है) द्वारा आयोजित किया जाने वाला एक बहुविकल्पिय आनलाईन चरण होगा। क्षेत्रीय माध्यम से स्कूलों में पढ़ रहे विद्यार्थियों के लाभ के लिए राष्ट्र–व्यापी क्विज 13 भाषाओं में आयोजित किया जाएगा।

ग. राज्य चरणः यह प्रत्येक राज्य/संघ शासित प्रदेश द्वारा फिट इंडिया मिशन के सहयोग से उन स्कूलों के बीच आयोजित किया जाएगा जो प्रारंभिक चरण के बाद योग्य पाए गए हैं। स्कूल की योग्यता की विस्तृत प्रक्रिया की संलग्नक में व्याख्या की गई है। इस चरण के एंकर एक व्यावसायिक क्विज मास्टर होंगे और यह सोशल मीडिया पर वेबकास्ट की जाएगी।

घ. **राष्ट्रीय चरणः** अंतिम चरण जिसमें प्रत्येक राज्य/संघ शासित प्रदेश की विजेता टीम भाग लेगी और फिट इंडिया क्विज 2021 के राष्ट्रीय विजेता के सर्वोच्च खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। द्वितीय स्थान और तृतीय स्थान के पुरस्कारों पर भी निर्णय लिया जाएगा। यह फिट इंडिया आइकॉन द्वारा आयोजित किया जाने वाला एक भव्य कार्यक्रम होगा।

समय सारणीः

क्र.सं.	गतिविधि	आरंभ की तिथि	समाप्ति की तिथि
1.	फिट इंडिया क्विज का शुभारंभ	1 सितम्बर 2021	
2.	पंजीकरण	1 सितम्बर 2021	15 अक्तूबर 2021
3.	प्रारंभिक या एनटीए चरण	प्रथम चक्र – 15 एवं 16 नवम्बर 2021 दूसरा चक्र – 23 एवं 24 दिसम्बर 2021	
4.	राज्य चरण	जनवरी 2022	
5.	राष्ट्रीय चरण	फरवरी 2022	

प्रारंभिक चरण समय सारणी के अनुसार पूरे किए गए।

फिट इंडिया स्कूल सप्ताह – फिट इंडिया स्कूल सप्ताह न केवल बच्चों बल्कि उनके अभिभावकों, शिक्षकों और स्कूल स्टाफ से भी फिटनेस के बारे में जागरूकता पैदा करने की अनिवार्य आवश्यकता के साथ 2019 में शुरू किया गया। इसकी संकल्पना स्वास्थ्य और फिटनेस पर आधारित किसी भी प्रकार की शारीरिक गतिविधि और/या कार्यक्रमों जैसे पेंटिंग प्रतियोगिता, संगोष्ठियां आदि में विद्यार्थियों को संलिप्त कर स्वास्थ्य और फिटनेस की ओर सप्ताह के 4 से 6 दिन तक मनाना है। इस कार्यक्रम को फिट इंडिया अभियान का प्रमुख कार्यक्रम समझा जाता है।

फिट इंडिया स्कूल सप्ताह के तीसरे संस्करण में 14 नवम्बर 2021 से समारोह आरंभ हुए और इन्हें जनवरी 2022 तक मनाने की योजना है। स्कूल शिक्षा तथा साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय ने दिसम्बर 2021 तक 2.5 लाख से अधिक स्कूलों की भागीदारी का समाचार दिया है।

फिट इंडिया स्कूल प्रमाणनः सरल और आसान मानकों के साथ एक प्रणाली बनाई गई है जिसमें स्कूलों को शारीरिक गतिविधियों और स्कूल में उपलब्ध आधारभूत ढ़ांचे के आधार पर फिट इंडिया फ्लैग, 3 स्टार और 5 स्टार प्रमाणपत्र प्रदान किए जाते हैं। फिट इंडिया स्कूल प्रमाणन प्रणाली में ***कुल 4,47,827 स्कूलों को फिट इंडिया फ्लैग प्रदान किए गए हैं। इसके अतिरिक्त कुल 41,110 और 13,017 स्कूलों ने क्रमशः फिट इंडिया 3 स्टार और 5 स्टार प्रमाणन के लिए आवेदन किया है।***

फिट इंडिया चौम्पियन और फिट इंडिया राजदूतः फिट इंडिया मिशन ने फिट इंडिया मिशन पर किन्हीं वित्तीय विवक्षाओं के बिना फिट इंडिया मिशन के कार्यक्रमों/गतिविधियों का प्रचार–प्रसार करने के लिए स्वैच्छिक सेवाएं जैसे उनके सोशल मीडिया नेटवर्क के उत्तोलन के संदर्भ में फिट इंडिया अभियान से जुड़ने के लिए फिटनेस प्रभावकर्ताओं और प्रतिष्ठित व्यक्तियों की एक प्रणाली विकसित की है। इन्हें, इनकी सोशल मीडिया की पहुंच के आधार पर निम्न रूप से तीन श्रेणियों में व्यापक तौर पर श्रेणीबद्ध किया गया हैः

i. **फिट इंडिया आइकॉन** – 10 लाख से अधिक लोगों तक सोशल मीडिया की पहुंच वाले प्रतिष्ठित व्यक्ति।

ii. **फिट इंडिया चौम्पियन** – 1 लाख तथा अधिक व्यक्तियों तक सोशल मीडिया की पहुंच। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र से लोगों को इसमें शामिल किया गया है जिसमें कुछ प्रतिष्ठित व्यक्तित्व जैसे पैरालिम्पियन दीपा मलिक, विश्वनाथन आनंद शामिल हैं।

iii. **फिट इंडिया राजदूत** – 10 हजार से अधिक लोगों तक सोशल मीडिया की पहुंच वाले फिटनेस विशेषज्ञों, फिटनेस प्रचारकों को इस श्रेणी में शामिल किया गया है।

यह प्रणाली फिट इंडिया वेब पोर्टल पर फरवरी 2021 के पहले सप्ताह में आरंभ की गई, यह एक निरंतर प्रक्रिया है जिसमें लोग मापदंड के अनुसार आवेदन करते हैं और उन्हें राजदूत/चौम्पियन के रूप में पहचान मिलती है। 31.12.2021 तक 15 फिट इंडिया आईकॉन, 21 फिट इंडिया चौम्पियन और 128 फिट इंडिया राजदूत इस नेटवर्क के भाग बने हैं।

फिट इंडिया भागीदारी कार्यक्रम और फिट इंडिया एक्टिव रविवारः फिट इंडिया भागीदारी प्रणाली के एक भाग के रूप में विभिन्न संगठनों द्वारा कुल 60+ कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। इसके अलावा, फिट इंडिया के

भागीदार GOQii ने इस वर्ष के दौरान भी फरवरी 2020 में शुरू हुए फिट इंडिया एक्टिव रविवार कार्यक्रम को जारी रखा है और लोगों को 1 घंटे तक व्यायाम करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से अवधि के दौरान 75 एपिसोड (प्रत्येक रविवार) प्रसारित किए गए।

भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग परिसंघ (फिक्की) के सहयोग से फिट इंडिया मिशन ने 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' के साथ फिट इंडिया मिशन के कार्यक्रम की समाभिरूपता के भाग के रूप में और अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह मनाने के लिए 'फिट वुमेन, फिट फैमिली, फिट इंडिया' विषय पर 10 मार्च 2021 को एक वर्चुअल सम्मेलन आयोजित किया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर और नेताजी सुभाष चंद्र बोस की बपौती के 125 वर्ष मनाने के लिए फिट इंडिया मिशन और नेहरू युवा केन्द्र संगठन (एनवाईकेएस) ने जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली में 8 मार्च 2021 को महिलाओं और लड़कियों के लिए 2 कि.मी. की एक पैदल दौड़ आयोजित की। देश को फिट रखने में महिलाओं के महत्व को बढ़ावा देने के लिए माननीय राज्य मंत्री (प्रभारी) खेल एवं युवा मामले मंत्रालय, श्री किरण रिजिजु ने 'फिट इंडिया पैदल दौड़' को हरी झंडी दिखाई। इसी की तर्ज पर एनवाईकेएस ने देशभर में पैदल दौड़ का आयोजन किया।

22 फरवरी 2021 को बेंगलुरू में 'फिट बेंगलुरू फॉर फिट इंडिया' ट्रायथलॉन का आयोजन किया गया। केन्द्रीय खेल मंत्री ने श्री तेजस्वी सूर्या (सांसद, बेंगलुरू दक्षिण) के साथ कार्यक्रम में भाग लिया, जिसमें 3 किलोमीटर जॉगिंग, 1.5 किलोमीटर तक साइकिल चालन, तैराकों और वाटर पोलो खिलाड़ियों के साथ 50 मीटर (2 लैप) तैराकी शामिल थे। कार्यक्रम अल्पावधि के पोलो मैच के साथ समाप्त हुआ।

अन्य प्रमुख उपलब्धियां

राष्ट्रीय नशा – रोधी विधेयक, 2021 पेश करना:

17 दिसम्बर 2021 को लोक सभा में राष्ट्रीय नशा–रोधी विधेयक, 2021 पेश किया गया। विधेयक में खेलों में नशे पर प्रतिबंध तथा खेलों में राष्ट्रीय नशा–रोधी बोर्ड स्थापित करने और नशा–रोधी कार्यक्रम आयोजित करने के लिए एक आधारभूत ढ़ांचे को मजबूत बनाने का प्रस्ताव है। उसके बाद से विधेयक को शिक्षा, महिला, बाल, युवा एवं खेल मामलों की विभाग संबंधी संसदीय स्थायी समिति के पास विचार के लिए भेजा गया है।

राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल) को पुनरू मान्यता मिलना:

विश्व नशा–रोधी एजेन्सी (वाडा) ने 23 दिसम्बर 2021 को राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल) को पुनः मान्यता दे दी जिसे अंतर्राष्ट्रीय प्रयोगशाला मानकों के अननुपालन के कारण अगस्त 2019 में निलंबित कर दिया गया था। निलंबन ने एनडीटीएल को किसी भी नशा रोधी गतिविधि जिसमें मूत्र और रक्त नमूनों की सभी जांच शामिल हैं को करने से प्रतिबंधित कर दिया था। निलंबन अवधि के दौरान नमूनों को विदेश में वाडा द्वारा मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं के पास भेजा जाता था जो कि विदेश में नमूने भेजने में शामिल अत्यधिक लागत और वाडा से मान्यता प्राप्त विदेशी प्रयोगशालाओं द्वारा ली जाने वाली परीक्षण शुल्क की अधिक राशि के कारण देश के लिए अत्यधिक महंगी साबित हुई। एनडीटीएल को मान्यता की पुनः बहाली ने खेलों में उत्कृष्टता के उच्चतम वैश्विक मानकों को हासिल करने में भारत के प्रयासों को बढ़ावा दिया है।

ओलिम्पियनों से भेंट कार्यक्रम:

अभिनव कार्यक्रम "ओलिम्पियनों से भेंट" के अंतर्गत 'संतुलित आहार', फिटनेस और खेलकूद के महत्वपूर्ण विषयों पर स्कूल के बच्चों से बातचीत करने और देशभर में खेलकूद और फिटनेस की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सुप्रसिद्ध खिलाड़ी जैसे कि श्री नीरज चोपड़ा (टोक्यो, 2020 स्वर्ण पदक विजेता, भाला फेंक) ने 04.12.2021 को अहमदाबाद के संस्कार धाम स्कूल का दौरा किया और श्री बजरंग पूनिया (टोक्यो, 2020 कांस्य पदक विजेता, कुश्ती) 23.12.2021 को पानीपत, हरियाणा में आरोही मॉडल स्कूल में गए।

टोक्यो ओलिम्पिक, 2020 में भारत का सराहनीय प्रदर्शन:

- भारत ने 2020 ओलिम्पिक में कुल 7 मेडल जीते जो कि किसी भी ओलिम्पिक में भारत की सर्वाधिक पदकों की संख्या है जिसमें 1 स्वर्ण, 2 रजत और 4 कांस्य शामिल हैं।
- सुश्री मीरा बाई चानु ने 24.07.2021 को 49 कि.ग्रा.

में रजत पदक जीता जो कि ओलिम्पिक में भारोत्तोलन प्रतियोगिता में अभी तक का दूसरा पदक था।

- सुश्री लवलीना बोरोघेन ने 30.07.2021 को वेल्टरवेट बॉक्सिंग में कांस्य पदक जीता।
- पुरूषों की हाकी टीम ने 1980 के ओलिम्पिक में 41 वर्ष बाद टोक्यो, 2020 में कांस्य पदक जीता।
- नीरज चोपड़ा ने स्वर्ण पदक जीता जो कि एथलेटिक्स वर्ग में अब तक का पहला पदक है और किसी भी ओलिम्पिक्स में वैयक्तिक स्वर्ण पदक जीतने वाले वह दूसरे भारतीय हैं।
- सुश्री पी.वी. सिंधु ने महिलाओं की एकल बैडमिंटन में कांस्य पदक जीता और लगातार दो ओलिम्पिक्स में लगातार ओलिम्पिक पदक जीतने वाली दूसरी खिलाड़ी बनीं।
- कुश्ती में, श्री रवि दहिया ने पुरूषों के 57 किग्रा. में रजत पदक जीता और श्री बजरंग पूनिया ने पुरूषों के 65 किग्रा. में कांस्य पदक जीता।

टोक्यो ओलंपिक, 2020 पदक विजेता

(नीरज चोपड़ा एथलेटिक्स, स्वर्ण)

(मीरा बाई चानू, भारोत्तोलन, रजत)

(रवि दहिया, कुश्ती, रजत)

(बजरंग पुनिया, कुश्ती, कांस्य)

लवलीन बोरगोहेन, बॉक्सिंग, कांस्य

पीवी सिंधु, बैडमिंटन, कांस्य

पुरुषों की हॉकी कांस्य पदक

टोक्यो पैरालिम्पिक्स 2020 में भारत का शानदार प्रदर्शन:

- रिकॉर्ड संख्या में 54 पैरा एथलीट ने 9 विभिन्न खेल गतिविधियों में भाग लिया। भारत ने टोक्यो पैरालिम्पिक्स में 19 पदक जीते। टोक्यो से पहले तक, भारत ने पिछले सभी पैरालिम्पिक में कुल केवल 12 पदक जीते थे।
- भारत द्वारा पैरालिम्पिक पदक तालिका में प्राप्त यह (24वीं) सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग भी है। पिछली श्रेष्ठ रैंक 1972 में 25वीं थी।

टोक्यो पैरालिम्पिक्स, मेडल विजेता

अवनि लेखारा, शूटिंग, स्वर्ण एवं कांस्य

भविना पटेल, टेबल टेनिस, रजत

देवेंद्र झाझरिया, भाला, रजत

हरविंदर सिंह, तीरंदाजी, कांस्य

कृष्णा नागर, बैडमिंटन, स्वर्ण

मनीष नरवाल, शूटिंग, स्वर्ण

प्रमोद भगत, बैडमिंटन, स्वर्ण

प्रवीण कुमार, ऊंची कूद, रजत

शरद कुमार, ऊंची कूद,कांस्य

सिंहराज अदाना, शूटिंग, रजत एवं कांस्य

सुमित अंतिल, भाला, स्वर्ण

सुहास यतिराज, बैडमिंटन, रजत

योगेश कथूनिया, डिस्कस थ्रो, रजत

सुंदर सिंह, भाला, कांस्य

मरिअप्पन थगावलु, ऊंची कूद, रजत

निषाद कुमार, ऊंची कूद, रजत

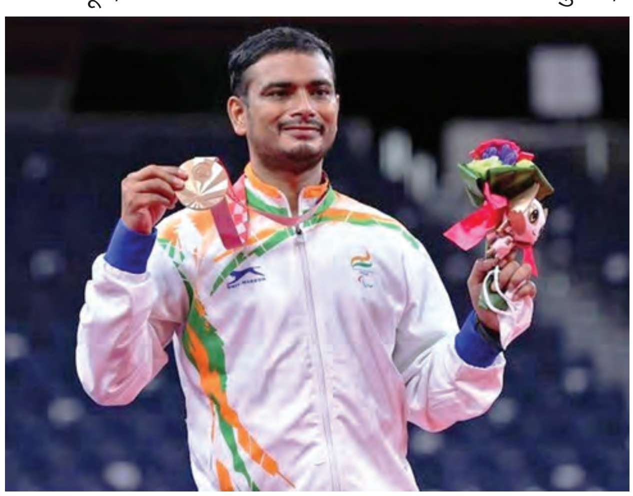

मनोज सरकार, बैडमिंटन, ब्रॉन्ज

मेधावी खिलाड़ियों को सहायता: 22.07.2021 को खेल विभाग ने ऐसे खिलाड़ियों की सहायता के लिए एक अनूठी पहल शुरू की है जो कि मेधावी खिलाड़ी हैं और एशियाई, राष्ट्रमंडल या ओलिम्पिक्स में भारत का प्रतिनिधित्व किया है ताकि वे आईआईएम, रोहतक द्वारा आयोजित किए जाने वाले एक्जीक्यूटिव पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन स्पोर्ट्स मैनेजमेन्ट (ईपीजीडीएसएम) कार्यक्रम में दाखिला ले सकें। विभाग द्वारा ऐसी सहायता ईपीजीडीएसएम पाठ्यक्रम के प्रारंभ होने की तिथि से 5 वर्ष तक जारी रहेगी यानि सितम्बर 2021 से सितम्बर 2026 तक और 5 लाख रुपए प्रति आवेदक तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

#चीयर4इंडिया अभियान: टोक्यो ओलिम्पिक्स में भाग ले रहे भारतीय एथलीटों का हौसला बढ़ाने के लिए, खेलों के दौरान जो कि असाधारण परिस्थितियों में आयोजित किए जाते हैं, एथलीटों के बीच एकता की भावना उत्पन्न करने के लिए, इस अभियान के अंतर्गत एक सोशल मीडिया ग्रुप बनाया गया। जिसमें भाग ले रहे सभी एथलीट, कोच और सहायक स्टाफ इसके सदस्य थे।

भारतीय ओलिम्पिक टीम – 2020 के लिए विषय–धुन (थीम सॉंग) और #चीयर4इंडिया अभियान लांच करना: 24 जून 2021 को नई दिल्ली में टोक्यो 2020 ओलिम्पिक खेलों की भारतीय ओलिम्पिक टीम की आधिकारिक विषय–धुन (थीम सॉंग) लांच किया गया। विभिन्न गतिविधियों जैसे ओलिम्पिक पर प्रश्नोत्तरी, सेल्फी प्वाइंट्स, वाद–विवाद और चर्चाओं के माध्यम से देश भर में #चीयर4इंडिया अभियान भी लांच किया गया। ये गतिविधियां माननीय प्रधानमंत्री की इस सलाह के अनुसरण में शुरू की गई थीं कि टोक्यो ओलिम्पिक्स में जाने वाले भारतीय एथलीटों को समर्थन और प्रोत्साहन देने के लिए सम्पूर्ण राष्ट्र को एकजुट हो जाना चाहिए।

केन्द्रीय एथलीट चोट प्रबंधन प्रणाली (सीएआईएमएस): एथलीटों को दी जाने वाली खेलकूद औषधि तथा पुनर्वास सहायता को सुप्रवाही बनाने के लिए 11 जून 2021 को खेल एवं युवा मामले मंत्रालय द्वारा अपनी तरह की पहली पहल, केन्द्रीय एथलीट चोट प्रबंधन प्रणाली (सीएआईएमएस) लांच की गई। सीएआईएमएस की कोर समिति में इस क्षेत्र के शीर्ष विशेषज्ञ शामिल हैं। सीएआईएमएस से आशा है कि वह एथलीटों की चोटों के प्रबंधन और उपचार के तरीकों में आमूल परिवर्तन करेगी। इसके निम्नलिखित चार ढ़ांचे होंगे: एथलीट सम्पूर्ण स्वास्थ्य प्रकोष्ठ, मैदानी खेल औषधि विशेषज्ञ, राष्ट्रीय संसाधन नामांकित टीमें और एक केन्द्रीय कोर टीम।

भारत में 7 राज्यों में 143 खेलो भारत केन्द्र: खेल विभाग ने 25.05.2021 को 14.30 करोड रुपए के कुल बजट अनुमान के साथ 7 राज्यों में 143 खेलो भारत केन्द्रों का एक और सेट आरंभ किया। इन केन्द्रों में प्रत्येक को एक खेल क्षेत्र की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। राज्यों में महाराष्ट्र, मिजोरम, गोवा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, अरूणाचल प्रदेश और मणिपुर शामिल हैं।

एथलीटों, कोचों और सहायक स्टाफ को चिकित्सा और दुर्घटना बीमा: कोविड–19 महामारी को देखते हुए 20.05.2021 को यह घोषणा की गई कि भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) इस वर्ष से 13,000 से अधिक एथलीटों, कोच और सहायक स्टाफ को चिकित्सा और दुर्घटना बीमा कवर प्रदान करेगा। इसके अंतर्गत सभी राष्ट्रीय शिविरवासियों, संभावित राष्ट्रीय शिविरवासियों, खेलो भारत एथलीटों और एसएआई के उत्कृष्टता केन्द्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे जूनियर शिविरवासियों में प्रत्येक को 5 लाख रुपए का बीमा कवर प्रदान किया जाएगा। जबकि प्रत्येक के लिए 5 लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा होगा, इसमें दुर्घटना या मृत्यु के लिए 25 लाख रुपए का कवर भी शामिल है।

चल रहे कोविड–19 के बीच पूर्व–अंतर्राष्ट्रीय एथलीटों और कोचों को सहायता: यह सुनिश्चित करने के प्रयास में कि कोविड–19 के दौरान पूर्व–अंतर्राष्ट्रीय एथलीटों और कोचों को चिकित्सा, वित्तीय और संभारिकी सहायता प्राप्त हो, खेल विभाग (डीओएस), भारतीय ओलिम्पिक संघ (आईओए) और भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) ने एक विशेष सहायता प्रकोष्ठ का गठन करने के लिए 9 मई 2021 को हाथ मिलाया। निधि पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय खिलाड़ी कल्याण निधि (पीडीयूएनडब्ल्यूएफएस) से जारी की जाएगी, जिसमें दारूण परिस्थिति में रहने वाले खिलाड़ियों और उनके परिवारों को वित्तीय सहायता भी दी जाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर और नेताजी सुभाष चंद्र बोस की विरासत के 125 वर्षों को मनाने के लिए, फिट इंडिया मिशन **और नेहरू युवा केन्द्र संगठन (एनवाइकेएस) ने जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली में 8 मार्च 2021 को**

महिलाओं और लड़कियों के लिए 2 किमी. पैदल दौड़ **का आयोजन किया। माननीय राज्य मंत्री (प्रभारी), खेल एवं युवा मामले मंत्रालय, श्री किरण रिजिजू ने देश को फिट रखने में महिलाओं के महत्व को बढ़ावा देने के लिए 'फिट इंडिया वॉकेथॉन' को हरी झंडी दिखाई। इसी के अनुसरण में एनवाईकेएस ने पूरे भारत में पैदल दौड़ का आयोजन किया।**

खेलो भारत युवा खेल, 2021 में पुरूष तथा महिला श्रेणी दोनों के लिए योगासन खेल को शामिल किया गया। सरकार ने देश में योगासन को एक प्रतियोगी खेल के रूप में बढ़ावा देने और इसके विकास के लिए राष्ट्रीय योगासन खेल संघ (एनवाईएसएफ) को राष्ट्रीय खेल संघ के तौर पर मान्यता **दी। सरकारी मान्यता, एनवाईएसएफ को सभी श्रेणियों, यानि सीनियर, जूनियर और सबजूनियर में राष्ट्रीय चौम्पियनशिप के आयोजन और अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में भागीदारी के लिए वित्तीय सहायता के योग्य बनाती है।**

खेलो भारत शीतकालीन खेलों के दूसरे संस्करण का उद्घाटन 26 फरवरी 2021 को माननीय प्रधान मंत्री द्वारा वर्चुअल तरीके से किया गया। इस खेल प्रतियोगिता का 2 मार्च 2021 को गुलमर्ग, जम्मू एवं कश्मीर में सफलतापूर्वक समापन हुआ। वार्षिक प्रतियोगिता का आयोजन खेल एवं युवा मामले मंत्रालय के सहयोग से जम्मू एवं कश्मीर खेल परिषद और जम्मू एवं कश्मीर शीतकालीन खेल संघ द्वारा किया गया। इस अवसर पर केन्द्रीय खेल मंत्री ने जम्मू एवं कश्मीर में खेल पारिस्थितिकि में आगे वृद्धि करने के लिए योजनाओं की घोषणा की जिसमें एक अत्याधुनिक शीतकालीन खेल अकादमी की स्थापना करना शामिल था।

केन्द्रीय खेल मंत्री ने 28.01.2021 को राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल) और राष्ट्रीय औषधि शिक्षा तथा अनुसंधान संस्थान (निपेर), गुवाहाटी के संयुक्त प्रयासों द्वारा संश्लेषित एंटी–डोपिंग के क्षेत्र में रसायनिक परीक्षण में उपयोग के लिए एक बड़ी खोज संदर्भ वस्तु को लांच **किया।** एनडीटीएल द्वारा इस संदर्भ वस्तु (आरएम) की पहचान विश्वभर में उपलब्ध दुर्लभ आरएम में से एक के रूप में की गई है और विश्व नशा–रोधी एजेन्सी (वाडा) द्वारा मान्यता प्राप्त सभी प्रयोगशालाओं में नशा–रोधी उपायों को मजबूत बनाने के लिए इसका उपयोग किया जाएगा।

केन्द्रीय खेल मंत्री ने 27.01.2021 को "फिट इंडिया स्कूल सप्ताह" के दूसरे संस्करण **का समापन किया।** "फिट इंडिया स्कूल सप्ताह" कार्यक्रम मनाने के लिए केन्द्रीय विद्यालय–2, नौसेना बेस, कोच्चि के विद्यार्थियों द्वारा कार्यक्रम का एक सजीव वर्चुअल प्रदर्शन किया गया जिन्होंने ऑनलाईन सूर्यनमस्कार, मुक्त हस्त व्यायाम, एयरोबिक्स, नृत्य तथा तात्कालिक प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम का आयोजन बच्चों में अपनी दैनिक दिनचर्या में शारीरिक गतिविधि और खेलों को शामिल करने को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया।

देश के खेल नायकों को सम्मानित करने के प्रयास में खेल विभाग ने 17.01.2021 को भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआइ) की सभी आगामी और **अद्यतित खेल सुविधाओं का नामकरण सुप्रसिद्ध एथलीटों के नाम पर** करने का निर्णय लिया है जिन्होंने भारत में खेलों में योगदान दिया है।

भारतीय स्टेट बैंक ने लक्ष्य ओलिम्पिक मंच योजना (टीओपीएस) के अंतर्गत सहायता प्राप्त विशिष्ट एथलीटों की जरूरतों और आवश्यकताओं को पूरा करने के प्रमुख उद्देश्य के साथ 18.01.2021 को **राष्ट्रीय खेल विकास निधि (एनएसडीएफ) को 5 करोड़ रुपए** का योगदान दिया।

केन्द्रीय खेल मंत्री ने 07.01.2021 को **डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज** के परिसर में एक **162 बिस्तरों वाले वातानुकूलित आवासीय हॉस्टल का** उद्घाटन किया। यह सुविधा 12.26 करोड़ रुपए की लागत से स्थापित की गई है जो कि भारतीय निशानेबाजों के लिए एक प्रमुख प्रोत्साहन होगा जो कि पूर्व में शूटिंग रेंज से बाहर आवास में रह रहे थे।

केन्द्रीय खेल मंत्री ने 04.01.2021 को **शिलांग में असम राइफल्स पब्लिक स्कूल (एआरपीएस)** को खेलो इंडिया स्पोर्टस स्कूल के तौर पर आरंभ किया। वर्तमान में खेलों को शिक्षा के साथ एकीकृत करने और इस प्रक्रिया में देश में खेलों का विकास करने और एथलीटों के सम्पूर्ण प्रोफाइल और आऊटलुक को सुधारने के उद्देश्य के साथ देशभर में 9 स्पोर्ट्स स्कूलों को मान्यता दी गई है।

ANNEXURE-I

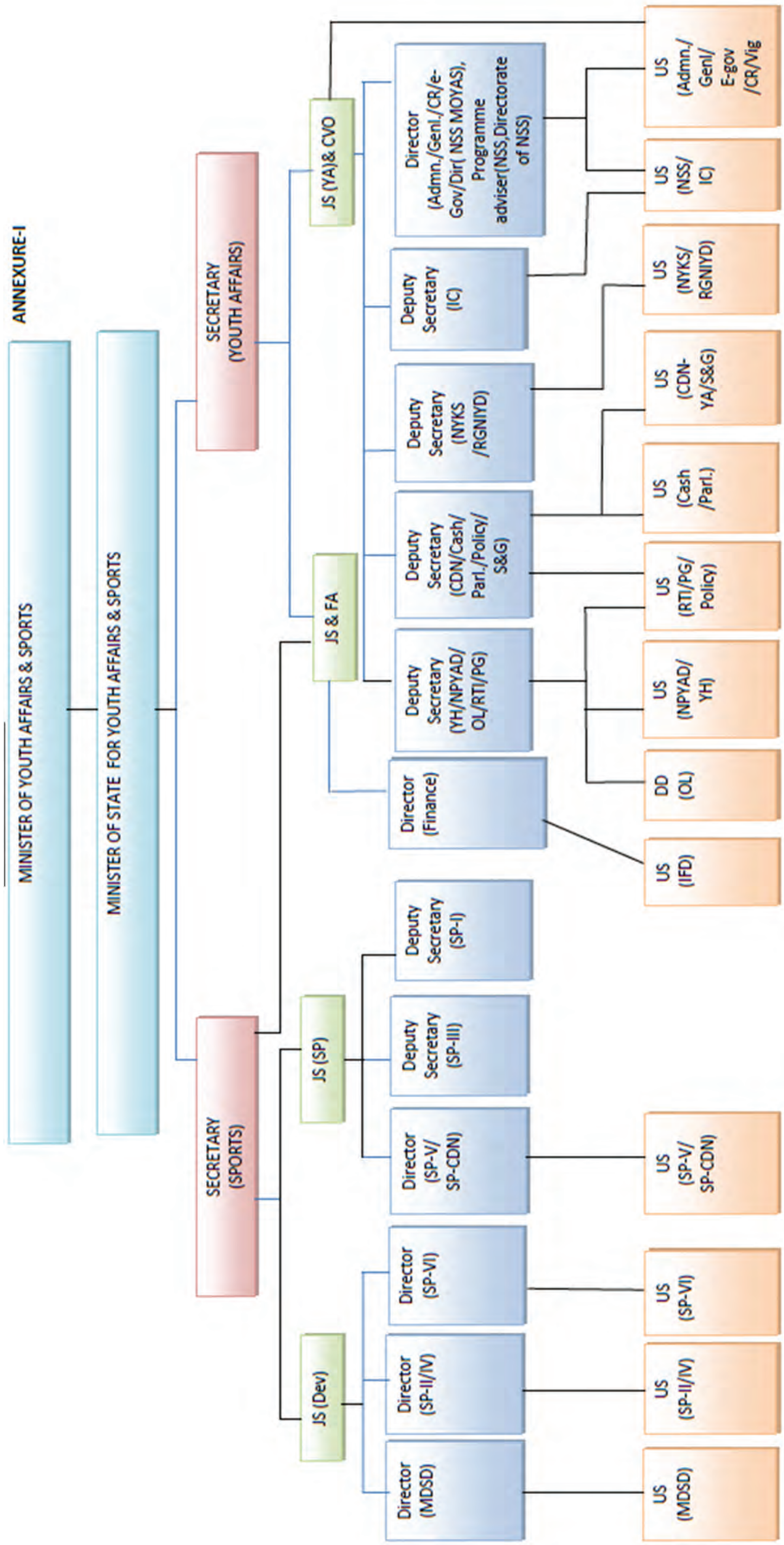
MINISTER OF YOUTH AFFAIRS & SPORTS
MINISTER OF STATE FOR YOUTH AFFAIRS & SPORTS
SECRETARY (YOUTH AFFAIRS)
SECRETARY (SPORTS)
JS (YA)& CVO
JS & FA
JS (SP)
JS (Dev)
Director (Admn./Genl./CR/e-Gov/Dir(NSS MOYAS), Programme adviser(NSS,Directorate of NSS)
Deputy Secretary (IC)
Deputy Secretary (NYKS /RGNIYD)
Deputy Secretary (CDN/Cash/ Parl./Policy/ S&G)
Deputy Secretary (YH/NPYAD/ OL/RTI/PG)
Director (Finance)
Deputy Secretary (SP-I)
Deputy Secretary (SP-III)
Director (SP-V/ SP-CDN)
Director (SP-VI)
Director (SP-II/IV)
Director (MDSD)
US (Admn./ Genl/ E-gov /CR/Vig
US (NSS/ IC)
US (NYKS/ RGNIYD)
US (CDN- YA/S&G)
US (Cash /Parl.)
US (RTI/PG/ Policy)
US (NPYAD/ YH)
DD (OL)
US (IFD)
US (SP-V/ SP-CDN)
US (SP-VI)
US (SP-II/IV)
US (MDSD)

प्रयुक्त सक्षेपाक्षर और उनके अर्थ

JS & FA	:	संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार
JS	:	संयुक्त सचिव
CCA	:	मुख्य लेखा नियंत्रक
DS	:	उप सचिव
DCA	:	उप लेखा नियंत्रक
US	:	अवर सचिव
YA	:	युवा कार्यक्रम
DD	:	उप निदेशक
IC	:	अंतर्राष्ट्रीय सहयोग
OL	:	राजभाषा
NPYAD	:	युवा और किशोर विकास के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम
NSS	:	राष्ट्रीय सेवा योजना
SP	:	स्पोर्ट्स
MDSD	:	मिशन निदेशालय – खेल विकास
ADMN	:	प्रशासन
VIG	:	सतर्कता
PARL	:	संसद
SAI	:	भारतीय खेल प्राधिकरण
NYKS	:	नेहरू युवा केंद्र संगठन
GEN	:	सामान्य
POL	:	नीति
PUB	:	प्रकाशन
YH	:	युवा छात्रावास
RGNIYD	:	राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान
CDN	:	समन्वय
AD	:	सहायक निदेशक
CR	:	केंद्रीय रजिस्ट्री

अनुबंध– II

वित्तीय परिव्यय 2021–22

बजट प्राकलन 2021–22 और संशोधित प्राकलन 2021–22 तथा बजट प्राकलन 2022–23 के लिए वित्तीय परिव्यय नीचे तालिका में दिया गया है

(करोड़ रुपये में)

बजट प्राकलन 2021–22 और संशोधित प्राकलन 2021–22 तथा बजट प्राकलन 2022–23 दर्शाने वाला विवरण

क्र. सं.	स्कीम का नाम	बजट अनुमान 2021.22@	संशोधित अनुमान 2021.22@	बजट अनुमान 2022.23@
युवा कार्यक्रम विभाग				
1	2			
क.	**सचिवालय–सामाजिक सेवा**	**35.00**	**34.02**	**38.10**
ख.				
1.	नेहरू युवा केंद्र संगठन	326.50	365.00	325.00
2.	राष्ट्रीय युवा कोर	75.00	57.50	75.00
3.	युवा नेता कार्यक्रम	14.00	8.00	12.00
4.	राष्ट्रीय युवा और किशोर विकास कार्यक्रम	21.00	24.00	22.00
5.	अंतर्राष्ट्रीय सहयोग	14.00	14.00	20.00
6.	युवा छात्रावास	6.00	4.00	7.50
7.	स्काउटिंग और गाइडिंग	1.50	1.50	1.50
	कुल(ख) आरवाईएसके	**458.00**	**474.00**	**463.00**
ग.	राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)	165.00	231.00	283.50
घ.	राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी)	32.00	25.00	24.00
	सकल योग (क+ख+ग+घ)	**690.00**	**764.02**	**808.60**

@. पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित

वित्तीय परिव्यय 2022–23

बजट प्राकलन 2021–22 और संशोधित प्राकलन 2021–22 तथा बजट प्राकलन 2022–23 के लिए वित्तीय परिव्यय नीचे तालिका में दिया गया है

(करोड़ रुपये में)

वित्तीय परिव्यय 2022–23बजट प्राकलन 2021–22 और संशोधित प्राकलन 2021–22 तथा बजट प्राकलन 2020–21 दर्शाने वाला विवरण

क्र. सं.	स्कीम का नाम	बजट अनुमान 2021.22@	संशोधित अनुमान 2021.22@	बजट अनुमान 2022.23@
	खेल विभाग			
1	2	3	4	5
ड़.	खेल संस्थानों में विकास			
1.	भारतीय खेल प्राधिकरण	660.41	599.00	653.00
2.	लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा विश्वविद्यालय	55.00	52.00	56.00
3.	राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला	12.00	19.00	13.00
4.	राष्ट्रीय डोपरोधी एजेंसी	10.00	15.00	17.00
5.	राष्ट्रीय खेल विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्र (एनसीएसएसआर)	10.00	7.00	7.00
6.	राष्ट्रीय खेल कोचिंग केंद्र	2.00	2.00	2.00
7.	पूर्वोत्तर में खेल विश्वविद्यालय	51.72	66.00	91.00
8.	विश्व डोप–रोधी एजेंसी	2.50	3.00	3.00
	कुल (ड.)	**803.63**	**763.00**	**842.00**
च.				
1.	पुरस्कार	38.00	42.00	40.00
2.	मेधावी खिलाड़ियों को पेंशन	15.00	13.00	15.00
3.	राष्ट्रीय खेल परिसंघों को सहायता	280.00	181.00	280.00
4.	खेलों में मानव संसाधन विभाग	3.80	2.00	4.00
5.	राष्ट्रीय खेल विकास कोष	25.00	5.00	16.00
6.	राष्ट्रीय खिलाड़ी कल्याण कोष	2.00	2.00	2.00
	कुल (च)	**363.80**	**245.00**	**357.00**
छ.				
1.	**खेलो इंडिया**	657.71	869.00	974.00
2.	**एसएआई के स्टेडियमों का नवीकरण–सीडब्ल्यूजी 2010**	30.00	100.00	30.00
3.	जम्मू और कश्मीर में खेल सुविधा का संवर्धन	50.00	15.00	50.00
4.	सेमीनार, समिति की बैठकों आदि पर व्यय	1.00	1.00	1.00
	कुल (छ)	**738.71**	**985.00**	**1055.00**
	सकल योग (ड+च+छ)	1906.14	1993.00	2254.00

@- पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित

अनुबंध–III

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय से संबंधित नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के लंबित पैराओं तथा उनकी वर्तमान स्थिति का ब्यौरा दर्शाने वाला विवरण

क्र. सं.	रिपोर्ट संख्या और वर्ष	पैरा संख्या या अध्याय संख्या	टिप्पणियों का संक्षिप्त विषय या सार	की गई कार्रवाई नोटों की वर्तमान स्थिति
		युवा कार्यक्रम विभाग . 0		
क्र. सं.	रिपोर्ट संख्या और वर्ष	पैरा संख्या या अध्याय संख्या	टिप्पणियों का संक्षिप्त विषय या सार	की गई कार्रवाई नोटों की वर्तमान स्थिति
		खेल विभाग . 5		
1.	2013 की रिपोर्ट संख्या 19	पैरा16.1	भारतीय खेल प्राधिकरण – अनुदानों की अप्रभावी निगरानी मंत्रालय राष्ट्र मंडल खेल 2010 से संबंधित अनुदान जारी करने की प्रभावी निगरानी करने में असफल रहा। इसके परिणामस्वरूप 191.86 करोड़ रु. की निधियां 17 से 26 माह तक एसएआई के पास पड़ी रही। इससे अनुदान के उपयोग को शासित करने वाली स्वीकृतियों के प्रावधानों का उल्लंघन हुआ। इसके अलावा, मंत्रालय ने एसएआई को आगे अनुदान जारी करने से पहले 22.12 करोड़ रु. के अप्रयुक्त गए अनुदान पर अर्जित ब्याज को शामिल नहीं किया।	भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने अप्रयुक्त निधि के एवज में 46.81 करोड़ रूपये 15/11/2021 को और 22.12 करोड़ रूपये 28/10/2021 को अप्रयुक्त आधार पर अर्जित ब्याज के एवज में लौटाए हैं। अंतिम कार्रवाई नोट (एटीएन) निर्धारित प्रारूप में प्रस्तुत किया गया है।
2.	2015 की रिपोर्ट संख्या 18	पैरा14.1	**भारतीय खेल प्राधिकरण – व्यय का निष्क्रिय होना** सुरक्षा मुद्दों पर उचित संज्ञान दिए बिना खेल के बुनियादी ढांचे के निर्माण के परिणामस्वरूप 14.15 करोड़ रुपये का बुनियादी ढांचा बेकार रहा और 1.28 करोड़ रुपये का अनुपयोगी व्यय हुआ। साथ ही आदिवासी युवाओं को खेल प्रशिक्षण देने का उद्देश्य भी पूरा नहीं हुआ।	की गई कार्रवाई नोट (एटीएन) निर्धारित प्रारूप में प्रस्तुत किया गया है और सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के बाद इसे एपीएमएस पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा।
3.	2015 की रिपोर्ट संख्या 18	पैरा14.2	भारतीय खेल प्राधिकरण – अनुपयोगी व्यय पूर्वोत्तर हिल विश्वविद्यालय, शिलांग में साई द्वारा इच्छित सुविधा के उपयोग की व्यवहार्यता का पता लगाए बिना एस्ट्रो टर्फ हॉकी मैदान की स्थापना के लिए स्वीकृति के कारण कार्य को रद्द कर दिया गया। परिणामस्वरूप स्थल पर किया गया 82 लाख रुपये का व्यय अनुपयोगी हो गया।	निर्धारित प्रारूप में की गई कार्रवाई नोट प्रस्तुत किया गया है और इसे सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के बाद एपीएमएस पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा।
4.	2016 की रिपोर्ट संख्या 11	पैरा21.1	लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान, ग्वालियर – सीमा शुल्क का परिहार्य भुगतान एलएनआईपीई, ग्वालियर ने भारतीय खेल प्राधिकरण/राज्य खेल प्राधिकरण के माध्यम से सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक सामग्री आयात करने के लिए मंत्रालय की सलाह का पालन नहीं किया	प्रो. एल.एन. सरकार के विरूद्व उच्च स्तरीय समिति (एचएलसी) की रिपोर्ट लंबित होने के कारण संशोधित एटीएन का उत्तर देना अभी बाकी है

क्र. सं.	रिपोर्ट संख्या और वर्ष	पैरा संख्या या अध्याय संख्या	टिप्पणियों का संक्षिप्त विषय या सार	की गई कार्रवाई नोटों की वर्तमान स्थिति
			जिसके परिणामस्वरूप ब्याज, विलंब शुल्क और अन्य शुल्कों सहित 1.06 करोड़ रूपये के सीमा शुल्क का परिहार्य भुगतान हुआ।	
5.	2021 की रिपोर्ट संख्या 2	पैरा14.1	हिमालयी क्षेत्र खेल महोत्सव, खेलो इंडिया – अप्रयुक्त सहायता अनुदान की वसूली न करना युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने असम राज्य सरकार से 62.44 लाख रुपये के ब्याज के साथ सहायता अनुदान जारी करने के बावजूद हिमालयी क्षेत्र के खेलों का आयोजन नहीं किया।	निर्धारित प्रारूप में की गई कार्रवाई नोट को एपीएमएस पोर्टल पर 27.12.2021 को अपलोड किया गया है

अनुबंध–IV

देश में युवा छात्रावासों का राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार विवरण

क्र. सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में युवा छात्रावासों की संख्या	युवा छात्रावास का स्थान
1.	असम	2	गुवाहाटी, तेजपुर
2.	अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह	1	पोर्ट ब्लेयर
3.	आंध्र प्रदेश	5	कडपा, तिरुपति, विजयवाड़ा, विशाखापत्तनम, विजयनगरम
4.	अरुणाचल प्रदेश	2	नाहरलगुन, रोइंग
5.	बिहार	1	पटना
6.	गोवा	2	पणजी, पेड्डेममापुसा
7.	गुजरात	1	गांधीनगर
8.	हरियाणा	7	भिवानी, गुड़गांव, कुरुक्षेत्र, पंचकुला, रेवाड़ी सिरसा, यमुना नगर
9.	हिमाचल प्रदेश	1	डलहौजी
10.	जम्मू और कश्मीर	2	पटनीटॉप, श्रीनगर
11.	कर्नाटक	4	हसन, मैसूर, सोगलु, तीर्थरामेश्वर
12.	केरल	3	कालीकट (कोझिकोड), एर्नाकुलम (कोच्चि), त्रिवेंद्रम,
13.	मध्य प्रदेश	3	भोपाल, जबलपुर, खजुराहो
14.	महाराष्ट्र	1	औरंगाबाद
15.	मणिपुर	3	चुरडाचांदपुर, इंफाल, थौबल
16.	मेघालय	1	शिलांग
17.	मिजोरम	1	आइजोल
18.	नगालैंड	1	दीमापुर
19.	ओड़िशा	4	गोपालपुर–ऑन–सी, जोशीपुर, कोरापुट, पुरी
20.	पुदुचेरी	1	पुदुचेरी
21.	पंजाब	6	अमृतसर, जालंधर, पटियाला, रोपड़, संगरूर, तरनतारन
22.	राजस्थान	4	अजमेर, जयपुर, जोधपुर, उदयपुर
23.	सिक्किम	1	गंगटोक
24.	तमिलनाडु	5	चेन्नई, मदुरै, ऊटी, तंजावौर, त्रिची
25.	तेलंगाना	3	नागार्जुनसागर, सिकंदराबाद, वारंगल
26.	त्रिपुरा	1	अगरतला
27.	उत्तर प्रदेश	2	आगरा, लखनऊ
28.	उत्तराखंड	4	बद्रीनाथ, मसूरी, नैनीताल, उत्तरकाशी
29.	पश्चिम बंगाल	1	दार्जिलिंग
	कुल :	**73**	

अनुबंध–V

युवा छात्रावासों की सूची जिन्हें नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस)/भारतीय खेल प्राधिकरण (साई)/संबंधित राज्य सरकारों को हस्तांतरित किया गया है

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम	निर्मित युवा छात्रावासों की संख्या	युवा छात्रावास का स्थान
1.	असम	2	गोलाघाट, नागांव
2.	हिमाचल प्रदेश	1	बिलासपुर
3.	जम्मू और कश्मीर	1	नगरोटा
4.	महाराष्ट्र	1	बुलढाणा
5.	मणिपुर	1	उखरूल
6.	मेघालय	1	तुरा
7.	नगालैंड	1	मोकोकचुंग
8.	सिक्किम	1	नामचि
9.	पश्चिम बंगाल	2	चुरुलिया, बर्दवान
	कुलः	**11**	

अनुबंध–VI

01.04.2021 से 31.12.2021 तक की अवधि के दौरान 'खेल आधारभूत ढ़ांचे का उपयोग और सृजन/उन्नयन' के अधीन जारी किए गए अनुदान का विवरण।

(करोड़ रुपए में)

क्र. सं.	राज्य का नाम	परियोजना का नाम	स्वीकृत अनुदान	जारी किया गया अनुदान
1.	आंध्र प्रदेश	आदिलवी नन्नय्या विश्वविद्यालय राजमहेनद्रवरम, पूर्वी गोदावरी जिला में बहु–उद्देश्यीय इंडोर स्टेडियम (60ग40) का निर्माण	4.50	0.00
2.	आंध्र प्रदेश	आदिलवी नन्नय्या विश्वविद्यालय, रामहेनद्रवरम, पूवी गोदावरी जिला में वाटर प्यूरीफायर सहित 50 मीटर मानक स्विमिंग पूल का निर्माण	3.80	0.00
3.	बिहार	सरन में बहुउद्देश्यीय इंडोर हॉल का निर्माण	4.50	0.00
4.	गुजरात	नरनपुरा, अहमदाबादग, गुजरात में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण	583.99	15.00
5.	हरियाणा	ताऊ देवी लाल स्पोर्ट्स कॉम्लेक्स, पंचकुला हरियाणा में सिंथेटिक एथलेटिक वार्मअप ट्रैक और हॉकी एस्ट्रोटर्फ ग्राऊन्ड के साथ–साथ 8 लेन के सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक को पुनरू बिछाना।	14.25	10.69
6.	हरियाणा	ताऊ देवी लाल स्पोर्टस कॉम्प्लेक्स, पंचकुला, हरियाणा में 2 बास्केटबॉल और 2– बॉलीबॉल कोर्ट युक्त पूर्व–निर्मित बहुउद्देश्यीय हॉल।	8.00	6.00
7.	हिमाचल प्रदेश	घुमरविन, जिला बिलासपुर में बहुउद्देश्यीय इंडोर स्पोर्ट्स हॉल का निर्माण	4.50	0.00
8.	हिमाचल प्रदेश	बंगना, उना में बहुउद्देश्यीय इंडोर स्पोर्ट्स हॉल का निर्माण	4.50	0.00
9.	कर्नाटक	बेंगलुरू में श्री कंतीर्व इंडोर स्टेडियम में एफओपी का उन्नयन, छत का वाटर प्रूफिंग का कार्य, दर्शक दीर्घाओं का पुनर्निर्माण और सुविधाओं का उन्नयन	10.00	0.00
10.	कर्नाटक	बेंगलुरू में श्री कंतीर्व इंडोर स्टेडियम में एफओपी का उन्नयन और पुनर्निर्माण	3.75	0.00
11.	कर्नाटक	हॉकी स्टेडियम, शांतिनगर, बेंगलुरू में एफओपी का उन्नयन	1.25	0.00
12.	पंजाब	गुरू नानक देव स्टेडियम,जिला अमृतसर में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक बिछाना	7.00	0.00
		कुल	**650.04**	**31.69**

खेलों इंडिया के अंतर्गत 01.04.2021 से पहले स्वीकृत परियोजनाओं की परवर्ती किश्तों के तौर पर जारी की गई राशि

(राशि लाख रुपए में)

क्र. सं.	राज्य का नाम	परियोजना का नाम	जारी किया गया अनुदान
1.	अरूणाचल प्रदेश	तवांग, अरूणाचल प्रदेश में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का निर्माण	250
2.	अरूणाचल प्रदेश	कियित, अरूणाचल प्रदेश में बहुउद्देश्यीय हॉल	300
3.	अरूणाचल प्रदेश	एडीसी, अरूणाचल प्रदेश में बहुउद्देश्यीय हॉल	300
4.	बिहार	सैदपुर कैम्पर, पटना विश्वविद्यालय, पटना बिहार राज्य खेल प्राधिकरण में स्विमिंग पूल का निर्माण	250
5.	बिहार	रंग भूमि मैदान, पूर्णिया विश्वविद्यालय, पूर्णिया बिहार राज्य खेल प्राधिकरण में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक	350
6.	बिहार	बिहार राज्य खेल प्राधिकरंगण, बिहार कृषि विश्वविद्यालय, भागलपुर, स्विमिंग पूल का निर्माण	250
7.	बिहार	जे.पी. विश्वविद्यालय राहुल संक्रितायन नगर, छपरा, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक विछाना	350
8.	छत्तीसगढ़	इंदिरा प्रियदर्शनी स्टेडियम, जगदलपुर छत्तीसगढ़ में सिंथेटिक टर्फ	250
9.	छत्तीसगढ़	नगर पालिका निगम अम्बिकापुर नगर निगम, अम्बिकापुर	203.3
10.	छत्तीसगढ़	जसपुर नगर जशपुर जिला, छत्तीसगढ़, मुख्यमंत्री युवा भारत दर्शन योजना समिति में सिंथेटिक हॉकी टर्फ मैदान बिछाना	120.76
11.	दिल्ली	मेजर ध्यान चंद स्टेडियम में स्क्वैश कोर्ट	300
12.	गोवा	सांता क्रूज, गोवा में फुटबॉल मैदान में सिंथेटिक टर्फ	212
13.	गुजरात	गुजरात खेल विश्वविद्यालय में बहुउद्देश्यीय हॉल	300
14.	गुजरात	देवगढ़बरिया गुजरात खेलो इंडिया में सिंथेटिक हॉकी टर्फ	188.38
15.	गुजरात	स्वर्णिम गुजरात खेल विश्वविद्यालय, स्विमिंग पूल का निर्माण, गुजरात	125
16.	हिमाचल प्रदेश	राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, माजरा, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश खेल परिषद में सिंथेटिक हॉकी मैदान	275
17.	जम्मू एवं कश्मीर	आईयूएसटी, सिंथेटिक टर्फ फुटबॉल मैदान का निर्माण	100
18.	कर्नाटक	बहुउद्देश्यीय हॉल चिकमंगलूर, कर्नाटक	224
19.	कर्नाटक	कर्नाटक, चिकमंगलूर में एथलेटिक ट्रैक	337.22
20.	कर्नाटक	जिला स्टेडियम कोप्पल, कर्नाटक में बहुउद्देश्यीय हॉल का निर्माण, पहली किश्त	192.706
21.	केरल	राजकीय मेडिकल कॉलेज, कन्नूर, केरल में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक	347

क्र. सं.	राज्य का नाम	परियोजना का नाम	जारी किया गया अनुदान
22.	केरल	जीएचएसएस थ्रिसूर, केरल में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक	350
23.	मणिपुर	मणिपुर के 8 ब्लॉक में खेल ढ़ांचा	832
24.	मणिपुर	बिश्नुपुर जिला मुख्यालय, मणिपुर में आरसीसी गैलरी शौचालय, चेंज रूम सहित स्विमिंग पूल का निर्माण	248
25.	मणिपुर	बहुउद्देश्यीय इंडोर हॉल, मयांग, इम्फाल, मणिपुर	208
26.	मिजोरम	मुआलुंगथु, एजवाल, मिजोरम में सिंथेटिक फुटबाल टर्फ बिछाना	300
27.	मिजोरम	मुआलुंगथु, एजवाल, जिला, मिजोरम में सिंथेटिक फुटबाल टर्फ बिछाना	250
28.	पंजाब	श्रीमती लाजवंती खेल परिसर, होशियारपुर, पंजाब में बहुउद्देश्यीय इंडोर हॉल का निर्माण	75
29.	पंजाब	खेलो इंडिया योजना के अंतर्गत गुरू नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, पंजाब में खेल सुविधाएं स्थापित करने के लिए प्रस्ताव	620
30.	पंजाब	पंजाब राज्य खेल परिषद	263.5
31.	पंजाब	फिरोजपुर, पंजाब, पंजाब राज्य खेल परिषद में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का निर्माण	350
32.	एसएआई	भारतीय खेल प्राधिकरण	2115
33.	एसएआई	300 बिस्तर वाले हॉस्टल के लिए एसएआई को अनुदान	3500
34.	एसएआई	भारतीय खेल प्राधिकरण	199
35.	सिक्किम	जोरथांग, दक्षिण सिक्किम में बहुउद्देश्यीय इंडोर जिम्नेजियम हॉल का निर्माण	223
36.	सिक्किम	पालजोर स्टेडियम, सिक्किम में सिंथेटिक टर्फ फुटबाल मैदानों का निर्माण	245
37.	सिक्किम	फोडोंग मोनेस्टिक स्कूल, सिक्किम में संबद्ध सुविधाओं सहित खेल के मैदान और तीरंदाजी मैदान का निर्माण	79.21561
38.	तमिल नाडु	पेरियार विश्वविद्यालय के मुख्य कैम्पस में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक बिछाने के लिए प्रस्ताव	300
39.	तेलंगाना	उस्मानिया विश्वविद्यालय सिंथेटिक एथलेटिक टैक	312.47
40.	तेलंगाना	उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना में स्विमिंग पूल का निर्माण	208.5
41.	तेलंगाना	उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, सिंथेटिक टेनिस कोर्ट	59.67
42.	तेलंगाना	तेलंगाना खेल प्राधिकरण	240

क्र. सं.	राज्य का नाम	परियोजना का नाम	जारी किया गया अनुदान
43.	त्रिपुरा	दशरथ देब खेल परिसर बधारघाट, अगरतला, त्रिपुरा में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का निर्माण	324
44.	त्रिपुरा	क्षेत्रीय शारीरिक शिक्षा कॉलेज, पणिसागर उत्तर, त्रिपुरा में स्विमिंग पूल का निर्माण	228
45.	उत्तर प्रदेश	गांव कोटरा, पोस्ट जयराजपुर, ब्लॉक खंड तड़ियावां, हरदोई, उत्तर प्रदेश में प्राकृतिक फुटबॉल कोर्ट और एथलेटिक ट्रैक युक्त बहुउद्देश्यीय हॉल का निर्माण	222.5
46.	उत्तर प्रदेश	भीमराव अम्बेडकर खेल परिसर, लालपुर स्पोर्ट्स कॉलेज सोसाइटी गुडाम्बा, उत्तर प्रदेश में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक बिछाना	107
47.	उत्तर प्रदेश	वीर बहादुर स्पोर्ट्स कॉलेज, गोरखपुर, स्पोर्ट्स कॉलेज सोसाइटी गुडम्बा, उत्तर प्रदेश में एमपीएच का निर्माण	100
48.	उत्तर प्रदेश	स्पोर्ट्स स्टेडियम, सहारनपुर, स्पोर्ट्स कॉलेज सोसाइटी, गुडम्बा, उत्तर प्रदेश में 400 मी. सिंथेटिक एथलेटिक रनिंग ट्रैक बिछना	100
49.	उत्तर प्रदेश	कैलाश प्रकाश स्टेडियम, मेरठ, स्पोर्ट्स कॉलेज सोसाइटी, गुडम्बा, उत्तर प्रदेश में सिंथेटिक हॉकी मैदान बिछाना	100
50.	उत्तर प्रदेश	गांव बरागदरिया निकट सूदीपुर, ब्लॉक डुबोलिया, तेहसील हरइया, जिला बस्ती, महानिदेशक प्रांतीय रक्षक दल, उत्तर प्रदेश में एथलेटिक ट्रैक सहित एमपीएच का निर्माण	48
51.	उत्तर प्रदेश	गांव मडगांव, ब्लॉक मोहम्मदाबाद, जिला फर्रूखाबाद, महानिदेशक प्रांतीय रक्षक दल, उत्तर प्रदेश में एथलेटिक ट्रैक सहित एमपीएच का निर्माण	80
52.	उत्तर प्रदेश	गांव सुन्नामई, निकट रोडवेज वर्कशाप, ब्लॉक सुल्तानगंज, जिला मैनपुरी, उत्तर प्रदेश महानिदेशक प्रांतीय रक्षक दल, उत्तर प्रदेश में एथलेटिक ट्रैक सहित एमपीएच का निर्माण	41
53.	उत्तर प्रदेश	गांव अलाहदादपुर, ब्लॉक धनीपुर, जिला अलीगढ़, उत्तर प्रदेश महानिदेशक प्रांतीय रक्षक दल, उत्तर प्रदेश में एमपीएच का निर्माण	152.5
54.	उत्तर प्रदेश	गांव सिमरिया, तालुक महाराजपुर पुरनपुर, जिला पिलिनहिट, उत्तर प्रदेश, महानिदेशक प्रांतीय रक्षक दल, उत्तर प्रदेश में एमपीएच का निर्माण	200
55.	उत्तर प्रदेश	गांव गणेशपुर, ब्लॉक फरेन्डा, जिला महाराजगंज, उत्तर प्रदेश, महानिदेशक प्रांतीय रक्षक दल, उत्तर प्रदेश में एमपीएच का निर्माण	23
56.	उत्तर प्रदेश	गांव पतेहरा कलां, जिला मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश, महानिदेशक प्रांतीय रक्षक दल, उत्तर प्रदेश में एमपीआईएच का निर्माण	83

क्र. सं.	राज्य का नाम	परियोजना का नाम	जारी किया गया अनुदान
57.	उत्तर प्रदेश	गांव धारौली, पोस्ट बनीकोदर, जिला बाराबांकी, उत्तर प्रदेश, महानिदेशक प्रांतीय रक्षक दल, उत्तर प्रदेश में एमपीआईएच का निर्माण	100
58.	उत्तर प्रदेश	गांव राफत नगर, संथारा ब्लॉक, निधौली कलां, तहसील एटा, उत्तर प्रदेश महानिदेशक प्रांतीय रक्षक दल, उत्तर प्रदेश में एमपीआईएच का निर्माण	113
59.	उत्तर प्रदेश	गांव धेदुई, ब्लॉक पट्टी, जिला प्रतापगढ़, उत्तर प्रदेश, महानिदेशक प्रांतीय रक्षक दल, उत्तर प्रदेश में एमपीआईएच और रनिंग ट्रैक का निर्माण	56
60.	उत्तर प्रदेश	ग्राम मिधौली, ब्लॉक छिब्रामाऊ, जिला कन्नौज, उत्तर प्रदेश, महानिदेशक प्रांतीय रक्षक दल, उत्तर प्रदेश में एमपीएच 400 मीटर प्राकृतिक रनिंग ट्रैक का निर्माण	135
61.	उत्तराखंड	गणेशपुर, कालाखेड़ा, उधम सिंह नगर, उत्तराखंड में बहुउद्देश्यीय इंडोर हॉल की पहली किश्त	184.21925
		कुल	**18600.94086**

अनुबंध –VII

01.04.2021 से 31.12.2021 की अवधि के दौरान खेलो इंडिया योजना के अन्य कार्यक्षेत्रों के तहत जारी अनुदान का विवरण।

(करोड़ रुपये में)

क्र.सं.	कार्यक्षेत्र	जारी की गई राशि
1	खेल के मैदानों का विकास	0.50
2	राज्य स्तरीय खेलो इंडिया केंद्र	54.10
3	वार्षिक खेल प्रतियोगिता	38.28
4	राष्ट्रीय/क्षेत्रीय/राज्य खेल अकादमियों को सहायता	38.14
5	प्रतिभा खोज एवं विकास	59.32
6	स्कूल जाने वाले बच्चों की शारीरिक फिटनेस	9.45
7	महिलाओं के लिए खेल	1.27
8	शांति और विकास के लिए खेल	0.00
9	विकलांग व्यक्तियों के बीच खेल को बढ़ावा देना	1.25
10	ग्रामीण और स्वदेशी/आदिवासी खेलों को बढ़ावा देना	5.53
	कुल	**207.84**

अनुबंध –VIII

राष्ट्रीय खेल संघ (एनएसएफ) द्वारा 01.04.2021 से 31.12.2021 तक किए गए व्यय का विवरण दर्शाने वाला विवरण

(लाख रुपये में)

क्र.सं.	संघ का नाम	राशि
1	इंडियन पेनकैक सिलाट फेडरेशन	9.00
2	अखिल भारतीय शतरंज संघ	14.56
3	अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ	412.18
4	बधिरों की अखिल भारतीय खेल परिषद	13.85
5	भारतीय तीरंदाजी संघ	201.05
6	एथलेटिक फेडरेशन ऑफ इंडिया	73.60
7	बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया	53.48
8	बॉल बैडमिंटन फेडरेशन ऑफ इंडिया	1.25
9	बिलियर्ड्स एंड स्नूकर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया	1.64
10	बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया	288.19
11	साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया	138.11
12	फेंसिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया	60.66
13	कसरत	10.38
14	हैंडबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया	8.00
15	हॉकी इंडिया	111.40
16	भारतीय गोल्फ संघ	44.34
17	भारतीय ओलंपिक संघ	326.26
18	भारतीय कयाकिंग और कैनोइंग एसोसिएशन	136.62
19	भारतीय भारोत्तोलन संघ	113.74
20	खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया	42.74
21	कुडो इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ इंडिया	18.00
22	मल्लखंब फेडरेशन ऑफ इंडिया	7.16
23	नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया	624.59
24	राष्ट्रीय फिलम विकास	224.79
25	नेटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया	12.50

क्र.सं.	संघ का नाम	राशि
26	राष्ट्रीय योगासन खेल संघ	16.50
27	भारत की पैरा ओलंपिक समिति	210.31
28	रोलर स्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया	36.52
29	रोइंग फेडरेशन ऑफ इंडिया	4.74
30	शूटिंग बॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया	20.25
31	सॉफ्ट टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया	5.25
32	सॉफ्टबॉल एसोसिएशन ऑफ इंडिया	17.21
33	विशेष ओलंपिक भारत	6.42
34	स्पार्कटाक्रॉ फेडरेशन ऑफ इंडिया	8.00
35	स्क्वैश रैकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया	15.00
36	स्विमिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया	23.39
37	टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया	98.61
38	टेनिस बॉल क्रिकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया	22.38
39	वॉलीबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया	8.46
40	रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया	132.03
41	यॉचिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया	68.68
	सकल योग	**3641.83**

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

सी-विंग, शास्त्री भवन, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मार्ग, नई दिल्ली-110001
www.yas.nic.in

Designed & Printed at : Indu Cards & Graphics, 9811419531